एनिड ब्लाइटन™

फ़ेमस 5

फ़ेमस फ़ाइव स्मगलरों के बीच

Hindi Translation of Five Go to Smuggler's Top

Enid Blyton

फ़ेमस 5

फ़ेमस फ़ाइव
स्मगलरों के बीच

फ़ेमस 5

फ़ेमस फ़ाइव स्मगलरों के बीच

एनिड ब्लाइटन™

अनुवादकः डॉ. सुधीर दीक्षित, रजनी दीक्षित

MANJUL

मंजुल पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड

Published in India by:

Manjul Publishing House Pvt. Ltd.
10, Nishat Colony, Bhopal, INDIA 462003
Phone: 91-755-4240340, Fax: 91-755-2736919
E-mail: manjul@manjulindia.com
Website : www.manjulindia.com

© 1945 Enid Blyton Limited, a Chorion company. All rights reserved.
Enid Blyton's signature mark and The Famous Five are registered trademarks of Enid Blyton Limited.

First published as "*Five go to Smuggler's Top*" : 1945 Hodder and Stoughton, London.

Hindi language edition first published: 2006

ISBN 81 - 8322 - 048 - 7

Distributed by:

Full Circle Publishing Pvt. Ltd., New Delhi

Translation by : Dr. Sudhir Dixit, Rajni Dixit
Editing by : Shivesh Shrivastava

Printed & bound in India by:
Thomson Press (India) Ltd., New Delhi, INDIA

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form, or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

अनुक्रमणिका

1	वापस किरिन कॉटेज में	1
2	रात की दुर्घटना	13
3	क्वेंटिन अंकल की तरकीब	25
4	स्मगलर विला	37
5	सूटी लेनॉयर	49
6	सूटी के सौतेले डैडी	61
7	छिपा हुआ गड्ढा	73
8	रोमांचक सैर	85
9	मीनार पर कौन है?	97
10	टिमी शोर मचाता है	109
11	जॉर्ज चिंता में पड़ गई	121
12	ब्लॉक हैरान रह जाता है	133
13	बेचारी जॉर्ज!	145
14	हैरानी की बात!	159
15	अजीब घटनाएँ	169
16	अगली सुबह	181
17	गुत्थी और उलझ गई	193

18 अजीब खोजें 205
19 मिस्टर बार्लिंग की बातें 217
20 टिमी बचाव के लिए आता है 231
21 पहाड़ी की यात्रा 243
22 आख़िर सब कुछ ठीक हो जाता है 253

1

वापस किरिन कॉटेज में

सुबह सुहानी थी। ईस्टर की छुट्टियाँ शुरू हो गई थीं। चार बच्चे एक कुत्ते के साथ ट्रेन से जा रहे थे।

'जल्दी ही किरिन पहुँच जाएँगे,' जूलियन बोला, जो ऊँचा-पूरा और दृढ़ निश्चयी था।

'भौं,' टिमोथी नाम के कुत्ते ने भी रोमांचित होकर खिड़की से बाहर देखने की कोशिश की।

'नीचे उतरो, टिम,' जूलियन बोला। 'एन को देखने दो।'

एन उसकी छोटी बहन थी। खिड़की में से झाँकते हुए वह बोली, 'हम किरिन स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म पर पहुँचने ही वाले हैं! उम्मीद है कि फ़ैनी आंटी हमें लेने आई होंगी।'

'ज़रूर आई होंगी!' उसकी चचेरी बहन जॉर्जिना बोली। वह लड़की कम, लड़का ज़्यादा दिखती थी, क्योंकि उसने अपने घुँघराले बाल बहुत छोटे कटवा लिए थे। जूलियन की तरह ही उसका चेहरा भी दृढ़ निश्चयी था। एन को हटाकर वह खिड़की से झाँकने लगी।

वह बोली, 'घर लौटना अच्छा लग रहा है। मुझे स्कूल पसंद तो है, लेकिन किरिन कॉटेज में रहना ज़्यादा मज़ेदार लगता है। शायद हम सभी किरिन टापू पर जाकर पुराने खंडहर महल की सैर कर सकते हैं। हम वहाँ पिछली गर्मी के बाद से गए भी तो नहीं हैं।'

'अब बाहर देखने की डिक की बारी है,' जूलियन ने अपने छोटे भाई डिक की तरफ़ मुड़ते हुए कहा, जो बर्थ के एक कोने में बैठकर किताब पढ़ रहा था। 'डिक, किरिन आने ही वाला है। क्या तुम एक सेकंड के लिए पढ़ना बंद नहीं कर सकते?'

'यह किताब बहुत ही दिलचस्प है,' डिक ने किताब बंद करते हुए कहा। 'मैंने आज तक इससे ज़्यादा रोमांचक कहानी नहीं पढ़ी!'

'हुँह! मैं शर्त लगाती हूँ कि अब तक *हमने* जितने रोमांचक कारनामे किए हैं, यह किताब उतनी रोमांचक तो नहीं होगी!'

यह बिलकुल सच था। उन पाँचों ने मिलकर बहुत ही हैरतअंगेज़ और रोमांचक कारनामे किए थे। पाँचों में टिमी भी शामिल था, जो हमेशा हर काम में उनके साथ ही रहता था। लेकिन इस बार ऐसा लग रहा था जैसे उनकी छुट्टियाँ शांति से बीतेंगी। जॉर्ज की नाव से किरिन टापू पर घूमने जाने के अलावा उन्हें किसी रोमांचक अभियान की उम्मीद नहीं थी।

'मैंने इस बार स्कूल में डटकर पढ़ाई की है,' जूलियन बोला। 'मुझे छुट्टियों की सख़्त ज़रूरत थी।'

'शायद इसीलिए तुम दुबले हो गए हो,' जॉर्जिना बोली। उसे कोई जॉर्जिना नहीं कहता था। सभी उसे जॉर्ज ही कहते थे, क्योंकि वह जॉर्जिना नाम से बुलाने पर जवाब ही नहीं देती थी। जूलियन मुस्कराया।

उसने कहा, 'चिंता मत करो, मैं किरिन कॉटेज में कुछ समय रहूँगा, तो मोटा हो जाऊँगा! फ़ैनी आंटी इस बात का ध्यान रखेंगी। वे बच्चों को खिला-पिलाकर मोटा करने की बहुत बढ़िया कोशिश करती हैं। जॉर्ज, तुम्हारी मम्मी से दोबारा मिलकर हमें बहुत अच्छा लगेगा। वे बहुत ही अच्छी हैं।'

जॉर्ज बोली, 'हाँ। मुझे उम्मीद है कि इन छुट्टियों में डैडी का मूड भी अच्छा रहेगा। मम्मी कहती हैं कि उन्होंने अभी हाल कुछ नए प्रयोग किए हैं, जो काफ़ी सफल रहे हैं।'

जॉर्ज के डैडी वैज्ञानिक थे और हमेशा नए-नए प्रयोग करते रहते थे। उन्हें घर में शांति अच्छी लगती थी और जब उन्हें शांति नहीं मिल पाती थी या जब घर में चीज़ें उनके हिसाब से नहीं होती थीं, तो वे नाराज़ हो जाते थे। बच्चे अक्सर सोचते थे कि ग़ुस्से के मामले में जॉर्जिना भी अपने डैडी जैसी ही थी! जब चीज़ें उसके हिसाब से नहीं होती थीं, तो वह भी ग़ुस्से से भड़क जाती

थी।

फ़ैनी आंटी बच्चों को लेने के लिए स्टेशन आई थीं। ट्रेन रुकते ही चारों बच्चे प्लेटफ़ॉर्म पर कूद गए और उनसे गले मिलने के लिए भागे। जॉर्ज उनके पास सबसे पहले पहुँची। वह अपनी मम्मी से बहुत प्यार करती थी और उसकी मम्मी अक्सर उसे डैडी के ग़ुस्से से बचाने की कोशिश करती थीं। टिमी उनके चारों तरफ़ उछलता रहा और ख़ुशी से भौंकता रहा। जॉर्ज की मम्मी उसे भी बहुत अच्छी लगती थीं।

जॉर्ज की मम्मी ने उसे प्यार से थपथपाया और टिमी ने खड़े होकर उनका चेहरा चाटने की कोशिश की। वे हँसते हुए बोलीं, 'टिमी तो पहले से काफ़ी बड़ा हो गया है। नीचे उतरो, टिमी! तुम तो मुझे गिरा ही दोगे।'

टिमी अब वाक़ई काफ़ी बड़ा हो गया था। सभी बच्चे उससे प्यार करते थे, क्योंकि वह वफ़ादार था, समझदार था और उन सभी से प्यार करता था। वह अपनी भूरी आँखों से सबको देखता रहा और उनकी ख़ुशी को देखकर ख़ुश होता रहा। टिमी हर सुख-दुख में उनका बराबर का साथी था।

लेकिन ज़ाहिर है, वह अपनी मालकिन जॉर्ज से सबसे ज़्यादा प्यार करता था। उसने उसे तब से पाला था, जब वह छोटा सा पिल्ला था। वह उसे अपने साथ स्कूल भी ले गई थी, क्योंकि वह और एन जिस बोर्डिंग

स्कूल में पढ़ती थीं, वहाँ पालतू जानवरों को रखने की इजाज़त थी। वरना जॉर्ज वहाँ पढ़ने के लिए कभी तैयार नहीं होती!

वे सभी घोड़ागाड़ी में बैठकर किरिन चल दिए। हवा बहुत तेज़ चल रही थी और मौसम ठंडा था। बच्चों ने काँपते हुए अपने कोट शरीर से चिपका लिए।

'बहुत ठंड है,' एन दाँत किटकिटाते हुए बोली। 'आज तो सर्दी के मौसम से भी ज़्यादा ठंड लग रही है!'

'यह हवा के कारण है,' आंटी ने एन पर एक कंबल डालते हुए कहा। 'एक-दो दिन से बहुत तेज़ हवा चल रही है। मछुआरों को लगता है कि भयंकर तूफ़ान आने वाला है, इसलिए उन्होंने अपनी नावें समुद्र तट से काफ़ी ऊपर खींच ली हैं।'

समुद्र तट के पास से गुज़रते समय बच्चों ने देखा कि नावें सचमुच तट से काफ़ी ऊपर खींच ली गई थीं। वे इसी तट पर अक्सर नहाया और तैरा करते थे। लेकिन इतनी ठंड में उनकी नहाने की बिलकुल इच्छा नहीं थी। इसके ख़्याल से ही उन्हें कँपकँपी छूट रही थी।

हवा गरज रही थी। बड़े-बड़े बादल आसमान में सरपट भाग रहे थे। लहरें समुद्र तट से टकराकर भयंकर शोर मचा रही थीं। लहरों के इस शोर से टिमी उत्तेजित हो गया और भौंकने लगा।

'चुप रहो, टिम,' जॉर्ज ने उसे थपथपाते हुए कहा।

'अब हम घर लौट आए हैं। तुम यहाँ एक अच्छे कुत्ते की तरह रहना, वरना डैडी तुमसे नाराज़ हो जाएँगे। मम्मी, क्या डैडी अपने काम में बहुत व्यस्त हैं?'

'बहुत,' मम्मी बोलीं। 'लेकिन अब तुम लोग घर आ गए हो, इसलिए वे बहुत कम काम करेंगे। अगर मौसम अच्छा रहा, तो वे तुम्हारे साथ घूमने या नाव में सैर करने जाएँगे।'

बच्चों ने एक-दूसरे की तरफ़ देखा। क्वेंटिन अंकल का साथ बहुत मज़ेदार नहीं रहेगा। उन्हें हँसी-मज़ाक़ की ज़रा भी समझ नहीं थी। जब बच्चों को हँसी के दौरे पड़ते थे, जो दिन में दर्जनों बार पड़ते थे, तो उन्हें उसका कारण ही समझ में नहीं आता था।

डिक ने धीरे से जूलियन से कहा, 'अगर क्वेंटिन अंकल ज़्यादातर वक़्त हमारे साथ रहे, तो छुट्टियाँ ज़्यादा मज़ेदार नहीं रहेंगी।'

'श्श्श,' जूलियन ने उसे चुप करते हुए कहा। उसे डर था कि उसकी आंटी ने अगर यह बात सुन ली, तो वे बुरा मान जाएँगी। जॉर्ज के माथे पर बल पड़ गए।

'ओह मम्मी! अगर डैडी हमारे साथ रहे, तो वे बहुत बोर हो जाएँगे - और हम भी।'

जॉर्ज बहुत मुँहफट थी। वह अपनी जीभ पर क़ाबू नहीं रख पाती थी। उसकी मम्मी आह भरते हुए बोलीं, 'ऐसा मत कहो, बेटा। मुझे लगता है कि कुछ समय बाद

तुम्हारे डैडी तुम लोगों के साथ रहते-रहते उकता जाएँगे। लेकिन तुम बच्चों के साथ घूमने-फिरने से वे तरोताज़ा हो जाएँगे।'

जब घोड़ागाड़ी पुराने मकान के बाहर पहुँची, तो जूलियन बोला, 'लो हम किरिन कॉटेज पहुँच गए! ओह फ़ैनी आंटी, हवा कितनी तेज़ी से गरज रही है!'

'हाँ। कल रात को भी इसने काफ़ी शोर मचाया था,' उसकी आंटी ने कहा। 'सामान उतारने के बाद तुम घोड़ागाड़ी को पीछे रख आना। लो, तुम्हारे अंकल भी हमारी मदद करने आ गए!'

क्वेंटिन अंकल बाहर निकल आए थे। वे क़द के लंबे और बड़े समझदार थे, लेकिन उनकी भौंहें हमेशा थोड़ी तनी रहती थीं। वे बच्चों की तरफ़ देखकर मुस्कराए। इसके बाद उन्होंने जॉर्ज और एन को प्यार से गले लगाया।

'किरिन कॉटेज में तुम लोगों का एक बार फिर स्वागत है!' उन्होंने ख़ुशी से कहा। 'एन, मुझे बहुत ख़ुशी है कि तुम्हारे मम्मी-डैडी बाहर गए हुए हैं, क्योंकि इस वजह से तुम लोग एक बार फिर हमारे घर रहने आ गए हो!'

जल्दी ही वे सभी टेबल के चारों तरफ़ बैठकर चाय-नाश्ता कर रहे थे। जिस दिन बच्चे किरिन आते थे, फ़ैनी आंटी हमेशा उनके लिए बेहतरीन खाना तैयार

रखती थीं। वे जानती थीं कि ट्रेन की लंबी यात्रा के बाद बच्चों को बहुत तेज़ भूख लगती थी।

फ़ैनी आंटी के व्यंजन इतने स्वादिष्ट थे कि जॉर्ज की भूख भी आख़िरकार संतुष्ट हो गई और वह अपनी कुर्सी से टिककर बैठ गई। वह सोच रही थी कि काश वह मम्मी का बनाया हुआ एक और ज़ायक़ेदार गुलगुला खा पाती।

टिमी जॉर्ज के पास ही बैठा था। बाक़ी लोगों के खाते समय उसे कुछ खाने की इजाज़त नहीं थी, लेकिन हैरानी की बात थी कि बहुत सारे खाने के टुकड़े टेबल के नीचे से उसके पास पहुँच जाते थे!

तूफ़ानी हवा घर के चारों तरफ़ गरजती रही। खिड़कियाँ खड़खड़ कर रही थीं। दरवाज़े हिल रहे थे। फ़र्श पर बिछी चटाइयाँ ऊपर-नीचे हो रही थीं, क्योंकि हवा उनके नीचे घुसकर उन्हें हिला रही थी।

एन बोली, 'हवा के कारण ऐसा लगता है, जैसे चटाइयों के नीचे साँप लहराकर चल रहे हों।' टिमी चटाई को देखकर गुर्राया। वैसे वह काफ़ी समझदार था, लेकिन उसे यह समझ में नहीं आ रहा था कि चटाई इतने अजीब तरीक़े से क्यों लहरा रही थी।

फ़ैनी आंटी बोलीं, 'मुझे उम्मीद है कि आज रात को हवा शांत हो जाएगी। इसने कल रात को मुझे सोने नहीं दिया था। जूलियन बेटे, तुम बहुत दुबले दिख रहे हो।

लगता है, तुम बहुत ज़्यादा पढ़ाई कर रहे हो। मुझे तुम्हें अच्छी तरह से खिला-पिला कर मोटा करना पड़ेगा।'

बच्चे हँसने लगे। जॉर्ज बोली, 'मम्मी, हम लोग सोच रहे थे कि आप यही कहेंगी! यह कैसी आवाज़ है?'

वे सभी हैरानी से चुपचाप बैठे रहे। छत की तरफ़ से एक तेज़ आवाज़ आई थी। टिमी ने अपने कान खड़े किए और तेज़ी से भौंकने लगा।

'छत से एक कवेलू गिर गया है,' क्वेंटिन अंकल बोले। 'क्या मुसीबत है! फ़ैनी, तूफ़ान ख़त्म होने के बाद हमें ढीले कवेलुओं को ठीक करना होगा, वरना उनमें से बारिश का पानी अंदर आ जाएगा।'

बच्चे सोच रहे थे कि चाय-नाश्ते के बाद उनके अंकल हमेशा की तरह अपनी स्टडी में चले जाएँगे, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा नहीं किया। बच्चे एक गेम खेलना चाहते थे, लेकिन क्वेंटिन अंकल के साथ किसी गेम में ज़्यादा मज़ा आ ही नहीं सकता था। वे कोई खेल अच्छी तरह नहीं खेल पाते थे, साँप-सीढ़ी जैसा आसान खेल भी नहीं।

'क्या तुम लोग पियरे लेनॉयर नाम के लड़के को जानते हो?' क्वेंटिन अंकल ने अचानक अपनी जेब से एक चिट्ठी निकालते हुए पूछा। 'जूलियन, मुझे लगता है कि वह तुम्हारे और डिक के स्कूल में ही पढ़ता है।'

'ओह, आपका मतलब सूटी से है,' जूलियन बोला।

'हाँ, वह डिक की क्लास में ही पढ़ता है। वह थोड़ा पागल है।'

'सूटी! तुमने उसका यह नाम क्यों रखा है?' क्वेंटिन अंकल ने पूछा। 'यह बड़ा ही मूर्खतापूर्ण नाम है।'

'उसे देखने के बाद आपको ऐसा नहीं लगेगा,' डिक हँसते हुए बोला। 'वह बहुत ही काला है! उसके बाल काजल की तरह काले हैं, उसकी आँखें कोयले जैसी हैं। उसकी भौंहें देखकर तो ऐसा लगता है, जैसे उन्हें लकड़ी के कोयले से चिपकाया गया हो। और उसके नाम का मतलब है "काला," है ना? ले - नॉयर, जिसका फ़्रांसीसी भाषा में मतलब काला होता है।'

'हाँ। सच है। लेकिन *सूटी* भी भला कोई नाम है!' क्वेंटिन अंकल बोले। 'ख़ैर, इसे जाने दो। उसके डैडी और मैं एक-दूसरे को काफ़ी चिट्ठियाँ लिखते रहते हैं। हम दोनों की रुचि एक ही तरह के वैज्ञानिक प्रयोगों में है। मैंने उन्हें यहाँ कुछ दिन रहने के लिए आमंत्रित किया है और यह भी लिखा है कि हो सके, तो वे अपने लड़के पियरे को भी ले आएँ।'

'अच्छा!' डिक ख़ुश होते हुए बोला। 'यहाँ पर सूटी को बुलाना बहुत अच्छा रहेगा, अंकल। लेकिन वह बड़ा ही पागल है। वह कभी किसी का कहना नहीं मानता है। वह बंदर की तरह कहीं भी चढ़ सकता है और वह बहुत ही ढीठ है। मुझे नहीं लगता कि वह आपको ज़्यादा पसंद

आएगा।'

डिक की बात सुनकर क्वेंटिन अंकल को अब बहुत अफ़सोस होने लगा कि उन्होंने सूटी को क्यों बुला लिया। उन्हें ढीठ लड़के पसंद नहीं थे। और उन्हें पागल लड़के भी पसंद नहीं थे।

'हूँ,' उन्होंने चिट्ठी दूर रखते हुए कहा। 'काश मैंने उनको आमंत्रण देने से पहले तुमसे पूछ लिया होता! लेकिन शायद मैं अब भी उसका आना रुकवा सकता हूँ।'

'नहीं, ऐसा मत करना, डैडी,' जॉर्ज बोली, जिसे सूटी लेनॉयर का वर्णन काफ़ी रोचक लगा था। 'उसे यहीं बुला लेते हैं। वह हमारे साथ मौज-मस्ती करेगा! हमें मज़ा आ जाएगा!'

'देखते हैं,' उसके डैडी बोले। उन्होंने यह फ़ैसला कर लिया था कि अगर वह लड़का पागल था, हर जगह चढ़ता रहता था और ढीठ था, तो वे उसे किसी भी क़ीमत पर किरिन कॉटेज में नहीं बुलाएँगे। जॉर्ज को ही सँभालना क्या कम मुसीबत थी? अगर इतना शरारती लड़का जॉर्ज को नई शरारतों के लिए उकसाएगा, तो न जाने क्या होगा!

जब आठ बजे के क़रीब क्वेंटिन अंकल पढ़ने के लिए अपनी स्टडी में चले गए, तो बच्चों ने राहत की साँस ली। फ़ैनी आंटी ने घड़ी की तरफ़ देखा।

वे बोलीं, 'एन के सोने का समय हो गया है। और जॉर्ज, अब तुम्हें भी सो जाना चाहिए।'

'मम्मी, बस एक गेम और खेल लें! हम सभी इसे खेलते हैं!' जॉर्ज बोली। 'चलो - आप भी खेलो। आज घर पर हमारी छुट्टियों की यह पहली रात है। वैसे भी, मुझे काफ़ी देर तक नींद तो आएगी नहीं, क्योंकि हवा बहुत शोर मचा रही है! चलो मम्मी - एक गेम खेल लें। इसके बाद हम लोग सोने चले जाएँगे। जूलियन तो अभी से जम्हाई लेने लगा है!'

2

रात की दुर्घटना

बच्चे ख़ुशी-ख़ुशी सीढ़ियाँ चढ़कर अपने-अपने बेडरूमों में चले गए। वे सभी नींद के कारण जम्हाई ले रहे थे। लंबी यात्रा की वजह से वे काफ़ी थक चुके थे।

एन पर्दा हटाकर बाहर देखते हुए बोली, 'काश यह मनहूस हवा रुक जाए! जॉर्ज, बाहर चाँद दिख रहा है। यह भागते बादलों के बीच से अंदर-बाहर हो रहा है।'

'उसे अंदर-बाहर होने दो!' जॉर्ज बिस्तर में घुसते हुए बोली। 'मुझे तो बहुत ठंड लग रही है। एन, जल्दी से कंबल में घुस जाओ, वरना खिड़की पर खड़े-खड़े तुम्हें सर्दी लग जाएगी।'

लेकिन एन फिर भी वहीं खड़ी रही। वह बोली, 'लहरों का शोर सुनो? और घर के पास लगा पेड़ हवा में सीटी बजा रहा है, शोर मचा रहा है और झुका जा रहा है।'

'टिमी, जल्दी से मेरे पलंग पर आ जाओ,' जॉर्ज ने अपने ठिठुरते पैरों को कंबल के अंदर करते हुए टिमी को आदेश दिया। 'एन, घर लौटने पर सबसे अच्छी बात यह होती है कि मैं टिमी को अपने पलंग पर सुला

सकती हूँ। वह गर्म पानी की बोतल से ज़्यादा गर्मी देता है।'

'वैसे तुम्हें यहाँ भी उसे अपने पलंग पर सुलाने की इजाज़त नहीं है,' एन अपने पलंग पर लेटते हुए बोली। 'फ़ैनी आंटी को तो यही लगता है कि वह खिड़की के पास रखी अपनी बास्केट में सोता है।'

'अगर वह अपनी बास्केट में नहीं सोना चाहता, तो मैं क्या कर सकती हूँ? अगर वह रात को मेरे बिस्तर पर आकर सोना चाहता है, तो मैं उसे कैसे रोक सकती हूँ?' जॉर्ज बोली। 'ठीक है, टिमी डार्लिंग। मेरे पैरों को गर्म करो। तुम्हारी नाक कहाँ है? मुझे इसे थपथपाने दो। गुड नाइट, टिम। गुड नाइट, एन।'

'गुड नाइट,' एन ने नींद भरी आवाज़ में कहा। 'मैं चाहती हूँ कि सूटी यहाँ आ जाए। क्या तुम ऐसा नहीं चाहतीं? उसके बारे में हमने जो कुछ सुना है, वह बहुत दिलचस्प है।'

'हाँ। और वैसे भी डैडी सूटी के पिता मिस्टर लेनॉयर के साथ रहेंगे और हमें ज़्यादा परेशान नहीं करेंगे,' जॉर्ज ने कहा। 'डैडी जान-बूझकर तो ऐसा नहीं करते हैं, लेकिन उनके साथ रहने से माहौल ख़राब हो जाता है।'

एन ने कहा, 'उन्हें हँसी-मज़ाक़ करना नहीं आता है। वे बहुत गंभीर हैं।'

तभी एक तेज़ धमाके की आवाज़ आई, जिसे सुनकर

दोनों लड़कियाँ उछल पड़ीं। जॉर्ज दुख भरी आवाज़ में बोली, 'बाथरूम के दरवाज़े के भड़भड़ाने की आवाज़ हो रही है! लगता है, जूलियन या डिक ने उसे खुला छोड़ दिया होगा। इसी तरह की आवाज़ से तो डैडी ग़ुस्सा हो जाते हैं! लो फिर से भड़ाम की आवाज़ आई!'

'जूलियन या डिक इसे बंद कर देंगे,' एन बोली, जो कंबल की गर्मी से बाहर नहीं निकलना चाहती थी। लेकिन जूलियन और डिक सोच रहे थे कि जॉर्ज और एन दरवाज़े को बंद कर देंगे, इसलिए कोई भी उस खुले दरवाज़े को बंद करने के लिए नहीं उठा।

बहुत जल्दी ही क्वेंटिन अंकल की गरजती हुई आवाज़ सुनाई दी।

'उस दरवाज़े को बंद करो! मैं इतने शोर में कैसे काम कर सकता हूँ?'

सभी बच्चे गोली की तरह अपने-अपने पलंग से कूदे। टिमी भी जॉर्ज के पलंग से कूद गया। बाथरूम के दरवाज़े की तरफ़ भागते समय सभी लोग टिमी के कारण गिरते-गिरते बचे। बहुत हँसी-ठिठोली हुई। लेकिन तभी सीढ़ियों पर क्वेंटिन अंकल के क़दमों की आवाज़ सुनाई दी। पाँचों चुपचाप अपने-अपने कमरों में भाग गए।

हवा अब भी गरज रही थी। क्वेंटिन अंकल और फ़ैनी आंटी सोने के लिए अपने कमरे में आए। क्वेंटिन

अंकल के हाथ से बेडरूम का दरवाज़ा छूट गया। वह हवा के कारण इतनी तेज़ी से बंद हुआ कि पास वाले शेल्फ़ से एक फूलदान गिरते-गिरते बचा।

क्वेंटिन अंकल हैरानी से उछल पड़े और ग़ुस्से से बोले, 'हवा कितनी तेज़ चल रही है! यहाँ आज तक इतनी तेज़ हवा पहले कभी नहीं चली। अगर हवा और तेज़ हुई, तो मछुआरों की नावें टूट-फूट जाएँगी, हालाँकि वे समुद्र तट पर काफ़ी ऊपर रखी हुई हैं।'

'हवा जल्दी ही शांत हो जाएगी,' फ़ैनी आंटी ने कहा। 'शायद सुबह तक सब कुछ शांत हो जाएगा।'

लेकिन उनका अंदाज़ा ग़लत था। हवा उस रात को ज़रा भी शांत नहीं हुई। इसके बजाय यह और तेज़ी से चलने लगी और गरजती रही। हवा के शोर के कारण कोई भी ठीक से नहीं सो पाया। टिमी लगातार धीरे-धीरे गुर्राता रहा, क्योंकि उसे हवा का शोर अच्छा नहीं लग रहा था।

भोर तक हवा गरजने लगी। एन को लगा, जैसे यह बहुत नाराज़ है और ज़्यादा से ज़्यादा नुक़सान करना चाहती है। वह डर के मारे काँपने लगी।

अचानक एक अजीब सी आवाज़ आई। ऐसा लगा, जैसे कोई चीज़ चटक रही थी और दर्द भरी आवाज़ें निकाल रही थी। जॉर्ज और एन दहशत में आ गईं और उठकर बैठ गईं। यह कैसी आवाज़ है?

जूलियन और डिक ने भी वह आवाज़ सुन ली। जूलियन अपने पलंग से कूदकर खिड़की की तरफ़ भागा। हल्की चाँदनी में बाहर लगा ऊँचा पेड़ दिख रहा था। वह पुराना पेड़ धीरे-धीरे घर की तरफ़ झुक रहा था!

'यह पेड़ की आवाज़ है! पेड़ गिर रहा है!' जूलियन इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि डिक चौंक गया। 'पेड़ गिरने वाला है। वह घर पर गिरने वाला है! जल्दी, सबको चेतावनी दे दो!'

जूलियन पूरी तेज़ी से चिल्लाता हुआ अपने कमरे के दरवाज़े से बाहर निकला, 'अंकल! आंटी! जॉर्ज और एन! जल्दी नीचे चलो! पेड़ गिर रहा है!'

जॉर्ज ने पलंग से कूदकर अपना ड्रेसिंग गाउन उठाया और एन को आवाज़ लगाती हुई दरवाज़े की तरफ़ भागी। एन जल्दी ही जॉर्ज के पीछे-पीछे बाहर निकल गई। टिमी सबसे आगे भाग रहा था। अपने बेडरूम के दरवाज़े से क्वेंटिन अंकल बाहर निकले। वे अपना ड्रेसिंग गाउन पहन रहे थे।

'यह शोर कैसा है? जूलियन, क्या हो गया?'

'अंकल-आंटी! जल्दी से नीचे चलिए - पेड़ गिर रहा है! इसके चटकने और तड़कने की आवाज़ें सुनिए!' जूलियन बेचैन होते हुए बोला। 'पेड़ छत पर और बेडरूमों पर गिरेगा! सुनिए, पेड़ कितना भयानक शोर

मचा रहा है!'

सभी लोग नीचे भागे। तभी एक ज़ोरदार चीख़ के साथ बड़ा पेड़ अपनी जड़ों से उखड़ गया और किरिन कॉटेज पर गिर गया। एक ज़ोरदार धमाका हुआ और कवेलुओं के ज़मीन पर गिरने की आवाज़ें आने लगीं।

'ओह!' फ़ैनी आंटी अपनी आँखें बंद करते हुए बोलीं। 'मैं पहले से जानती थी क्वेंटिन कि ऐसा कुछ होगा। हमें उस पुराने पेड़ को पहले ही ऊपर से कटवा देना चाहिए था। मैं जानती थी कि यह आँधी में गिर सकता है। न जाने छत का क्या हाल होगा?'

बड़े धमाके के बाद टूटने-फूटने की छुटपुट आवाज़ें आईं। ऐसा लग रहा था, जैसे सामान गिर रहा था। बच्चे कल्पना नहीं कर पा रहे थे कि क्या हो रहा है। टिमी ग़ुस्से में ज़ोर-ज़ोर से भौंक रहा था। क्वेंटिन अंकल ने ग़ुस्से से टेबल पर मुक्का मारा, जिससे सब लोग उछल पड़े।

'उस कुत्ते का भौंकना बंद करवाओ! वरना मैं उसे बाहर निकाल दूँगा!' लेकिन उस रात को टिमी को भौंकने और गुर्राने से कोई नहीं रोक सकता था। अंत में जॉर्ज ने उसे किचन में धकेलकर दरवाज़ा बंद कर दिया।

'मैं ख़ुद भौंकना या गुर्राना चाहती हूँ,' एन ने कहा, जो जानती थी कि टिमी को कैसा लग रहा होगा।

'जूलियन, क्या पेड़ के कारण छत टूट गई होगी?'

क्वेंटिन अंकल ने एक टॉर्च उठाई और सीढ़ियाँ चढ़कर यह देखने गए कि कितना नुक़सान हुआ है। जब वे नीचे आए, तो उनका चेहरा थोड़ा पीला था।

उन्होंने कहा, 'पेड़ ने अटारी को तोड़ दिया है, छत को गिरा दिया है और लड़कियों के बेडरूम को तहस-नहस कर डाला है। एक बड़ी डाल लड़कों के बेडरूम में भी घुस गई है, पर उससे ज़्यादा नुक़सान नहीं हुआ। लेकिन लड़कियों का कमरा तो पूरी तरह से बर्बाद हो गया है! अगर वे पलंग पर लेटी होतीं, तो शायद ज़िंदा नहीं बचतीं।'

सभी ख़ामोश थे। यह विचार भयानक था कि जॉर्ज और एन बाल-बाल बची थीं।

जूलियन ने जब यह देखा कि एन का चेहरा सफ़ेद पड़ गया है, तो वह बोला, 'अच्छा रहा कि मैंने चेतावनी दे दी। चिंता मत करो, एन - सोचो तो सही, स्कूल में बताने के लिए तुम्हारे पास कितनी ज़ोरदार कहानी रहेगी!'

हालाँकि फ़ैनी आंटी बुरी तरह परेशान थीं, लेकिन उन्होंने ख़ुद को सँभालते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि गर्म कोको पीने से हम सभी को थोड़ी राहत मिलेगी। मैं जाकर कोको बना लाती हूँ। क्वेंटिन, देखो तुम्हारी स्टडी में आग अब भी जल रही है या नहीं। हमें थोड़ी गर्मी की

ज़रूरत है।'

स्टडी की अँगीठी में अब भी आग जल रही थी। सभी उसके चारों तरफ़ खड़े हो गए। जब फ़ैनी आंटी गर्म कोको लेकर आईं, तो सब ख़ुश हो गए।

एन ने कोको पीते समय चारों तरफ़ देखा। यहीं पर उसके अंकल अपना काम करते थे, जिसमें बहुत बुद्धि की ज़रूरत होती थी। यहीं पर वे विज्ञान की ऊँची-ऊँची किताबें लिखते थे, जिन्हें एन बिलकुल भी नहीं समझ सकती थी। यहीं पर वे अनूठे वैज्ञानिक प्रयोग करते थे।

लेकिन उस समय क्वेंटिन अंकल बहुत समझदार नहीं लग रहे थे। वे थोड़े शर्मिंदा दिख रहे थे। एन को जल्दी ही इसका कारण पता चल गया।

फ़ैनी आंटी ने उन्हें थोड़ी सख़्ती से देखते हुए कहा, 'क्वेंटिन, यह अच्छा रहा कि कोई घायल नहीं हुआ या मरा नहीं। मैंने तुमसे सैकड़ों बार कहा था कि तुम्हें उस पेड़ को ऊपर से छँटवा देना चाहिए। मैं जानती थी कि वह बहुत ऊँचा हो गया है और आँधी को नहीं झेल पाएगा। मुझे इसी बात का डर था कि एक न एक दिन वह हमारे घर पर न गिर जाए।'

'हाँ, मैं जानता हूँ,' क्वेंटिन अंकल ने अपने कोको के कप को तेज़ी से हिलाते हुए कहा। 'लेकिन तुम तो जानती ही हो, पिछले कुछ महीनों से मैं बहुत ही व्यस्त था और इसके लिए मुझे ज़रा भी फ़ुरसत नहीं थी।'

'ज़रूरी काम टालने के लिए तुम हमेशा यही बहाना बनाते हो,' फ़ैनी आंटी ने आह भरते हुए कहा। 'अब आगे से हर काम मैं ख़ुद करूँगी। मैं इस तरह सबकी जान को ख़तरे में नहीं डाल सकती!'

'इस तरह के हादसे कभी-कभार ही होते हैं!' क्वेंटिन अंकल ग़ुस्सा होते हुए बोले। लेकिन फिर वे शांत हो गए, क्योंकि उन्होंने देख लिया कि फ़ैनी आंटी को गहरा सदमा लगा था और वे रुआँसी हो रही थीं। उन्होंने अपना कोको का कप टेबल पर रखकर उनके कंधे पर हाथ रख दिया।

उन्होंने कहा, 'तुम्हें बहुत बुरा सदमा लगा है। चिंता मत करो। सुबह शायद स्थिति इतनी बुरी नहीं दिखेगी।'

'ओह क्वेंटिन - सुबह तो स्थिति और भी ज़्यादा बुरी दिखेगी!' उनकी पत्नी बोलीं। 'हम आज रात को कहाँ सोएँगे? और जब छत और कमरों की मरम्मत होगी, तब हम क्या करेंगे? बच्चे अभी-अभी घर लौटे हैं। कई हफ़्तों तक घर में मज़दूरों का जमघट लगा रहेगा! मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मैं क्या करूँ।'

'सब मुझ पर छोड़ दो!' क्वेंटिन अंकल बोले। 'मैं सब कुछ ठीक कर दूँगा। चिंता मत करो। मुझे इसके बारे में अफ़सोस है, बहुत अफ़सोस है, क्योंकि यह सब मेरी लापरवाही की वजह से हुआ है। लेकिन तुम देख लेना, मैं सब कुछ सँभाल लूँगा!'

फ़ैनी आंटी को उनकी बातों पर यक़ीन नहीं था, लेकिन फिर भी उनकी तसल्ली भरे शब्द सुनकर उन्हें थोड़ी राहत मिली। बच्चे गर्म कोको पीते समय ख़ामोशी से ये बातें सुनते रहे। क्वेंटिन अंकल बहुत समझदार और ज्ञानी थे, लेकिन वे इतने लापरवाह भी थे कि उन्होंने उस पुराने पेड़ को ऊपर से कटवाने जैसे ज़रूरी काम को भी नज़रअंदाज़ कर दिया। कई बार तो ऐसा लगता था, जैसे वे इस दुनिया में ही नहीं रहते थे!

अब ऊपर जाकर सोना असंभव था। ऊपर के कमरे या तो पूरी तरह से टूट-फूट चुके थे या फिर उनमें मलबा पड़ा था और धूल के बादल थे। फ़ैनी आंटी सोफ़े पर कंबल बिछाने लगीं। एक सोफ़ा स्टडी में था, एक बैठक में था और एक डाइनिंग रूम में भी था। उन्हें एक अलमारी में एक फ़ोल्डिंग पलंग मिल गया, जिसे उन्होंने जूलियन की मदद से लगा लिया।

वे बोलीं, 'जितनी अच्छी व्यवस्था हो सकती है, करते हैं। रात ज़्यादा नहीं बची है, लेकिन हम थोड़ी नींद तो ले ही सकते हैं! अब आँधी उतनी तेज़ नहीं है।'

'नहीं – यह जितना नुक़सान कर सकती थी, इसने कर दिया है, इसलिए लगता है अब यह संतुष्ट हो गई है,' क्वेंटिन अंकल ने गंभीरता से कहा। 'अच्छा, हम सुबह इस बारे में बात करेंगे।'

हालाँकि बच्चे थके हुए थे, लेकिन इतनी रोमांचक

घटना के बाद उन्हें मुश्किल से नींद आई। एन को चिंता होने लगी। अब वे किरिन कॉटेज में कैसे रह सकते हैं? यह फ़ैनी आंटी के साथ ज़्यादती होगी। दिक्क़त यह थी कि वे अपने घर भी नहीं जा सकते थे, क्योंकि उनके मम्मी-डैडी बाहर गए हुए थे और घर एक महीने के लिए बंद था।

एन ने सोफ़े पर ढंग से लेटते हुए सोचा, 'कहीं हमें वापस स्कूल न भेज दिया जाए! यह बहुत भयानक होगा, क्योंकि हम इतनी ख़ुशी-ख़ुशी वहाँ से छुट्टियाँ मनाने आए थे।'

जॉर्ज को भी इसी बात का डर था। उसे लग रहा था कि सुबह होते ही उन सभी को अपने-अपने स्कूल भेज दिया जाएगा। इसका मतलब यह होगा कि वह और एन इन छुट्टियों में जूलियन और डिक के साथ नहीं रह पाएँगी, क्योंकि लड़के दूसरे स्कूल में पढ़ते थे।

सिर्फ़ टिमी को ही इस बारे में कोई चिंता नहीं थी। वह ख़ुशी से जॉर्ज के पैरों पर लेटकर धीरे-धीरे खर्राटे ले रहा था। जब तक वह जॉर्ज के साथ था, तब तक उसे इस बात की कोई परवाह नहीं थी कि वह *कहाँ* रहता है!

3

क्वेंटिन अंकल की तरकीब

अगली सुबह हवा तेज़ तो थी, लेकिन उसका ग़ुस्सा कम हो गया था। मछुआरों ने यह देखकर राहत की साँस ली कि उनकी नावों को कोई ख़ास नुक़सान नहीं हुआ था। लेकिन जल्दी ही सबको किरिन कॉटेज में हुई दुर्घटना का पता चल गया। लोग देखने आने लगे कि बड़ा पेड़ किस तरह उखड़कर मकान पर गिर गया था।

बच्चे अचानक ख़ुद को महत्वपूर्ण मानने लगे, जब उन्होंने लोगों को पूरा क़िस्सा बताया कि वे किस तरह मरते-मरते बचे थे। दिन के उजाले में यह साफ़ दिख रहा था कि बड़े पेड़ ने बहुत ज़्यादा नुक़सान किया था। पेड़ ने घर की छत को किसी अंडे की तरह फोड़ दिया था। ऊपर की मंज़िल के कमरों का हाल तो बहुत ही बुरा था।

गाँव से जो नौकरानी फ़ैनी आंटी के यहाँ काम करने आती थी, वह यह दृश्य देखकर बोली, 'इसकी मरम्मत में तो कई हफ़्ते लग जाएँगे। क्या आपने मरम्मत के बारे में बात कर ली है? मैं अभी बिल्डर्स को बुलवाती हूँ। हमें इसकी मरम्मत की व्यवस्था करनी ही होगी।'

'मैं मरम्मत करवा लूँगा, मिसेज़ डॉली,' क्वेंटिन अंकल बोले। 'मेरी पत्नी को बहुत बुरा सदमा लगा है। वे अभी इस क़ाबिल नहीं हैं कि इस बारे में कोई निर्णय ले सकें। सबसे पहले तो हमें यह फ़ैसला करना है कि बच्चों का क्या किया जाए! चूँकि बेडरूम टूट-फूट चुके हैं, इसलिए वे यहाँ नहीं रह सकते।'

फ़ैनी आंटी बोलीं, 'बेचारे बच्चों को अब वापस स्कूल भेजना पड़ेगा।'

'नहीं। मेरे दिमाग़ में इससे भी बढ़िया विचार आया है,' क्वेंटिन अंकल ने अपनी जेब से एक चिट्ठी निकालते हुए कहा। 'यह बहुत ही बढ़िया विचार है। आज सुबह ही लेनॉयर की चिट्ठी आई है। याद है ना, वे वही वैज्ञानिक हैं, जिनकी दिलचस्पी मेरी ही तरह के प्रयोगों में है। उन्होंने लिखा है - एक मिनट रुको, मैं तुम्हें उनकी चिट्ठी पढ़कर सुनाता हूँ। हाँ, यह रही।'

क्वेंटिन अंकल ने पढ़ा : आपका यह सुझाव बहुत अच्छा है कि मैं अपने लड़के पियरे के साथ आपके यहाँ रहने आऊँ। मैं भी आपकी और आपके बच्चों की मेहमाननवाज़ी करने के लिए बेताब हूँ। मैं नहीं जानता कि आपके कितने बेटे-बेटियाँ हैं, लेकिन हमारे बड़े घर में उन सभी का स्वागत है। मेरा बेटा पियरे उनके आने से ख़ुश होगा और उसकी बहन मैरीबेल भी।'

क्वेंटिन अंकल ने अपनी पत्नी की तरफ़ विजयी

भाव से देखा और बोले, 'देखा! कितना बढ़िया आमंत्रण है! यह बिलकुल सही समय पर आया है। हम सभी बच्चों को लेनॉयर के घर भेज देते हैं।'

फ़ैनी आंटी बोलीं, 'लेकिन क्वेंटिन – तुम ऐसा कैसे कर सकते हो! हम उनके या उनके परिवार के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं!

'उनका बेटा पियरे जूलियन और डिक के स्कूल में ही पढ़ता है और मैं जानता हूँ कि लेनॉयर बहुत अच्छे और चतुर वैज्ञानिक हैं,' क्वेंटिन अंकल ने कहा, जैसे इतना जानना ही काफ़ी था। 'मैं उन्हें अभी टेलीफ़ोन करता हूँ। उनका नंबर क्या है?'

अपने पति के दृढ़ संकल्प को देखकर फ़ैनी आंटी बेबस महसूस करने लगीं। उनके पति ने अचानक हर समस्या को सुलझाने की ठान ली थी। वे शर्मिंदा थे, क्योंकि उन्हीं की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ था। अब वे यह साबित करना चाहते थे कि अगर वे चाहें, तो सब कुछ सँभाल *सकते* हैं। फ़ैनी आंटी ने उन्हें टेलीफ़ोन पर बात करते सुना। उनके माथे पर बल पड़ गए। वे बच्चों को इस तरह किसी अनजान जगह पर कैसे भेज सकते हैं?

क्वेंटिन अंकल ने फ़ोन का रिसीवर नीचे रख दिया और ख़ुश होते हुए अपनी पत्नी के पास पहुँचे।

उन्होंने कहा, 'सब कुछ ठीक कर दिया। लेनॉयर ख़ुश

है, बहुत ख़ुश है। वह कहता है कि उसे घर में बच्चों की चहल-पहल अच्छी लगती है और उसकी पत्नी को भी। उनके दोनों बच्चे तो ख़ुशी के मारे फूले नहीं समाएँगे। बस अगर कोई कार किराए पर मिल जाए, तो वे इसी समय जा सकते हैं।'

उनकी पत्नी बोलीं, 'लेकिन क्वेंटिन, हम उन्हें किसी अजनबी के यहाँ ऐसे कैसे भेज *सकते हैं!* बच्चे बुरा मान जाएँगे! मुझे लगता है कि जॉर्ज वहाँ जाने से इंकार कर देगी।'

'ओह - इससे मुझे याद आया। जॉर्ज टिमोथी को नहीं ले जा सकती,' क्वेंटिन अंकल बोले। 'लेनॉयर को कुत्ते पसंद नहीं हैं।'

'तब तो फिर जॉर्ज वहाँ कभी नहीं जाएगी!' उनकी पत्नी बोलीं। 'क्वेंटिन, जॉर्ज टिमी के बिना कहीं नहीं जाती।'

'लेकिन इस बार उसे जाना ही होगा,' क्वेंटिन अंकल ने ठान लिया था कि जॉर्ज उनकी बेहतरीन योजना में किसी तरह की बाधा नहीं डालेगी। 'लो बच्चे भी आ गए! मैं उन्हीं से पूछ लेता हूँ कि उन्हें वहाँ जाना कैसा लगेगा! देखते हैं, वे क्या कहते हैं!'

उन्होंने बच्चों को अपनी स्टडी में बुलाया। अंदर आते समय बच्चों को यक़ीन था कि उन्हें कोई बुरी ख़बर सुनने को मिलेगी - शायद उन सभी को वापस स्कूल

लौटना पड़ेगा!

क्वेंटिन अंकल ने उनसे कहा, 'तुम्हें वह लड़का याद है, जिसके बारे में मैंने तुमसे कल रात को बात की थी? पियरे लेनॉयर। तुमने उसका कुछ अजीब सा नाम रखा था।'

डिक और जूलियन एक साथ बोले, 'सूटी।'

क्वेंटिन अंकल ने कहा, 'हाँ, सूटी। उसके डैडी ने तुम सबको स्मगलर विला में रहने का न्योता दिया है।'

यह सुनकर बच्चे हैरान रह गए।

'स्मगलर विला!' डिक इस अजीब नाम से हैरान रह गया। 'स्मगलर विला क्या है?'

'उनके घर का नाम है,' क्वेंटिन अंकल बोले। 'यह बहुत पुराना और बड़ा मकान है, जो एक अजीब सी पहाड़ी की चोटी पर बना है। वह ऊँची पहाड़ी कभी समुद्र से घिरी थी और टापू थी, लेकिन अब उसके चारों तरफ़ दलदल है। वहाँ पर पुराने ज़माने में स्मगलिंग होती थी। मैंने सुना है कि वह बड़ी अजीब जगह है।'

यह सुनकर बच्चे रोमांचित महसूस करने लगे। वैसे भी जूलियन और डिक को सूटी लेनॉयर हमेशा से पसंद था। वह थोड़ा सिरफिरा और मज़ेदार था। उसके साथ बहुत अच्छा समय बीतेगा।

क्वेंटिन अंकल ने बेचैनी से पूछा, 'क्या तुम स्मगलर विला जाना पसंद करोगे? या फिर छुट्टियों में स्कूल

लौटना चाहोगे ?'

सभी फ़ौरन बोले, 'ओह *नहीं* - स्कूल नहीं!'

'मैं तो स्मगलर विला जाना *चाहूँगा*,' डिक बोला। 'यह बहुत रोमांचक जगह लगती है। इसके अलावा, मुझे सूटी बहुत पसंद है, ख़ास तौर पर तब से, जब से उसने हमारे टीचर की कुर्सी आरी से आधी काट दी थी। जब मिस्टर टॉम्स कुर्सी पर बैठे, तो वे धड़ाम से गिर गए!'

'इस तरह की हरकत के कारण कोई किसी को पसंद कैसे कर सकता है,' क्वेंटिन अंकल को सूटी के बारे में थोड़ी शंका होने लगी थी। 'शायद स्कूल लौटना ही तुम्हारे लिए सबसे बढ़िया रहेगा।'

'नहीं, नहीं!' सभी बच्चे चिल्लाए। 'हमें स्मगलर विला जाने दीजिए! हमें वहाँ जाने दीजिए!'

'ठीक है,' क्वेंटिन अंकल ख़ुश थे कि बच्चे उनकी योजना पर अमल करने के लिए इतने उत्सुक थे। 'सच तो यह है कि मैंने सब कुछ पहले ही तय कर लिया है। मैंने उन्हें कुछ मिनट पहले ही फ़ोन किया था। मिस्टर लेनॉयर ने इस बारे में बहुत उदारता दिखाई।'

जॉर्ज ने अचानक पूछा, 'क्या मैं टिमी को ले जा सकती हूँ ?'

'नहीं,' उसके डैडी बोले। 'बिलकुल नहीं। मिस्टर लेनॉयर को कुत्ते पसंद नहीं हैं।'

'तब तो *वे* मुझे पसंद नहीं आएँगे,' जॉर्ज ने चिढ़कर कहा। 'मैं टिमी के बिना वहाँ नहीं जाऊँगी।'

'तो फिर तुम्हें स्कूल जाना होगा,' उसके डैडी ग़ुस्से से बोले। 'और अपने चिड़चिड़े चेहरे को ठीक करो। तुम जानती हो जॉर्ज, इस तरह का चेहरा मुझे कितना बुरा लगता है!'

लेकिन जॉर्ज का चेहरा चिड़चिड़ा ही बना रहा, हालाँकि उसने अपना चेहरा दूसरी तरफ़ घुमा लिया। बाक़ी बच्चों ने उसे निराशा से देखा। कहीं जॉर्ज फिर से मुँह फुलाकर उनका मज़ा तो ख़राब नहीं कर देगी! स्मगलर विला जाने में कितना मज़ा आएगा। ज़ाहिर है, वहाँ उन्हें टिमी की कमी तो अखरेगी, लेकिन वे सब सिर्फ़ इसलिए तो स्कूल नहीं लौट सकते, क्योंकि जॉर्ज अपने कुत्ते के बिना कहीं नहीं जाएगी।

वे सभी बैठक में चले गए। एन ने जॉर्ज का हाथ पकड़ने की कोशिश की, लेकिन जॉर्ज ने उसे झटक दिया।

एन बोली, 'जॉर्ज! तुम्हें हमारे साथ चलना *ही होगा*। तुम्हारे बिना हमें वहाँ अच्छा नहीं लगेगा। कितना बुरा लगेगा कि तुम अकेली स्कूल लौटकर जाओगी।'

'मैं अकेली नहीं जाऊँगी,' जॉर्ज बोली। 'मेरे साथ टिमी भी रहेगा।'

बाक़ी बच्चों ने उस पर दबाव डाला कि वह अपना

इरादा बदल ले, लेकिन उसने उन्हें झिड़क दिया। उसने कहा, 'मुझे अकेला छोड़ दो। मैं सोचना चाहती हूँ। वैसे क्या तुम्हें पता है, हम लोग स्मगलर विला कैसे जाएँगे और यह कहाँ है? हम कौन सी सड़क से जाएँगे?'

जूलियन बोला, 'हम कार से जाने वाले हैं और चूँकि यह समुद्र किनारे है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि हम वहाँ समुद्र किनारे वाली सड़क से जाएँगे। लेकिन तुम यह सब क्यों पूछ रही हो, जॉर्ज?'

'सवाल मत पूछो,' जॉर्ज बोली। वह टिमी के साथ बाहर चली गई। उसके साथ कोई नहीं गया। जब जॉर्ज ग़ुस्से में होती थी, तो उसके साथ रहना अच्छा अनुभव नहीं होता था।

फ़ैनी आंटी उनका सामान जमाने लगीं, हालाँकि लड़कियों के कमरे से कई सामान निकालना अब असंभव था। कुछ समय बाद जॉर्ज लौट आई, लेकिन उसके साथ टिमी नहीं था। वह पहले से ज़्यादा ख़ुश दिख रही थी।

एन ने फ़ौरन पूछा, 'टिम कहाँ है?'

जॉर्ज ने जवाब दिया, 'बाहर कहीं पर है।'

जूलियन ने उसकी तरफ़ देखते हुए पूछा, 'क्या तुम भी हमारे साथ चल रही हो, जॉर्ज?'

'हाँ। मैंने अपना इरादा बदल लिया है,' जॉर्ज बोली, लेकिन न जाने क्यों उसने जूलियन से आँख नहीं

मिलाई। जूलियन सोचने लगा कि इसका भला क्या कारण हो सकता है!

फ़ैनी आंटी ने उन सभी को जल्दी लंच दे दिया और फिर उन्हें ले जाने के लिए एक बड़ी कार आई। वे सब कार में बैठ गए। क्वेंटिन अंकल ने उन्हें मिस्टर लेनॉयर के लिए ढेर सारे संदेश दिए और फ़ैनी आंटी ने बच्चों को चूमकर विदा दी। वे बोलीं, 'मुझे उम्मीद है कि स्मगलर विला में तुम्हारा समय अच्छा बीतेगा। याद रखना, जाते ही चिट्ठी लिखना और मुझे इसके बारे में सब कुछ बताना।'

'जॉर्ज, तुम टिमी को गुडबाई नहीं कहोगी?' एन ने कहा, जो इस बात पर हैरान थी कि जॉर्ज यह भूल गई थी। 'जॉर्ज, निश्चित रूप से तुम जाने से पहले टिमी से गुडबाई तो कहना चाहोगी!'

'अब उसके लिए समय नहीं है,' क्वेंटिन अंकल बोले। उन्हें इस बात का डर था कि जॉर्ज कहीं कोई मुश्किल न खड़ी कर दे। 'ठीक है, ड्राइवर! अब आप चल दें, लेकिन कार ज़्यादा तेज़ मत चलाना।'

हाथ हिलाते और चिल्लाते हुए बच्चे किरिन कॉटेज से रवाना हुए। जब उन्होंने पलटकर इसकी टूटी छत को देखा, तो उन्हें दुख हुआ। लेकिन कोई बात नहीं – कम से कम उन्हें स्कूल तो नहीं लौटना पड़ रहा था। यही असली बात थी। उनका उत्साह लौट आया, जब उन्होंने

सूटी और उसके अजीब नाम वाले घर स्मगलर विला के बारे में सोचा।

'स्मगलर विला! कितना बढ़िया नाम है!' एन बोली। 'मेरे मन में इसकी तस्वीर उभर रही है। एक पुराना मकान, जो पहाड़ी की चोटी पर बना है। सोचो तो सही, वह पहाड़ी कभी टापू थी। मुझे यह समझ में नहीं आ रहा है कि समुद्र वहाँ से दूर क्यों चला गया और वहाँ दलदल क्यों बन गया।'

जॉर्ज ख़ामोश रही और कार तेज़ी से चलती रही। बाक़ी बच्चों ने उसे एक-दो बार देखा, लेकिन उन्हें यही लगा कि वह टिमी के बारे में दुखी हो रही होगी। हैरानी की बात तो यह थी कि वह ज़्यादा दुखी दिख नहीं रही थी!

कार एक पहाड़ी के ऊपर जाकर फिर नीचे उतरी। ढलान ख़त्म होने पर जॉर्ज आगे झुकी और ड्राइवर की बाँह छूकर बोली।

'एक मिनट के लिए कार रोक दीजिए। हमें यहाँ से किसी को लेना है।'

जूलियन, डिक और एन ने हैरानी से जॉर्ज को घूरा। ड्राइवर ने भी हैरान होकर कार रोक दी। जॉर्ज ने कार का दरवाज़ा खोला और एक तेज़ सीटी बजाई।

झाड़ी से कोई चीज़ तेज़ी से बाहर निकली और ख़ुशी-ख़ुशी कार के अंदर कूद गई। यह टिमी था! उसने

सभी को चाटा, सभी के पैरों पर अपने पंजे रखे और धीरे-धीरे भौंका, ताकि सबको पता चल जाए कि वह रोमांचित और ख़ुश है।

ड्राइवर ने शंका से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि तुम्हें उस कुत्ते को ले जाने की इजाज़त है। तुम्हारे डैडी ने मुझे उसके बारे में कुछ नहीं बताया था।'

'सब ठीक है,' जॉर्ज ने कहा, जिसका चेहरा ख़ुशी के मारे लाल हो गया था। 'सब कुछ ठीक है। चिंता न करें। दोबारा कार चलाएँ, प्लीज़।'

'तुम बिलकुल बंदर हो!' जूलियन ने कहा। वह जॉर्ज से थोड़ा चिढ़ रहा था, लेकिन वह ख़ुश भी था, क्योंकि टिमी आख़िर उनके साथ था। 'तुम जानती हो, मिस्टर लेनॉयर टिमी को वापस किरिन भेज सकते हैं।'

'तब तो फिर उन्हें *मुझे* भी वापस भेजना पड़ेगा,' जॉर्ज ने मुँह बनाकर कहा। 'महत्वपूर्ण बात तो यह है कि टिमी हमारे साथ है और मैं तुम्हारे साथ चल रही हूँ।'

'हाँ – यह बढ़िया है,' एन बोली और उसने पहले जॉर्ज को और फिर टिमी को गले लगाया। 'मुझे भी टिमी के बिना जाना अच्छा नहीं लग रहा था।'

'स्मगलर विला!' डिक बोला, जब कार दोबारा चलने लगी। 'स्मगलर विला! मैं सोच रहा हूँ कि कहीं वहाँ कोई रोमांचक अभियान तो हमारा इंतज़ार नहीं कर रहा है!'

4

स्मगलर विला

उनकी कार तेज़ी से चलती रही। ज़्यादातर समय यह समुद्र के पास वाले रास्ते से ही जा रही थी, हालाँकि कई बार यह कुछ मील तक समुद्र से दूर भी चली जाती थी। बहरहाल, देर-सबेर हर बार कार समुद्र के पास ही लौट आती थी। बच्चों ने इस लंबी यात्रा का भरपूर आनंद लिया। उन्हें कहीं पर लंच भी करना था और ड्राइवर ने उन्हें बताया कि रास्ते में एक अच्छी सराय पड़ती है।

साढ़े बारह बजे वे एक पुरानी सराय के बाहर रुके और अंदर पहुँच गए। जूलियन ने लंच का ऑर्डर दिया। लंच बहुत बढ़िया था और बच्चों ने डटकर खाना खाया - और टिमी ने भी। सराय वाले को कुत्ते पसंद थे और उसने टिमी की प्लेट में इतना सारा खाना रख दिया कि टिमी हैरान रह गया। उसने कुछ देर तक तो उस प्लेट को छुआ भी नहीं, क्योंकि उसे लग रहा था कि शायद यह उसकी नहीं, किसी और की प्लेट होगी!

उसने जॉर्ज की तरफ़ देखा, जिसने सिर हिलाकर कहा, 'टिमी, यह तुम्हारा ही खाना है। खा लो।'

टिमी खाने लगा। वह सोच रहा था कि अगर बच्चे

कहीं रुकने वाले हों, तो इसी सराय में ही रुकें। भूखे कुत्ते को इस तरह का भोजन कभी-कभार ही नसीब होता है!

लंच के बाद बच्चे उठकर खड़े हो गए। उन्होंने ड्राइवर की तलाश की, जो किचन में सराय के मालिक और उसकी पत्नी के साथ लंच कर रहा था। वे उसके पुराने दोस्त थे।

'अच्छा, मैंने सुना है कि तुम लोग कास्टअवे जा रहे हो,' सराय के मालिक ने खड़े होते हुए कहा। 'वहाँ बहुत सावधान रहना!'

'कास्टअवे!' जूलियन बोला। 'क्या उस पहाड़ी का नाम कास्टअवे है, जिसके ऊपर स्मगलर विला बना है?'

'हाँ, उसका यही नाम है,' सराय के मालिक ने कहा।

एन ने पूछा, 'उसका यह नाम क्यों है? कितना अजीब नाम है! जब यह टापू था, तो क्या उस पर अपराधियों को देशनिकाले की सज़ा दी जाती थी?'

'अरे नहीं! लोग कहते हैं कि वह पहाड़ी कभी ज़मीन से जुड़ी हुई थी,' सराय का मालिक बोला। 'लेकिन वह बुरे लोगों का अड्डा बन गई। एक चमत्कारी संत उस जगह के लोगों से इतना नाराज़ हुआ कि उसने उस पहाड़ी को उठाकर समुद्र में फेंक दिया और वह एक टापू बन गई।'

'इसीलिए इसे कास्टअवे कहा जाता है,' डिक बोला। 'लेकिन शायद यह दोबारा अच्छी बन गई है, क्योंकि समुद्र इससे दूर चला गया है और पहाड़ी तक जाने का रास्ता बन गया है, है ना?'

'हाँ। एक अच्छी सड़क तो है,' सराय के मालिक ने कहा। 'लेकिन उस पर बहुत ध्यान से चलना। अगर तुमने एक क़दम भी इधर-उधर रखा, तो दलदल तुम्हें निगल लेगा!'

'यह बहुत रोमांचक जगह लगती है,' जॉर्ज बोली। 'कास्टअवे हिल पर स्मगलर विला! और वहाँ जाने के लिए सिर्फ़ एक ही सड़क है!'

'अब चलने का समय हो गया है,' ड्राइवर ने अपनी घड़ी की तरफ़ देखते हुए कहा। 'तुम्हारे अंकल ने कहा था कि तुम लोगों को वहाँ शाम की चाय के समय से पहले ही पहुँचा दूँ।'

वे लोग दोबारा कार में बैठ गए। टिमी दूसरों के पैरों को कुचलता हुआ जॉर्ज की गोद में लेटने की जगह बनाने लगा। वह बहुत बड़ा और भारी था, इसलिए उसे गोद में लिटाना कष्टकारी था, लेकिन कभी-कभार उसकी ऐसी इच्छा हो जाती थी और जॉर्ज उसे मना नहीं कर पाती थी।

वे एक बार फिर चल दिए। एन सो गई और बाक़ी बच्चों को भी नींद के झोंके आने लगे। कार लगातार

चलती गई। बारिश होने लगी और जंगल थोड़ा बोझिल दिखने लगा।

ड्राइवर कुछ समय बाद जूलियन से बोला, 'अब हम कास्टअवे हिल के पास पहुँच रहे हैं। जल्दी ही ज़मीन पीछे रह जाएगी और हमारी कार दलदल पर बनी सड़क पर चलने लगेगी।'

जूलियन ने एन को जगा दिया। वे सभी उत्सुकता से देखने लगे। लेकिन यह बहुत निराशाजनक साबित हुआ! दलदल के ऊपर धुँध छाई थी! बच्चे उस धुँध के पार नहीं देख पाए। उन्हें सिर्फ़ सामने की सड़क ही दिख रही थी, जो दोनों तरफ़ के दलदल से थोड़ी ऊँची थी। जब धुँध थोड़ी हट जाती थी, तो बच्चों को दोनों तरफ़ दलदल का बोझिल दृश्य दिखने लगता था।

'एक मिनट रुकते हैं,' जूलियन बोला। 'मैं देखना चाहता हूँ कि दलदल कैसा होता है!'

'सड़क से नीचे मत उतरना,' ड्राइवर ने कार रोकते हुए कहा। 'और अपने कुत्ते को बाहर मत निकलने देना। अगर वह भागकर दलदल में गया, तो वह हमेशा के लिए ही चला जाएगा।'

एन ने आँखें फैलाकर पूछा, 'आपका क्या मतलब है – हमेशा के लिए ही चला जाएगा?'

'उनका मतलब है कि दलदल टिमी को तत्काल निगल जाएगा,' जूलियन बोला। 'जॉर्ज, उसे कार में बंद

कर दो।'

जब टिमी को कार में बंद कर दिया गया, तो वह काफ़ी चिढ़ गया। उसने कार के दरवाज़े पर पंजे मारे और वह खिड़की से बाहर देखने की कोशिश करने लगा। ड्राइवर मुड़ा और टिमी से बोला, 'सब कुछ ठीक है। वे लोग जल्दी ही लौट आएँगे!'

लेकिन जब तक बाक़ी लोग कार से बाहर रहे, टिमी लगातार कूँ-कूँ करता रहा। उसने उन्हें सड़क के किनारे जाते देखा। सड़क से दो फ़ुट नीचे दलदल शुरू हो रहा था। जूलियन सड़क से उतरकर वहाँ पहुँच गया।

सड़क के पास ऊँचे पत्थर लगे थे। जूलियन एक पत्थर पर खड़ा हो गया और दलदल को देखने लगा।

'यह कीचड़ है,' उसने कहा। 'ढीला, चिपचिपा कीचड़! देखो, जब मैं इसे अपने पैर से छूता हूँ, तो यह हिलता है! अगर मैं इस पर ज़ोर से पैर रखूँगा, तो यह मुझे निगल जाएगा।'

एन को यह डरावना लगा। उसने जूलियन से कहा, 'जल्दी से वापस सड़क पर आ जाओ। मुझे डर लग रहा है कि तुम कहीं इसमें गिर न जाओ।'

नमक भरे उस जानलेवा दलदल के ऊपर धुँध छाई थी। यह बड़ी अजीब, ठंडी और नम जगह थी। किसी को भी यह जगह अच्छी नहीं लगी। टिमी कार में भौंकने लगा।

जॉर्ज बोली, 'अगर हम जल्दी नहीं लौटे, तो टिम कार को खरोंच-खरोंचकर बर्बाद कर देगा!' इसलिए वे जल्दी ही चुपचाप वापस लौट गए। जूलियन सोच रहा था कि इस दलदल में जाने कितने लोग लापता हुए होंगे।

जब उन्होंने ड्राइवर से यह सवाल पूछा, तो वह बोला, 'ओह, यहाँ बहुत से लोग लापता हुए हैं। लोग कहते हैं कि पहाड़ी से ज़मीन तक पहुँचने के एक-दो घुमावदार रास्ते भी हैं, जिनका इस्तेमाल लोग सड़क बनने से पहले करते थे। लेकिन जब तक किसी को उनके चप्पे-चप्पे के बारे में मालूम न हो, तब तक वह दलदल में गिर सकता है और डूब सकता है।'

'यह विचार ही दिल दहला देने वाला है,' एन बोली। 'इसके बारे में अब कोई बात मत करो। क्या कास्टअवे हिल दिख रही है?'

'हाँ। वह रही, धुँध में दिख रही है,' ड्राइवर बोला। 'उसका सबसे ऊपरी हिस्सा धुँध के बाहर है, देखो? अजीब जगह है, है ना?'

बच्चों ने ख़ामोशी से देखा। धुँध में घिरी एक ऊँची पहाड़ी दिख रही थी। उस पर ऊँची-ऊँची चट्टानें थीं। पहाड़ी धुँध में तैरती हुई दिखाई दे रही थी और ऐसा लग रहा था, जैसे उसका धरती से कोई संबंध ही न हो। उस पर बहुत सी इमारतें बनी थीं, जो इतनी दूर से भी

पुरानी और अजीब दिख रही थीं। उनमें से कुछ इमारतों की मीनारें भी दिख रही थीं।

'पहाड़ी की चोटी पर वह जो इमारत दिख रही है, वही स्मगलर विला होना चाहिए,' जूलियन ने इशारा करते हुए कहा। 'वह इमारत सदियों पुरानी लगती है – और शायद होगी भी! उसकी मीनार को तो देखो। वहाँ से हमें कितना बढ़िया नज़ारा दिखेगा!'

बच्चों ने उस जगह की तरफ़ उत्सुकता से देखा, जहाँ वे रहने जा रहे थे। वह रोमांचक और आकर्षक तो लग रही थी – लेकिन थोड़ी डरावनी भी लग रही थी।

'न जाने क्यों ऐसा लगता है, जैसे यह बहुत ही *रहस्यमयी* जगह है,' एन ने उस बात को शब्दों में कह दिया, जो बाक़ी लोग सोच रहे थे। 'मेरा मतलब है – ऐसा लगता है, जैसे इसमें सदियों के अजीब रहस्य छिपे हुए हैं। इसमें बहुत सी कहानियाँ दफ़न होंगी।'

उनकी कार एक बार फिर चल पड़ी। यह काफ़ी धीमे चल रही थी, क्योंकि धुँध की परत काफ़ी मोटी थी। सड़क पर बीच में चमकते गोल बटन लगे थे। जब ड्राइवर ने कोहरे का लैंप जलाया, तो वे बटन चमकने लगे और रास्ता दिखाने लगे। कास्टअवे हिल के पास पहुँचकर सड़क ऊपर की तरफ़ उठने लगी।

'अब हम जल्दी ही एक बड़े तोरणद्वार से गुज़रेंगे,' ड्राइवर बोला। 'पहले शहर का दरवाज़ा वहीं पर था। पूरे

क़स्बे के चारों तरफ़ एक पुरानी दीवार है। वह इतनी चौड़ी है कि उस पर चला भी जा सकता है। अगर तुम एक जगह से चलना शुरू करोगे और काफ़ी देर तक चलते रहोगे, तो तुम उसी जगह पर लौट आओगे, जहाँ से तुमने चलना शुरू किया था!'

सभी बच्चों ने फ़ैसला कर लिया कि वे यह काम ज़रूर करेंगे। अगर उन्होंने किसी सुहाने दिन ऐसा किया, तो उन्हें पहाड़ी के चारों तरफ़ कितना बढ़िया नज़ारा दिखेगा!

अब चढ़ाई ऊँची हो गई थी, इसलिए ड्राइवर ने गाड़ी का गियर बदल लिया। कार घर्र-घर्र की आवाज़ करती हुई पहाड़ी पर चढ़ने लगी। फिर यह एक तोरणद्वार से निकली, जिसमें पुराने दरवाज़े अब भी लगे थे, हालाँकि उन्हें पीछे की तरफ़ बाँध दिया गया था। कार तोरणद्वार के अंदर घुसी। अब वे कास्टअवे के अंदर पहुँच गए थे।

वहाँ पर पुराने मकान और दुकानें दिख रही थीं। सड़कें थोड़ी टूटी-फूटी थीं। मकानों में चौकोर शीशे वाली खिड़कियाँ थीं। उनके दरवाज़े पुराने और भारी थे। यह सब देखकर जूलियन बोला, 'ऐसा लगता है, जैसे हम सदियों पीछे आ गए हैं। यह जगह सदियों पुरानी दिख रही है!'

कार घुमावदार ऊँची सड़क पर आगे चलती गई और आख़िरकार लोहे के एक बड़े गेट के सामने पहुँच

गई। ड्राइवर ने हॉर्न बजाया और गेट खुल गया। कार एक चढ़ाई पर चढ़ी और स्मगलर विला के सामने रुक गई।

कार से बाहर निकलने पर उन्हें अचानक थोड़ा संकोच होने लगा। उन्हें ऐसा लग रहा था, जैसे बड़ा पुराना मकान उन्हें घूरकर देख रहा था। यह ईंट और लकड़ी से बना था और इसका सामने वाला दरवाज़ा किसी महल जितना बड़ा था।

चौकोर शीशे वाली खिड़कियाँ चारों तरफ़ थीं। पूर्व दिशा में एक गोल मीनार बनी थी और इसके चारों तरफ़ खिड़कियाँ थीं।

'स्मगलर विला!' जूलियन ने कहा। 'यह इसका अच्छा नाम है। मुझे लगता है कि पुराने ज़माने में यहाँ काफ़ी स्मगलिंग होती होगी।'

डिक ने घंटी बजाई। ऐसा करने के लिए उसे लोहे के एक हैंडल को खींचना पड़ा। हैंडल खींचते ही तत्काल मकान में घंटी बजने की आवाज़ सुनाई दी।

दौड़ते हुए क़दमों की आवाज़ आई और दरवाज़ा खुल गया। दरवाज़ा धीरे-धीरे खुला, क्योंकि यह भारी था।

दरवाज़े के पीछे दो बच्चे खड़े थे। वहाँ एन की उम्र की एक लड़की थी और डिक की उम्र का एक लड़का था।

लड़के ने अपनी काली आँखों को मटकाते हुए कहा,

'आख़िर तुम आ ही गए। मैं तो सोच रहा था कि तुम कभी आओगे ही नहीं!'

'यह सूटी है,' डिक ने लड़कियों से उसका परिचय कराया, जो सूटी से पहली बार मिल रही थीं। उन्होंने उसे घूरकर देखा।

वह निश्चित रूप से बहुत काला था। काले बाल, काली आँखें, काली भौंहें और भूरा चेहरा। उसकी तुलना में उसके पास खड़ी लड़की पीली और नाज़ुक दिख रही थी। लड़की के सुनहरे बाल थे, नीली आँखें थीं और उसकी भौंहें इतनी पतली थीं कि मुश्किल से नज़र आती थीं।

'यह मेरी बहन मैरीबेल है,' सूटी ने कहा। 'मैं हमेशा सोचता हूँ कि हम दोनों सुंदरता और बदसूरती की मिसालें हैं!'

सूटी सबको तत्काल पसंद आ गया। जॉर्ज ने उसकी तरफ़ मुस्कराते हुए देखा, जो हैरत की बात थी। आम तौर पर वह अजनबियों से थोड़ा संकोच करती थी और जल्दी दोस्ती नहीं करती थी। लेकिन मटकती काली आँखों और शरारती मुस्कराहट वाले मज़ेदार सूटी को कौन पसंद नहीं करता!

'अंदर आ जाओ,' सूटी बोला। 'ड्राइवर, आप कार को अगले दरवाज़े तक ले जाओ। ब्लॉक सामान निकाल लेगा और आपको चाय-नाश्ता भी करा देगा।'

अचानक सूटी के चेहरे की मुस्कान ग़ायब हो गई और वह बहुत गंभीर दिखने लगा। उसे अचानक टिमी दिख गया था!

उसने पूछा, 'कहीं – कहीं यह तुम्हारा कुत्ता तो नहीं है?'

'वह मेरा ही कुत्ता है,' जॉर्ज टिमी के सिर पर हाथ रखती हुई बोली। 'मुझे उसे लाना ही पड़ा। मैं उसके बिना कहीं नहीं जाती हूँ।'

'लेकिन – स्मगलर विला में कुत्तों को आने की इजाज़त नहीं है,' सूटी बोला। वह बहुत चिंतित दिख रहा था और अपने पीछे देख रहा था, जैसे उसे डर हो कि कोई आकर टिमी को देख लेगा। 'मेरे सौतेले डैडी यहाँ कुत्तों को रखने की इजाज़त कभी नहीं देंगे। एक बार मैं एक भटकते हुए कुत्ते को घर ले आया था और उन्होंने मेरी इतनी मरम्मत की कि मैं कई दिनों तक ठीक से बैठ भी नहीं पाया था।'

यह सुनकर एन सहम गई और जॉर्ज चिढ़ गई।

वह बोली, 'मैंने सोचा था – मैंने सोचा था कि हम यहाँ रहते समय उसे कहीं छिपा लेंगे। लेकिन अगर ऐसा नहीं हो सकता, तो मैं भी कार के साथ घर लौट जाती हूँ। अलविदा।'

वह मुड़कर कार की तरफ़ जाने लगी। टिमी भी उसके पीछे-पीछे जाने लगा। सूटी ने उसे कुछ समय

तक घूरकर देखा और फिर चिल्लाया, 'मूर्ख लड़की, वापस आ जाओ! हम *कोई न कोई* रास्ता निकाल ही लेंगे!'

5

सूटी लेनॉयर

सूटी सामने वाले दरवाज़े के बाहर की सीढ़ियाँ उतरा और जॉर्ज की तरफ़ भागा। बाक़ी बच्चे उसके पीछे-पीछे चल दिए। सूटी की बहन मैरीबेल ने बाहर निकलने के बाद दरवाज़ा बंद कर दिया।

जॉर्ज के पास की ही दीवार में एक छोटा दरवाज़ा था। सूटी ने जॉर्ज को पकड़कर उस दरवाज़े के अंदर धकाया और बाक़ी बच्चों को भी अंदर जाने के लिए कहा।

जॉर्ज ने ग़ुस्से से कहा, 'मुझे इस तरह धक्का मत दो, वरना टिमी तुम्हें काट लेगा।'

'नहीं, वह नहीं काटेगा,' सूटी ने मुस्कराकर कहा। 'कुत्ते मुझे पसंद करते हैं। अगर मैं तुम्हारे कान भी मरोड़ूँ, तब भी तुम्हारा कुत्ता मेरी तरफ़ देखकर प्यार से पूँछ हिलाता रहेगा।'

बच्चों ने देखा कि वे एक अँधेरे गलियारे में खड़े थे। दूर एक दरवाज़ा दिख रहा था। सूटी बोला, 'एक मिनट यहीं ठहरो। मैं देखकर आता हूँ कि मैदान तो साफ़ है। मेरे सौतेले डैडी घर में ही हैं और अगर उन्होंने कुत्ते को

देख लिया, तो वे तुम सबको दोबारा कार में वापस भिजवा देंगे! मैं यह नहीं होने देना चाहता, क्योंकि मैं तुम लोगों के आने से बहुत ख़ुश हूँ!'

एक बार फिर वह उनकी तरफ़ देखकर मुस्कराया। इस मुस्कराहट ने उन सभी का दिल जीत लिया, जॉर्ज का भी, जो धकेले जाने के कारण उससे अब भी ग़ुस्सा थी। वह टिमी को बिलकुल पास रखे थी।

बहरहाल, सब बच्चे मिस्टर लेनॉयर से थोड़ा डरने लगे। ऐसा लग रहा था कि वे खूँखार क़िस्म के आदमी थे!

सूटी दबे पाँव गलियारे के सिरे वाले दरवाज़े तक गया। उसने उसे खोलकर कमरे में झाँककर देखा और फिर लौट आया।

उसने कहा, 'मैदान साफ़ है। हम इस रहस्यमय गलियारे से मेरे बेडरूम में चलते हैं। तब हमें कोई नहीं देख पाएगा। एक बार वहाँ पहुँच जाने के बाद हम तुम्हारे कुत्ते को छिपाने की योजना बना सकते हैं। सब तैयार हो?'

रहस्यमय गलियारा रोमांचक लग रहा था। बच्चों को लगा, यह तो किसी रोमांचक कहानी की तरह है। वे फ़ौरन दरवाज़े तक पहुँचे और उसके पार वाले कमरे में घुस गए। उस कमरे में थोड़ा अँधेरा था और उसमें लकड़ी के पटिये लगे थे। यह शायद स्टडी होगी, क्योंकि

यहाँ एक बड़ी डेस्क थी और दीवारों पर किताबें लाइन से जमी थीं। वहाँ कोई भी नहीं था।

सूटी दीवार में लगे एक लकड़ी के पटिये के पास गया और उसने वहाँ एक ख़ास जगह को दबाया। पटिया धीरे से सरक गया। सूटी ने अपना हाथ उसके अंदर डालकर किसी चीज़ को खींचा। नीचे वाला एक बड़ा पटिया सरक गया और अब उसमें इतनी बड़ी जगह दिखने लगी, जिसमें से बच्चे अंदर जा सकते थे।

'चलो,' सूटी ने धीरे से कहा। 'आवाज़ मत करना।'

रोमांचित बच्चे उस ख़ाली जगह में से अंदर चले गए। सूटी सबके बाद आया और उसने ऐसा कुछ किया, जिससे खुली जगह भी बंद हो गई और पटिया भी वापस अपनी जगह पर पहुँच गया।

उसने एक छोटी टॉर्च जला ली, क्योंकि जहाँ बच्चे खड़े थे, वहाँ घुप्प अँधेरा था।

वे पत्थर के एक सँकरे गलियारे में थे। गलियारा इतना सँकरा था कि दो लोग आमने-सामने से एक साथ नहीं गुज़र सकते थे, जब तक कि वे बेहद दुबले-पतले न हों। सूटी ने अपनी टॉर्च जूलियन को दे दी, जो सबसे आगे चल रहा था।

उसने कहा, 'सीधे चलते रहो, जब तक कि पत्थर की सीढ़ियाँ न आ जाएँ। सीढ़ियों पर चढ़कर दाहिनी तरफ़ मुड़ना। इसके बाद तब तक सीधे चलते जाना,

जब तक कि सामने दीवार न आ जाए। फिर मैं तुम्हें बताऊँगा कि इसके बाद क्या करना है।'

जूलियन सबसे आगे चल रहा था और टॉर्च की रोशनी से सबको रास्ता दिखा रहा था। सँकरा गलियारा सीधा चलता गया और कुछ समय बाद उसमें पत्थर की सीढ़ियाँ आ गईं। गलियारा न सिर्फ़ बहुत सँकरा था, बल्कि बहुत नीचा भी था, इसलिए चलते समय सिर्फ़ एन और मैरीबेल को ही अपना सिर नहीं झुकाना पड़ा।

एन को यह गलियारा पसंद नहीं आया। उसे बहुत सँकरी और बंद जगहें पसंद नहीं आती थीं। इससे उसे उन बुरे सपनों की याद आती थी, जिनमें वह किसी ऐसी जगह पर फँस जाती थी, जहाँ से वह निकल नहीं पाती थी। वह ख़ुश हुई, जब जूलियन बोला, 'सीढ़ियाँ ये रहीं। अब हम ऊपर चलते हैं।'

'कोई आवाज़ मत करना,' सूटी ने धीमी आवाज़ में कहा। 'हम इस समय डाइनिंग रूम के पास से निकल रहे हैं। इस गलियारे में वहाँ से भी एक रास्ता आता है।'

सभी ख़ामोश हो गए और पंजों के बल चलने की कोशिश करने लगे। यह बहुत मुश्किल काम था, क्योंकि उनके सिर और कंधे झुके हुए थे।

वे चौदह सीढ़ियाँ चढ़े, जो बहुत ऊँची थीं और आधे रास्ते पर मुड़ गई थीं। जूलियन ऊपर पहुँचकर दाहिनी तरफ़ मुड़ गया। गलियारा ऊपर की तरफ़ जाने लगा,

हालाँकि यह अब भी सँकरा ही था। जूलियन को पूरा विश्वास था कि इस गलियारे में बहुत मोटा आदमी नहीं चल सकता था।

जूलियन तब तक चलता रहा, जब तक कि वह पत्थर की दीवार से नहीं टकरा गया! उसने टॉर्च की रोशनी में ऊपर-नीचे देखा। पीछे से सूटी की धीमी आवाज़ आई।

'सामने दीवार है, जूलियन। अपनी टॉर्च की रोशनी उस तरफ़ करो, जहाँ गलियारे की छत दीवार से मिलती है। वहाँ पर तुम्हें लोहे का हैंडल दिखेगा। उसे ज़ोर से दबाओ।'

जूलियन ने जब अपनी टॉर्च ऊपर की तरफ़ की, तो उसे हैंडल दिख गया। उसने अपनी टॉर्च अपने बाएँ हाथ में पकड़ ली और अपने दाएँ हाथ में लोहे का मोटा हैंडल पकड़ लिया। उसने उसे अपनी पूरी ताक़त से दबाया।

बहुत ख़ामोशी से दीवार के बीच का बड़ा पत्थर आगे निकलकर सरक गया, जिससे एक बड़ा छेद बन गया।

जूलियन हैरान था। उसने लोहे का हैंडल छोड़ दिया और उस छेद में अपनी टॉर्च चमकाई। वहाँ पर अँधेरे के अलावा कुछ नहीं था!

'चिंता मत करो। यह मेरे बेडरूम की अलमारी में खुलता है!' सूटी ने पीछे से कहा। 'अंदर जाओ, जूलियन! हम तुम्हारे पीछे-पीछे आ रहे हैं। मेरे कमरे में कोई नहीं

होगा।'

जूलियन उस छेद में से बाहर निकला। अब वह एक बड़ी अलमारी में पहुँच गया था, जिसमें सूटी के कपड़े टँगे थे। उसने हाथ बढ़ाकर टटोला और उसे एक दरवाज़ा मिल गया। जैसे ही उसने दरवाज़ा खोला, दिन की रोशनी अलमारी में आ गई, जिससे गलियारे से कमरे तक जाने का रास्ता दिखने लगा।

एक-एक करके सभी बच्चे उस छेद से बाहर निकलकर अलमारी में आए और फिर अलमारी के दरवाज़े से होते हुए ख़ुशी-ख़ुशी कमरे में पहुँच गए।

टिमी हैरानी और ख़ामोशी से जॉर्ज के पीछे चल रहा था। उसे अँधेरा, सँकरा गलियारा बहुत बुरा लग रहा था। दोबारा रोशनी में आकर वह काफ़ी ख़ुश हुआ!

सूटी सबके बाद आया। उसने पत्थर को दबाकर गलियारे का छेद बंद कर दिया। यह बहुत आसानी से बंद हो गया, हालाँकि जूलियन यह सोच रहा था कि यह जाने कैसे बंद होता होगा। उसने सोचा, यह ज़रूर किसी मोटे तार से बंद होता होगा।

सूटी अपने बेडरूम में घुसते समय मुस्करा रहा था। जॉर्ज टिमी के गले के पट्टे पर अपना हाथ रखे थी। सूटी बोला, 'अब सब ठीक है, जॉर्ज। हम यहाँ काफ़ी सुरक्षित हैं। मेरे और मैरीबेल के कमरे बाक़ी घर से बिलकुल अलग-थलग हैं। हम घर के एक अलग खंड में

रहते हैं, जहाँ तक पहुँचने के लिए एक लंबे गलियारे को पार करना पड़ता है!'

उसने दरवाज़ा खोला और सभी बच्चों को गलियारा दिखाया। उसके कमरे के बग़ल में ही मैरीबेल का कमरा था। इन दोनों कमरों के अलावा वहाँ सिर्फ़ एक गलियारा था, जहाँ दरी बिछी थी। गलियारे के दूसरे छोर पर रोशनी के लिए एक बड़ी खिड़की थी। उसी के पास लकड़ी का एक बड़ा दरवाज़ा भी था, जो बंद था।

'देखा? हम यहाँ काफ़ी सुरक्षित और अलग-थलग हैं,' सूटी बोला। 'अगर टिमी भौंकेगा भी, तो भी किसी को पता नहीं चलेगा।'

'लेकिन क्या यहाँ कोई कभी नहीं आता?' एन ने हैरानी से पूछा। 'तो फिर तुम्हारे कमरों की सफ़ाई कौन करता है?'

'ओह, सारा हर सुबह यहाँ सफ़ाई करने के लिए आती है,' सूटी बोला। 'लेकिन आम तौर पर यहाँ और कोई नहीं आता है। और वैसे भी, जब कोई उस दरवाज़े को खोलता है, तो मुझे फ़ौरन पता चल जाता है!'

उसने गलियारे के दरवाज़े की तरफ़ इशारा किया। बाक़ी बच्चों ने उसे घूरकर देखा।

डिक बोला, 'तुम्हें कैसे पता चल जाता है?'

सूटी गर्व से बोला, 'मैंने यहाँ एक ख़ुफ़िया मशीन लगा रखी है। जैसे ही दरवाज़ा खुलता है, मेरे कमरे में

बज़र बजने लगता है। देखो, मैं जाकर दरवाज़ा खोलता हूँ, तुम यहीं रुककर बज़र की आवाज़ सुनना।'

वह गलियारे में तेज़ी से गया और उसके छोर पर लगे भारी दरवाज़े को खोल दिया। कमरे में तत्काल एक धीमी आवाज़ होने लगी, जिसे सुनकर सभी बच्चे उछल पड़े। आवाज़ सुनकर टिमी भी चौंक गया। उसने अपने कान खड़े किए और तेज़ी से गुर्राने लगा।

सूटी ने दरवाज़ा बंद किया और भागकर वापस आया। उसने पूछा, 'क्या तुमने आवाज़ सुनी? यह बहुत अच्छी व्यवस्था है, है ना? मैं हमेशा इसी तरह की चीज़ें सोचता रहता हूँ।'

बाक़ी बच्चों को लगा कि वे बड़ी अजीब जगह पर आ गए हैं! उन्होंने सूटी के बेडरूम में चारों तरफ़ देखा, जो सामान्य ढंग से सजा था और अस्त-व्यस्त था। उसमें चौकोर शीशों वाली एक बड़ी खिड़की भी थी। एन वहाँ से बाहर का नज़ारा देखने के लिए गई।

बाहर देखते ही उसकी साँस अटक गई। नीचे बहुत गहरी खाई थी! स्मगलर विला पहाड़ी की चोटी पर बना था और सूटी के बेडरूम के नीचे दलदल साफ़ नज़र आ रहा था!

'ओह देखो!' उसने कहा। 'कितनी गहरी खाई है! इतनी नीचे देखकर मुझे बहुत अजीब लग रहा है!'

बाक़ी बच्चे भी खिड़की के पास आ गए और ख़ामोशी

से देखते रहे, क्योंकि खाई वाक़ई बहुत गहरी थी और उसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाते थे।

सूरज पहाड़ी की चोटी पर चमक रहा था, लेकिन उन्हें चारों तरफ़ धुँध ही दिखाई दे रही थी। धुँध ने दलदल और दूर के समुद्र को छिपा रखा था। सिर्फ़ ऊँची पहाड़ी के ठीक नीचे वाला दलदल ही नज़र आ रहा था।

सूटी बोला, 'जब धुँध हट जाएगी, तब तुम यहाँ से दलदल और समुद्र को अच्छी तरह देख सकते हो। यहाँ से बहुत बढ़िया नज़ारा दिखता है। तुम्हें यह समझ में ही नहीं आएगा कि दलदल कहाँ ख़त्म होता है और समुद्र कहाँ शुरू होता है, जब तक कि समुद्र बहुत नीला न हो। ज़रा सोचो, कभी समुद्र इस पहाड़ी के चारों तरफ़ था और यह जगह एक टापू थी।'

'हाँ। डैडी और सराय के मालिक ने हमें यह बात बताई थी,' जॉर्ज बोली। 'समुद्र दूर क्यों चला गया?'

'क्या पता,' सूटी बोला। 'लोग कहते हैं कि यह लगातार दूर होता जा रहा है। एक बड़ी योजना बन रही है कि दलदल को सुखाकर इसे मैदान में बदल दिया जाए, लेकिन क्या पता यह कब होगा!'

'मुझे वह दलदल पसंद नहीं है,' एन ने काँपते हुए कहा। 'न जाने क्यों यह मुझे बहुत बुरा लगता है?'

टिमी ने कूँ-कूँ की। इससे जॉर्ज को याद आया कि उन्हें टिमी को छिपाने की योजना भी तो बनानी है। वह

सूटी की तरफ़ मुड़ी।

उसने पूछा, 'टिम को कैसे छिपाएँगे? उसे कहाँ रखेंगे? और उसे खाना कैसे देंगे? और हम उसे घुमाने कैसे ले जाएँगे? तुम तो जानते ही हो, वह बहुत बड़ा कुत्ता है।'

'हम इस सबकी योजना बना लेंगे,' सूटी बोला। 'तुम चिंता मत करो। मुझे कुत्ते बहुत अच्छे लगते हैं और मैं टिमी के यहाँ रहने से ख़ुश हूँ। लेकिन मैं तुम्हें चेतावनी दे दूँ कि अगर मेरे सौतेले डैडी को कभी उसके बारे में पता चल गया, तो हम सबको बहुत डाँट पड़ेगी और तुम्हें अपमानित होकर घर लौटना पड़ेगा।'

'लेकिन तुम्हारे डैडी को कुत्ते पसंद क्यों नहीं हैं?' एन ने हैरानी से पूछा। 'क्या वे उनसे डरते हैं?'

सूटी बोला, 'नहीं, ऐसा तो नहीं लगता। बस उन्हें घर में कुत्ते अच्छे नहीं लगते। मुझे लगता है, इसके पीछे कोई कारण तो ज़रूर होगा, लेकिन मुझे वह कारण नहीं मालूम। मेरे सौतेले डैडी बहुत अजीब हैं!'

डिक ने पूछा, 'वे किस तरह से अजीब हैं?'

'ऐसा लगता है कि उनके बहुत से राज़ हैं,' सूटी बोला। 'संदिग्ध लोग यहाँ छिप-छिपकर आते हैं। कई रातों को मैंने मीनार पर रोशनी चमकते देखी है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह रोशनी कौन और क्यों चमकाता है। मैंने पता लगाने की काफ़ी कोशिश की, लेकिन कुछ भी पता नहीं चल पाया।'

एन ने अचानक पूछा, 'क्या तुम्हें लगता है – क्या तुम्हें लगता है कि तुम्हारे डैडी स्मगलर हैं?'

'नहीं,' सूटी बोला। 'यहाँ पर एक ही स्मगलर है और सब लोग उसे जानते हैं! दाहिनी तरफ़ का वह मकान दिख रहा है, पहाड़ी के थोड़ा नीचे? वह वहीं रहता है। वह बहुत अमीर है। उसका नाम बार्लिंग है। यहाँ तक कि पुलिस भी उसकी हरकतों के बारे में जानती है, लेकिन पुलिस भी उसे नहीं रोक पाती है। वह बहुत अमीर और पहुँच वाला है, इसलिए वह जो चाहता है, करता है। वह किसी दूसरे को अपना खेल नहीं खेलने देगा! जब तक *वह* यहाँ स्मगलिंग कर रहा है, तब तक कास्टअवे में कोई और स्मगलिंग करने की हिम्मत भी नहीं कर सकता!'

'यह जगह तो काफ़ी रोमांचक लगती है,' जूलियन बोला। 'मुझे लगता है कि यहाँ पर बहुत से रहस्य छिपे हुए होंगे!'

'ओह नहीं,' सूटी बोला। 'ऐसा कुछ नहीं है। सिर्फ़ ऐसा लगता है, क्योंकि यह जगह बहुत पुरानी है और इसमें बहुत से ख़ुफ़िया गलियारे हैं। पूरी पहाड़ी में चट्टानी गलियारे हैं, जिनका इस्तेमाल पुराने ज़माने में स्मगलर करते थे!'

जूलियन कुछ कहने वाला था, लेकिन अचानक रुक गया। सब लोगों ने सूटी को घूरकर देखा। उसका

ख़ुफ़िया बज़र अचानक बजने लगा था! इसका मतलब था कि किसी ने गलियारे वाला दरवाज़ा खोला था!

6

सूटी के सौतेले डैडी

'कोई आ रहा है!' जॉर्ज दहशत में बोली। 'हम टिम का क्या करें? जल्दी!'

सूटी ने टिमी का पट्टा पकड़ा और उसे पुरानी अलमारी में घुसाकर दरवाज़ा बंद कर दिया। उसने टिमी को आदेश दिया, 'चुप रहना!' टिमी अँधेरी अलमारी में चुपचाप खड़ा रहा। उसकी गर्दन के बाल और कान भी खड़े थे।

सूटी ने उत्साह भरी आवाज़ में कहा, 'अब मैं तुम्हें दिखा दूँ कि तुम लोगों के बेडरूम कहाँ हैं!'

तभी दरवाज़ा खुला और एक आदमी अंदर आया। उसने काला पैंट और सफ़ेद कोट पहन रखा था। उसका चेहरा अजीब था। एन ने मन ही मन सोचा, 'यह चेहरा बिलकुल सपाट है। किसी को भी पता नहीं चल सकता कि वह क्या सोच रहा होगा, क्योंकि उसके चेहरे पर कोई भाव ही नहीं है।'

'हैलो, ब्लॉक,' सूटी ने कहा। फिर वह बच्चों की तरफ़ मुड़कर बोला, 'यह ब्लॉक है, मेरे सौतेले डैडी का ख़ास आदमी। वह बहरा है, इसलिए तुम उसके सामने

कुछ भी कह सकते हो, लेकिन अच्छा यही रहेगा कि ऐसा न किया जाए। हालाँकि वह सुन नहीं सकता है, लेकिन वह अंदाज़ा लगा सकता है कि हम क्या बोल रहे हैं!'

'मुझे लगता है कि उसके बहरेपन का नाजायज़ फ़ायदा उठाना बहुत बुरी बात होगी,' जॉर्ज बोली, जिसके विचार इस तरह के मामले में बहुत दृढ़ थे।

ब्लॉक ने अजीब सी नीरस आवाज़ में कहा, 'तुम्हारी मम्मी और सौतेले डैडी यह जानना चाहते हैं कि तुम अपने दोस्तों को उनसे मिलाने क्यों नहीं ले गए? तुम उन्हें सीधे अपने कमरे में क्यों ले आए?'

ब्लॉक ने यह कहते समय चारों तरफ़ देखा। जॉर्ज ने दहशत में सोचा, ऐसा लग रहा था, जैसे वह जानता है कि वहाँ पर एक कुत्ता भी है और वह यह सोच रहा था कि कुत्ता कहाँ चला गया। जॉर्ज मन ही मन डर रही थी कि कहीं कार के ड्राइवर ने उससे टिमी का ज़िक्र न कर दिया हो।

सूटी बोला, 'ओह – मैं इन लोगों को देखकर इतना ख़ुश हुआ कि मुझे ध्यान ही नहीं रहा और मैं इन्हें सीधे यहाँ लेकर आ गया! ठीक है, ब्लॉक। हम बस एक मिनट में नीचे आते हैं।'

ब्लॉक चला गया। उसका चेहरा बिलकुल भावहीन था। न कोई मुस्कराहट, न कोई त्योरी! एन बोली, 'मुझे

वह अच्छा नहीं लगा। क्या वह तुम्हारे यहाँ लंबे समय से है?'

'नहीं – बस एक साल से है,' सूटी बोला। 'वह एक दिन अचानक यहाँ आ गया था। यहाँ तक कि मम्मी को भी उसके आने के बारे में मालूम नहीं था! वह बस आ गया और बिना कुछ बोले सफ़ेद कोट पहनकर मेरे सौतेले डैडी के कमरे में काम करने चला गया। मुझे लगता है, मेरे सौतेले डैडी उसके आने के बारे में जानते थे, लेकिन उन्होंने मम्मी को कुछ नहीं बताया था। मम्मी ब्लॉक के आने से बहुत हैरान हुई थीं।'

एन ने पूछा, 'वे तुम्हारी सगी मम्मी हैं या सौतेली?'

सूटी ने मुँह बनाकर कहा, 'किसी के मम्मी *और* डैडी एक साथ सौतेले कैसे हो सकते हैं! दोनों में से एक ही सौतेला होता है। मेरी मम्मी मेरी सगी मम्मी हैं और वे मैरीबेल की मम्मी भी हैं। लेकिन मैरीबेल मेरी आधी बहन है, क्योंकि मेरे सौतेले डैडी उसके *सगे* डैडी हैं।'

'यह मामला बहुत उलझा हुआ है,' एन ने रिश्तों को सुलझाने की कोशिश करते हुए कहा।

'चलो, अब नीचे चलते हैं,' सूटी बोला। 'मेरे सौतेले डैडी हमेशा बहुत अच्छे दिखते हैं, मुस्कराते रहते हैं और हँसी-मज़ाक़ करते रहते हैं – लेकिन यह सब नाटक है। वे किसी भी समय बुरी तरह ग़ुस्सा हो जाते हैं।'

'मुझे उम्मीद है कि उनसे हमारा ज़्यादा सामना नहीं

होगा,' एन ने परेशानी से कहा। 'तुम्हारी मम्मी कैसी हैं, सूटी ?'

'बेचारी मम्मी तो डैडी के सामने डरी हुई चुहिया की तरह रहती हैं!' सूटी बोला। 'वे तुम्हें पसंद आएँगी। वे बहुत अच्छी हैं। लेकिन उन्हें यहाँ रहना पसंद नहीं है। उन्हें यह घर पसंद नहीं है और वे मेरे सौतेले डैडी से बहुत डरती हैं। वे ऐसा कहती नहीं हैं, लेकिन मैं जानता हूँ।'

मैरीबेल बहुत संकोची थी, इसलिए वह अब तक कुछ नहीं बोली थी। उसने अपना सिर हिलाया।

वह बोली, 'मुझे भी यहाँ रहना अच्छा नहीं लगता। मैं भी सूटी की तरह बोर्डिंग स्कूल में रहना चाहती हूँ। बस मुझे यही अफ़सोस होगा कि मेरे जाने के बाद मम्मी यहाँ अकेली रह जाएँगी।'

'चलो,' सूटी बोला और सबसे आगे चलने लगा। 'वापस लौटने तक हम टिमी को अलमारी में ही बंद रहने देते हैं। कहीं ब्लॉक यहाँ जासूसी करने न आ जाए! मैं अलमारी के दरवाज़े पर ताला लगा देता हूँ और चाबी अपनी जेब में रख लेता हूँ।'

अनिच्छा से टिमी को अलमारी में बंद करके बच्चे सूटी और मैरीबेल के पीछे चलने लगे। वे गलियारे से होते हुए लकड़ी के दरवाज़े तक पहुँचे। दूसरी तरफ़ पहुँचने पर उन्हें ऊँची सीढ़ियाँ दिखाई दीं, जो काफ़ी

चौड़ी थीं। वे सीढ़ियाँ उतरकर एक बड़े हॉल में पहुँच गए।

दाहिनी तरफ़ एक दरवाज़ा था, जिसे खोलकर सूटी अंदर चला गया।

उसने किसी से कहा, 'वे सभी यहाँ हैं। माफ़ कीजिए डैडी, मैं उन्हें सीधे अपने बेडरूम में ले गया था। लेकिन मैं उन्हें देखकर इतना ख़ुश हुआ था कि मुझे ध्यान ही नहीं रहा!'

मिस्टर लेनॉयर ने भारी आवाज़ में कहा, 'पियरे, तुम्हारी तहज़ीब कहाँ गई? ज़रा तहज़ीब सीखो!' बच्चों ने उन्हें देखा। वे लकड़ी की एक बड़ी कुर्सी पर बैठे थे। वे चकाचक और समझदार दिख रहे थे। उनके बाल ऊपर की तरफ़ कढ़े हुए थे और उनकी आँखें भी मैरीबेल की तरह ही नीली थीं। वे मुस्करा रहे थे, लेकिन सिर्फ़ उनका चेहरा मुस्करा रहा था। उनकी आँखें नहीं मुस्करा रही थीं।

'कितनी भावहीन आँखें हैं!' एन ने सोचा, जब वह उनसे हाथ मिलाने के लिए आगे बढ़ी। उनका हाथ ठंडा था। वे उसकी तरफ़ देखकर मुस्कराए और उसका कंधा थपथपाया।

वे बोले, 'कितनी प्यारी बच्ची है! मैरीबेल से तुम्हारी ख़ूब जमेगी। सूटी के लिए तीन लड़के और मैरीबेल के लिए एक लड़की। हा... हा!'

ज़ाहिर है, उन्होंने जॉर्ज को लड़का समझा था। और वह लड़के जैसी दिख भी रही थी। उसने हमेशा की तरह जीन्स और जर्सी पहन रखी थी और उसके घुँघराले बाल बहुत छोटे थे।

किसी ने भी यह नहीं बताया कि जॉर्ज लड़का नहीं, लड़की है। निश्चित रूप से जॉर्ज तो यह बताने वाली नहीं थी! जॉर्ज, डिक और जूलियन ने मिस्टर लेनॉयर से हाथ मिलाया। उन्हें दिखा ही नहीं कि सूटी की मम्मी भी वहीं थीं।

वे एक कुर्सी पर बैठी हुई थीं। वे गुड़िया की तरह छोटी थीं। उनके बालों का रंग थोड़ा मटमैला था और उनकी आँखें भूरी थीं। एन उनकी तरफ़ मुड़ी।

इससे पहले कि वह ख़ुद को रोक पाए, उसके मुँह से निकल गया, 'आप तो बहुत छोटी हैं!'

मिस्टर लेनॉयर हँस दिए। वे हर बात पर हँस रहे थे। मिसेज़ लेनॉयर उठकर खड़ी हुईं और मुस्कराईं। उनकी लंबाई एन जितनी ही थी। आज तक एन ने किसी बड़े व्यक्ति के इतने छोटे हाथ-पैर नहीं देखे थे। एन को वे पसंद आईं। वह उनसे हाथ मिलाकर बोली, 'आपने हमें यहाँ रहने के लिए बुलाया, इसके लिए हम शुक्रगुज़ार हैं। मुझे लगता है, आपको यह मालूम होगा कि हमारे मकान की छत पर एक पेड़ गिर गया था। इस कारण सब कुछ तहस-नहस हो गया!'

मिस्टर लेनॉयर एक बार फिर हँस दिए। फिर उन्होंने एक मज़ाक़ किया, जिस पर सभी लोग विनम्रता से मुस्करा दिए।

उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यहाँ तुम्हें अच्छा लगेगा। पियरे और मैरीबेल तुम्हें पूरा क़स्बा घुमा देंगे और अगर तुम सावधान रहने का वादा करो, तो तुम सड़क पर चलकर दलदल के पार बने सिनेमाघर तक भी जा सकते हो।'

'धन्यवाद,' सभी ने कहा और मिस्टर लेनॉयर फिर से हँसने लगे।

अचानक उन्होंने जूलियन की तरफ़ मुड़ते हुए कहा, 'तुम्हारे डैडी बहुत समझदार हैं।' जूलियन समझ गया कि उन्होंने ग़लती से उसे जॉर्ज समझ लिया था। 'मुझे उम्मीद है कि वे तुम्हें लेने आएँगे। तब मुझे उनसे बातचीत करने का अच्छा मौक़ा मिलेगा। वे और मैं एक ही तरह के प्रयोगों में जुटे हैं, लेकिन वे मुझसे काफ़ी आगे हैं।'

'ओह!' जूलियन ने विनम्रता से कहा। फिर गुड़िया जैसी मिसेज़ लेनॉयर धीमी आवाज़ में बोलीं।

'ब्लॉक मैरीबेल के पढ़ने के कमरे में तुम्हें खाना परोसेगा, ताकि मेरे पति को तकलीफ़ न हो। उन्हें खाना खाते वक़्त बातचीत पसंद नहीं है और यह बच्चों पर थोड़ा भारी होगा।'

मिस्टर लेनॉयर दोबारा हँसने लगे। उन्होंने अपनी भावहीन नीली आँखों से बच्चों को ग़ौर से देखा। फिर वे अचानक बोले, 'पियरे, मैं तुम्हें एक बार फिर चेतावनी देता हूँ कि तुम पहाड़ी की सुरंगों में मत जाना। और तुम शहर की दीवार पर भी मत चलना, जैसा तुम करते रहते हो। अब तुम्हारे साथ बाक़ी बच्चे भी हैं और मैं नहीं चाहता कि उन्हें कोई ख़तरा हो। मुझसे वादा करो कि तुम ऐसा नहीं करोगे।'

'मैं शहर की दीवार पर नहीं चलता हूँ,' सूटी ने विरोध किया। 'और मैं सुरंगों में भी नहीं जाता हूँ।'

'तुम हमेशा बेवकूफ़ी के काम करते रहते हो,' मिस्टर लेनॉयर ने कहा और उनकी नाक की नोक अचानक सफ़ेद हो गई। एन ने उसे दिलचस्पी से देखा। वह नहीं जानती थी कि मिस्टर लेनॉयर के ग़ुस्सा होते ही उनकी नाक की नोक हमेशा सफ़ेद हो जाती थी।

'देखिए, पिछले टर्म में मेरे अपनी क्लास में सबसे ज़्यादा नंबर आए थे,' सूटी ने आहत अंदाज़ में कहा। बाक़ी बच्चे समझ गए कि वह मिस्टर लेनॉयर का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि वह उनसे वादा नहीं करना चाहता!

मिसेज़ लेनॉयर भी बातचीत में शामिल हो गईं और बोलीं, 'उसे सचमुच पिछले टर्म में बहुत अच्छे नंबर मिले थे। आपको याद होगा –'

'बहुत हो गया!' मिस्टर लेनॉयर ग़ुस्से से बोले। जो मुस्कराहटें और हँसी वे इतनी दरियादिली से लुटा रहे थे, अचानक पूरी तरह ग़ायब हो गईं। फिर वे गरजकर बोले, 'तुम सभी फ़ौरन यहाँ से चले जाओ!'

जूलियन, डिक, एन और जॉर्ज डरते-डरते कमरे से बाहर निकल गए। पीछे-पीछे मैरीबेल और सूटी भी आ गए। सूटी दरवाज़ा बंद करते समय मुस्करा रहा था।

उसने कहा, 'देखा, मैंने डैडी से कोई वादा नहीं किया। वे हमारा सारा मज़ा ख़राब करना चाहते थे। जब तक इस जगह को अच्छे से न घूमा जाए, तब तक मज़ा कैसे आएगा? मैं तुम्हें यहाँ बहुत सी अजीब चीज़ें दिखाऊँगा।'

एन ने पूछा, 'सुरंगें कैसी हैं?' उसके मन में रेल की सुरंगों की तस्वीर थी।

'पहाड़ी के अंदर बहुत सी घुमावदार, ख़ुफ़िया सुरंगें हैं,' सूटी बोला। 'कोई भी सारी सुरंगों के बारे में नहीं जानता। उनकी भूलभुलैया में कोई भी आसानी से ग़ुम हो सकता है। बहुत से लोग वहाँ खो भी चुके हैं!'

जॉर्ज ने पूछा, 'यहाँ पर इतने सारे ख़ुफ़िया रास्ते और चीज़ें क्यों हैं?'

जूलियन बोला, 'कारण साफ़ है! यह जगह कभी स्मगलरों का अड्डा थी और कई मौक़ों पर उन्हें न सिर्फ़ सामान को बल्कि ख़ुद को भी छिपाना पड़ता होगा! और

सूटी के अनुसार एक स्मगलर अब भी यहाँ रहता है! तुमने उसका क्या नाम बताया था – बार्लिंग, है ना?'

'हाँ,' सूटी बोला। 'ऊपर की मंज़िल पर चलते हैं। मैं तुम्हें तुम्हारे कमरे दिखाता हूँ। वहाँ से तुम्हें क़स्बे का अच्छा नज़ारा दिखेगा।'

वह उन्हें पास-पास बने दो कमरों में ले गया। सूटी और मैरीबेल के कमरे जिस दिशा में थे, ये दोनों कमरे बड़ी सीढ़ियों से दूसरी दिशा में थे। दोनों ही कमरे छोटे थे, लेकिन अच्छी तरह से सजे थे। जैसा सूटी ने कहा था, वहाँ से कास्टअवे हिल की पुरानी छतों और मीनारों का बढ़िया नज़ारा दिखता था। वहाँ से उन्हें मिस्टर बार्लिंग का मकान भी अच्छी तरह दिखता था।

जॉर्ज और एन के लिए एक कमरा था तथा जूलियन और डिक के लिए दूसरा। मिसेज़ लेनॉयर यह नहीं भूली थीं कि दो लड़कियाँ और दो लड़के आए हैं। उन्होंने अपने पति मिस्टर लेनॉयर की तरह यह नहीं सोचा था कि एक लड़की और तीन लड़के आए हैं!

'कमरे तो काफ़ी आरामदेह हैं,' एन बोली। 'मुझे ये लकड़ी के पटिये पसंद हैं। क्या हमारे कमरों में ख़ुफ़िया गलियारे हैं, सूटी?'

'इंतज़ार करो, तुम्हें सब कुछ पता चल जाएगा!' सूटी ने मुस्कराकर कहा। 'देखो, वह रहा तुम्हारा सामान, जिसे सूटकेसों से निकालकर जमा दिया गया है। मुझे

लगता है कि यह काम सारा ने किया होगा। तुम्हें वह पसंद आएगी। वह ब्लॉक की तरह नहीं है। वह मोटी और ख़ुशमिजाज़ औरत है!'

ऐसा लग रहा था जैसे सूटी टिम के बारे में भूल ही गया था। जॉर्ज ने उसे याद दिलाया।

'और टिमी का क्या करें? तुम तो जानते ही हो, उसे मेरे पास ही रखना होगा। इसके अलावा हमें उसे खाना खिलाने और घुमाने की व्यवस्था भी तो करनी होगी। ओह सूटी, मुझे उम्मीद है कि वह ठीक-ठाक रहेगा। टिमी को अगर कोई परेशानी हुई, तो मैं घर लौटना पसंद करूँगी।'

'वह बिलकुल ठीक-ठाक रहेगा,' सूटी बोला। 'मैं उसे उस ख़ुफ़िया गलियारे में छोड़ दूँगा, जिसमें चलकर हम मेरे बेडरूम में आए थे। जहाँ तक उसे घुमाने का सवाल है, तो हम उसे एक ख़ुफ़िया सुरंग से घर से बाहर निकाल लेंगे। वह सुरंग क़स्बे में आधी दूरी पर खुलती है। फिर वह अच्छी तरह घूम सकता है। ओह, टिमी का समय बहुत अच्छा बीतेगा!'

जॉर्ज को इस बात पर बहुत भरोसा नहीं था। 'क्या वह रात को मेरे साथ सो सकता है?' उसने पूछा। 'अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह भौंक-भौंककर पूरे घर को हिला देगा।'

'देखो - हम इसकी भी कोशिश करेंगे,' सूटी ने थोड़ी

शंका से कहा। 'हमें इस बारे में बहुत सतर्क रहना होगा। हम नहीं चाहते कि हम किसी गंभीर मुश्किल में पड़ जाएँ। तुम्हें अंदाज़ा नहीं है कि मेरे सौतेले डैडी कितने नाराज़ हो सकते हैं!'

वे इसका अंदाज़ा लगा सकते थे। जूलियन ने अजीब तरीक़े से सूटी को देखा और पूछा, 'क्या तुम्हारे सगे डैडी का नाम भी लेनॉयर था?'

सूटी ने सिर हिलाया, 'हाँ। वे मेरे सौतेले डैडी के चचेरे भाई थे और वे काले थे। सभी लेनॉयर आम तौर पर काले रंग के ही होते हैं। मेरे सौतेले डैडी इसका अपवाद हैं - वे गोरे हैं। लोग कहते हैं कि गोरे लेनॉयर अच्छे नहीं होते हैं - लेकिन तुम मेरे सौतेले डैडी को यह बात मत बताना!'

'हम ऐसा क्यों करेंगे!' जॉर्ज बोली। 'यह सुनकर तो वे हमारा सिर धड़ से अलग कर देंगे! चलो - अब हम टिम के पास चलते हैं।'

7

छिपा हुआ गड्ढा

बच्चे यह सोचकर बहुत ख़ुश थे कि वे मैरीबेल के पढ़ने के कमरे में अकेले खाना खाएँगे। कोई भी मिस्टर लेनॉयर के सामने नहीं पड़ना चाहता था! उन्हें अफ़सोस था कि मैरीबेल के डैडी इतने अजीब थे।

वे जल्दी ही स्मगलर विला में आराम से रहने लगे। जब जॉर्ज को यह संतोष हो गया कि टिमी सुरक्षित और ख़ुश है, तो वह भी आराम से रहने लगी। सिर्फ़ एक ही काम मुश्किल था – टिमी को रात को जॉर्ज के कमरे में लाना। यह काम अँधेरे में होना था। ब्लॉक कभी भी, कहीं भी चुपचाप सामने आ जाता था। जॉर्ज को इस बात का डर था कि वह कभी भी बड़े कुत्ते की झलक देख सकता है।

टिमी की ज़िंदगी अगले कुछ दिनों तक अजीब ढर्रे पर चली! जब बच्चे घर में होते थे, तो उसे सँकरे ख़ुफ़िया गलियारे में रहना पड़ता था। वहाँ वह अकेला भटकता रहता था। वह कान खड़े रखकर सीटी बजने का इंतज़ार करता था, जिसका यह मतलब होता था कि अब वह अलमारी से बाहर निकल सकता है।

उसे खाने की कोई कमी नहीं थी, क्योंकि सूटी उसके लिए हर रात को किचन की अलमारी से सामान चुरा लाता था। सारा नाम की कुक यह देखकर हैरान थी कि सूप बोन जैसी खाने-पीने की चीज़ें ग़ायब होने लगी थीं। उसे कुछ समझ में नहीं आ रहा था। बहरहाल, टिमी को जो भी दिया जाता था, वह झट से खा लेता था।

हर सुबह बच्चे उसे घुमाने ले जाते थे। जिस दिन पहली बार टिमी को बाहर निकाला गया, वह दिन बहुत ही रोमांचक था!

जॉर्ज ने सूटी को याद दिलाया कि उसने टिमी को हर दिन घुमाने का वादा किया था। वह बोली, 'उसे घुमाने के लिए ले ही जाना पड़ेगा, वरना वह बहुत दुखी हो जाएगा! लेकिन हम ऐसा कैसे कर सकते हैं? हम उसे सामने वाले दरवाज़े से तो बाहर नहीं ले जा सकते! तुम्हारे डैडी या ब्लॉक कहीं न कहीं उससे टकरा सकते हैं!'

'मैंने तुम्हें बताया था ना कि एक ख़ुफ़िया रास्ता है, जो पहाड़ी के आधे रास्ते तक जाता है,' सूटी बोला। 'मैं तुम्हें वह रास्ता दिखा दूँगा। बाहर पहुँचने के बाद हमें कोई डर नहीं है। अगर हम वहाँ ब्लॉक या किसी और परिचित से टकरा भी गए, तो उन्हें यह नहीं लगेगा कि वह हमारा कुत्ता है। वे सोचेंगे कि कोई आवारा कुत्ता

हमारे पीछे लगा है।'

जॉर्ज ने बेचैन होकर कहा, 'अच्छा तो फिर वह रास्ता दिखाओ।' वे सभी सूटी के बेडरूम में पहुँच गए। टिमी जॉर्ज के पास दरी पर लेट गया। वे सभी सूटी के कमरे में सुरक्षित महसूस करते थे, क्योंकि वे जानते थे कि अगर कोई लंबे गलियारे का दरवाज़ा खोलेगा, तो बज़र उन्हें चेतावनी दे देगा।

'हमें मैरीबेल के कमरे में जाना होगा,' सूटी बोला। 'मैं तुम्हें बताए देता हूँ, जब तुम पहाड़ी तक जाने वाले रास्ते को देखोगे, तो तुम्हारे होश उड़ जाएँगे!'

उसने दरवाज़े के बाहर झाँका। गलियारे का दरवाज़ा बंद था। सूटी बोला, 'मैरीबेल, तुम गलियारे वाले दरवाज़े से झाँककर देखो। अगर कोई सीढ़ियों के ऊपर आ रहा हो, तो हमें फ़ौरन चेतावनी दे देना। अगर कोई नहीं आ रहा होगा, तो हम चुपचाप तुम्हारे कमरे में चले जाएँगे।'

मैरीबेल गलियारे के दरवाज़े तक गई। जैसे ही उसने उसे खोला, सूटी के कमरे का बज़र बजने लगा। उसकी आवाज़ सुनकर टिमी तेज़ी से गुर्राने लगा। मैरीबेल ने सीढ़ियों की तरफ़ देखा। फिर उसने बाक़ी लोगों को इशारा करके बता दिया कि कोई नहीं आ रहा है।

वे सभी सूटी के कमरे से भागकर मैरीबेल के कमरे में पहुँच गए। मैरीबेल भी उनके पीछे-पीछे आ गई। वह काफ़ी शर्मीली थी। एन को वह पसंद आई और उसने

एक-दो बार उसके शर्माने का मज़ाक़ भी उड़ाया।

लेकिन मैरीबेल उसके मज़ाक़ को बर्दाश्त नहीं कर पाई। उसकी आँखों में आँसू आ गए और उसने अपना चेहरा दूसरी तरफ़ घुमा लिया। सूटी बोला, 'जब वह स्कूल जाएगी, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा। यहाँ रहेगी, तो वह हमेशा ही शर्मीली रहेगी। वह पूरे साल इस अजीब घर में बंद रहती है। वह अपनी उम्र के किसी बच्चे से मिल भी नहीं पाती है।'

वे सब मैरीबेल के बेडरूम में पहुँच गए और उन्होंने दरवाज़ा बंद कर लिया। सूटी ने ताले में चाबी घुमा दी। उसने मुस्कराकर कहा, 'ताला इसलिए ज़रूरी है, ताकि हमारा दोस्त ब्लॉक जासूसी करने न आ जाए।'

सूटी कमरे के फ़र्नीचर को दीवार के पास सरकाने लगा। बच्चों ने उसे हैरानी से देखा और वे उसकी मदद करने लगे। डिक ने एक भारी संदूक से जूझते हुए कहा, 'हम फ़र्नीचर क्यों हटा रहे हैं?'

'इस भारी गलीचे को ऊपर करना है,' सूटी ने हाँफते हुए कहा। 'इसे यहाँ पर इसलिए बिछाया गया है, ताकि नीचे का चोर-दरवाज़ा छिप सके। कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है।'

फ़र्नीचर दीवारों के पास पहुँचने के बाद भारी गलीचा आसानी से ऊपर उठ गया। फिर बच्चों को फ़र्श पर एक चोर-दरवाज़ा दिखा, जिसमें छल्ले का हैंडल लगा

था।

वे रोमांचित हो गए। एक और ख़ुफ़िया रास्ता! इस घर में कितने सारे ख़ुफ़िया रास्ते थे! सूटी ने जैसे ही छल्ले को खींचा, भारी दरवाज़ा आसानी से ऊपर उठ गया। बच्चों ने नीचे झाँककर देखा, लेकिन उन्हें कुछ नहीं दिखा। अंदर घुप्प अँधेरा था।

'क्या नीचे सीढ़ियाँ हैं?' जूलियन ने एन को पकड़ लिया, ताकि वह गिर न जाए।

'नहीं,' सूटी बोला और उस बड़ी टॉर्च की तरफ़ हाथ बढ़ाया, जो वह अपने साथ लेकर आया था। 'देखो!'

उसने अपनी टॉर्च जलाई और बच्चों के मुँह से आह निकल गई! चोर-दरवाज़े के नीचे एक गड्ढा था, जो बहुत गहरा था!

'अरे! यह तो घर की नींव से भी मीलों नीचे होगा!' जूलियन ने हैरानी से कहा। 'यह बहुत बड़ा गड्ढा है। लेकिन क्यों?'

'ओह, शायद इसका उपयोग लोगों को छिपाने – या उनसे छुटकारा पाने के लिए किया जाता होगा!' सूटी बोला। 'अच्छी जगह है, है ना? अगर कोई इसमें गिर जाए, तो उसे बहुत चोट लगेगी!'

'लेकिन हम टिमी को इसमें कैसे पहुँचा सकते हैं – या ख़ुद भी कैसे पहुँच सकते हैं?' जॉर्ज बोली। 'यह बात तो तय है कि *मैं* इसमें नीचे नहीं कूदने वाली!'

सूटी हँसते हुए बोला, 'तुम्हें कूदना नहीं पड़ेगा। यह देखो।' उसने एक अलमारी खोली और एक चौड़े शेल्फ़ तक गया। उसने कोई चीज़ बाहर निकाली और बच्चों ने देखा कि यह रस्सी की सीढ़ी थी, जो पतली लेकिन बहुत मज़बूत थी।

वह बोला, 'यह लो! हम सब इससे नीचे उतर सकते हैं।'

'टिमी नहीं उतर सकता,' जॉर्ज फ़ौरन बोली। 'वह सीढ़ी के ऊपर या नीचे नहीं जा सकता।'

'वह ऐसा नहीं कर सकता?' सूटी बोला। 'वह दिखता तो बहुत होशियार है – मुझे तो लगा था कि वह आसानी से यह काम कर लेगा।'

'लेकिन वह नहीं कर सकता,' जॉर्ज ने फ़ैसला करते हुए कहा। 'यह सोचना ही मूर्खतापूर्ण है।'

'मैंने कुछ सोचा है,' मैरीबेल अचानक बोली। वह बहादुरी से बीच में बोल पड़ी थी, यह सोचकर उसका चेहरा लाल हो गया। 'मुझे लगता है, मैंने इसका रास्ता ढूँढ़ लिया है! हम टिमी को लॉन्ड्री की बास्केट में बंद कर सकते हैं और रस्सी से लटकाकर नीचे पहुँचा सकते हैं – और उसे इसी तरह वापस भी खींच सकते हैं!'

बाक़ी बच्चों ने उसे एकटक देखा। जूलियन ने गर्मजोशी से कहा, 'बहुत अच्छे! मैरीबेल, तुम्हारे दिमाग़ में बहुत बढ़िया तरकीब आई है। टिमी बास्केट में सुरक्षित रहेगा।

लेकिन बास्केट थोड़ी बड़ी होनी चाहिए।'

मैरीबेल बोली, 'किचन में एक बहुत बड़ी बास्केट है। उसका इस्तेमाल सिर्फ़ तभी होता है, जब बहुत से लोग यहाँ रहने आए हों, जैसा कि इस समय है। हम टिमी को नीचे पहुँचाने के लिए उस बास्केट का इस्तेमाल कर सकते हैं।'

'ओह *हाँ!*' सूटी ने कहा। 'ज़ाहिर है, हम ऐसा कर सकते हैं। मैं जाकर उसे ले आता हूँ।'

'लेकिन तुम उसे लाने के लिए क्या बहाना बनाओगे?' जूलियन ने पीछे से चिल्लाकर कहा। लेकिन तब तक सूटी दरवाज़े का ताला खोलकर बाहर जा चुका था! वह बहुत उतावला था और किसी काम में एक पल की देरी भी बर्दाश्त नहीं कर पाता था।

सूटी ने जवाब नहीं दिया। वह लपककर गलियारे में चलने लगा। जूलियन ने दरवाज़े पर ताला लगा लिया। उसे डर था कि कहीं कोई अंदर आकर खुले चोर दरवाज़े को न देख ले।

सूटी दो मिनट में ही वापस आ गया। उसके सिर पर बहुत भारी लॉन्ड्री बास्केट रखी थी। जब उसने दरवाज़े पर ठोकर मारी, तो जूलियन ने फ़ौरन ताला खोल दिया।

'बहुत बढ़िया!' जूलियन बोला। 'तुम इसे कैसे लाए? तुमने क्या बहाना बनाया?'

'किसी से कुछ कहने की ज़रूरत ही नहीं पड़ी,' सूटी ने मुस्कराकर कहा। 'वहाँ कोई था ही नहीं। ब्लॉक डैडी के पास है और सारा ख़रीदारी करने के लिए बाज़ार गई है। अगर कोई पूछताछ करेगा, तो हम इसे वापस वहीं रख देंगे।'

रस्सी की सीढ़ी को उस गहरे गड्ढे में लटकाया गया। यह साँप की कुंडली की तरह खुलती हुई नीचे गई और गड्ढे की तलहटी तक पहुँच गई। फिर सूटी के कमरे से टिमी को वहाँ लाया गया। वह अपनी पूँछ हिलाता हुआ आया, क्योंकि बाक़ी सबके पास आकर उसे बहुत ख़ुशी हुई थी। जॉर्ज ने उसे गले लगा लिया।

'टिमी डार्लिंग! मुझे बहुत बुरा लग रहा है कि तुम्हें इस तरह छिपाकर रखना पड़ रहा है। लेकिन चिंता मत करो, हम सब आज सुबह घूमने जा रहे हैं।'

'मैं सबसे पहले नीचे जाता हूँ,' सूटी बोला। 'फिर तुम टिमी को बास्केट में डालकर नीचे लटका देना। मैं रस्सी से उसकी बास्केट चारों तरफ़ से बाँध देता हूँ। यह काफ़ी मज़बूत है और उसे आराम से नीचे पहुँचा देगी। हम इसके दूसरे सिरे को पलंग से बाँध देते हैं। फिर जब हम दोबारा ऊपर आएँगे, तो आसानी से उसे खींच लेंगे।'

टिमी को उस बड़ी बास्केट में लेटने के लिए कहा गया। वह हैरान था और थोड़ा भौंका भी। लेकिन जॉर्ज ने उसके मुँह पर अपना हाथ रख दिया।

वह बोली, 'श्श्श! चुप रहना, टिमी। मैं जानती हूँ कि यह सब बहुत आश्चर्यजनक है। लेकिन चिंता मत करो, हम सब घूमने जा रहे हैं।'

'घूमने' की बात सुनकर टिमी ख़ुश हो गया। वह यही तो चाहता था - खुली हवा और धूप में काफ़ी देर तक घूमना!

बास्केट का ढक्कन बंद होने पर उसे ज़रा भी अच्छा नहीं लगा, लेकिन चूँकि जॉर्ज का आदेश था, इसलिए उसने ख़ुशी-ख़ुशी सब कुछ सहन किया।

'वह सचमुच बहुत अच्छा कुत्ता है,' मैरीबेल बोली। 'सूटी, अब तुम नीचे जाओ। जब हम टिमी को उतारेंगे, तो तैयार रहना।'

सूटी गड्ढे में नीचे उतर गया। उसने टॉर्च दाँतों के बीच में दबा रखी थी। वह नीचे उतरता गया। आख़िर वह तलहटी में सुरक्षित खड़ा था। उसने अपनी टॉर्च ऊपर की तरफ़ चमकाई। उसकी आवाज़ उन लोगों तक पहुँच गई, हालाँकि वह काफ़ी अजीब और दूर से आती हुई लग रही थी।

'चलो! अब टिमी को नीचे उतार दो!'

टिमी के कारण अब लॉन्ड्री की बास्केट बहुत ज़्यादा भारी लग रही थी। बच्चों ने उसे गड्ढे में नीचे धकाया। नीचे जाते समय बास्केट यहाँ-वहाँ किनारों से टकराती जा रही थी। टिमी गुर्राया। उसे यह खेल पसंद नहीं आ

रहा था!

डिक और जूलियन मिलकर रस्सी पकड़े थे। वे टिमी को बहुत सावधानी से नीचे पहुँचा रहे थे। जब बास्केट गड्ढे की तली से टकराई, तो सूटी ने बास्केट खोल दी। टिमी भौंकता हुआ बाहर कूद गया! लेकिन उसके भौंकने की आवाज़ ऊपर बैठे बच्चों को बहुत धीमी और दूर से आती हुई लगी।

'अब तुम लोग एक-एक करके नीचे आ जाओ!' सूटी अपनी टॉर्च हिलाते हुए चिल्लाया। 'क्या दरवाज़े पर ताला लगा है, जूलियन?'

'हाँ,' जूलियन बोला। 'एन का ध्यान रखना। अब वह आ रही है।'

एन नीचे उतरी। वह पहले तो थोड़ी डर रही थी, लेकिन जब उसके पैरों को रस्सी की सीढ़ी की आदत पड़ गई, तो वह काफ़ी तेज़ी से नीचे उतरी।

फिर बाक़ी लोग भी नीचे उतरे और जल्दी ही वे सभी उस बड़े गड्ढे की तलहटी में खड़े थे। उन्होंने चारों तरफ़ उत्सुकता से देखा। यहाँ सीलन भरी गंध थी और दीवारें नम और हरी थीं। सूटी ने अपनी टॉर्च चारों तरफ़ घुमाई, जिसकी रोशनी में बच्चों ने देखा कि बहुत से गलियारे यहाँ-वहाँ जा रहे थे।

जूलियन ने हैरानी से पूछा, 'ये गलियारे कहाँ जाते हैं?'

'मैंने तुम्हें बताया था ना कि इस पहाड़ी में बहुत सी सुरंगें हैं,' सूटी ने कहा। 'यह गड्ढा पहाड़ी में है और यह उन सुरंगों तक जाता है। सुरंगें मीलों लंबी हैं। अब उनमें कोई भी नहीं जाता है, क्योंकि बहुत से लोग उनमें ग़ुम गए हैं और दोबारा नज़र नहीं आए हैं। सुरंगों का एक पुराना नक़्शा भी था, लेकिन अब वह खो गया है।'

'बड़ा अजीब माहौल है!' एन काँपती हुई बोली। 'मैं यहाँ अकेली आना कभी पसंद नहीं करूँगी।'

'स्मगलिंग के सामान को छिपाने के लिए कितनी अच्छी जगह है,' डिक बोला। 'किसी को भी यहाँ कुछ नहीं मिल सकता।'

'मुझे लगता है कि पुराने ज़माने के स्मगलर इन सुरंगों के चप्पे-चप्पे से वाक़िफ़ होंगे,' सूटी बोला। 'चलो! हमें उस सुरंग में जाना है, जो पहाड़ी तक जाती है। वहाँ पहुँचने के बाद हमें पहाड़ी पर चढ़ना होगा। मुझे उम्मीद है कि इससे तुम्हें कोई परेशानी नहीं होगी।'

'ज़रा भी नहीं,' जूलियन बोला। 'हम सभी अच्छे से चढ़ाई चढ़ लेते हैं। लेकिन सूटी, तुम्हें पक्का यक़ीन है कि तुम्हें रास्ता मालूम है? हम यहाँ पर हमेशा के लिए ग़ुम नहीं होना चाहते हैं!'

'मुझे रास्ता अच्छी तरह पता है! चलो!' सूटी ने कहा और अपने सामने टॉर्च चमकाई। फिर वह अँधेरी और सँकरी सुरंग में सबसे आगे चलने लगा।

8

रोमांचक सैर

सुरंग थोड़ी नीचे की तरफ़ जा रही थी और कई जगहों पर बदबू आ रही थी। जिस तरह के गड्ढे से उतरकर वे आए थे, रास्ते में उन्हें वैसे ही कई गड्ढे दिखाई दिए। सूटी ने अपनी टॉर्च उनकी तरफ़ चमकाई।

'देखो, वह सुरंग बार्लिंग के घर की तरफ़ जाती है,' उसने कहा। 'ज़्यादातर पुराने मकानों में इसी तरह के गड्ढे हैं। और उनमें से कुछ तो बहुत ही ख़ुफ़िया जगह पर हैं!'

'सामने धूप दिख रही है!' एन अचानक बोली। 'कितनी अच्छी बात है! मुझे इस बदबूदार सुरंग से नफ़रत है।'

वाक़ई पहाड़ी की गुफा के बाहर सुहानी धूप दिख रही थी। बच्चे गुफा से बाहर आकर देखने लगे।

अब वे क़स्बे के बाहर थे। वे एक ऊँची चट्टान पर पहुँच गए थे, जो दलदल के ऊपर थी। सूटी ने अपनी टॉर्च जेब में रख ली और एक पत्थर पर चढ़ गया।

'हमें नीचे वाले उस रास्ते तक पहुँचना है,' उसने रास्ते की तरफ़ इशारा करते हुए कहा। 'वह रास्ता हमें

उस जगह ले जाएगा, जहाँ शहर की दीवार थोड़ी नीची है। हम आसानी से दीवार पर चढ़ सकते हैं। क्या टिमी के पंजों की पकड़ मज़बूत है? कहीं ऐसा न हो कि वह दीवार से नीचे फिसलकर दलदल में गिर जाए!'

दलदल काफ़ी नीचे था और बहुत भयानक दिख रहा था। जॉर्ज को ज़रा भी अंदेशा नहीं था कि टिमी इसमें गिर सकता है। उसके पंजों की पकड़ मज़बूत थी, इसलिए उसके गिरने का सवाल ही नहीं था। रास्ते पर चलना मुश्किल था, क्योंकि रास्ते में चट्टानें और चढ़ाई थी।

वे सभी चट्टानों के ऊपर से होते हुए उस ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलते रहे। वह रास्ता उन्हें शहर की दीवार तक ले गया। जैसा सूटी ने कहा था, दीवार वहाँ पर थोड़ी नीची थी। वह दीवार पर चढ़ गया। वह बिल्ली जितनी फ़ुर्ती से चढ़ सकता था!

'कोई हैरानी नहीं कि वह स्कूल में ऊपर चढ़ने के लिए इतना मशहूर है!' डिक ने जूलियन से कहा। 'उसकी यहाँ काफ़ी अच्छी प्रैक्टिस हो जाती होगी। तुम्हें याद है, एक साल पहले वह स्कूल की छत पर कैसे चढ़ा था? सभी डर रहे थे कि वह फिसलकर गिर जाएगा, लेकिन वह नहीं फिसला था। उसने यूनियन जैक को चिमनी से बाँध ही दिया था!'

'आओ!' सूटी बोला। 'आस-पास कोई नहीं है। यह

क़स्बे का वीरान हिस्सा है। कोई भी हमें ऊपर चढ़ते हुए नहीं देखेगा।'

जल्दी ही वे सभी दीवार पर चढ़ गए - टिमी भी। फिर वे पहाड़ी पर नीचे उतरते हुए काफ़ी दूर तक पैदल चले। उन्हें ख़ूब मज़ा आ रहा था। कुछ समय बाद धुँध हटने लगी और उन्हें गर्मी का सुखद एहसास होने लगा।

क़स्बा बहुत पुराना था। इसके कुछ मकान खंडहर जैसे दिख रहे थे, लेकिन उनकी चिमनियों से धुआँ निकल रहा था, जिससे यह पता चलता था कि लोग उनमें अब भी रहते थे। वहाँ की दुकानें भी अजीब सी थीं। उनकी खिड़कियाँ लंबी और सँकरी थीं। छज्जे बाहर की तरफ़ लटक रहे थे। बच्चे एक दुकान की खिड़कियों में से झाँककर अंदर देखने लगे।

'सावधान - ब्लॉक आ रहा है!' सूटी अचानक धीरे से बोला। 'टिमी की तरफ़ बिलकुल ध्यान मत देना। अगर वह हमें चाटने आए या उछल-कूद मचाए, तो उसे दूर भगाने का नाटक करना, जैसे वह सड़क का कोई आवारा कुत्ता हो।'

उन सबने ऐसा नाटक किया, जैसे उन्होंने ब्लॉक को देखा ही नहीं था। वे दुकान की खिड़की में गंभीरता से देखते रहे। टिमी को लगा कि उसकी तरफ़ कोई ध्यान ही नहीं दे रहा है, इसलिए वह जॉर्ज के पास भागकर गया और उसके पैर पर पंजा रखा, ताकि वह उसकी

तरफ़ ध्यान दे।

'अरे... अरे... कुत्ते, दूर हटो!' सूटी ने कहा और हैरान टिमी की तरफ़ हाथ लहराया। 'दूर हटो! इस तरह हमारे पीछे क्यों लगे हो? यहाँ से जाओ!'

टिमी को लगा कि यह कोई नया खेल था। वह ख़ुशी से भौंका और सूटी तथा जॉर्ज के चारों तरफ़ कूदने लगा। वह बीच-बीच में उन्हें चाटता भी जा रहा था।

'भाग जाओ, कुत्ते, भाग जाओ!' सूटी चीख़ा और दोबारा अपना हाथ लहराने लगा।

तभी ब्लॉक उनके पास आ गया। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। उसने कहा, 'यह कुत्ता तुम्हें परेशान कर रहा है? मैं उसे पत्थर मारकर भगा देता हूँ।'

'ऐसी ज़ुर्रत मत करना!' जॉर्ज ने तत्काल कहा। 'तुम अपने घर जाओ! मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है कि वह कुत्ता हमारा पीछा कर रहा है। वह हमें कोई नुक़सान नहीं पहुँचाएगा। वह अच्छा कुत्ता है।'

'मूर्ख, ब्लॉक बहरा है,' सूटी ने कहा। 'उससे बात करने से कोई फ़ायदा नहीं है।' जॉर्ज यह देखकर दहशत में आ गई कि ब्लॉक ने एक बड़ा पत्थर उठा लिया, जो वह निश्चित रूप से टिमी को मारने ही वाला था। जॉर्ज ने लपककर उसका हाथ झटक दिया, जिससे पत्थर छूटकर नीचे गिर गया।

'कुत्ते को पत्थर से मारने की तुम्हारी हिम्मत कैसे

हुई?' जॉर्ज ग़ुस्से से बोली। 'मैं पुलिस को ख़बर कर दूँगी।'

'क्या हुआ?' पास से एक आवाज़ आई। 'यह सब क्या है? पियरे, क्या दिक्क़त है?'

बच्चों ने पलटकर देखा। एक लंबा आदमी उनके पास खड़ा था, जिसके बाल लंबे थे। उसकी आँखें भी लंबी और सँकरी थीं। उसकी नाक और ठुड्डी भी लंबी थीं। एन ने उसके लंबे पैरों और पंजों को देखते हुए सोचा, 'वह हर जगह से लंबा है।'

'ओह, मिस्टर बार्लिंग! मैं आपको नहीं देख पाया,' सूटी ने उनसे विनम्रता से कहा। 'कोई बात नहीं है, धन्यवाद। बस इतनी सी बात थी कि यह कुत्ता हमारा पीछा कर रहा है और ब्लॉक पत्थर मारकर इसे दूर भगाना चाहता था। लेकिन जॉर्ज कुत्तों से प्यार करती है और वह इसके बारे में ग़ुस्सा हो गई।'

'अच्छा। और ये बच्चे कौन हैं?' मिस्टर बार्लिंग ने अपनी लंबी, सँकरी आँखों से उन सभी को घूरते हुए पूछा।

सूटी ने बताया, 'वे हमारे यहाँ ठहरे हुए हैं, क्योंकि उनके अंकल का घर आँधी में तहस-नहस हो गया है। मेरा मतलब है, जॉर्ज के डैडी का घर। किरिन में।'

'ओह - किरिन में?' मिस्टर बार्लिंग ने कहा। ऐसा लग रहा था, जैसे यह सुनते ही उनके लंबे कान खड़े हो

गए थे। 'वहीं तो मिस्टर लेनॉयर के होशियार वैज्ञानिक दोस्त रहते हैं!'

'हाँ। वे मेरे डैडी हैं,' जॉर्ज बोली। 'क्या आप उन्हें जानते हैं?'

मिस्टर बार्लिंग ने कहा, 'मैंने उनके बारे में सुना है – और उनके रोचक प्रयोगों के बारे में भी सुना है। मुझे लगता है, मिस्टर लेनॉयर उन्हें अच्छी तरह से जानते होंगे?'

'ज़्यादा अच्छी तरह से नहीं,' जॉर्ज ने हैरानी से कहा। 'वे एक-दूसरे को चिट्ठी लिखते हैं। मेरे डैडी ने फ़ोन करके मिस्टर लेनॉयर से पूछा था कि हमारे घर की मरम्मत होने तक क्या वे हमें अपने घर पर रख सकते हैं।'

'और ज़ाहिर है, मिस्टर लेनॉयर ने तुम लोगों को ख़ुशी-ख़ुशी यहाँ बुलवा लिया होगा!' मिस्टर बार्लिंग ने कहा। 'तुम्हारे डैडी *बहुत ही* अच्छे और उदार हैं, पियरे!'

बच्चों ने मिस्टर बार्लिंग को घूरकर देखा। वे अच्छी बातें भी बड़े बुरे अंदाज़ में कह रहे थे, जो बहुत अजीब था। बच्चे थोड़े परेशान हो गए। यह साफ़ दिख रहा था कि मिस्टर बार्लिंग मिस्टर लेनॉयर को ज़रा भी पसंद नहीं करते थे। पसंद तो उन्हें बच्चे भी नहीं करते थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि वे मिस्टर बार्लिंग को पसंद करते थे!

तभी टिमी को एक और कुत्ता दिख गया और वह ख़ुशी से उसके पीछे भाग गया। ब्लॉक अपनी बास्केट लेकर ऊँची सड़क की तरफ़ चला गया था। बच्चों ने मिस्टर बार्लिंग से विदा ली, क्योंकि वे उनसे ज़्यादा बात नहीं करना चाहते थे।

जैसे ही वे मिस्टर बार्लिंग से दूर पहुँचे, वे टिमी के पास गए और उत्सुकता से बातें करने लगे।

'ओह – ब्लॉक से बाल-बाल बचे!' जूलियन बोला। 'हैवान कहीं का – वह टिमी पर इतना बड़ा पत्थर फेंकने वाला था। जॉर्ज, अच्छा किया जो तुमने उसे रोक दिया। लेकिन इस कारण हमारी पोल खुल जाती।'

'मुझे परवाह नहीं है,' जॉर्ज ने कहा। 'मैं टिमी की टाँग नहीं टूटने दूँगी। हमारी क़िस्मत ख़राब थी कि घूमने आने के पहले दिन ही हम ब्लॉक से टकरा गए।'

'अब जब हम टिमी को बाहर घुमाने लाएँगे, तो शायद वह हमें कभी नहीं मिलेगा,' सूटी ने उसे तसल्ली देते हुए कहा। 'और अगर मिलता भी है, तो हम कह देंगे कि यह कुत्ता जब भी हमें देखता है, हमारे पास आ जाता है। और यह सच भी है।'

उन्हें घूमने में मज़ा आ गया। वे एक अजीब से दिखने वाले पुराने कॉफ़ी हाउस में गए। वहाँ उन्होंने क्रीम वाली गर्म कॉफ़ी पी और जैम लगे गुलगुले खाए। टिमी ने दो गुलगुले तेज़ी से निगल लिए। जॉर्ज टिमी के लिए

क़साई की दुकान पर मीट ख़रीदने गई। उसने ऐसी दुकान से मीट ख़रीदा, जिसके बारे में सूटी ने कहा था कि मिसेज़ लेनॉयर वहाँ से कभी मीट नहीं ख़रीदती थीं। जॉर्ज यह नहीं चाहती थी कि क़साई मिसेज़ लेनॉयर को यह बताए कि बच्चे कुत्ते के लिए मीट ख़रीद रहे थे!

वे उसी रास्ते से लौटे, जिस रास्ते से वे आए थे। वे ऊँचे चट्टानी रास्ते से चढ़े और सुरंग के दरवाज़े के अंदर गए। फिर घुमावदार सुरंग से होते हुए वे गड्ढे तक पहुँच गए, जहाँ रस्सी की सीढ़ी उनका इंतज़ार कर रही थी। जूलियन और डिक सबसे पहले गए। फिर जॉर्ज ने हैरान टिमी को दोबारा बास्केट में बंद किया और उसके चारों तरफ़ रस्सी बाँध दी। टिमी गड्ढे के दोनों तरफ़ टकराते हुए कूँ-कूँ करता रहा। उसकी कूँ-कूँ तभी बंद हुई, जब हाँफते हुए जूलियन और डिक ने बास्केट को ऊपर खींचकर उसे खोल दिया।

अब लंच में दस मिनट का समय बचा था। सूटी बोला, 'हमारे पास बस इतना ही समय है कि हम चोर दरवाज़े को बंद कर दें, गलीचे को दोबारा बिछा दें और अपने हाथ धो लें। जॉर्ज, मैं टिमी को अपने कमरे की अलमारी के पीछे वाले ख़ुफ़िया गलियारे में छोड़ आता हूँ। तुमने उसके लिए जो मीट ख़रीदा था, वह कहाँ है? मैं उसे भी गलियारे में रख देता हूँ। उसकी जब इच्छा होगी, उसे खा लेगा।'

'क्या तुमने वहाँ पर उसके लिए गर्म कंबल रखा है और पीने का पानी?' जॉर्ज ने तीसरी-चौथी बार पूछा।

'तुम जानती हो कि मैं यह काम कर चुका हूँ। मैंने तुम्हें कितनी बार तो बता दिया है,' सूटी बोला। 'देखो, हम कुर्सियों के अलावा बाक़ी फ़र्नीचर वापस नहीं रखेंगे। अगर कोई पूछेगा, तो हम कह देंगे कि हमने खेलने के लिए गलीचा ख़ाली कर दिया है और सामान सरका दिया है। अगर हमें हर दिन टिमी को घुमाने ले जाने के लिए इतना सारा सामान और संदूक सरकाने पड़े, तो यह बहुत थकाने वाला काम होगा।'

वे लंच के लिए ठीक वक़्त पर पहुँच गए। ब्लॉक और सारा वहाँ उन्हें खाना परोसने के लिए मौज़ूद थे। हालाँकि बच्चे कॉफ़ी पी चुके थे और गुलगुले खा चुके थे, लेकिन फिर भी उन्हें बहुत भूख लग रही थी। ब्लॉक और सारा ने उनकी प्लेटों में गर्म सूप परोस दिया।

ब्लॉक ने अपनी सपाट आवाज़ में पूछा, 'उम्मीद है, तुमने उस गंदे कुत्ते से छुटकारा पा लिया होगा!' उसने जॉर्ज को बहुत बुरी तरह घूरकर देखा। ज़ाहिर है, वह यह बात नहीं भूला था कि वह उस पर कैसे झपटी थी।

सूटी ने सिर हिलाया। जवाब देने के लिए बोलने की ज़रूरत नहीं थी, क्योंकि ब्लॉक सुन नहीं सकता था। सारा सूप की प्लेटें ले गई और उन्हें बाक़ी का खाना परोसने की तैयारी करने लगी।

स्मगलर विला में खाना बहुत अच्छा मिलता था। वहाँ पर ढेर सारा खाना रहता था। भूखे बच्चे अपने सामने रखी हर चीज़ खा लेते थे। सिर्फ़ मैरीबेल को ही ज़्यादा भूख नहीं लगती थी। जब भी संभव होता था, जॉर्ज टिमी के लिए खाना और हड्डियाँ छिपाकर ले जाने की कोशिश करती थी।

दो-तीन दिन गुज़र गए और बच्चे अपनी नई दिनचर्या के आदी हो गए। वे टिमी को हर सुबह लंबी सैर के लिए ले जाते थे। बच्चों को जल्दी ही रस्सी वाली सीढ़ी से नीचे उतरकर टिमी को चट्टानी रास्ते तक ले जाने की आदत पड़ गई।

दोपहर में वे सूटी या मैरीबेल के कमरे में ताश खेलते थे या कहानी पढ़ते थे। वे वहाँ पर टिमी को भी साथ रख सकते थे, क्योंकि बज़र उन्हें हमेशा चेतावनी दे देता था कि कोई आ रहा है।

रात के अँधेरे में टिमी को चोरी से जॉर्ज के कमरे में लाना हमेशा रोमांचक होता था। आम तौर पर यह काम मिस्टर और मिसेज़ लेनॉयर के डिनर करते समय किया जाता था, क्योंकि उस समय ब्लॉक और सारा उन्हें खाना परोसते थे। बच्चों का डिनर उनके डिनर से एक घंटे पहले ही हो जाता था। टिमी को जॉर्ज के कमरे में ले जाने के लिए यह सबसे अच्छा समय था।

टिमी चोरी छिपे जॉर्ज के कमरे में जाने का पूरा

आनंद लेता था। वह जॉर्ज और सूटी के बग़ल में चुपचाप भागता था और हर मोड़ पर पहुँचकर रुक जाता था। जैसे ही वह जॉर्ज के कमरे के पास पहुँचता था, वह ख़ुशी से दौड़ता हुआ उसमें घुस जाता था। फिर वह चुपचाप पलंग के नीचे तब तक पड़ा रहता था, जब तक कि जॉर्ज ख़ुद पलंग पर नहीं पहुँच जाती थी। इसके बाद वह उसके पैरों पर लेटने के लिए बाहर निकल आता था।

जॉर्ज हमेशा रात को अपने दरवाज़े पर ताला लगा लेती थी। वह नहीं चाहती थी कि सारा या मिसेज़ लेनॉयर कमरे के अंदर आकर टिमी को देख लें! लेकिन जब कई रातों तक कोई नहीं आया, तो टिमी को लेकर जॉर्ज की चिंता कम हो गई।

टिमी को हर सुबह सूटी के कमरे तक पहुँचाना बड़ा ही झंझट का काम था, क्योंकि यह काम सबके उठने से पहले करना पड़ता था। लेकिन अच्छी बात यह थी कि जॉर्ज अपने मनचाहे समय पर उठ सकती थी। हर सुबह साढ़े छह बजे जॉर्ज टिमी के साथ अपने कमरे से चुपचाप निकलती थी। जब वह सूटी का दरवाज़ा खोलती थी, तो सूटी टिमी को पहुँचाने के लिए अपने बिस्तर से कूद आता था। जॉर्ज को वह हमेशा जागता हुआ मिलता था। इसका कारण यह था कि जॉर्ज जैसे ही गलियारे वाला दरवाज़ा खोलती थी, सूटी के कमरे में लगा बज़र

बजने लगता था, जिसकी आवाज़ से उसकी नींद खुल जाती थी।

जब भी मिस्टर लेनॉयर बच्चों से हॉल या सीढ़ियों पर टकराते थे, वे उनसे कहते थे, 'मुझे उम्मीद है कि तुम सबको मज़ा आ रहा होगा।' और वे हमेशा विनम्रता से जवाब देते थे, 'हाँ, मिस्टर लेनॉयर, यहाँ बहुत मज़ा आ रहा है।'

'छुट्टियाँ बहुत शांति से बीत रही हैं,' जूलियन बोला। 'कुछ भी तो नहीं हो रहा है!'

लेकिन तभी रोमांचक घटनाएँ *होने* लगीं और वे इतनी तेज़ी से हुईं कि उन्होंने रुकने का नाम नहीं लिया!

9

मीनार पर कौन है?

एक रात को जूलियन एक आवाज़ सुनकर जाग गया। कोई उसके कमरे का दरवाज़ा खोल रहा था। वह तत्काल उठकर बैठ गया और उसने पूछा, 'कौन है?'

'मैं सूटी हूँ,' सूटी ने धीरे से कहा। 'मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूँ।'

जूलियन ने डिक को भी जगा दिया। दोनों ने अपने-अपने ड्रेसिंग गाउन पहने। फिर सूटी उन्हें चुपचाप एक अजीब से छोटे कमरे में ले गया, जो मकान के दूसरे हिस्से में था। उस कमरे में बहुत सा कबाड़ा रखा था : बेकार संदूक और बक्से, पुराने खिलौने, पुराने कपड़ों की पेटियाँ, टूटे हुए फूलदान और बाक़ी का अटाला वहाँ पड़ा था।

'देखो,' सूटी ने उन्हें खिड़की तक ले जाते हुए कहा। वहाँ से घर की मीनार दिख रही थी। घर का यह इकलौता कमरा था, जहाँ से वह मीनार दिख सकती थी, क्योंकि वह कमरा बड़े अजीब कोण पर बना था।

जूलियन के मुँह से आश्चर्य भरी चीख़ निकल गई। वहाँ रोशनी जल-बुझ रही थी। चालू और बंद - फिर

विराम - चालू और बंद - फिर विराम। रोशनी निश्चित लय से बार-बार जल-बुझ रही थी।

सूटी ने धीरे से पूछा, 'यह कौन कर सकता है?'

जूलियन ने कहा, 'कहीं तुम्हारे डैडी तो नहीं हैं?'

'वे नहीं हो सकते,' सूटी बोला। 'मैंने उनके कमरे से उनके खर्राटों की आवाज़ सुनी थी। हम जाकर फिर से देख लेते हैं। देखते हैं कि वे सचमुच अपने बेडरूम में हैं या नहीं।'

'ध्यान रखना, कहीं वे हमें पकड़ न ले,' जूलियन ने कहा, जिसे किसी दूसरे के घर में चोरी छिपे ताक-झाँक करने का विचार अच्छा नहीं लग रहा था।

उन्होंने मिस्टर लेनॉयर के बेडरूम की तरफ़ क़दम बढ़ाए। यह साफ़ था कि वे वहीं थे, क्योंकि बंद दरवाज़े के पीछे से धीमे-धीमे खर्राटों की आवाज़ आ रही थी।

डिक बोला, 'हो सकता है, मीनार में ब्लॉक हो। वह बहुत विचित्र आदमी है। मुझे उस पर ज़रा भी भरोसा नहीं है। मैं शर्त लगाता हूँ कि वह ब्लॉक ही होगा।'

'उसके कमरे में चलकर देखते हैं कि कमरा ख़ाली है या नहीं?' सूटी बोला। 'चलो। अगर ब्लॉक रोशनी के संकेत कर रहा है, तो वह डैडी की जानकारी के बिना यह काम कर रहा होगा।'

'यह भी तो हो सकता है कि तुम्हारे डैडी ने ही उसे यह काम करने को कहा हो,' जूलियन ने कहा। जूलियन

को मिस्टर लेनॉयर पर भी उतना ही शक था, जितना कि ब्लॉक पर था।

वे पीछे की सीढ़ियों से स्मगलर विला के उस हिस्से में पहुँचे, जहाँ स्टाफ़ के कमरे थे। सारा एक कमरे में हैरियट नाम की नौकरानी के साथ सोती थी। दूसरे कमरे में ब्लॉक अकेला सोता था।

सूटी ने ब्लॉक के दरवाज़े को बहुत धीरे से खोला। उसने अपना सिर अंदर डालकर देखा। कमरे में चाँद की रोशनी थी। खिड़की के पास ब्लॉक का बिस्तर लगा था। और ब्लॉक वहाँ था! सूटी को चादर के नीचे उसके शरीर का आकार और उसका काला सिर दिख रहा था।

लेकिन उसे ब्लॉक के साँस लेने की आवाज़ सुनाई नहीं दी। उसने सोचा, शायद वह खर्राटे नहीं लेता होगा।

सूटी ने अपना सिर दरवाज़े से बाहर निकाला और बाक़ी दोनों लड़कों को पीछे वाली सीढ़ियों से नीचे की तरफ़ धकेला।

जूलियन ने पूछा, 'क्या वह अंदर है?'

'हाँ। इसका मतलब यह है कि जो भी हमारी मीनार से रोशनी के संकेत कर रहा है, वह ब्लॉक नहीं हो सकता,' सूटी बोला। 'तो फिर कौन हो सकता है? कितनी अजीब पहेली है? मम्मी या सारा या हैरियट तो ऐसा कर नहीं सकतीं। कहीं ऐसा तो नहीं कि हमारे घर में कोई अजनबी छिपकर रह रहा हो, जिसका हमें पता

ही नहीं है?'

'यह नहीं हो सकता!' जूलियन ने कहा और उसे कँपकँपी छूट गई। 'चलो, मीनार पर चलकर देखते हैं? हम दरवाज़े से अंदर झाँक सकते हैं! तब हमें पता चल जाएगा कि वह कौन है! शायद हमें तुम्हारे डैडी को यह बात बतानी चाहिए।'

'नहीं। अभी नहीं। मैं किसी को कुछ बताने से पहले बहुत सी बातें मालूम करना चाहूँगा,' सूटी ने ज़िद करते हुए कहा। 'हम मीनार तक चुपचाप चलते हैं। हमें बहुत सावधान रहना होगा। वहाँ जाने की घुमावदार सीढ़ियाँ बहुत सँकरी हैं। अगर कोई अचानक मीनार से नीचे उतर आया, तो छिपने के लिए ज़्यादा जगह नहीं है।'

'मीनार में क्या है?' डिक ने पूछा, जब वे अँधेरे और ख़ामोश मकान में चल रहे थे। यहाँ-वहाँ बंद पर्दों की दरार में से चाँद की रोशनी आ रही थी।

सूटी बोला, 'ज़्यादा कुछ नहीं। सिर्फ़ एक टेबल, एक-दो कुर्सियाँ और किताबों की अलमारियाँ। हम गर्मी में अक्सर मीनार में बैठते हैं, क्योंकि वहाँ की खिड़कियों से हवा ज़्यादा तेज़ आती है और हम चारों तरफ़ काफ़ी दूर तक देख सकते हैं।'

वे लोग सीढ़ियों के नीचे पहुँच गए। यहाँ से पत्थर की सँकरी और घुमावदार सीढ़ियाँ गोल मीनार की तरफ़ जा रही थीं। लड़कों ने ऊपर देखा। दीवार में बनी एक

छोटी सी खिड़की से चाँदनी सीढ़ियों पर पड़ रही थी।

'अच्छा यही रहेगा कि हम सभी एक साथ ऊपर न जाएँ,' सूटी बोला। 'अगर मीनार वाला आदमी अचानक नीचे आता है, तो तीन लोग जल्दी से नीचे नहीं उतर पाएँगे। तुम दोनों यहीं रुककर इंतज़ार करो। मैं ऊपर जाकर देखता हूँ कि क्या दरवाज़े के छेद या चाबी के छेद में से कुछ दिखाई देता है।'

वह धीरे से सीढ़ियों पर चढ़ा और जल्दी ही ओझल हो गया। जूलियन और डिक नीचे उसका इंतज़ार करने लगे। वहाँ एक खिड़की पर मोटा पर्दा डला था। वे उसके पीछे छिप गए। गर्माहट के लिए उन्होंने पर्दे को अपने चारों तरफ़ लपेट लिया।

सूटी दबे पाँव ऊपर गया। मीनार के कमरे में लकड़ी का मोटा दरवाज़ा लगा था। दरवाज़ा बंद था! दरार में से देखने से कोई फ़ायदा नहीं था, क्योंकि दरवाज़े में एक भी दरार नहीं थी। वह चाबी के छेद में से झाँकने के लिए नीचे झुका।

लेकिन चाबी के छेद में कोई चीज़ फँसी हुई थी, इसलिए वह उसमें से भी नहीं देख सकता था। वह दरवाज़े पर कान लगाकर सुनने की कोशिश करता रहा।

उसे क्लिक की हल्की-हल्की आवाज़ें सुनाई दीं। क्लिक - क्लिक - क्लिक - क्लिक - क्लिक। उसे और

कुछ सुनाई नहीं दिया।

'टॉर्च के जलने-बुझने की आवाज़ है,' सूटी ने सोचा। 'कोई पागलों की तरह संकेत कर रहा है! किसलिए? और किसको? हमारे मीनार वाले कमरे में कौन है, जो संकेत भेज रहा है? काश मैं यह जान पाता!'

अचानक क्लिक की आवाज़ बंद हो गई। फिर मीनार के पत्थर के फ़र्श पर किसी के चलने की आवाज़ आई। और तुरंत ही दरवाज़ा खुल गया!

सूटी को सीढ़ियों पर से नीचे उतरने का समय ही नहीं मिला। वह एक कोने में दुबकने के अलावा कुछ नहीं कर सकता था। वह उम्मीद कर रहा था कि आने वाला व्यक्ति उसे देख न पाए या पास से निकलते समय कहीं उससे टकरा न जाए। चाँद उसी समय बादल के पीछे चला गया और सूटी को ख़ुशी हुई कि अँधेरा हो गया था। तभी अचानक कोई सीढ़ियों पर आया और सूटी का हाथ उससे छू गया।

सूटी के तो होश ही उड़ गए। उसे लगा कि वह आदमी उसे पकड़कर बाहर खींच लेगा। लेकिन उस आदमी ने इस तरफ़ ध्यान नहीं दिया और दबे पाँव घुमावदार सीढ़ियाँ उतरने लगा।

उसका पीछा करने की सूटी की हिम्मत नहीं थी, क्योंकि उसे डर था कि चाँद फिर से निकल आएगा और रोशनी में उसकी परछाईं दिख सकती है।

इसलिए वह अपनी जगह पर ही दुबका रहा और यह उम्मीद करता रहा कि जूलियन और डिक अच्छी तरह छिपे हों और उन्हें यह धोखा न हो जाए कि सूटी सीढ़ियाँ उतरकर आ रहा है!

जूलियन और डिक को क़दमों की धीमी आहट सुनाई दी। पहले तो उन्होंने यही सोचा कि सूटी आ रहा होगा। लेकिन जब उन्हें उसकी आवाज़ सुनाई नहीं दी, तो वे पर्दे के पीछे तनकर खड़े हो गए और उन्होंने अंदाज़ा लगा लिया कि रोशनी के संकेत देने वाला ही वहाँ से जा रहा होगा!

'उसका पीछा करते हैं!' जूलियन ने डिक से कहा। 'चलो। जल्दी!'

लेकिन जूलियन बड़े पर्दे में उलझने के कारण बाहर नहीं निकल पाया। बहरहाल, डिक आसानी से निकल गया और ग़ायब होते आदमी के पीछे लपका। चाँद एक बार फिर बाहर निकल आया था और डिक को उसकी झलक दिख रही थी। डिक अँधेरे में चुपचाप उस आदमी का पीछा करने लगा। वह कहाँ जा रहा था?

वह एक गलियारे तक पहुँचा। फिर पीछे वाली सीढ़ियों पर! लेकिन ये सीढ़ियाँ तो घर के नौकरों के कमरों की तरफ़ जाती हैं। निश्चित रूप से यह आदमी वहाँ तो नहीं जा रहा होगा?

डिक को यह देखकर बहुत हैरानी हुई कि वह आदमी

चुपचाप ब्लॉक के बेडरूम के अंदर चला गया। डिक रेंगता हुआ दरवाज़े तक गया, जो थोड़ा खुला रह गया था। कमरे में सिर्फ़ चाँद की रोशनी थी। किसी तरह की बातचीत की आवाज़ नहीं आ रही थी। उसे पलंग के चरमराने की आवाज़ के अलावा और किसी तरह की आवाज़ सुनाई नहीं दी।

डिक जिज्ञासा से अंदर झाँकने लगा। क्या वह आदमी ब्लॉक को जगाएगा? या फिर वह खिड़की से बाहर निकलेगा?

उसने कमरे में चारों तरफ़ देखा। लेकिन वहाँ पर कोई नहीं था, सिर्फ़ ब्लॉक बिस्तर पर लेटा हुआ था। चाँदनी के कारण कमरे के कोनों में भी अच्छी रोशनी थी और डिक ने साफ़ देखा कि कमरा बिलकुल ख़ाली था। वहाँ पर सिर्फ़ ब्लॉक ही लेटा था और डिक को उसके आह भरने और पलंग पर करवट लेने की आवाज़ सुनाई दी।

'ओह! मैंने आज तक इससे अजीब घटना नहीं देखी,' डिक ने हैरानी से सोचा। 'एक आदमी एक कमरे में जाता है और बिना आवाज़ किए ग़ायब हो जाता है! वह कहाँ जा सकता है?'

वह सूटी और जूलियन की तलाश में गया। अब तक सूटी घुमावदार सीढ़ियों से उतर चुका था और उसे जूलियन मिल गया था। जूलियन ने सूटी को बता दिया

था कि डिक संकेत देने वाले का पीछा करने गया है।

वे डिक को खोजने लगे और अचानक उससे टकरा गए, क्योंकि वे सभी अँधेरे में चल रहे थे। सभी चौंककर उछल पड़े। जूलियन की तो चीख़ ही निकलने वाली थी, लेकिन समय रहते उसने अपनी आवाज़ दबा ली।

'ओह! तुमने तो मुझे डरा ही दिया था, डिक!' वह धीरे से बोला। 'क्या तुमने देखा कि वह कौन था और कहाँ गया?'

डिक ने उन्हें अपना अजीब अनुभव बताया और फिर बोला, 'वह आदमी सीधे ब्लॉक के कमरे में घुसा और ग़ायब हो गया। क्या ब्लॉक के कमरे में कोई ख़ुफ़िया गलियारा है, सूटी?'

'नहीं,' सूटी ने कहा। 'मकान का वह हिस्सा बाद में बना है और उसमें कोई भी ख़ुफ़िया चीज़ नहीं है। मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि उस आदमी का क्या हुआ। कितनी अजीब बात है! वह कौन है और वह क्यों आता है और आख़िर वह जाता कहाँ है?'

'हमें सचमुच पता लगाना होगा,' जूलियन बोला। 'यह बहुत बड़ा रहस्य है! सूटी तुम्हें कैसे पता चला कि मीनार से कोई रोशनी के संकेत भेजता है?'

'कुछ समय पहले मुझे यह बात संयोग से पता चली थी,' सूटी बोला। 'एक रात को मुझे नींद नहीं आ रही थी, इसलिए मैं उस अजीब से छोटे कमरे में गया। दिन

में मैंने वहाँ एक पुरानी किताब देखी थी और मैं उसी को उठाने गया था। अचानक मैंने मीनार की तरफ़ देखा और मुझे वहाँ पर एक रोशनी चमकती हुई दिखाई दी।'

'बड़ी अजीब बात है,' डिक बोला।

सूटी ने कहा, 'उसके बाद मैं रात के समय कई बार वहाँ गया। मैं उन रोशनी के संकेतों को दोबारा देखना चाहता था। और आख़िरकार मैंने उन्हें देख ही लिया। पहली बार जब मैंने संकेत देखे थे, तब पूर्णिमा का चाँद था। और दूसरी बार भी चाँद की रोशनी अच्छी थी। इसलिए मैंने सोचा कि अगली बार जब चाँद की रोशनी अच्छी होगी, तो मैं पुराने कमरे में जाकर देखूँगा कि क्या वह रोशनी के संकेत देने वाला अपने काम में जुटा है। और निश्चित रूप से ऐसा ही हुआ!'

'जहाँ से हमने रोशनी के संकेत देखे थे, वह खिड़की किस तरफ़ को है?' जूलियन ने सोचते हुए पूछा। 'समुद्र की तरफ़ या ज़मीन की तरफ़?'

'समुद्र की तरफ़,' सूटी ने फ़ौरन कहा। 'कोई व्यक्ति समुद्र से इन रोशनी के संकेतों को देखता है। न जाने कौन होगा?'

'मुझे लगता है, स्मगलर होंगे,' डिक बोला। 'लेकिन सूटी, इससे तुम्हारे डैडी का तो कोई संबंध नहीं हो सकता। चलो, मीनार में चलकर देखते हैं। हमें वहाँ पर कोई चीज़ मिल सकती है - या दिख सकती है।'

वे घुमावदार सीढ़ियों पर चढ़े और मीनार के कमरे में पहुँच गए। वहाँ अँधेरा था, क्योंकि चाँद एक बादल के पीछे छिपा हुआ था। लेकिन चाँद कुछ समय बाद बाहर आ गया और लड़कों ने समुद्र की तरफ़ की खिड़की से बाहर देखा।

उस रात को बिलकुल भी धुँध नहीं थी। समुद्र तक फैला दलदल साफ़ दिखाई दे रहा था। वे ख़ामोशी से देखते रहे। फिर चाँद बादल के पीछे चला गया और दलदल पर अँधेरा छा गया।

अचानक जूलियन ने उन दोनों का हाथ पकड़ लिया, जिससे वे उछल पड़े। उसने धीरे से कहा, 'मुझे कुछ दिख रहा है। वहाँ दूर देखो। वह क्या है?'

उन सभी ने देखा। ऐसा लग रहा था, जैसे बहुत सी छोटी-छोटी रोशनियों की लाइन लगी हुई हो। रोशनियाँ इतनी दूर थीं कि यह देखना मुश्किल था कि वे स्थिर हैं या हिल रही हैं। फिर चाँद दोबारा बाहर आ गया और इसकी सफ़ेद रोशनी हर तरफ़ हो गई। अब लड़कों को चाँदनी के सिवाय कुछ नहीं दिख रहा था।

लेकिन जब चाँद दोबारा बादल के पीछे छिप गया, तो छोटी-छोटी रोशनियाँ एक बार फिर दिखने लगीं। सूटी धीरे से बोला, 'अब वे पहले से ज़्यादा पास दिख रही हैं! ये स्मगलर ही हैं, जो समुद्र से ख़ुफ़िया रास्ते से कास्टअवे पहाड़ी की तरफ़ आ रहे हैं! स्मगलर!'

10

टिमी शोर मचाता है

जब लड़कों ने सुबह तीनों लड़कियों को रात की रोमांचक घटनाओं के बारे में बताया, तो वे बहुत हैरान हुईं।

एन आँखें फाड़कर बोली, 'इस तरह से रोशनी के संकेत कौन कर रहा था? और वह गया कहाँ? कमाल की बात है, वह आदमी ब्लॉक के कमरे में गया, जबकि ब्लॉक अपने पलंग पर सो रहा था!'

'बड़ी अजीब बात है,' जॉर्ज बोली। 'काश तुम लोग मुझे और एन को भी जगा देते।'

डिक बोला, 'इसका समय ही नहीं था – और वैसे भी, हम टिमी को साथ नहीं ले जा सकते थे। वह उस आदमी पर हमला कर सकता था।'

'वह आदमी स्मगलरों को इशारा कर रहा होगा,' जूलियन ने सोचते हुए कहा। 'मुझे सोचने दो। शायद स्मगलर फ़्रांस से किसी जहाज़ में आए होंगे और दलदल के बिलकुल पास तक आकर वे संकेत का इंतज़ार कर रहे होंगे कि मैदान साफ़ है। और मीनार से टॉर्च जलाकर शायद यही इशारा किया गया होगा। इसके बाद स्मगलर दलदल वाले रास्ते से सामान लेकर आए होंगे।

हर आदमी के हाथ में एक जलती हुई टॉर्च होगी, ताकि वह रास्ते से भटककर दलदल में न गिर जाए। इसमें कोई शक नहीं कि पहाड़ी के नीचे दलदल के कोने पर कोई उनका और उनके सामान का इंतज़ार कर रहा होगा।'

'लेकिन कौन?' डिक ने कहा। 'यह मिस्टर बार्लिंग तो हो नहीं सकते, क्योंकि रोशनी के संकेत उनके घर से नहीं, बल्कि *हमारे* घर से हो रहे हैं। यह गुत्थी बहुत उलझन भरी है।'

जॉर्ज बोली, 'हम इस गुत्थी को सुलझाने की पूरी कोशिश करेंगे। सूटी, इस घर में कोई अजीब खेल चल रहा है, जिसका तुम्हारे डैडी को भी पता नहीं है। हम देखेंगे कि क्या हम इस मामले की तह तक जा सकते हैं।'

रात के रोमांचक अभियान पर बातचीत करते समय बच्चे अकेले ही नाश्ता कर रहे थे। उसी समय ब्लॉक यह देखने के लिए अंदर आया कि उनका नाश्ता ख़त्म हो गया है या नहीं। लेकिन एन ब्लॉक को नहीं देख पाई।

'मिस्टर बार्लिंग किस चीज़ की स्मगलिंग करते हैं?' उसने सूटी से पूछा। तत्काल उसके टखने पर एक ज़ोरदार लात पड़ी और वह दर्द से बिलबिला उठी। 'तुमने मुझे क्यों-?' उसने बोलना शुरू किया, लेकिन

तभी एक और लात पड़ी, जो पिछली वाली से भी ज़्यादा तेज़ थी। तब जाकर उसे ब्लॉक दिखाई दिया।

एन बोली, 'लेकिन वह तो बहरा है। वह हमारी एक भी बात नहीं सुन सकता।'

ब्लॉक सामान हटाने लगा। उसका चेहरा हमेशा की तरह भावहीन था। सूटी ने एन को ग़ुस्से से देखा। एन परेशान और नाराज़ थी, लेकिन वह आगे कुछ नहीं बोली। वह अपने ज़ख़्मी घुटने को मलने लगी। जैसे ही ब्लॉक कमरे से बाहर गया, वह सूटी की तरफ़ मुड़ी।

'गंदे लड़के! तुमने मेरा टखना तोड़ दिया! मैं ब्लॉक के सामने कुछ क्यों नहीं बोल सकती? वह तो बिलकुल बहरा है!' एन बोली। उसका चेहरा बहुत लाल पड़ गया था।

'मैं जानता हूँ कि लोग उसे बहरा मानते हैं,' सूटी ने कहा। 'और शायद वह सचमुच बहरा ही होगा। लेकिन जब तुमने मुझसे यह पूछा था कि मिस्टर बार्लिंग किस चीज़ की स्मगलिंग करते हैं, तो उसके चेहरे पर एक अजीब सा भाव आ गया था। ऐसा लग रहा था, जैसे उसने तुम्हारी बात सुन ली थी और उसे सुनकर वह हैरान रह गया था।'

'यह सब तुम्हारा वहम है!' एन ने ग़ुस्से से कहा। वह अभी भी अपना टखना मल रही थी। 'अब दोबारा कभी मुझे कसकर लात मत मारना। सिर्फ़ अँगूठे से हल्के से

धक्का देना ही काफ़ी होगा। अगर तुम्हें अच्छा नहीं लगता, तो मैं ब्लॉक के सामने बात नहीं करूँगी, लेकिन यह तय है कि वह बिलकुल बहरा है!'

'हाँ, वह सचमुच बहरा है,' डिक ने कहा। 'कल अनजाने में मेरे हाथ से एक प्लेट छूट गई थी। वह प्लेट उसके ठीक पीछे गिरकर टूटी थी, तुम्हें याद है ना! लेकिन प्लेट गिरने पर वह न तो उछला, न ही उसने पलटकर देखा। अगर उसने प्लेट टूटने की आवाज़ सुनी होती, तो वह ज़रूर उछलता या पलटता।'

सूटी बोला, 'चाहे जो हो, मुझे ब्लॉक पर भरोसा नहीं है, चाहे वह बहरा हो या न हो। मुझे हमेशा लगता है कि ब्लॉक होंठों की भाषा समझ सकता है। बहरे लोग अक्सर ऐसा कर सकते हैं।'

वे सभी एक बार फिर टिमी को सुबह घुमाने ले गए। टिमी को अब तक लॉन्ड्री की बास्केट में बंद होकर गड्ढे में नीचे लटकने की आदत पड़ चुकी थी। अब तो वह ढक्कन खुलते ही बास्केट में कूदकर लेट जाता था।

उस दिन उन्हें ब्लॉक एक बार फिर सड़क पर दिखाई दिया, जिसने कुत्ते को बहुत दिलचस्पी से देखा। उसने पहचान लिया था कि यह पहले वाला कुत्ता ही है।

'ब्लॉक आ रहा है,' जूलियन ने धीमी आवाज़ में कहा। 'टिमी को इस बार दूर मत भगाना। हम यह नाटक करेंगे कि यह आवारा कुत्ता सड़क पर घूमता

रहता है और हमें देखकर हमारे पास आ जाता है।'

इसलिए उन्होंने टिमी को अपने चारों तरफ़ भागने दिया और जब ब्लॉक पास आया, तो वे सिर हिलाकर अपने रास्ते जाने लगे। लेकिन ब्लॉक ने बच्चों को रोक लिया।

उसने अपनी सपाट आवाज़ में कहा, 'लगता है, इस कुत्ते से तुम लोगों की दोस्ती हो गई है।'

'ओह हाँ। वह हमें देखते ही हमारे पास आ जाता है,' जूलियन ने विनम्रता से कहा। 'उसे लगता है जैसे हम ही उसके मालिक हैं! अच्छा कुत्ता है, है ना?'

ब्लॉक ने टिमी को घूरकर देखा, जो अब गुर्राने लगा था। फिर वह बोला, 'ध्यान रखना, कहीं उस कुत्ते को घर में मत ले आना, वरना मिस्टर लेनॉयर उसे मरवा डालेंगे!'

जूलियन ने देखा कि जॉर्ज का चेहरा ग़ुस्से के कारण लाल पड़ने लगा था। उसने जल्दी से कहा, 'हम उसे घर में क्यों लाएँगे, ब्लॉक? बेवकूफ़ी की बातें मत करो!'

बहरहाल, ऐसा लगा जैसे ब्लॉक ने कुछ सुना ही नहीं। उसने टिमी पर एक बुरी नज़र डाली और अपने रास्ते चला गया। बीच-बीच में वह मुड़-मुड़कर बच्चों को देखता जा रहा था।

'गंदा आदमी!' जॉर्ज ने ग़ुस्से से कहा। 'ऐसी बात बोलने की उसकी हिम्मत कैसे हुई?'

जब वे मैरीबेल के बेडरूम में लौटे, तो उन्होंने टिमी को गड्ढे से ऊपर खींचा और बास्केट से बाहर निकाला। जॉर्ज ने कहा, 'हम उसे हमेशा की तरह ख़ुफ़िया गलियारे में छिपा देते हैं। और मैं उसके पास कुछ बिस्कुट भी रख दूँगी। मैंने आज सुबह उसके लिए बढ़िया बिस्कुट ख़रीदे हैं, जो उसे पसंद हैं - बड़े और कुरकुरे।'

वह दरवाज़े का ताला खोलने के लिए आगे बढ़ी, ताकि टिमी को सूटी के कमरे में ले जा सके। तभी टिमी हल्के से गुर्राया।

जॉर्ज ने दरवाज़े से अपना हाथ फ़ौरन हटा लिया। उसने मुड़कर टिमी को देखा। वह तनकर खड़ा था, उसकी गर्दन के बाल अब खड़े होने लगे थे और वह दरवाज़े को लगातार घूर रहा था। जॉर्ज ने अपना हाथ अपने होंठों पर रखकर सबको चेतावनी दी और धीरे से बोली : 'बाहर कोई है। टिमी को पता चल गया है। उसे उसकी ख़ुशबू आ गई है। तुम सब लोग ज़ोर-ज़ोर से बातें करो और ताश खेलने का नाटक करो? तब तक मैं टिमी को उस अलमारी में बंद कर देती हूँ, जहाँ रस्सी वाली सीढ़ी रखी रहती है।'

फ़ौरन बाक़ी बच्चे ज़ोर-ज़ोर से बातें करने लगे। जॉर्ज तेज़ी से टिमी को खींचकर अलमारी की तरफ़ ले गई। उसने उसे थपथपाकर यह समझा दिया कि उसे चुप रहना है और फिर उसे अलमारी में बंद कर दिया।

'अब पत्ते बाँटने की मेरी बारी है,' जूलियन ने ज़ोर से कहा और संदूक के ऊपर से ताश के पत्ते उठा लिए। 'पिछली बार तुम जीत गए थे, डिक। लेकिन इस बार मैं ही जीतूँगा।'

उसने तेज़ी से पत्ते बाँटे। बाक़ी लोग अब भी ज़ोर-ज़ोर से बातें कर रहे थे और अनाप-शनाप बोल रहे थे। वे स्नैप नाम का ताश का खेल खेलने लगे। वे बार-बार 'स्नैप' शब्द चिल्ला रहे थे और बहुत ख़ुश होने का नाटक कर रहे थे। दरवाज़े के बाहर खड़े होकर सुनने वाला अंदाज़ा नहीं लगा सकता था कि यह सब नाटक है।

जॉर्ज दरवाज़े को ग़ौर से देख रही थी। उसने देखा कि दरवाज़े का हैंडल धीरे-धीरे घूम रहा था। ऐसा लग रहा था कि कोई बिना आवाज़ किए दरवाज़ा खोलकर अचानक अंदर आना चाहता था। लेकिन दरवाज़े पर ताला लगा था!

बाहर जो भी खड़ा था, उसे जल्दी ही यह एहसास हो गया कि दरवाज़े पर ताला लगा है, इसलिए हैंडल धीरे-धीरे दूसरी तरफ़ पहुँच गया। फिर सब कुछ शांत हो गया। कोई आवाज़ नहीं आई। यह जानना असंभव था कि दरवाज़े के बाहर अब भी कोई था या नहीं।

लेकिन टिमी को पता चल जाएगा! जॉर्ज ने सभी को चिल्लाने और हँसने का इशारा किया और टिमी को

अलमारी में से बाहर निकाला। टिमी भागकर दरवाज़े तक गया और वहाँ पर चुपचाप खड़ा होकर सूँघने लगा। फिर उसने मुड़कर जॉर्ज को देखा और अपनी पूँछ हिला दी।

'अब सब ठीक है,' जूलियन ने बाक़ी बच्चों से कहा। 'वहाँ अब कोई नहीं है। टिमी को हमेशा हर बात का पता चल जाता है। सूटी, इस समय मैदान साफ़ है। अच्छा यही रहेगा कि हम जल्दी से उसे तुम्हारे कमरे में पहुँचा दें। वैसे तुम्हें क्या लगता है, बाहर कौन जासूसी कर रहा होगा?'

सूटी ने कहा, 'ब्लॉक के अलावा और कौन होगा?' उसने दरवाज़े का ताला खोला और बाहर झाँककर देखा। गलियारे में कोई नहीं था। सूटी गलियारे वाले दरवाज़े तक भागकर गया और वहाँ से उसने नीचे झाँककर देखा। उसने जॉर्ज को हाथ हिलाकर इशारा कर दिया कि वह टिमी को उसके कमरे में ले जा सकती है।

जल्दी ही टिमी ख़ुफ़िया गलियारे में सुरक्षित पहुँच चुका था और अपने मनपसंद बिस्कुट चबा रहा था। उसे अपनी अजीब दिनचर्या की आदत पड़ चुकी थी और उसे क़तई बुरा नहीं लग रहा था। वह गलियारे के रास्ते को अच्छी तरह जान चुका था। वह इससे निकलने वाले बाक़ी गलियारों को भी जान चुका था। कुल मिलाकर अब वह ख़ुफ़िया रास्तों की इस भूलभुलैया को

बहुत ही अच्छी तरह समझ चुका था!

'अब चलकर लंच करते हैं,' डिक बोला। 'और ध्यान रखना, एन - तुम ब्लॉक के सामने भूल से भी कोई बेवकूफ़ी की बात मत बोल देना, क्योंकि वह तुम्हारे होंठों की भाषा समझ सकता है।'

'मैं नहीं बोलूँगी,' एन ने ग़ुस्से से कहा। 'मैं पहले भी नहीं बोलती, लेकिन मुझे क्या पता था कि वह मेरे होंठों की भाषा समझ सकता होगा। अगर वह ऐसा कर सकता है, तो वाक़ई वह बहुत चतुर होगा।'

जल्दी ही वे सभी लंच करने बैठ गए। ब्लॉक उन्हें खाना परोस रहा था। सारा वहाँ पर नहीं थी, क्योंकि आज वह बाहर गई हुई थी। उन्हें सूप परोसने के बाद ब्लॉक बाहर चला गया।

अचानक बच्चों को बेहद हैरानी हुई, जब उन्होंने टिमी के ज़ोर-ज़ोर से भौंकने की आवाज़ सुनी। वे दहशत में आ गए।

'सुनो! यह तो टिमी की आवाज़ है!' जूलियन बोला। 'वह ख़ुफ़िया गलियारे में आस-पास ही होगा। उसके भौंकने की आवाज़ दबी हुई है और दूर से आ रही है। लेकिन कोई भी फ़ौरन समझ जाएगा कि यह किसी कुत्ते के भौंकने की आवाज़ है।'

'इस बारे में ब्लॉक के सामने कोई बात मत करना,' सूटी बोला। 'एक शब्द भी मत बोलना। अगर टिमी

दोबारा भौंके, तो ऐसा नाटक करना, जैसे तुमने कुछ भी नहीं सुना है। वैसे वह भौंक क्यों रहा होगा?'

जॉर्ज बोली, 'वह इस तरह तब भौंकता है, जब वह रोमांचित और ख़ुश होता है। मुझे लगता है, ज़रूर वह किसी चूहे का पीछा कर रहा होगा। जब भी उसे कोई चूहा या ख़रगोश दिखता है, तो उसका दिमाग़ घूम जाता है। लो वह फिर से भौंकने लगा। काश वह जल्दी से उस चूहे को पकड़ ले और चुप हो जाए!'

ब्लॉक उसी पल लौट आया। टिमी ने अब भौंकना बंद कर दिया था। लेकिन एक-दो पल में ही उसकी आवाज़ फिर से आने लगी, हालाँकि यह बहुत दबी हुई थी। 'भौं! भौं-भौं!' जूलियन ब्लॉक को ग़ौर से देख रहा था। वह उन्हें मीट परोस रहा था। उसने कहा कुछ नहीं, लेकिन वह बच्चों को ग़ौर से देखने लगा, जैसे वह उनके चेहरे के भाव देखना चाहता हो।

'आज का सूप अच्छा था,' जूलियन ने ख़ुशी से बाक़ी लोगों की तरफ़ देखते हुए कहा। 'सारा बहुत अच्छा खाना बनाती है।'

एन बोली, 'मुझे उसके बनाए केक शानदार लगते हैं। ख़ास तौर पर जब वे गर्म होते हैं।'

'भौं-भौं,' दीवारों के पीछे से टिमी की आवाज़ फिर आने लगी थी।

'जॉर्ज, तुम्हारी मम्मी के फ्रूट केक बहुत बढ़िया होते

हैं,' डिक ने जॉर्ज से कहते हुए सोचा कि टिमी को ख़ामोश हो जाना चाहिए। 'क्या पता किरिन कॉटेज का क्या हाल होगा? छत की मरम्मत शुरू हुई होगी या नहीं?'

'भौं!' टिमी गलियारे में चूहे का ख़ुशी से पीछा करते हुए भौंका।

सबको खाना परोसने के बाद ब्लॉक चुपचाप बाहर चला गया। जूलियन ने दरवाज़े तक जाकर इस बात की जाँच की कि वह सचमुच वहाँ से चला गया था।

'मुझे उम्मीद है कि ब्लॉक सचमुच बहरा ही होगा!' उसने कहा। 'मैं यक़ीन के साथ कहता हूँ कि टिमी के भौंकने पर मैंने उसकी सपाट आँखों में हैरानी का भाव देखा था।'

'अगर वह सुन *सकता* है, जो मुझे संभव नहीं लगता,' जॉर्ज बोली, 'तो उसे यह सुनकर हैरानी हुई होगी कि हम सभी दूसरी बातें कर रहे थे और कुत्ते के भौंकने की तरफ़ कोई ध्यान ही नहीं दे रहे थे!'

यह सुनकर बाक़ी बच्चे हँस दिए। उन्होंने ब्लॉक के क़दमों की आहट पर अपने कान लगा रखे थे। कुछ समय बाद उन्हें क़दमों की आहट सुनाई दी और उन्होंने अपनी प्लेटें एक साथ रख दीं, ताकि ब्लॉक उन्हें उठाकर ले जाए।

कमरे का दरवाज़ा खुला। लेकिन अंदर आने वाला

आदमी ब्लॉक नहीं था। वे तो मिस्टर लेनॉयर थे! वे हमेशा की तरह मुस्कराते हुए आए और हैरान बच्चों को देखने लगे।

उन्होंने कहा, 'आह! तो तुम लोग अपने लंच का आनंद ले रहे हो और अच्छे बच्चों की तरह प्लेट साफ़ कर रहे हो।' बच्चों को उनसे हमेशा चिढ़ होती थी, क्योंकि वे हमेशा उनसे इस तरह बात करते थे, जैसे वे बहुत ही छोटे बच्चे हों। 'ब्लॉक तुम्हें अच्छी तरह से खाना परोसता है ना?'

'ओह हाँ, धन्यवाद,' जूलियन ने विनम्रता से खड़े होते हुए कहा। 'हमें यहाँ बहुत अच्छा लग रहा है। सारा बहुत अच्छा खाना बनाती है!'

'यह तो अच्छी बात है, यह तो अच्छी बात है,' मिस्टर लेनॉयर ने कहा। बच्चे बेचैनी से उनके जाने का इंतज़ार करने लगे। उन्हें इस बात का डर था कि टिमी दोबारा भौंकने लगेगा। लेकिन मिस्टर लेनॉयर क़तई जल्दी में नहीं दिख रहे थे।

और फिर टिमी दोबारा भौंकने लगा! 'भौं, भौं, भौं!'

11

जॉर्ज चिंता में पड़ गई

जब मिस्टर लेनॉयर ने टिमी के भौंकने की आवाज़ सुनी, तो उन्होंने अपना सिर हैरानी से इधर-उधर घुमाया। उन्होंने बच्चों की तरफ़ देखा। लेकिन बच्चों को देखकर ऐसा क़तई नहीं लग रहा था, जैसे उन्होंने कोई आवाज़ सुनी हो। मिस्टर लेनॉयर कुछ देर तक सुनते रहे, लेकिन बोले कुछ नहीं। फिर उन्होंने जूलियन की ड्रॉइंग बुक उठाई और उसमें बने स्केच देखते रहे।

बच्चों को लगा कि वे ऐसा इसलिए कर रहे थे, ताकि वहाँ थोड़ी ज़्यादा देर तक रुक सकें। जूलियन को अचानक यह शक हुआ कि ब्लॉक ने मिस्टर लेनॉयर को टिमी के भौंकने के बारे में बता दिया था और वे ख़ुद उसकी जाँच करने आए थे। वे उनके कमरे में पहले कभी नहीं आए थे!

टिमी के भौंकने की आवाज़ एक बार फिर आई। मिस्टर लेनॉयर की नाक की नोक सफ़ेद हो गई। सूटी और मैरीबेल ख़तरे के इस निशान को पहचान गए और उन्होंने एक-दूसरे की तरफ़ देखा। नाक की सफ़ेद नोक का मतलब यह था कि ग़ुस्से का तूफ़ान आने ही वाला

था!

मिस्टर लेनॉयर ने दाँत पीसते हुए कहा, 'क्या तुम्हें वह आवाज़ सुनाई दी?'

'कौन सी आवाज़?' जूलियन ने विनम्रता से पूछा।

टिमी दोबारा भौंका।

'मूर्खों जैसी बातें मत करो! वह आवाज़ दोबारा आ रही है!' मिस्टर लेनॉयर बोले। उसी पल खिड़की के बाहर समुद्री हवा के झोंके में एक समुद्री पक्षी बोला।

डिक ने उत्साह से कहा, 'ओह – वह पक्षी? हाँ, हमें अक्सर पक्षियों की आवाज़ें सुनाई देती रहती हैं। कई बार तो वे बिल्ली की तरह म्याऊँ-म्याऊँ भी करते हैं।'

'हुँह!' मिस्टर लेनॉयर झुँझलाते हुए बोले। 'अब तुम शायद यह कहोगे कि वे कुत्ते की तरह भौंक भी सकते हैं?'

'यह भी हो सकता है,' डिक ने थोड़ी हैरानी से उनसे सहमत होते हुए कहा। 'अगर वे बिल्लियों की तरह म्याऊँ-म्याऊँ कर सकते हैं, तो शायद वे कुत्तों की तरह भौंक भी सकते होंगे।'

टिमी बहुत ख़ुशी से एक बार फिर भौंका। मिस्टर लेनॉयर बच्चों की तरफ़ मुड़े और अब वे बहुत ही नाराज़ दिख रहे थे।

'क्या तुम्हें यह आवाज़ सुनाई नहीं दी? अब मुझे

बताओ कि यह कैसी आवाज़ थी?'

सभी बच्चों ने अपना सिर एक तरफ़ किया और बहुत ध्यान से सुनने का नाटक करने लगे। डिक बोला, 'मुझे तो कुछ सुनाई नहीं दिया। एक चीज़ भी नहीं।'

एन बोली, 'मुझे हवा की आवाज़ सुनाई दे रही थी।'

जूलियन ने अपना हाथ एक कान के पीछे रखते हुए कहा, 'मुझे एक बार फिर समुद्री पक्षियों की आवाज़ें सुनाई दी थीं।'

'मुझे एक दरवाज़ा भड़भड़ाने की आवाज़ सुनाई दी। शायद आप उसी आवाज़ की बात कर रहे हैं,' सूटी ने बड़ी मासूमियत से कहा। उसके सौतेले डैडी ने उसे खूँखार निगाहों से देखा। वे सचमुच बहुत ग़ुस्से में दिख रहे थे।

'और एक खिड़की भी भड़भड़ा रही है,' मैरीबेल कुछ कहने की उत्सुकता में बोली, हालाँकि वह अपने डैडी से बहुत घबराती थी, क्योंकि वह उनके ग़ुस्से को अच्छी तरह जानती थी।

'मैं तुम्हें बताए देता हूँ कि यह किसी कुत्ते की आवाज़ है और तुम यह बात अच्छी तरह जानते हो!' मिस्टर लेनॉयर झिड़कते हुए बोले। उनकी नाक की नोक अब इतनी सफ़ेद हो चुकी थी कि वह बहुत ही अजीब दिख रही थी। 'कुत्ता कहाँ है? और यह किसका है?'

'कौन सा कुत्ता?' जूलियन बोला। उसने अपनी

त्योरियाँ इस तरह चढ़ा लीं, जैसे वह सचमुच बहुत हैरान हो। 'मुझे तो यहाँ पर कोई कुत्ता नहीं दिख रहा है।'

मिस्टर लेनॉयर ने उसे घूरकर देखा और अपनी मुट्ठी बाँध ली। ऐसा लग रहा था कि वे जूलियन के कान मरोड़ना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'सुनो! सुनो और बताओ कि कुत्ते के सिवाय इस तरह कौन भौंक सकता है?'

वे सब मन मारकर सुनते रहे, क्योंकि अब वे उनसे बहुत डर रहे थे। लेकिन क़िस्मत से टिमी ख़ामोश रहा। या तो चूहा बचकर भाग गया था या फिर वह उसे बैठकर चबा रहा था। चाहे जो हो, उसने ज़रा सी भी आवाज़ नहीं की!

'माफ़ कीजिए, लेकिन मुझे कुत्ते के भौंकने की आवाज़ सुनाई नहीं दी,' जूलियन ने थोड़े आहत भाव से कहा।

'मुझे भी नहीं!' डिक ने कहा। बाक़ी बच्चों ने भी यही कहा। मिस्टर लेनॉयर जानते थे कि इस बार वे सच बोल रहे हैं, क्योंकि अब उन्हें भी कुछ सुनाई नहीं दिया था।

'जब मैं उस कुत्ते को पकड़ लूँगा, तो मैं उसे ज़हर दिलवा दूँगा,' उन्होंने बहुत धीमे-धीमे और स्पष्टता से कहा। 'मैं अपने घर में किसी कुत्ते को बर्दाश्त नहीं

करूँगा।'

वे मुड़े और जल्दी से बाहर चले गए। यह बहुत ही अच्छा रहा, क्योंकि जॉर्ज को ग़ुस्सा आने ही वाला था। अगर मिस्टर लेनॉयर थोड़ी देर और रुकते, तो वहाँ पर युद्ध छिड़ जाता! एन ने जॉर्ज का हाथ पकड़ लिया, ताकि वह चिल्ला-चोट न करे।

उसने धीरे से कहा, 'हमारी योजना चौपट मत करो! चुप रहो, जॉर्ज!'

जॉर्ज ने अपना होंठ काट लिया। उसका चेहरा पहले ग़ुस्से से लाल हुआ और फिर दहशत के कारण सफ़ेद पड़ गया। उसने अपना पैर पटका।

वह आवेश में बोली, 'उनकी हिम्मत कैसे हुई, उनकी हिम्मत कैसे हुई?'

'चुप रहो, मूर्ख,' जूलियन बोला। 'ब्लॉक एक मिनट में आने वाला होगा। हमें इस बात पर हैरान होने का नाटक करना चाहिए कि मिस्टर लेनॉयर ने यह सोच कैसे लिया कि यहाँ एक कुत्ता हो सकता है। अगर ब्लॉक हमारे होंठों की भाषा समझ भी ले, तो भी उसे सच्चाई का पता नहीं चलेगा।'

ब्लॉक उसी समय पुडिंग लेकर अंदर आया। उसका चेहरा हमेशा की तरह सपाट था। बच्चों ने आज तक इससे अजीब चेहरा नहीं देखा था, क्योंकि उसके चेहरे का भाव कभी नहीं बदलता था। जैसा एन का कहना

था, उसका चेहरा मोम के मुखौटे जैसा दिखता था!

'अजीब बात है कि मिस्टर लेनॉयर को यह लगा कि यहाँ एक कुत्ता भौंक रहा था,' जूलियन ने बोलना शुरू किया और बाक़ी सभी ने उसका ज़ोरदार समर्थन किया। अगर ब्लॉक सचमुच उनके होंठों की भाषा समझ सकता होगा, तो वह उलझन में पड़ जाएगा कि कुत्ता भौंका भी *था* या नहीं!

बच्चे इसके बाद सूटी के कमरे में जाकर बातचीत करने लगे। जॉर्ज ने कहा, 'हम टिमी का क्या करें? सूटी, क्या तुम्हारे सौतेले डैडी को दीवारों के पीछे वाले ख़ुफ़िया गलियारे की जानकारी है? क्या वे वहाँ पर जाकर टिमी को खोज सकते हैं? अगर वे ऐसा करेंगे, तो टिमी उन पर हमला भी कर सकता है।'

'हाँ, वह कर सकता है,' सूटी ने सोचते हुए कहा। 'मुझे नहीं पता कि डैडी को ख़ुफ़िया गलियारे के बारे में मालूम है या नहीं। मेरा मतलब है, उन्हें मालूम तो होगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्हें अंदर घुसने का रास्ता मालूम होगा। मुझे भी रास्ता क़िस्मत से ही मिला था।'

जॉर्ज अचानक बोली, 'मैं घर लौट रही हूँ। मैं यह जोखिम नहीं ले सकती कि टिमी को ज़हर दे दिया जाए।'

'तुम अकेली घर नहीं लौट सकतीं,' जूलियन बोला। 'यह अजीब लगेगा। अगर तुम घर लौटोगी, तो हम

सबको भी लौटना पड़ेगा और फिर हमें सूटी के साथ इस रहस्य को सुलझाने का मौक़ा नहीं मिलेगा।'

सूटी दहशत में आते हुए बोला, 'नहीं, भगवान के लिए इस समय मुझे अकेला छोड़कर मत जाओ। इससे मेरे डैडी बहुत नाराज़ हो जाएँगे।'

जॉर्ज झिझकी। वह सूटी के लिए मुश्किलें खड़ी नहीं करना चाहती थी, क्योंकि वह उसे बहुत पसंद करती थी। लेकिन दूसरी तरफ़ वह टिमी की जान को भी जोखिम में नहीं डालना चाहती थी।

'अच्छा - मैं अपने डैडी को फ़ोन करके कहती हूँ कि मुझे घर की याद आ रही है और मैं लौटना चाहती हूँ,' जॉर्ज बोली। 'मैं कहूँगी कि मुझे मम्मी की याद आ रही है और यह बिलकुल सच है। मुझे सचमुच उनकी याद आ रही है। तुम लोग यहाँ रुककर इस गुत्थी को सुलझा सकते हो। यह ठीक नहीं है कि तुम मुझे और टिमी को यहाँ रोकने की कोशिश करो, जबकि तुम जानते हो कि मुझे हर पल यही चिंता रहेगी कि कहीं कोई ख़ुफ़िया गलियारे में जाकर टिमी को ज़हर मिला मीट न खिला दे।'

बाक़ी लोगों ने यह सोचा ही नहीं था। यह बहुत बुरा होगा। जूलियन ने आह भरी। उसे आख़िर जॉर्ज की बात माननी ही पड़ेगी।

उसने कहा, 'ठीक है। तुम अपने डैडी को फ़ोन कर

दो। फ़ोन नीचे रखा है। अगर तुम चाहो, तो उन्हें अभी फ़ोन कर सकती हो। मुझे लगता है, अभी वहाँ पर कोई नहीं होगा।'

जॉर्ज गलियारे के दरवाज़े से निकलकर सीढ़ियों पर उतरी। टेलीफ़ोन एक छोटी अलमारी में रखा था। उसने अपने घर का नंबर डायल किया।

काफ़ी समय बाद उसे दूसरी तरफ़ से घर्र - घर्र - घर्र की आवाज़ सुनाई दी। किरिन कॉटेज में रखे टेलीफ़ोन की घंटी बज रही थी। उसने मन ही मन इस बात की योजना बनाई कि वह अपने डैडी से क्या कहेगी। उसे सचमुच टिमी के साथ घर लौटना ही होगा। वह नहीं जानती थी कि वह टिमी के बारे में किसी से क्या कहेगी या उसे कुछ भी कहने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। लेकिन वह उसी दिन या अगले ही दिन घर लौटना चाहती थी!

'घर्र-घर्र-घर्र-घर्र!' दूसरी तरफ़ घंटी बजती रही। घंटी लगातार बजती रही, लेकिन किसी ने फ़ोन नहीं उठाया। उसे अपने डैडी की आवाज़ सुनाई नहीं दी। सिर्फ़ घंटी की आवाज़ आती रही, जो लगातार बज रही थी। कोई जवाब क्यों नहीं दे रहा था?

फिर टेलीफ़ोन एक्सचेंज की ऑपरेटर की आवाज़ आई, 'माफ़ कीजिए, कोई जवाब नहीं मिल रहा है।'

जॉर्ज ने दुखी मन से रिसीवर नीचे रख दिया। शायद

उसके मम्मी-डैडी कहीं बाहर गए हों? उसे बाद में कोशिश करनी चाहिए।

जॉर्ज ने तीन बार कोशिश की, लेकिन हर बार उसे वही परिणाम मिला। उसके घर में किसी ने भी फ़ोन नहीं उठाया। जब वह टेलीफ़ोन वाली अलमारी से तीसरी बार लौट रही थी, तो मिसेज़ लेनॉयर ने उसे देख लिया।

'तुम कहीं अपने घर फ़ोन करने की कोशिश तो नहीं कर रही हो?' उन्होंने पूछा। 'क्या तुमने अब तक ख़बर नहीं सुनी?'

'मुझे अब तक कोई चिट्ठी नहीं मिली है,' जॉर्ज बोली। 'मैंने तीन बार किरिन कॉटेज फ़ोन करने की कोशिश की, लेकिन मुझे कोई जवाब ही नहीं मिला।'

'हमें आज सुबह ही यह ख़बर मिली है कि मरम्मत के कारण किरिन कॉटेज में रहना असंभव है, क्योंकि मज़दूर हर जगह हथौड़े चला रहे हैं और बहुत शोर हो रहा है,' मिसेज़ लेनॉयर ने शांत आवाज़ में कहा। 'मुझे तुम्हारी मम्मी की चिट्ठी मिली थी। उन्होंने बताया कि शोर से तुम्हारे डैडी बहुत परेशान हो गए हैं, इसलिए वे एक सप्ताह के लिए बाहर जा रहे हैं। तब तक सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन मिस्टर लेनॉयर ने उन्हें चिट्ठी लिखकर यहाँ आने का न्योता दिया है। हमें कल पक्का पता चल जाएगा, क्योंकि हमने उन्हें टेलीफ़ोन से जवाब

देने के लिए लिखा है। ज़ाहिर है, तुम्हारी ही तरह हम भी आज उनसे टेलीफ़ोन पर बात नहीं कर पाए, क्योंकि वे कहीं जा चुके हैं।'

'ओह,' जॉर्ज ने कहा, जो यह ख़बर सुनकर हैरान थी और यह सोच रही थी कि उसकी मम्मी ने उसे यह बात चिट्ठी में क्यों नहीं बताई।

'तुम्हारी मम्मी ने यह भी लिखा है कि उन्होंने तुम्हें भी एक चिट्ठी लिखी है,' मिसेज़ लेनॉयर बोलीं। 'शायद वह चिट्ठी अगली डाक से आ जाएगी। यहाँ पर डाक अक्सर गड़बड़ा जाती है। अगर तुम्हारे मम्मी-डैडी यहाँ आते हैं, तो यह बहुत ख़ुशी की बात होगी। मिस्टर लेनॉयर तुम्हारे समझदार डैडी से मिलने के लिए बहुत व्याकुल हैं। वे उन्हें जीनियस मानते हैं।'

जॉर्ज बिना कुछ बोले बाक़ी लोगों के पास लौट गई। उसका चेहरा उदास और गंभीर था। उसने सूटी के कमरे का दरवाज़ा खोला। उसके चेहरे को देखते ही सभी बच्चे समझ गए कि कुछ हो गया था।

जॉर्ज बोली, 'मैं टिमोथी के साथ घर नहीं लौट सकती। मम्मी-डैडी घर में मज़दूरों के शोर को बर्दाश्त नहीं कर पाए, इसलिए वे दोनों ही कहीं बाहर चले गए हैं!'

'यह तो बुरा हुआ!' सूटी बोला। 'वैसे मुझे ख़ुशी है कि तुम यहाँ रुक रही हो, जॉर्ज। तुम्हारे और टिमी के

चले जाने पर मुझे बहुत बुरा लगता।'

'तुम्हारे डैडी ने मेरे मम्मी-डैडी को यहाँ रहने का न्योता दिया है,' जॉर्ज बोली। 'मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मैं टिमी का क्या करूँ। और यह तय है कि वे उसके बारे में सवाल ज़रूर पूछेंगे। मैं उनसे सफ़ेद झूठ तो नहीं बोल सकती कि मैं उसे मछुआरे के लड़के एल्फ़ के पास छोड़ आई हूँ। अब मैं *क्या* करूँ!'

'हम कुछ न कुछ सोच ही लेंगे,' सूटी ने वादा किया। 'शायद हम उसे किसी गाँव वाले के पास रखवा देंगे। यह बहुत अच्छा रहेगा।'

'ओह हाँ!' जॉर्ज ने ख़ुश होते हुए कहा। 'मैंने इसके बारे में पहले क्यों नहीं सोचा? सूटी, हम टिमी को किसी के पास रखने के बारे में जल्दी ही बात कर लेते हैं।'

लेकिन उस दिन कुछ करना असंभव था, क्योंकि चाय के बाद मिसेज़ लेनॉयर ने उन सभी को बैठक में अपने साथ खेलने के लिए बुलवा लिया। इसलिए वे लोग टिमी को रखवाने के लिए किसी को खोजने नहीं जा पाए। 'चिंता की कोई बात नहीं है,' जॉर्ज ने सोचा। 'वह आज रात को मेरे पलंग पर सुरक्षित रहेगा! और कल हम कोई न कोई व्यवस्था कर ही लेंगे।'

पहली बार मिसेज़ लेनॉयर ने उन्हें अपने पास नीचे बुलाया था। उन्होंने इसका कारण बताते हुए कहा, 'मिस्टर लेनॉयर कार से एक महत्वपूर्ण काम करने गए

हैं। जब वे घर पर होते हैं, तो उन्हें यह पसंद नहीं आता कि उनकी शाम में बाधा डाली जाए। इसलिए मैं तुम लोगों के साथ उतना नहीं रह पाती हूँ, जितना मैं चाहती हूँ। लेकिन आज वे घर पर नहीं हैं, इसलिए मैं ऐसा कर सकती हूँ।'

जूलियन ने सोचा कि कहीं मिस्टर लेनॉयर स्मगलिंग के काम से तो नहीं गए हैं! शायद उन्हें स्मगलिंग का सामान कहीं पहुँचाना होगा और अगर उस रात के संकेतों का मिस्टर लेनॉयर की स्मगलिंग से कोई लेना-देना होगा, तो शायद वे उस सामान को ठिकाने लगाने गए होंगे!

तभी टेलीफ़ोन की तीखी घंटी बजी। मिसेज़ लेनॉयर उठकर खड़ी हुईं और जॉर्ज से बोलीं, 'मुझे लगता है कि तुम्हारे मम्मी या डैडी का फ़ोन होगा। शायद तुम्हारे लिए कोई ख़बर होगी! शायद वे कल यहाँ आ रहे होंगे।'

वे हॉल में गईं। बच्चे तनाव में बैठकर इंतज़ार करने लगे। जॉर्ज के मम्मी-डैडी वहाँ आएँगे या नहीं?

12

ब्लॉक हैरान रह जाता है

मिसेज़ लेनॉयर कुछ समय बाद लौटकर आईं और जॉर्ज की तरफ़ देखकर मुस्कराने लगीं।

उन्होंने कहा, 'तुम्हारे डैडी का फ़ोन था। वे कल यहाँ आ रहे हैं, लेकिन तुम्हारी मम्मी नहीं आ पाएँगी। वे दोनों इस वक़्त तुम्हारी आंटी के यहाँ रुके हैं। तुम्हारी आंटी की तबियत ठीक नहीं है, इसलिए तुम्हारी मम्मी वहीं पर रुककर उनकी देखभाल करेंगी। लेकिन तुम्हारे डैडी यहाँ आ रहे हैं, क्योंकि वे मिस्टर लेनॉयर के साथ अपने वैज्ञानिक प्रयोगों के बारे में बातचीत करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उनका यहाँ पर आना बहुत अच्छा रहेगा।'

बच्चे मन ही मन सोच रहे थे कि क्वेंटिन अंकल के बजाय फ़ैनी आंटी आ रही होतीं, तो कितना अच्छा होता! क्वेंटिन अंकल कई बार बहुत मुश्किलें खड़ी कर देते थे। लेकिन शायद वे ज़्यादातर समय मिस्टर लेनॉयर के साथ बातचीत करते रहेंगे, इसलिए उन्हें ख़ास मुश्किल नहीं आएगी!

मिसेज़ लेनॉयर के साथ खेल ख़त्म करके बच्चे सोने

के लिए चले गए। सोने से पहले जॉर्ज को टिमी को अपने कमरे तक लाना था। सूटी यह देखने गया कि मैदान साफ़ था या नहीं। उसे ब्लॉक कहीं नहीं दिखा। उसके सौतेले डैडी अब तक घर नहीं लौटे थे। सारा किचन में गुनगुना रही थी और किचन में काम करने वाली हैरियट नाम की नौकरानी एक कोने में बैठकर कुछ बुन रही थी।

सूटी ने सोचा, 'ब्लॉक बाहर गया होगा।' वह जॉर्ज को यह बताने गया कि मैदान साफ़ था। जैसे ही वह अपने कमरे तक जाने वाले लंबे गलियारे की सीढ़ियों के पास पहुँचा, उसे खिड़की पर लगे मोटे पर्दे के नीचे दो पैर दिखाई दिए। ग़ौर से उन्हें देखने पर वह सब कुछ समझ गया और मुस्कराने लगा।

उसने सोचा, 'ब्लॉक को शक हो गया है कि हमारे पास कुत्ता है। उसने अंदाज़ा लगा लिया होगा कि वह जॉर्ज या जूलियन के कमरे में सोता होगा। इसलिए वह यहाँ पर जासूसी करने के लिए छिपा हुआ है! आहा! मैं अपने प्यारे दोस्त ब्लॉक को बहुत बुरा सदमा पहुँचाऊँगा!'

वह बाक़ी बच्चों को यह बात बताने के लिए भागा। जॉर्ज यह सुनकर दहशत में आ गई। लेकिन हमेशा की तरह सूटी के पास एक योजना थी।

'हम ब्लॉक को बुरी तरह चमकाते हैं!' उसने कहा। 'हम सब एक रस्सी लेकर वहाँ चलते हैं। मैं अचानक

चिल्लाने लगूँगा कि पर्दे के पीछे कोई डाकू छिपा है। फिर मैं ब्लॉक पर कूदकर उसे कुछ मुक्के जमा दूँगा। जूलियन और डिक, फिर मैं तुम्हारी मदद से उसे पर्दों में अच्छी तरह लपेट दूँगा - एक झटका देने पर पर्दे उसके ऊपर गिर जाएँगे!'

सभी बच्चे हँसने लगे। ब्लॉक के साथ यह काम करना मज़ेदार रहेगा। वह सचमुच बुरा आदमी था। उसे इस तरह सबक़ सिखाने में कोई बुराई नहीं है।

'और इस धमाचौकड़ी में मैं टिमी को लेकर चुपचाप अपने कमरे में चली जाऊँगी,' जॉर्ज बोली। 'कहीं टिमी बीच में न कूद पड़े! कहीं वह ब्लॉक को काट न ले!'

'टिमी को कसकर पकड़ना,' जूलियन बोला। 'उसे अपने कमरे में जल्दी से ले जाना। अब - क्या सब तैयार हैं?'

वे सब तैयार थे। वे सभी दबे पाँव लंबे गलियारे में गए, जो उस दरवाज़े तक जाता था, जिसके पार ब्लॉक छिपा था। उन्होंने पास पहुँचकर देखा कि पर्दे थोड़े हिल रहे थे। इसका मतलब था कि ब्लॉक उन्हें देख रहा था।

जॉर्ज टिमी के साथ गलियारे के दरवाज़े पर ही रुक गई। फिर सूटी इतनी ज़ोर से चिल्लाया कि जॉर्ज और टिमी भी उछल पड़े। फिर घटनाएँ बहुत तेज़ी से होने लगीं!

सूटी छिपे हुए ब्लॉक पर कूदा और पूरी ताक़त से

चिल्लाया, 'डाकू! मदद करो, यहाँ डाकू छिपा है!'

ब्लॉक उछला और बचने के लिए हाथ-पैर मारने लगा। सूटी ने उसे दो-तीन तेज़ मुक्के जमाए। ब्लॉक अक्सर उसके डैडी से उसकी शिकायत करता रहता था और सूटी आज उसका अच्छी तरह से बदला ले रहा था! जूलियन और डिक सूटी का साथ देने के लिए भागे।

झटका देने पर पर्दे ब्लॉक के सिर पर गिर गए! यही नहीं, पर्दे का डंडा भी उसके सिर से टकराया, जिससे वह एक तरफ़ को गिर गया। बेचारा ब्लॉक बुरी तरह से हैरान था, लेकिन वह तीन ग़ुस्सैल लड़कों के ख़िलाफ़ कुछ नहीं कर सकता था। यहाँ तक कि एन ने भी उनकी मदद की। मैरीबेल दूर खड़ी-खड़ी ख़ुश होती रही, क्योंकि उसमें मारपीट में शामिल होने की हिम्मत नहीं थी।

जब यह सारा झमेला हो रहा था, तो जॉर्ज टिमी के साथ चुपके से अपने कमरे की तरफ़ चल दी। लेकिन टिमी इस रोमांचक घटना का पूरा मज़ा लेना चाहता था। वह जॉर्ज को खींचने लगा। वह उसके साथ जाने के लिए तैयार नहीं था।

जॉर्ज ने उसके पट्टे पर हाथ रखकर उसे पूरी ताक़त से खींचने की कोशिश की। लेकिन तभी टिमी को पास में ही एक मोटा पैर दिख गया, जो पर्दे से बाहर

निकल रहा था। वह पैर पर झपटा।

ब्लॉक की दर्द भरी चीख़ सुनाई दी। टिमी ने अपने तेज़ सफ़ेद दाँतों से उसके पैर को अच्छी तरह काट लिया था। टिमी हिलते पैर को कुछ सेकंड तक देखता रहा। वह अभी कुछ और कमाल दिखाने ही वाला था कि तभी जॉर्ज ने उसे थप्पड़ मार दिया। सदमे में टिमी ने पैर को छोड़ा और चुपचाप अपनी मालकिन के पीछे-पीछे चल दिया। वह उसे कभी थप्पड़ नहीं मारती थी! निश्चित रूप से वह उससे बहुत नाराज़ होगी। अपनी पूँछ नीची करके टिमी जॉर्ज के पीछे-पीछे बेडरूम में गया और फ़ौरन पलंग के नीचे घुस गया। उसने अपना सिर बाहर निकाला और अपनी बड़ी-बड़ी भूरी आँखों से जॉर्ज को ताकने लगा।

'ओह टिमी - मुझे तुम्हें थप्पड़ मारना ही पड़ा!' जॉर्ज बोली और उसने नीचे झुककर टिमी का सिर थपथपाया। 'अगर तुम उसे दिखाई दे जाते, तो सारा खेल बिगड़ जाता। शायद खेल तो बिगड़ ही चुका है। मुझे यक़ीन है कि तुमने ब्लॉक को काट लिया है और मैं नहीं जानती कि हम इस बारे में क्या बहाना बनाएँगे! अब चुपचाप यहीं लेटे रहो। मैं बाक़ी बच्चों के पास जा रही हूँ।'

टिमी ने अपनी पूँछ धीरे से फ़र्श पर मारी। जॉर्ज कमरे से बाहर भागकर बाक़ी बच्चों के पास पहुँच गई। वे ब्लॉक के साथ बढ़िया खेल खेल रहे थे। ब्लॉक चिल्ला

रहा था, जूझ रहा था और बचकर निकलने की पूरी कोशिश कर रहा था। वह पर्दों में उसी तरह लिपटा था, जिस तरह तितली कोकून में लिपटी रहती है। उसका सिर पूरी तरह ढँका था, इसलिए वह कुछ नहीं देख सकता था।

अचानक मिस्टर लेनॉयर नीचे हॉल में आए। बहुत डरी हुई मिसेज़ लेनॉयर उनके साथ थीं। सूटी के सौतेले डैडी की गरजती हुई आवाज़ ऊपर आई, 'यह सब क्या हो रहा है? क्या तुम लोग पागल हो गए हो? इतनी रात को ऐसी हरकत करने का क्या मतलब है?'

सूटी हाँफते हुए बोला, 'हमने एक डाकू को पकड़ लिया है और उसे बाँध दिया है।'

मिस्टर लेनॉयर एक बार में दो सीढ़ियाँ चढ़ते हुए हैरानी से ऊपर आए। उन्होंने देखा कि भारी पर्दों में बँधा कोई व्यक्ति ज़मीन पर गिरा हुआ है और लातें चला रहा है। उन्होंने कहा, 'डाकू! तुम्हारा मतलब है चोर? तुम्हें वह कहाँ मिला?'

'वह पर्दे के पीछे छिपा हुआ था!' जूलियन बोला। 'उसके भागने से पहले ही हमने उसे पकड़कर बाँध दिया। क्या आप पुलिस को बुला सकते हैं?'

पर्दे के अंदर से एक दर्द भरी आवाज़ आई, 'मुझे बाहर निकालो! मुझे काट लिया है! मुझे जाने दो!'

'हे भगवान! यह तो ब्लॉक है!' मिस्टर लेनॉयर हैरानी

और ग़ुस्से से बोले। 'उसे जल्दी से खोलो।'

सूटी ने विरोध किया, 'लेकिन – वह ब्लॉक नहीं हो सकता। ब्लॉक खिड़की के पर्दे के पीछे क्यों छिपेगा?'

'तुमसे जितना कहा जा रहा है, उतना करो,' मिस्टर लेनॉयर ने नाराज़ होते हुए आदेश दिया। एन ने उनकी नाक की नोक को देखा। हाँ, यह हमेशा की तरह सफ़ेद हो रही थी!

लड़कों ने मन मारकर रस्सियाँ खोल दीं। ब्लॉक ने ग़ुस्से से उन पर्दों को अलग किया, जिनमें वह बँधा था। आम तौर पर सपाट रहने वाला उसका चेहरा इस समय ग़ुस्से से लाल पड़ गया था।

उसने ग़ुस्से से कहा, 'मैं इस तरह की चीज़ सहन नहीं करूँगा! यहाँ देखिए सर, मेरे पैर की तरफ़ देखिए! मुझे किसी ने काटा है। यह काम एक कुत्ता ही कर सकता है। मेरे पैर की तरफ़ देखिए?'

वाक़ई उसके पैर पर दाँतों के निशान साफ़ दिख रहे थे, जो धीरे-धीरे बैंगनी हो रहे थे। टिमी ने उसे अच्छी तरह काटा था।

मिसेज़ लेनॉयर ने आख़िर सीढ़ियों के ऊपर आते हुए धीरे से कहा, 'इस घर में कोई कुत्ता नहीं है। तुम्हें कुत्ता कैसे काट सकता है, ब्लॉक?'

'तो फिर उसे किसने काटा?' मिस्टर लेनॉयर ने ग़ुस्से से मिसेज़ लेनॉयर की तरफ़ मुड़ते हुए कहा।

'कहीं *मैंने* ही तो उसे अपने रोमांच में नहीं काट लिया?' अचानक सूटी बोला, जिसे सुनकर बच्चों को बड़ी हैरानी हुई और मज़ा भी आया। सूटी अपने चेहरे पर चिंता का भाव लाकर बहुत गंभीरता से बोला, 'जब मैं ग़ुस्सा होता हूँ, तो मुझे पता ही नहीं होता कि मैं क्या कर रहा हूँ। लगता है, मैंने ही उसे काट लिया होगा!'

'हुँह!' मिस्टर लेनॉयर हिक़ारत से बोले। 'बेवकूफ़ी की बातें मत करो, लड़के! अगर तुम लोगों को काटने लगे, तो मैं तुम्हें इसकी अच्छी सज़ा दूँगा। उठो ब्लॉक, तुम ज़्यादा घायल नहीं हो।'

'मुझे लगता है कि मेरे दाँत थोड़े अजीब लग रहे हैं,' सूटी ने अपने मुँह को बार-बार खोला और बंद किया, जैसे यह देखना चाहता हो कि उसके दाँत ठीक तो हैं। 'मुझे लगता है, मैं जाकर अपने दाँत साफ़ कर लूँ। मेरे मुँह में ब्लॉक के टखनों का स्वाद आ रहा है और यह अच्छा नहीं है।'

मिस्टर लेनॉयर सूटी की बदतमीज़ी से भड़क गए। वे उसके कान मरोड़ने के लिए तेज़ी से आगे बढ़े। लेकिन सूटी बचकर निकल गया और गलियारे में भागने लगा। वह बोला, 'अपने दाँत साफ़ करके आता हूँ!' बाक़ी बच्चे हँसी रोकने की कोशिश करने लगे। यह सोचना ही मूर्खतापूर्ण था कि सूटी किसी को काट सकता है। बहरहाल, यह स्पष्ट था कि मिस्टर लेनॉयर और मिसेज़

लेनॉयर को ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि ब्लॉक को किसने काटा था।

'अब तुम सब लोग अपने-अपने बिस्तर पर जाओ,' मिस्टर लेनॉयर ने आदेश दिया। 'कल तुम्हारे डैडी - या तुम्हारे अंकल आने वाले हैं। मुझे उम्मीद है कि मुझे उनसे तुम्हारी शिकायत नहीं करनी पड़ेगी। मुझे नहीं मालूम कि तुममें से कौन उनके बच्चे हो और कौन नहीं हो। बड़ी हैरानी की बात है! तुम लोग किसी दूसरे के घर में इतना ऊधम कैसे मचा सकते हो! तुम लोगों ने मेरे नौकर को बाँध दिया! अगर वह काम छोड़कर चला गया, तो इसका दोष तुम्हारे ऊपर होगा!'

बच्चे तो दिल से चाहते थे कि ब्लॉक काम छोड़कर चला जाए। यह बहुत अच्छा रहेगा कि सपाट चेहरे वाला वह बुरा आदमी घर के बाहर रहे। उन्हें यक़ीन था कि वह टिमी की ताक में था। वह तब तक जासूसी करता रहेगा, जब तक कि वह टिमी या उनमें से किसी को मुश्किल में नहीं फँसा देगा।

लेकिन ब्लॉक अगली सुबह भी वहीं था। वह बच्चों का नाश्ता लेकर आया। उसका चेहरा हमेशा की तरह ही सपाट था। उसने सूटी को ग़ुस्से से देखा।

उसने अजीब सी धीमी आवाज़ में कहा, 'तुम लोग बचकर रहना। तुम लोग सावधान रहना। किसी न किसी दिन तुम्हारे साथ बहुत बुरा होने वाला है। हाँ -

और उस कुत्ते का भी! मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि तुम्हारे पास एक कुत्ता भी है! तुम लोग *मुझे* धोखा नहीं दे सकते।'

बच्चे एक-दूसरे को देखते रहे, लेकिन कुछ नहीं बोले। सूटी मुस्कराया और अपनी चम्मच से टेबल पर तबला बजाने लगा।

'गीदड़ भभकियाँ मत दो!' वह बोला। 'तुम भी सावधान रहना, ब्लॉक। अगर हमारी और जासूसी की, तो हम एक बार फिर तुम्हें बाँध देंगे - और हाँ, मैं तुम्हें दोबारा भी काट सकता हूँ। मेरे दाँत आज फिर इस काम के लिए तैयार हैं।'

उसने ब्लॉक को अपने दाँत दिखाए। ब्लॉक ने कोई जवाब नहीं दिया। ऐसा लग रहा था कि उसने एक शब्द भी नहीं सुना था। वह बाहर जाते समय दरवाज़ा धीरे से बंद कर गया।

'वह बहुत बुरा है, है ना?' सूटी ने कहा, लेकिन जॉर्ज थोड़ी दहशत में आ गई। उसे ब्लॉक से डर लग रहा था। ब्लॉक की छोटी आँखों में बहुत चालाकी और दुष्टता की झलक थी। जॉर्ज दिल से चाहती थी कि वह टिमी को लेकर घर से बाहर निकल जाए।

उस सुबह उसे एक ज़ोरदार सदमा लगा! सूटी परेशान होकर उसके पास आया और बोला, 'तुमने सुना? तुम्हारे डैडी को *मेरे* कमरे में ठहराया जा रहा है। मुझे

अब जूलियन और डिक के कमरे में सोना पड़ेगा। ब्लॉक और सारा मेरा सामान उनके कमरे में पहुँचा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि तुम्हारे डैडी के आने से पहले हमें टिमी को बाहर निकालने का मौक़ा मिल जाएगा!'

'ओह सूटी!' जॉर्ज हताशा में बोली। 'मैं जाकर देखती हूँ कि क्या मैं उसे तत्काल निकाल सकती हूँ।'

वह चली गई और उसने ऐसा नाटक किया, जैसे वह मैरीबेल के कमरे से कोई सामान लेने जा रही है। लेकिन ब्लॉक अभी भी सूटी के कमरे में ही था। और वह वहीं रुककर पूरी सुबह सफ़ाई करता रहा!

जॉर्ज टिमी के बारे में बहुत चिंतित थी। टिमी सोच रहा होगा कि जॉर्ज उसे लेने क्यों नहीं आई। वह घूमने न जाने के कारण भी परेशान होगा। जॉर्ज पूरी सुबह गलियारे में ही मँडराती रही। वह सारा के रास्ते में आ गई, जब वह सूटी के पुराने कमरे से कपड़े लेकर जूलियन के कमरे में रखने जा रही थी।

ब्लॉक ने जॉर्ज को अजीब तरीक़े से देखा। वह लँगड़ाकर चला, ताकि जॉर्ज यह समझ ले कि उसका पैर अब भी दुख रहा था। आख़िर वह कमरे से बाहर निकल गया और जॉर्ज लपककर अंदर घुस गई। लेकिन ब्लॉक फ़ौरन लौट आया, जिस वजह से जॉर्ज को मैरीबेल के कमरे में भागना पड़ा। एक बार फिर ब्लॉक गलियारे में गया और एक बार फिर परेशान

जॉर्ज सूटी के कमरे में घुस गई।

लेकिन वह अलमारी का दरवाज़ा खोल पाती, इससे पहले ही ब्लॉक लौट आया। उसने बदतमीज़ी से कहा, 'तुम इस कमरे में क्या कर रही हो? मैंने पूरी सुबह सफ़ाई इसलिए नहीं की है, ताकि बच्चे यहाँ आकर दोबारा गंदगी कर दें! यहाँ से दफ़ा हो जाओ!'

जॉर्ज बाहर आ गई और ब्लॉक के जाने का इंतज़ार करने लगी। वह सोच रही थी, ब्लॉक को लंच की तैयारी भी तो करनी होगी, इसलिए वह जल्दी ही चला जाएगा! और यही हुआ भी। ब्लॉक आख़िर वहाँ से चला गया। जॉर्ज सूटी के कमरे के दरवाज़े तक भागकर गई। वह टिमी तक पहुँचने के लिए उतावली थी।

लेकिन वह दरवाज़ा नहीं खोल पाई। उस पर ताला लगा था – और ताले की चाबी ब्लॉक ले गया था!

13

बेचारी जॉर्ज!

अब तक जॉर्ज बुरी तरह परेशान हो चुकी थी। उसे लगा, जैसे वह कोई बुरा सपना देख रही हो। वह सूटी को ढूँढ़ने गई। सूटी जूलियन के कमरे में था और लंच करने के लिए अपने हाथ धो रहा था।

जॉर्ज ने उससे कहा, 'सूटी! मुझे उस ख़ुफ़िया गलियारे में जाना पड़ेगा, जहाँ से तुम हमें पहले दिन अंदर ले गए थे। तुम्हारे डैडी की स्टडी से – जहाँ पर सरकने वाले पटिये हैं।'

'हम ऐसा नहीं कर सकते,' सूटी दहशत में आते हुए बोला। 'इस समय डैडी स्टडी में काम कर रहे हैं और अगर कोई वहाँ गया, तो वे उसे जान से मार देंगे। वहाँ पर उन्होंने अपने सभी प्रयोगों के रिकॉर्ड रख दिए हैं, जो वे तुम्हारे डैडी को दिखाना चाहते हैं।'

'मुझे परवाह नहीं है,' जॉर्ज हताशा में बोली। 'मुझे वहाँ किसी भी हालत में पहुँचना है, वरना टिमी भूखा मर जाएगा!'

'नहीं! वह गलियारे में चूहे खाकर अपना पेट भर लेगा!' सूटी बोला। 'मुझे यक़ीन है कि टिमी अपना

ध्यान ख़ुद रख सकता है!'

जॉर्ज ज़िद से बोली, 'भूख से नहीं, तो फिर वह प्यास से मर जाएगा। तुम तो जानते ही हो, उन ख़ुफ़िया गलियारों में पानी नहीं है!'

उस दिन जॉर्ज चिंता के कारण ठीक से लंच भी नहीं कर पाई। उसने ठान लिया था कि वह किसी न किसी तरह स्टडी में घुस जाएगी और पटियों के पीछे के दरवाज़े को खोलने की कोशिश करेगी। फिर वह अंदर जाकर टिम को निकाल लाएगी। उसे परवाह नहीं थी कि इसके बाद क्या होता है। उसे तो बस टिमी को निकालने की चिंता थी।

उसने सोचा, 'मैं बाक़ी बच्चों को कुछ नहीं बताऊँगी, वरना वे मुझे रोकने की कोशिश करेंगे या यह काम ख़ुद करने का प्रस्ताव रखेंगे। लेकिन इस काम में मुझे और किसी पर भरोसा नहीं है। टिमी मेरा कुत्ता है और उसे *मैं* ही बचाऊँगी!'

लंच के बाद सब लोग जूलियन के कमरे में बातचीत करने लगे। कुछ मिनट बाद जॉर्ज उठी और बाहर निकलती हुई बोली, 'अभी आती हूँ।' किसी ने उसकी तरफ़ ध्यान नहीं दिया। वे बड़े जोश से बातचीत करते रहे कि टिमी को कैसे बचाया जाए। ऐसा लग रहा था कि ख़ुफ़िया गलियारे में चुपके से जाने का इकलौता तरीक़ा स्टडी में घुसपैठ करना ही था।

सूटी बोला, 'लेकिन मेरे सौतेले डैडी आजकल वहाँ पर काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वहाँ से बाहर जाते समय वे दरवाज़े पर ताला लगा जाते होंगे।'

जब जॉर्ज दस मिनट तक नहीं लौटी, तो एन को चिंता होने लगी।

'जॉर्ज क्या कर रही होगी? उसे गए हुए दस मिनट हो गए हैं।'

सूटी ने उठते हुए कहा, 'ओह, वह शायद यह देखने गई होगी कि क्या मेरे पुराने कमरे का ताला खुल गया है। मैं उसे देखकर आता हूँ।'

जॉर्ज वहाँ नहीं थी। वह कहीं भी नहीं दिख रही थी! वह उस गलियारे में भी नहीं थी, जो सूटी के पुराने कमरे तक जाता था। वह सूटी के पुराने कमरे में तो हो ही नहीं सकती थी, क्योंकि उस पर अब भी ताला लगा था। और तो और, वह मैरीबेल के कमरे में भी नहीं थी।

सूटी ने जॉर्ज के कमरे में नज़र डाली, जहाँ वह एन के साथ सोती थी। लेकिन वह भी ख़ाली था। वह सीढ़ियाँ उतरकर नीचे आया और चारों तरफ़ देखने लगा। लेकिन जॉर्ज कहीं नहीं दिखी!

वह लौटकर बाक़ी बच्चों के पास हैरानी से गया।

उसने कहा, 'वह मुझे कहीं नहीं मिली! आख़िर वह गई कहाँ?'

एन दहशत में आ गई। यह बहुत ही अजीब मकान

था और इसमें बहुत अजीब घटनाएँ होती थीं। वह सोच रही थी कि काश जॉर्ज जल्दी से आ जाए।

जूलियन ने अचानक कहा, 'कहीं वह स्टडी में तो नहीं चली गई? जॉर्ज शेर की माँद में घुस सकती है!'

सूटी बोला, 'मैंने तो यह सोचा ही नहीं था। मैं भी कितना बेवकूफ़ हूँ! मैं अभी जाकर देखता हूँ।'

वह सीढ़ियाँ उतरकर नीचे गया। वह सावधानी से अपने डैडी की स्टडी की तरफ़ गया और उसके बंद दरवाज़े के सामने चुपचाप खड़ा हो गया। अंदर से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। उसके डैडी अंदर हैं या नहीं?

सूटी ने सोचा कि वह दरवाज़ा खोलकर अंदर झाँके या फिर दरवाज़ा खटखटाए। उसने दरवाज़ा खटखटाने का फ़ैसला किया। उसने सोचा, अगर डैडी कुछ बोलते हैं, तो उनके दरवाज़ा खोलने से पहले ही वह भागकर सीढ़ियों के ऊपर चला जाएगा। उन्हें पता ही नहीं चलेगा कि उनके काम में बाधा डालने के लिए किसे डाँटा जाए।

इसलिए उसने बहुत अच्छे से ठक-ठक की।

'कौन है?' उसके सौतेले डैडी की चिढ़ी हुई आवाज़ आई। 'अंदर आओ! क्या मुझे चैन से काम नहीं करने दोगे?'

सूटी फ़ौरन सीढ़ियों से ऊपर भाग गया। वह बाक़ी बच्चों के पास पहुँचकर बोला, 'जॉर्ज स्टडी में नहीं हो सकती। वहाँ मेरे सौतेले डैडी हैं और उनका मूड अच्छा

नहीं लग रहा है।'

'तो फिर वह *कहाँ* हो सकती है?' जूलियन ने चिंता से कहा। 'वह हमें बताए बिना ज़्यादा दूर तो जाएगी नहीं। वह यहीं-कहीं होगी। वह टिमी से ज़्यादा दूर नहीं जा सकती।'

उन सभी ने घर की अच्छी तरह तलाशी ली। उन्होंने किचन में भी देखा। वहाँ पर ब्लॉक अख़बार पढ़ रहा था। उसने कहा, 'तुम क्या चाहते हो? वह जो भी है, तुम्हें नहीं मिलेगा।'

'हम *तुमसे* कुछ नहीं चाहते,' सूटी बोला। 'तुम्हारे पैर की चोट अब कैसी है?'

ब्लॉक ने उन्हें भड़ककर देखा, इसलिए वे सभी जल्दी से किचन से बाहर निकल गए। सूटी ने जूलियन और डिक को पहरे पर तैनात किया और ऊपर जाकर घर के नौकरों के कमरों में देखने लगा कि जॉर्ज कहीं वहाँ तो नहीं गई है। वह जानता था कि यह विचार मूर्खतापूर्ण है, लेकिन जॉर्ज कहीं तो होगी!

ज़ाहिर है, जॉर्ज वहाँ भी नहीं थी। बच्चे निराशा से जूलियन के कमरे में लौट आए। जूलियन बोला, 'यह घर बहुत बुरा है! मुझे यह घर पसंद नहीं है। माफ़ करना सूटी, लेकिन यह घर बहुत अजीब है।'

सूटी को ज़रा भी बुरा नहीं लगा। उसने कहा, 'मैं तुम्हारी बात से सहमत हूँ। मैं भी ऐसा ही सोचता हूँ।

मम्मी और मैरीबेल भी यही सोचती हैं। सिर्फ़ मेरे सौतेले डैडी को ही यह घर पसंद है।'

'जॉर्ज कहाँ है?' एन बोली। 'मैं सोचने की कोशिश कर रही हूँ। सूटी, वह सिर्फ़ एक ही जगह पर नहीं हो सकती - तुम्हारे सौतेले डैडी की स्टडी। अगर तुम्हारे सौतेले डैडी वहाँ पर हैं, तो जॉर्ज भी वहाँ जाने की हिम्मत नहीं कर सकती।'

लेकिन एन का अंदाज़ा ग़लत था। जॉर्ज उस समय स्टडी में ही थी!

जॉर्ज ने यह ठान लिया था कि वह स्टडी के अंदर घुसने की पूरी कोशिश करेगी और फिर सरकने वाले पटिये को खोलने के मौक़े का इंतज़ार करेगी। इसलिए वह सीढ़ियाँ उतरकर हॉल के पार गई और उसने स्टडी का दरवाज़ा खोलने की कोशिश की। लेकिन उसमें ताला लगा था।

'ओह!' जॉर्ज ने हताशा से कहा। 'हर चीज़ मेरे और टिमी के ख़िलाफ़ है। मैं अंदर कैसे जा सकती हूँ? लेकिन मुझे जाना ही होगा, मुझे जाना ही होगा!'

वह स्टडी के पास वाले दरवाज़े से बाहर निकलकर उस छोटे आँगन में पहुँच गई, जहाँ से स्टडी की खिड़की दिखती थी। उसने सोचा, क्या वह वहाँ से अंदर घुस सकती है?

लेकिन खिड़की बंद थी! इसका मतलब था, यहाँ भी

कुछ नहीं हो सकता। वह दोबारा अंदर गई और यह सोचने लगी कि काश कहीं स्टडी के दरवाज़े की चाबी मिल जाए। लेकिन चाबी कहीं नहीं दिख रही थी।

अचानक उसे हॉल के बाहर वाले कमरे में मिस्टर लेनॉयर की आवाज़ सुनाई दी। दहशत में जॉर्ज ने पास रखे लकड़ी के एक बड़े संदूक का ढक्कन उठाया और जल्दी से संदूक में बैठ गई। उसने ढक्कन बंद कर लिया और धड़कते दिल से झुककर इंतज़ार करने लगी।

मिस्टर लेनॉयर हॉल में आए। वे अपनी स्टडी में ही जा रहे थे। उन्होंने अपनी पत्नी से चिल्लाकर कहा, 'मैं मेहमान को दिखाने के लिए सब कुछ तैयार कर रहा हूँ। मुझे तंग मत करना। मैं बहुत व्यस्त रहूँगा।'

जॉर्ज को स्टडी के दरवाज़े में चाबी लगने की आवाज़ सुनाई दी। दरवाज़ा खुला और फिर क्लिक की आवाज़ के साथ बंद हो गया।

लेकिन मिस्टर लेनॉयर ने अंदर से ताला नहीं लगाया था। जॉर्ज अँधेरे संदूक में स्थिति पर विचार करने लगी। वह स्टडी में घुसकर उस ख़ुफ़िया गलियारे के अंदर जाना चाहती थी, जहाँ टिमी था। वह गलियारा स्टडी से सूटी के पुराने बेडरूम तक जाता था और टिमी उसी गलियारे में कहीं पर होगा।

उसे यह पता नहीं था कि टिमी के मिलने के बाद वह क्या करेगी। शायद सूटी टिमी को कास्टअवे हिल में

रहने वाले किसी आदमी के पास छोड़ आएगा, जो टिमी की देखभाल करेगा।

उसे मिस्टर लेनॉयर के खाँसने की आवाज़ सुनाई दी। फिर उसे काग़ज़ों के उलटने-पलटने की आवाज़ भी सुनाई दी। और फिर उसे एक अलमारी के खुलने और बंद होने की आवाज़ आई। यह स्पष्ट था कि मिस्टर लेनॉयर अपने काम में काफ़ी व्यस्त थे!

फिर मिस्टर लेनॉयर चिढ़ते हुए बोले, 'मैंने वह चीज़ कहाँ रख दी?'

अचानक दरवाज़ा खुला और मिस्टर लेनॉयर बाहर निकले। जॉर्ज को बस संदूक का ढक्कन बंद करने भर का ही समय मिला, जिसे उसने ताज़ी हवा आने के लिए खोल दिया था। जब मिस्टर लेनॉयर वहाँ से गुज़रते हुए हॉल के बाहर वाले कमरे में गए, तो वह काँपती हुई संदूक में झुकी रही।

जॉर्ज को अचानक लगा कि यही सुनहरा मौक़ा है। हो सकता है, मिस्टर लेनॉयर कुछ देर तक बाहर ही रहें और इस बीच उसे दीवार में लगे पटिये को खोलने का मौक़ा मिल जाए! उसने संदूक का ढक्कन उठाया और जल्दी से बाहर कूद गई। वह भागकर स्टडी में घुसी और उस जगह पर पहुँची, जहाँ सूटी ने पटिये को दबाया था।

लेकिन इससे पहले कि वह लकड़ी के चिकने पटिये

को दबा पाती, उसे क़दमों की आहट सुनाई दी! मिस्टर लेनॉयर आधे मिनट में ही लौट आए थे।

दहशत में जॉर्ज ने चारों तरफ़ देखा कि वह कहाँ छिपे। दीवार के पास एक बड़ा सोफ़ा लगा था। जॉर्ज उसके पीछे दुबक गई। वहाँ पर बस इतनी ही जगह थी कि वह बिना दिखे दुबक सके। वह वहाँ पहुँची ही थी कि मिस्टर लेनॉयर ने कमरे का दरवाज़ा बंद किया और अपनी डेस्क पर बैठ गए। उन्होंने उस पर रखा बड़ा लैंप जलाया और कुछ काग़ज़ों को देखने लगे।

जॉर्ज की साँस लेने की भी हिम्मत नहीं थी। उसका दिल तेज़ी से धड़क रहा था और बहुत तेज़ आवाज़ कर रहा था। सोफ़े के पीछे बैठना बड़ा तकलीफ़देह था, लेकिन उसकी हिलने की हिम्मत नहीं थी।

उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। घंटों तक यहाँ बैठना बड़ा मुश्किल काम होगा? बाक़ी लोग क्या सोचेंगे? वे जल्दी ही उसकी तलाश करने लगेंगे।

वे सचमुच उसी की तलाश कर रहे थे। उसी पल सूटी स्टडी के दरवाज़े पर खड़ा होकर सोच रहा था कि वह अपने डैडी को आवाज़ लगाए या फिर दरवाज़ा खटखटाए। उसने दरवाज़े को अच्छे से खटखटाया – खट-खट। जॉर्ज उछल पड़ी!

उसने मिस्टर लेनॉयर की बेचैन आवाज़ सुनी, 'कौन है? अंदर आओ! क्या मुझे चैन से काम नहीं करने

दोगे ?'

किसी ने जवाब नहीं दिया। कोई अंदर नहीं आया। मिस्टर लेनॉयर ने दोबारा कहा, 'अंदर आओ!'

फिर भी कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने उठकर ग़ुस्से से दरवाज़ा खोला, लेकिन वहाँ कोई नहीं था। सूटी फ़ौरन ऊपर की मंज़िल पर भाग गया था।

मिस्टर लेनॉयर बुदबुदाए, 'मुझे लगता है, बच्चे परेशान कर रहे होंगे। अगर अब किसी ने दरवाज़ा खटखटाया और चुपचाप भाग गया, तो मैं उसे सख़्त सज़ा दूँगा। उसे कमरे में बंद कर दिया जाएगा और उसे खाने के लिए सिर्फ़ ब्रेड ही मिलेगी!'

वे बहुत ग़ुस्से में थे। जॉर्ज सोच रही थी कि काश वह उनकी स्टडी के बजाय किसी दूसरी जगह होती! अगर उन्हें यह पता चल जाए कि वह उनसे सिर्फ़ तीन-चार फ़ुट की दूरी पर ही छिपी हुई है, तो फिर क्या होगा ?

मिस्टर लेनॉयर क़रीब आधा घंटे तक काम करते रहे। उकड़ूँ बैठे-बैठे जॉर्ज की कमर दुखने लगी। फिर उसे मिस्टर लेनॉयर के जम्हाई लेने की आवाज़ सुनाई दी और वह थोड़ी ख़ुश हो गई। शायद वे झपकी लेने वाले होंगे! यह बहुत बढ़िया रहेगा। फिर वह चुपके से बाहर निकल सकती है और ख़ुफ़िया गलियारे में जा सकती है।

मिस्टर लेनॉयर ने दोबारा जम्हाई ली। फिर उन्होंने

काग़ज़ एक तरफ़ हटाए और सोफ़े की तरफ़ बढ़े। वे सोफ़े पर लेट गए और अपने घुटनों पर कंबल ओढ़ लिया। उनकी सोने की तैयारी से ऐसा लग रहा था, जैसे वे अच्छी नींद लेने वाले हों।

उनके लेटते ही सोफ़े ने चूँ-चूँ की आवाज़ की। जॉर्ज ने डर के मारे अपनी साँस रोकने की कोशिश की। उसे डर था कि इतने क़रीब आने के बाद वे निश्चित रूप से उसके दिल के धड़कने की आवाज़ सुन लेंगे।

जल्दी ही उसके कानों में हल्के खर्राटे की आवाज़ आई। फिर एक और खर्राटा ... फिर एक और खर्राटा। मिस्टर लेनॉयर सो चुके थे! जॉर्ज ने कुछ मिनट तक इंतज़ार किया। खर्राटों की आवाज़ अब थोड़ी ज़्यादा तेज़ हो गई थी। निश्चित रूप से अब वह अपनी छिपने की जगह से सुरक्षित बाहर निकल सकती है!

जॉर्ज बहुत सावधानी से और धीरे-धीरे चलकर सोफ़े के सिरे तक गई और उसके पीछे से जैसे-तैसे बाहर निकली। अब भी उसे खर्राटों की आवाज़ सुनाई दे रही थी।

वह सीधी खड़ी हुई और पंजों के बल चलकर सरकने वाले पटिये तक पहुँची। वह अपनी उँगलियों से यहाँ-वहाँ पटिये को दबाने लगी, ताकि वह सरक जाए।

लेकिन उसे सही जगह नहीं मिल पाई। चिंता के मारे उसका चेहरा लाल पड़ गया। उसने सोते हुए मिस्टर

लेनॉयर पर एक उड़ती निगाह डाली और फिर पटिये को तेज़ी से दबाने लगी। उसे कौन सी जगह दबाना था? वह जगह कहाँ थी?

तभी उसे पीछे से एक कड़क आवाज़ सुनाई दी, जिसे सुनकर वह उछल पड़ी।

'लड़के, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? मेरी स्टडी में आने की और इस तरह ख़ुराफ़ात करने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?'

जॉर्ज पलटी। मिस्टर लेनॉयर सामने खड़े थे। वे जॉर्ज को लड़का ही समझते थे! जॉर्ज को समझ में नहीं आया कि वह क्या जवाब दे। वे बहुत नाराज़ थे और उनकी नाक की नोक सफ़ेद हो चुकी थी।

जॉर्ज डर गई। वह दरवाज़े की तरफ़ भागी, लेकिन उसके दरवाज़ा खोलने से पहले ही मिस्टर लेनॉयर ने उसे पकड़ लिया। उन्होंने जॉर्ज को कसकर हिलाया।

'तुम मेरी स्टडी में क्या कर रहे थे? क्या तुम्हीं दरवाज़ा खटखटाकर भाग गए थे? तुम्हें क्या लगता है, इस तरह की शरारत करना बहुत अच्छी बात है? मैं तुम्हें जल्दी ही सिखा दूँगा कि यह अच्छी बात नहीं है!'

वे दरवाज़ा खोलकर तेज़ी से चिल्लाए, 'ब्लॉक! यहाँ आओ! सारा, ब्लॉक से कहो कि मैं उसे बुला रहा हूँ।'

ब्लॉक किचन से आया। उसका चेहरा हमेशा की तरह सपाट था। मिस्टर लेनॉयर ने काग़ज़ पर जल्दी से

कुछ लिखकर उसे पढ़ने के लिए दे दिया। ब्लॉक ने सिर हिलाया।

मिस्टर लेनॉयर ने खूँखार अंदाज़ में कहा, 'मैंने उससे कहा है कि वह तुम्हें तुम्हारे कमरे में ले जाकर ताले में बंद कर दे और पूरे दिन ब्रेड और पानी के अलावा और कुछ भी न दे। इससे तुम्हें भविष्य में शरारत न करने का सबक़ मिल जाएगा।'

जॉर्ज ने काँपती आवाज़ में कहा, 'मेरे डैडी यह सुनकर ख़ुश नहीं होंगे कि आपने मुझे इस तरह सज़ा दी है!'

लेकिन मिस्टर लेनॉयर व्यंग्य से बोले, 'हुँह! तुम देखना, जब मैं उन्हें बताऊँगा कि तुमने कैसा व्यवहार किया है, तो मुझे यक़ीन है कि वे भी मेरा ही पक्ष लेंगे। अब जाओ। तुम्हें कल तक अपने कमरे से बाहर निकलने की इजाज़त नहीं है। जब तुम्हारे डैडी आएँगे, तो मैं उन्हें पूरी बात बता दूँगा।'

ब्लॉक जॉर्ज को घसीटकर ले गया। उन शैतान बच्चों में से एक को सज़ा देकर वह बहुत ख़ुश था। जैसे ही जॉर्ज जूलियन के कमरे के दरवाज़े के पास आई, उसने चिल्लाना शुरू कर दिया, ताकि पास के कमरे में बैठे बच्चे सुन लें।

'जूलियन! डिक! मेरी मदद करो! जल्दी, मेरी मदद करो!'

14

हैरानी की बात!

जूलियन, डिक और बाक़ी बच्चे फ़ौरन भागकर बाहर आ गए। उन्होंने देखा कि ब्लॉक ने जॉर्ज को कमरे में अंदर धकेलकर दरवाज़ा बंद कर दिया। उसने बाहर से ताला भी लगा दिया, जिसकी क्लिक की आवाज़ आई।

जूलियन ने ग़ुस्से से पूछा, 'तुम यह क्या कर रहे हो?'

ब्लॉक ने कोई जवाब नहीं दिया और वह जाने के लिए मुड़ने लगा। जूलियन उसका हाथ पकड़कर उसके कान में ज़ोर से चिल्लाया। 'तत्काल दरवाज़ा खोल दो! तुमने सुना?'

ब्लॉक के चेहरे पर कोई भाव नहीं आया, न ही उसने कोई जवाब दिया। उसने जूलियन का हाथ झटक दिया, लेकिन जूलियन ने ग़ुस्से में दोबारा उसका हाथ पकड़ लिया।

ब्लॉक ने जूलियन को अपनी छोटी आँखों से घूरते हुए कहा, 'मिस्टर लेनॉयर ने उस लड़की को सज़ा दी है।'

'तुम उस दरवाज़े का ताला खोल दो, इसी में तुम्हारी

भलाई है,' जूलियन ने आदेश दिया और ब्लॉक से चाबी छीनने की कोशिश करने लगा। लेकिन ब्लॉक ने अपना हाथ उठाया और अपनी पूरी ताक़त से जूलियन को मार दिया, जिससे वह दूर फिंका गया। फिर ब्लॉक तेज़ी से सीढ़ियाँ उतरकर किचन में चला गया।

जूलियन थोड़ा डरते हुए सीढ़ियों की तरफ़ देखता रहा। उसने कहा, 'हैवान कहीं का! उसमें घोड़े जितनी ताक़त है। जॉर्ज, जॉर्ज, क्या हुआ?'

बंद बेडरूम से जॉर्ज ने ग़ुस्से से जवाब दिया। उसने दूसरों को सारी बात बताई। सभी ख़ामोशी से सुनते रहे। डिक बोला, 'तुम्हारी क़िस्मत ख़राब थी, जॉर्ज। गलियारे को खोलने की कोशिश करते समय ही यह होना था!'

सूटी बोला, 'मैं अपने सौतेले डैडी की तरफ़ से माफ़ी माँगता हूँ। उनका ग़ुस्सा बहुत ख़राब है। अगर उन्हें यह पता होता कि तुम लड़की हो, तो शायद वे तुम्हें इस तरह सज़ा नहीं देते। लेकिन उन्हें यही लगता है कि तुम लड़का हो।'

'मुझे परवाह नहीं है,' जॉर्ज बोली। 'मुझे किसी सज़ा की परवाह नहीं है। मुझे तो सिर्फ़ टिमी की चिंता है। मुझे लगता है कि मैं आज पूरे दिन यहीं बंद रहूँगी। मुझे यहाँ से कल ही बाहर निकलने दिया जाएगा। तुम ब्लॉक को बता देना, मैं उसका लाया हुआ खाना नहीं खाऊँगी। मैं दोबारा उसकी मनहूस सूरत नहीं देखना चाहती!'

एन ने पूछा, 'मैं आज रात को कहाँ सोऊँगी? मेरे सारे कपड़े तो तुम्हारे कमरे में हैं, जॉर्ज।'

'तुम मेरे साथ सो जाना,' मैरीबेल ने कहा, जो बहुत डरी हुई दिख रही थी। 'मैं तुम्हें अपनी एक नाइटी दे दूँगी। हे भगवान - जब जॉर्ज के डैडी आएँगे, तो वो क्या कहेंगे? मुझे उम्मीद है, वे यही कहेंगे कि जॉर्ज को तत्काल छोड़ दिया जाए।'

'नहीं, वे ऐसा नहीं कहेंगे,' जॉर्ज ने दरवाज़े के पीछे से कहा। 'वे तो सोचेंगे कि ग़लती मेरी ही है, इसलिए उन्हें मेरी सज़ा से कोई दिक्क़त नहीं होगी। काश उनके साथ मम्मी भी आ रही होतीं।'

बाक़ी बच्चे जॉर्ज और टिमी को लेकर बहुत परेशान थे। स्थिति सचमुच बहुत ख़राब लग रही थी। चाय के समय वे पढ़ने वाले कमरे में चाय-नाश्ता करने गए और सोचने लगे कि काश वे जॉर्ज के लिए भी कुछ चॉकलेट केक ले जा सकते।

जब बाक़ी बच्चे चाय-नाश्ता करने गए, तो जॉर्ज अकेलापन महसूस करने लगी। पाँच बज चुके थे। उसे भूख लग रही थी। वह टिमी के पास पहुँचना चाहती थी। वह नाराज़ और दुखी थी और वह क़ैद से छूटना चाहती थी। उसने खिड़की के पास जाकर बाहर देखा।

सूटी के कमरे की तरह ही उसका कमरा भी चट्टानी हिस्से में था। नीचे शहर की दीवार थी, जो क़स्बे के

चारों तरफ़ बनी थी। पहाड़ी की तरह ही यह दीवार भी कहीं ऊँची, तो कहीं नीची थी।

जॉर्ज जानती थी कि वह दीवार पर नहीं कूद सकती है। अगर वह उस पर से फिसली, तो सीधे दलदल में गिर सकती है। यह बहुत बुरा होगा। फिर अचानक उसे वह रस्सी वाली सीढ़ी याद आई, जिससे वे हर दिन गड्ढे में नीचे उतरते थे।

पहले सीढ़ी मैरीबेल के कमरे की अलमारी में रखी रहती थी, लेकिन जब से किसी ने दरवाज़े के हैंडल को खोलने की कोशिश की थी, तब से बच्चे घबरा गए थे। उन्होंने सुरक्षा के लिए सीढ़ी को जॉर्ज के कमरे में रखने का फ़ैसला किया था। उन्हें डर था कि अगर ब्लॉक ने मैरीबेल के कमरे की तलाशी ली, तो उसे यह सीढ़ी मिल सकती है। इसलिए जॉर्ज सीढ़ी को अपने कमरे में ले आई थी। उसने सीढ़ी अपने सूटकेस में छिपाकर रख दी थी।

रोमांच के कारण काँपते हाथों से उसने अपने सूटकेस का ताला खोला और रस्सी वाली सीढ़ी बाहर निकाली। शायद वह इसकी मदद से खिड़की से उतर सकती थी। उसने रस्सी की सीढ़ी उठाकर दोबारा बाहर देखा।

शहर की दीवार साफ़ दिख रही थी। लेकिन किचन भी ठीक नीचे होगा और शायद ब्लॉक उसे नीचे उतरते हुए देख सकता था। ऐसा कभी नहीं होना चाहिए। उसे

शाम तक इंतज़ार करना होगा। बाक़ी बच्चों के लौटने पर उसने उन्हें अपनी योजना बताई। वह दरवाज़े के पीछे से धीमी आवाज़ में बोली।

'मैं शहर के चारों तरफ़ बनी दीवार पर उतर जाऊँगी। फिर कुछ दूर तक चलने के बाद मैं नीचे कूदकर यहीं लौट आऊँगी। तुम लोग मेरे लिए कुछ खाने-पीने का सामान ले आना। फिर रात को जब सभी लोग सो जाएँगे, तो मैं दोबारा स्टडी में घुस जाऊँगी और ख़ुफ़िया गलियारे तक पहुँचने का रास्ता खोज लूँगी। इस काम में सूटी मेरी मदद कर सकता है। फिर मैं टिमी को निकाल सकती हूँ।'

सूटी बोला, 'ठीक है। सीढ़ी से उतरने से पहले अँधेरा होने का इंतज़ार करो। ब्लॉक सिरदर्द के कारण अपने कमरे में सोने गया है, लेकिन सारा और हैरियट किचन में ही हैं। कहीं वे तुम्हें देख न लें।'

जब शाम के धुँधलके ने घर के ऊपर नर्म बैंगनी पर्दा डाल दिया, तब जॉर्ज ने खिड़की से रस्सी की सीढ़ी नीचे लटकाई। उसे इसका सिर्फ़ एक चौथाई हिस्सा ही बाहर लटकाना पड़ा, क्योंकि रस्सी बहुत लंबी थी और उसे बहुत कम दूरी तक उतरना था।

उसने रस्सी को अपने भारी पलंग के पायों से बाँध दिया। फिर वह खिड़की पर चढ़ी और रस्सी की सीढ़ी से चुपचाप नीचे उतरने लगी।

उतरते वक़्त वह किचन की खिड़की से गुज़री, जो इस समय बंद थी। फिर वह पुरानी दीवार पर उतर गई। अँधेरे में देखने के लिए वह टॉर्च साथ लाई थी।

उसने सोचा कि अब उसे क्या करना चाहिए! वह ब्लॉक या मिस्टर लेनॉयर से टकराने का जोखिम नहीं लेना चाहती थी। शायद सबसे अच्छा यह रहेगा कि वह दीवार पर ही चलती रहे, जब तक कि वह शहर के किसी परिचित हिस्से तक न पहुँच जाए। फिर वह कूदकर नीचे उतर जाएगी और पहाड़ी के ऊपर आकर बाक़ी बच्चों के पास पहुँच जाएगी।

यह सोचकर वह पुरानी दीवार पर चलने लगी। दीवार कई जगहों पर बहुत ऊबड़-खाबड़ थी और उसके कई पत्थर ग़ायब थे। लेकिन टॉर्च की रोशनी के कारण जॉर्ज के क़दम ज़रा भी नहीं लड़खड़ाए।

दीवार कई अस्तबलों के पास से होती हुई गई और फिर कुछ पुरानी दीवारों के पीछे से भी गई। फिर वह दीवार किसी घर के बड़े आँगन के पास से गई और फिर उस घर के पास से। फिर जब दीवार थोड़ी नीचे की तरफ़ गई, तो जॉर्ज को कुछ घर दिखाई दिए।

जॉर्ज खिड़कियों के अंदर देख सकती थी, क्योंकि उन पर पर्दे नहीं लगे थे और अंदर रोशनी थी। किसी को दिखाई दिए बिना वह खिड़कियों के अंदर देख सकती थी। उसने देखा कि एक परिवार के लोग कमरे में

बैठकर ख़ुशी-ख़ुशी खाना खा रहे थे। दूसरे कमरे में एक बूढ़ा आदमी अकेला पढ़ रहा था और सिगरेट पी रहा था।

जॉर्ज ने चुपचाप दीवार पर चलते हुए देखा कि एक औरत रेडियो के गाने सुनते-सुनते बुनाई कर रही थी। किसी को भी जॉर्ज की आवाज़ नहीं आई, न ही किसी ने उसे देखा।

फिर वह एक बड़े मकान के पास पहुँची। दीवार इसके बहुत पास से गुज़री, क्योंकि यह उस जगह पर बना था, जहाँ चट्टान दलदल के बहुत पास से गुज़रती थी।

वहाँ पर एक खिड़की में रोशनी दिखाई दे रही थी। जॉर्ज ने उसके पास से गुज़रते समय अंदर झाँककर देखा। वह बहुत हैरानी में अपनी जगह पर खड़ी हो गई।

निश्चित रूप से अंदर बैठा आदमी ब्लॉक ही था! उसकी पीठ जॉर्ज की तरफ़ थी, लेकिन उसे पूरा यक़ीन था कि यह ब्लॉक ही था। वही सिर, वही कान, वही कंधे - पूरा हुलिया वही था!

वह किससे बातें कर रहा था? जॉर्ज ने देखने की कोशिश की - और उसे फ़ौरन समझ में आ गया। वह मिस्टर बार्लिंग से बात कर रहा था, जो एक स्मगलर थे - कास्टअवे हिल के स्मगलर!

लेकिन एक मिनट - क्या यह ब्लॉक हो सकता है?

ब्लॉक तो बहरा था, जबकि यह आदमी बहरा नहीं था। जॉर्ज को साफ़ दिखाई दे रहा था कि वह मिस्टर बार्लिंग की बात सुन भी रहा था और जवाब भी दे रहा था, हालाँकि जॉर्ज उनकी बातें नहीं सुन पाई।

जॉर्ज ने मन ही मन सोचा, 'मुझे इस तरह जासूसी नहीं करनी चाहिए। लेकिन यह बहुत अजीब, आश्चर्यजनक और दिलचस्प है। अगर वह आदमी पलट जाए, तो मुझे पता चल जाएगा कि वह ब्लॉक ही है!'

लेकिन वह आदमी नहीं पलटा। वह जॉर्ज की तरफ़ पीठ करके कुर्सी पर ही बैठा रहा। मिस्टर बार्लिंग का चेहरा पास के लैंप की रोशनी से चमक रहा था और वे काफ़ी उत्साह से बातें कर रहे थे। और अगर वह आदमी ब्लॉक ही *था*, तो वह पूरे ध्यान से उनकी बातें सुन रहा था और बीच-बीच में सहमति में अपना सिर भी हिलाता जा रहा था।

जॉर्ज हैरान रह गई। काश उसे पक्का पता चल जाए कि वह ब्लॉक ही था! लेकिन वह मिस्टर बार्लिंग से बातें क्यों कर रहा है और क्या वह बहरा नहीं है?

जॉर्ज दीवार से एक अँधेरे छोटे रास्ते पर नीचे कूदी और क़स्बे से होती हुई स्मगलर विला की तरफ़ बढ़ने लगी। सामने वाले गेट के बाहर आड़ में सूटी छिपा था। उसने जॉर्ज का हाथ पकड़ लिया, जिसके कारण वह

चौंक गई।

'अंदर आओ। मैंने बग़ल वाला दरवाज़ा खुला छोड़ दिया है। हम तुम्हारे लिए बेहतरीन खाना लाए हैं!'

दोनों बग़ल वाले दरवाज़े से अंदर चले गए। वे स्टडी के पास से दबे पाँव गुज़रे, हॉल के पार गए और फिर जूलियन के बेडरूम में पहुँच गए। सचमुच वहाँ पर बेहतरीन खाना रखा था!

सूटी ने संतोष से कहा, 'मैंने किचन की अलमारी में डाका डाल दिया था। उस वक़्त हैरियट बाहर गई थी और सारा डाक लेने गई थी। ब्लॉक सिरदर्द के कारण आराम करने के लिए अपने बिस्तर पर चला गया था।'

'ओह,' जॉर्ज बोली, 'तब तो फिर मैंने ब्लॉक को नहीं देखा होगा। लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि वह ब्लॉक ही था!'

बाक़ी बच्चों ने हैरानी से पूछा, 'तुम्हारा क्या मतलब है?' जॉर्ज फ़र्श पर बैठकर केक और गुलगुले खाने लगी, क्योंकि वह बहुत भूखी थी। खाते-खाते उसने उन लोगों को बताया कि वह किस तरह खिड़की से बाहर उतरी थी, शहर की दीवार पर चली थी और मिस्टर बार्लिंग के घर के पास पहुँची थी।

उसने बताया, 'और मुझे वहाँ एक खिड़की में रोशनी दिखी। अंदर ब्लॉक मिस्टर बार्लिंग से बातें कर रहा था। हैरत की बात तो यह थी कि वह उनकी बातें सुन भी

रहा था और जवाब भी दे रहा था!'

बाक़ी लोगों को इस बात पर यक़ीन नहीं हुआ। जूलियन ने पूछा, 'क्या तुमने उसका चेहरा देखा था?'

'नहीं,' जॉर्ज बोली। 'लेकिन मुझे पूरा *यक़ीन* है कि वह ब्लॉक ही था। सूटी, जाकर उसके कमरे में झाँककर देखो कि वह अंदर है या नहीं। मुझे लगता है कि वह अभी मिस्टर बार्लिंग के यहाँ से नहीं लौटा होगा, क्योंकि उसके सामने एक भरा गिलास रखा था, जिसे ख़त्म करने में उसे समय लगेगा। जाकर जल्दी से देख आओ।'

सूटी ग़ायब हो गया। वह जल्दी ही लौट आया और बोला, 'ब्लॉक पलंग पर ही है। वहाँ मुझे उसके शरीर और सिर का आकार दिख रहा था। तो फिर क्या *दो* ब्लॉक हैं? यह कैसा गड़बड़झाला है?'

15

अजीब घटनाएँ

यह निश्चित रूप से बहुत हैरानी की बात थी! सबसे ज़्यादा हैरानी जॉर्ज को हुई, जिसे पूरा भरोसा था कि ब्लॉक ही स्मगलर से बात कर रहा था। बाक़ी बच्चों को इतना भरोसा नहीं था, क्योंकि जॉर्ज उसका चेहरा नहीं देख पाई थी।

अचानक जॉर्ज को याद आया कि उसके डैडी उस शाम को वहाँ आने वाले थे। उसने पूछा, 'क्या मेरे डैडी आ गए?'

'हाँ। अभी-अभी आए हैं,' सूटी बोला। 'वे तुम्हारे यहाँ आने से ठीक पहले ही आए हैं। तुम्हें पता है, मैं उनकी कार के नीचे आते-आते बचा। वह तो अच्छा हुआ कि मैं उछलकर एक तरफ़ हो गया। मैं वहाँ अँधेरे में छिपकर तुम्हारा इंतज़ार कर रहा था।'

जॉर्ज ने कहा, 'अब मेरी योजना सुन लो। मुझे आज रात को टिम को वहाँ से निकालना ही होगा, वरना वह पगला जाएगा। मुझे लगता है अच्छा यही रहेगा कि मैं अभी जाकर दोबारा अपनी खिड़की से अंदर चढ़ जाऊँ। कहीं ब्लॉक आकर यह न देख ले कि मैं ग़ायब हो गई

हूँ। मैं सब लोगों के सोने का इंतज़ार करूँगी। इसके बाद मैं दोबारा खिड़की से उतर जाऊँगी। सूटी, तुम मुझे घर के अंदर ले आना। इसके बाद मैं तुम्हारे साथ स्टडी में जाऊँगी और तुम ख़ुफ़िया रास्ते को खोल देना। फिर मैं टिमी को लेकर आ जाऊँगी और सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

'मुझे नहीं लगता कि सब कुछ ठीक हो जाएगा,' सूटी ने शंका से कहा। 'लेकिन तुम्हारी योजना के अलावा कोई दूसरा रास्ता भी नहीं है। अब तुमने अच्छी तरह खाना खा लिया है। अच्छा यही रहेगा कि अब तुम अपने कमरे में वापस लौट जाओ।'

'मैं कुछ गुलगुले अपने साथ ले जाती हूँ,' जॉर्ज ने अपनी जेब में गुलगुले भरते हुए कहा। 'सूटी, जब सब लोग अपने-अपने कमरे में चले जाएँ, तो तुम आकर मेरा दरवाज़ा खटखटा देना। इससे मैं समझ जाऊँगी कि मैदान साफ़ है और खिड़की से बाहर निकलने और घर के अंदर आने में कोई जोखिम नहीं है।'

जल्दी ही जॉर्ज एक बार फिर अपने कमरे में लौट आई। यह बहुत अच्छा रहा, क्योंकि कुछ समय बाद ही ब्लॉक सादी ब्रेड की प्लेट और एक गिलास पानी लेकर वहाँ आया। उसने कमरे का दरवाज़ा खोला और खाने का सामान टेबल पर रख दिया।

वह जॉर्ज से बोला, 'तुम्हारा डिनर।' जॉर्ज को उसका

मनहूस चेहरा इतना बुरा लगा कि उसे बहुत तेज़ ग़ुस्सा आ गया। उसने उसके सिर के पीछे निशाना लगाकर गिलास का पानी फेंक दिया। पानी ब्लॉक के गले से नीचे बहने लगा और वह उछल पड़ा। ब्लॉक ने उसकी तरफ़ एक क़दम बढ़ाया और उसकी आँखें शोले बरसाने लगीं – लेकिन जूलियन और डिक दरवाज़े पर ही थे, इसलिए उसकी हिम्मत नहीं थी कि वह उसे मारे।

उसने कहा, 'मैं तुमसे इसका बदला ज़रूर लूँगा। कान खोलकर सुन लो! तुम्हें तुम्हारा कुत्ता कभी वापस नहीं मिलेगा!'

उसने बाहर निकलकर दरवाज़े में ताला लगा दिया। उसके जाते ही जूलियन ने जॉर्ज को आवाज़ लगाई।

'मूर्ख, तुमने ऐसा क्यों किया? उससे दुश्मनी मोल लेना ठीक नहीं है।'

'मैं जानती हूँ। लेकिन क्या करूँ, मैं ख़ुद पर क़ाबू नहीं रख पाई,' जॉर्ज ने पछतावे से कहा। 'मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।'

बाक़ी बच्चों को मिस्टर लेनॉयर ने बुलाया था, इसलिए वे जॉर्ज को अकेला छोड़कर चल दिए। जॉर्ज को ताले में बंद रहना बहुत बुरा लग रहा था, हालाँकि वह खिड़की से उतरकर भाग सकती थी। कुछ समय बाद उसे बाक़ी बच्चों के आने की आहट सुनाई दी।

उन्होंने बताया कि वे जॉर्ज के डैडी से मिलकर आ

रहे हैं।

जूलियन ने दरवाज़े के बाहर से कहा, 'क्वेंटिन अंकल बुरी तरह थके हैं और थोड़े चिड़चिड़े हैं। उन्हें सब कुछ पता चल गया है और वे तुम्हारी बदतमीज़ी पर बहुत नाराज़ हैं। वे कहते हैं कि अगर तुम माफ़ी नहीं माँगोगी, तो तुम्हें कल भी इसी कमरे में बंद रहना पड़ेगा।'

जॉर्ज का माफ़ी माँगने का कोई इरादा नहीं था। वह मिस्टर लेनॉयर को बर्दाश्त नहीं कर पाती थी, जिनकी मुस्कराहट और हँसी हमेशा नक़ली लगती थी और वे कभी भी भड़क जाते थे। वह कुछ नहीं बोली।

सूटी बोला, 'हमें अब डिनर करने जाना है। जैसे ही ब्लॉक कमरे से बाहर निकलेगा, हम तुम्हारे लिए थोड़ा खाना छिपा लेंगे। रात को अपने दरवाज़े पर दस्तक का इंतज़ार करना। मैं दरवाज़ा खटखटाकर तुम्हें बता दूँगा कि सब लोग सो गए हैं और मैदान साफ़ है।'

जॉर्ज अपने बिस्तर पर लेटकर सोचती रही। उसे बहुत सी चीज़ें उलझन में डाल रही थीं। वह उन्हें किसी तरह सुलझा नहीं पा रही थी। मीनार से संकेत – ब्लॉक नाम का अजीब आदमी – मिस्टर बार्लिंग की ब्लॉक जैसे दिखने वाले आदमी से बातचीत, लेकिन ब्लॉक तो उस समय घर पर अपने पलंग पर सो रहा था। लेटे-लेटे सोचते समय उसकी आँखें बंद हो गईं और वह सो गई।

एन मैरीबेल के कमरे में सोने जाते समय जॉर्ज से गुडनाइट करने आई। सभी लड़के पास वाले कमरे में चले गए, क्योंकि अब सूटी को जूलियन और डिक के बेडरूम में सोना था। जॉर्ज उनसे गुडनाइट करने के बाद दोबारा सो गई।

आधी रात को वह चौंककर जाग गई। सूटी धीरे-धीरे लेकिन बेचैनी से उसका दरवाज़ा खटखटा रहा था।

जॉर्ज ने धीरे से कहा, 'आ रही हूँ।' वह अपनी टॉर्च उठाकर खिड़की के पास गई और जल्दी से रस्सी की सीढ़ी से उतर गई। वह दीवार पर कूदकर घर के पास पहुँची। सूटी बग़ल वाले दरवाज़े के पास ही खड़ा था। जॉर्ज उसके साथ अंदर घुस गई।

सूटी धीरे से बोला, 'सब लोग सोने चले गए हैं। मुझे तो लग रहा था कि तुम्हारे डैडी और मेरे सौतेले डैडी आज रात को सोएँगे ही नहीं। वे स्टडी में घंटों तक बातें करते रहे!'

जॉर्ज ने बेचैनी से कहा, 'चलो, हम स्टडी में चलते हैं।' वे स्टडी के दरवाज़े तक पहुँचे और सूटी ने हैंडल घुमाया।

दरवाज़े में ताला लगा था! उसने ज़ोर से धक्का दिया, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। ताला अच्छी तरह से बंद था!

'हमें यह पता होना चाहिए था,' जॉर्ज ने हताशा में

कहा। 'अब क्या करें?'

सूटी ने कुछ देर सोचा। फिर उसने जॉर्ज के कान में धीरे से कहा।

'अब सिर्फ़ एक ही काम किया जा सकता है, जॉर्ज। मैं तुम्हारे डैडी के कमरे में यानी मेरे पुराने बेडरूम में घुस जाता हूँ। जब तुम्हारे डैडी सो जाएँगे, तो मैं अलमारी में जाकर ख़ुफ़िया गलियारा खोल दूँगा और अंदर चला जाऊँगा। मैं टिमी को वहीं से निकाल भी लाऊँगा। काश इस बीच तुम्हारे डैडी की नींद न खुले!'

'ओह! क्या तुम मेरे लिए सचमुच यह काम करोगे?' जॉर्ज ने कृतज्ञता से कहा। 'तुम बहुत अच्छे दोस्त हो, सूटी! या फिर मैं ही यह काम करूँ?'

सूटी बोला, 'नहीं। मैं उस गलियारे को तुमसे ज़्यादा अच्छी तरह जानता हूँ। इसके अलावा वहाँ आधी रात को अकेले जाने में डर भी लगेगा। मैं ही जाता हूँ।'

जॉर्ज सूटी के साथ सीढ़ियाँ चढ़ गई। वे लोग उस गलियारे के दरवाज़े तक गए, जो सूटी के पुराने कमरे तक जाता था, जहाँ अब जॉर्ज के डैडी सो रहे थे। वहाँ पहुँचते ही जॉर्ज ने सूटी का हाथ पकड़ लिया।

'सूटी! जैसे ही तुम दरवाज़ा खोलोगे, बज़र बजने लगेगा। उसकी आवाज़ से मेरे डैडी जाग जाएँगे।'

'मूर्ख! जैसे ही मुझे पता चला कि मेरा कमरा बदल गया है, मैंने बज़र के तार निकाल दिए थे,' सूटी ने

चिढ़कर कहा। 'जैसे मुझे इतना भी ध्यान नहीं रहेगा!'

उसने गलियारे वाला दरवाज़ा खोला। फिर वह धीरे-धीरे अपने पुराने कमरे की तरफ़ गया। दरवाज़ा बंद था। उसने और जॉर्ज ने ग़ौर से सुना।

सूटी बोला, 'तुम्हारे डैडी थोड़े बेचैन हो रहे हैं। जॉर्ज, मैं अंदर घुसने के मौक़े का इंतज़ार करूँगा। मौक़ा मिलते ही मैं अलमारी में घुस जाऊँगा और टिम को बाहर लाने के लिए ख़ुफ़िया गलियारा खोल दूँगा। जैसे ही मुझे टिमी मिलेगा, मैं उसे तुम्हारे पास ले आऊँगा। अगर तुम चाहो, तो मैरीबेल के कमरे में इंतज़ार कर सकती हो। एन भी वहीं पर है।'

जॉर्ज पास वाले कमरे में चली गई, जहाँ एन और मैरीबेल गहरी नींद में सो रही थीं। उसने दरवाज़ा खुला रखा, ताकि उसे सूटी के लौटने की आवाज़ सुनाई दे सके। प्यारे टिमी से दोबारा मिलना कितना अच्छा रहेगा! वह उससे लिपट जाएगा और उसे प्यार से ख़ूब चाटेगा।

सूटी उस कमरे में चुपचाप गया, जहाँ जॉर्ज के डैडी आधी नींद में थे। उसने कोई आवाज़ नहीं की। उसे मालूम था कि कौन से पटिये चरमराते हैं, इसलिए वह उनसे बचता हुआ गया। वह धीरे-धीरे एक बड़ी कुर्सी के पास पहुँचा और उसके पीछे छिप गया। वह तब तक कुछ नहीं करने वाला था, जब तक कि उसे यह यक़ीन

न हो जाए कि जॉर्ज के डैडी गहरी नींद में सो रहे हैं।

कुछ समय तक जॉर्ज के डैडी करवटें बदलते रहे। वे अपनी लंबी यात्रा से थके हुए थे और मिस्टर लेनॉयर के साथ हुई बातचीत से रोमांचित थे। वे रह-रहकर बुदबुदा रहे थे और सूटी मन ही मन यह सोच रहा था कि वे कभी सोएँगे भी या नहीं! इंतज़ार करते-करते उसे ख़ुद नींद आने लगी और उसने धीरे से जम्हाई ली।

आख़िर जॉर्ज के डैडी शांत हो गए। अब उनके पास से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। सूटी सावधानी से कुर्सी के पीछे से हिला।

तभी अचानक किसी चीज़ से वह चौंक गया। उसने खिड़की के पास से एक आवाज़ सुनी! यह कैसी आवाज़ थी? यह बहुत धीमी आवाज़ थी। ऐसा लग रहा था, जैसे कोई दरवाज़ा धीरे-धीरे खुल रहा हो।

रात अँधेरी थी, लेकिन खिड़की के पर्दे खुले थे और वहाँ पर थोड़ी रोशनी थी। सूटी ने अपनी आँखें उस पर जमा लीं। क्या कोई खिड़की खोल रहा था?

नहीं। खिड़की हिली तक नहीं। लेकिन इसके नीचे वाली चौखट के पास कोई अजीब सी हलचल हो रही थी।

खिड़की के नीचे एक बड़ी विंडो सीट बनी थी, जो चौड़ी और आरामदेह थी। सूटी इसे अच्छी तरह जानता था! वह खिड़की से बाहर देखने के लिए इस कुर्सी जैसी

विंडो सीट पर सैकड़ों बार बैठ चुका था। अब इसे क्या हो रहा था?

ऐसा लगा, जैसे विंडो सीट का ढक्कन यानी ऊपरी हिस्सा धीरे-धीरे ऊपर उठ रहा था। सूटी हैरान रह गया। उसे मालूम ही नहीं था कि यह इस तरह खुल भी सकती है। इस पर हमेशा स्क्रू लगे रहते थे और उसने सोचा था कि यह सिर्फ़ एक कुर्सी है और कुछ नहीं है। लेकिन अब ऐसा लग रहा था, जैसे कोई स्क्रू खोलकर और विंडो सीट का ढक्कन उठाकर अंदर छिप गया था, ताकि सही वक़्त पर ढक्कन उठाकर उसमें से बाहर निकल आए।

सूटी ऊपर उठते हुए ढक्कन को एकटक देखता रहा। इसके अंदर कौन था? वह इसमें क्यों छिपा था? ढक्कन को धीरे-धीरे ऊपर उठते देखना थोड़ा डरावना था।

आख़िर सीट का ढक्कन पूरा खुल गया और खिड़की के पल्ले से टिक गया। एक बड़ी आकृति धीरे-धीरे बिना आवाज़ किए बाहर निकली। यह देखकर सूटी के रोंगटे खड़े हो गए। वह बुरी तरह से डर गया था। उसके मुँह से आवाज़ नहीं निकल रही थी।

वह आकृति दबे पाँव बिस्तर तक आई। फिर वह तेज़ी से झपटी और जॉर्ज के डैडी के मुँह से दबी हुई आवाज़ निकली। सूटी ने अंदाज़ा लगा लिया कि उसने

उनके मुँह में कपड़ा ठूँस दिया होगा, ताकि वे चिल्ला न सकें। लेकिन इसके बावज़ूद दहशत के मारे सूटी न तो हिल सकता था, न ही कुछ बोल सकता था। उसे ज़िंदगी में पहले कभी इतना डर नहीं लगा था।

घुसपैठिए ने जॉर्ज के डैडी के ढीले शरीर को पलंग से उठाया और विंडो सीट तक ले गया। उसने उन्हें उसमें डाल दिया। सूटी को यह पता नहीं था कि उसने जॉर्ज के डैडी को ख़ामोश रखने के लिए क्या किया था। उसे तो सिर्फ़ इतना पता था कि जॉर्ज के डैडी को विंडो सीट में डाला जा रहा था और वे ख़ुद को बचाने के लिए कुछ नहीं कर पा रहे थे!

सूटी की आवाज़ अचानक लौट आई। वह चिल्लाया, 'तुम क्या कर रहे हो? तुम कौन हो?'

उसे अपनी टॉर्च की याद आई और उसने टॉर्च जला ली। उसे एक परिचित चेहरा दिखाई दिया और वह हैरान होकर चिल्लाया, 'मिस्टर बार्लिंग!'

तभी अचानक किसी ने उसके सिर पर तेज़ प्रहार किया और उसे कुछ याद नहीं रहा। वह नहीं जानता था कि उसे भी विंडो सीट में डाल दिया गया था। वह यह भी नहीं जानता था कि घुसपैठिया उसके पीछे-पीछे उतर गया था। वह कुछ नहीं जानता था, क्योंकि वह बेहोश हो गया था।

जॉर्ज पास वाले कमरे में जाग रही थी। उसे अचानक

सूटी के चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी। उसने सुना कि सूटी चिल्ला रहा था, 'तुम क्या कर रहे हो? तुम कौन हो?' और फिर जब वह पलंग से नीचे उतरी, तो उसने आगे की चीख़ सुनी। 'मिस्टर बार्लिंग!'

जॉर्ज बुरी तरह हैरान थी। पास वाले कमरे में क्या हो रहा था? उसने अपनी टॉर्च टटोली। एन और मैरीबेल अब भी सो रही थीं। जॉर्ज को अपनी टॉर्च नहीं मिली। जॉर्ज हड़बड़ी में एक कुर्सी पर गिरी और उसका सिर किसी चीज़ से टकरा गया।

जब आख़िरकार उसे अपनी टॉर्च मिल गई, तो वह काँपती हुई दबे पाँव दरवाज़े तक गई। उसने टॉर्च की रोशनी में देखा कि उस कमरे का दरवाज़ा थोड़ा खुला था, जैसा सूटी छोड़ गया था। उसने दरवाज़े पर कान लगाकर सुनने की कोशिश की। अब कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। सूटी के चिल्लाने के बाद उसे किसी चीज़ के टकराने की आवाज़ आई थी, लेकिन उसे समझ में नहीं आया था कि वह कैसी आवाज़ थी।

उसने अचानक अपने डैडी के कमरे के दरवाज़े में सिर डाला और अपनी टॉर्च चमकाई। वह हैरान रह गई। पलंग ख़ाली था। कमरा भी ख़ाली था। वहाँ कोई भी नहीं था। उसने चारों तरफ़ अपनी टॉर्च चमकाई। उसने डरते-डरते अलमारी का दरवाज़ा खोला। उसने पलंग के नीचे भी देखा। दरअसल वह बहुत बहादुरी

दिखा रही थी।

आख़िर वह हैरानी और दहशत में विंडो सीट पर बैठ गई। उसके डैडी कहाँ थे और सूटी कहाँ था? आज रात को यहाँ हो क्या रहा था?

16

अगली सुबह

जॉर्ज खिड़की के पास उसी विंडो सीट पर बैठी रही, जिसके नीचे वे लोग ग़ायब हुए थे, हालाँकि जॉर्ज इस बात से अनजान थी। कुछ समय बाद उसे गलियारे में एक धीमी आवाज़ सुनाई दी।

बिजली जैसी फ़ुर्ती से जॉर्ज पलंग के नीचे छिप गई। कोई लंबे गलियारे में आ रहा था! जॉर्ज चुपचाप फ़र्श पर पड़ी रही। उसने पलंग के पर्दे को थोड़ा सा उठा दिया, ताकि आने वाले को देख सके। आज रात को कितनी अजीब घटनाएँ हो रही थीं!

कोई दरवाज़े से अंदर आया। कोई वहाँ कुछ समय रुका रहा, जैसे कुछ सुनने और देखने की कोशिश कर रहा हो। फिर आने वाला विंडो सीट पर झुक गया।

जॉर्ज यह सब कुछ देखती रही और अँधेरे में अपनी आँखों पर ज़ोर डालती रही। उसे खिड़की की रोशनी में एक आकृति दिखी, जो विंडो सीट पर झुकी हुई थी।

उस आकृति ने कोई रोशनी नहीं जलाई। लेकिन उसके पास से कुछ अजीब सी हल्की-हल्की आवाज़ें आ रही थीं। सबसे पहले तो विंडो सीट के बंद ढक्कन पर

उसकी उँगलियों की ठकठक की आवाज़ आई। फिर धातु के टकराने और सरसराने की आवाज़ आई। जॉर्ज अंदाज़ा नहीं लगा पाई कि वह आदमी क्या कर रहा था।

पाँच मिनट तक वह अँधेरे में अपना काम करता रहा। फिर वह जितनी ख़ामोशी से आया था, उतनी ही ख़ामोशी से चला भी गया। हालाँकि खिड़की की धुँधली रोशनी में उसकी आकृति को पहचानना संभव नहीं था, लेकिन जॉर्ज को शक हुआ कि वह ब्लॉक हो सकता है, क्योंकि एक बार वह ठीक उसी तरह खाँसा था, जिस तरह ब्लॉक खाँसता था। वह ब्लॉक *ही होगा!* लेकिन वह रात को उसके डैडी के कमरे में विंडो सीट के पास क्या कर रहा था?

जॉर्ज को महसूस हुआ, जैसे वह कोई बुरा सपना देख रही हो। बहुत अजीब घटनाएँ हो रही थीं और उसे कुछ समझ में नहीं आ रहा था! उसके डैडी कहाँ थे? क्या वे अपने कमरे से बाहर निकलकर घर में कहीं घूम रहे थे? सूटी कहाँ था और वह क्यों चिल्लाया था? अगर उसके डैडी कमरे में सो रहे होते, तो सूटी इस तरह से कभी नहीं चिल्लाता!

जॉर्ज थोड़ी देर तक काँपती हुई पलंग के नीचे लेटी रही। फिर वह बाहर निकली और दरवाज़े के बाहर चली गई। वह लंबे ग़लियारे के आख़िर तक गई। उसने वहाँ का दरवाज़ा खोलकर बाहर झाँका। पूरा घर अँधेरे

में डूबा हुआ था। जॉर्ज के कानों में हल्की-हल्की आवाज़ें आ रही थीं - किसी खिड़की की खड़खड़, पलंग की चरमराहट - लेकिन और कुछ नहीं।

वह सिर्फ़ एक ही बात सोच रही थी। उसे लड़कों के कमरे में पहुँचकर उन्हें इन रहस्यमयी घटनाओं के बारे में सब कुछ बता देना चाहिए। वह जूलियन के बेडरूम में घुस गई। ज़ाहिर है, वह और डिक जाग रहे थे, क्योंकि वे सूटी, जॉर्ज और टिमी के आने का इंतज़ार कर रहे थे।

लेकिन सिर्फ़ जॉर्ज ही काँपती हुई अंदर आई और उसने बड़ी ही अजीब कहानी सुनाई। वह जूलियन के पलंग पर बैठ गई और उसने कंबल ओढ़ लिया। फिर उसने जूलियन और डिक को पूरी बात बताई।

वे हैरान थे। क्वेंटिन अंकल चले गए थे! सूटी ग़ायब हो गया था! कोई कमरे के अंदर जाकर विंडो सीट से छेड़छाड़ कर रहा था! इस सबका क्या मतलब था?

'हम तुम्हारे साथ इसी समय क्वेंटिन अंकल के कमरे में चलते हैं,' जूलियन ने ड्रेसिंग गाउन पहनते हुए और अपनी चप्पलों की तलाश करते हुए कहा। 'मुझे लगता है कि अब मामला गंभीर हो गया है।'

वे मैरीबेल के कमरे में गए और उन्होंने मैरीबेल और एन को जगाया। दोनों लड़कियाँ डर गईं। जल्दी ही पाँचों बच्चे उस कमरे में पहुँच गए, जहाँ से जॉर्ज के

डैडी और सूटी अजीब तरीक़े से ग़ायब हुए थे।

जूलियन ने दरवाज़ा बंद करके पर्दे लगाए और लाइट जला ली। उन्हें तत्काल अच्छा लगने लगा। अँधेरे में टॉर्च की रोशनी में ताक-झाँक करना डरावना सा था।

उन्होंने कमरे में चारों तरफ़ देखा। वहाँ पर इस बात का कोई निशान नहीं था कि वे लोग कैसे ग़ायब हुए थे। बिस्तर पर सलवटें थीं और वह ख़ाली था। फ़र्श पर सूटी की टॉर्च पड़ी थी।

जॉर्ज ने वह बात दोहराई, जो उसने सूटी के चिल्लाते समय सुनी थी, लेकिन इससे किसी को कुछ भी समझ में नहीं आया। जूलियन बोला, 'जब कमरे में सिर्फ़ तुम्हारे डैडी ही थे, तो फिर उसने मिस्टर बार्लिंग का नाम क्यों लिया? निश्चित रूप से मिस्टर बार्लिंग यहाँ नहीं छिपे होंगे - ऐसा सोचना ही बेवकूफ़ी है। उनका तुम्हारे डैडी से कोई संबंध नहीं है, जॉर्ज।'

'मैं जानती हूँ। लेकिन मुझे यक़ीन है कि मैंने सूटी के मुँह से मिस्टर बार्लिंग का नाम ही सुना *था*,' जॉर्ज बोली। 'मुझे लगता है, मिस्टर बार्लिंग कोई ग़लत काम करने के लिए अलमारी के ख़ुफ़िया दरवाज़े से आए होंगे और उसी रास्ते से चले गए होंगे। वे उन लोगों को इसलिए ले गए होंगे, क्योंकि उन्होंने उन्हें देख लिया था।'

जॉर्ज की यह बात थोड़ी जम रही थी, लेकिन फिर

भी यह बहुत ज़्यादा नहीं जम रही थी। उन्होंने अलमारी खोली और कपड़ों के बीच में ख़ुफ़िया रास्ते की तलाश की। लेकिन वहाँ पर लगा लोहे का छोटा हैंडल अब ग़ायब था! किसी ने उसे हटा दिया था – और अब ख़ुफ़िया गलियारे में न कोई जा सकता था, न ही उसे खोला जा सकता था!

'देखो तो सही!' जूलियन ने हैरानी से कहा। 'किसी ने इसके साथ भी छेड़छाड़ की है। नहीं जॉर्ज, रात को जो भी मेहमान आया था, वह इस रास्ते से नहीं लौटा था।'

जॉर्ज का चेहरा पीला पड़ गया। उसे उम्मीद थी कि वह अलमारी की ख़ुफ़िया जगह में से जाकर टिमी को ले आएगी। वह टिमी को खोजने के लिए बेताब थी। उसे महसूस हो रहा था कि अगर इस वक़्त उसका वफ़ादार कुत्ता उसके साथ होता, तो स्थिति बेहतर होती।

डिक बोला, 'मुझे यक़ीन है कि इसके पीछे मिस्टर लेनॉयर का हाथ है! और ब्लॉक का भी। जॉर्ज, मैं शर्त लगाता हूँ कि तुमने यहाँ पर ब्लॉक को देखा होगा, जो अँधेरे में कोई कारस्तानी कर रहा होगा। मुझे यक़ीन है कि वह और मिस्टर लेनॉयर मिलकर कोई ख़तरनाक काम कर रहे होंगे।'

जूलियन बोला, 'तब तो फिर हम उन्हें इन घटनाओं के बारे में नहीं बता सकते! अगर इन अजीब घटनाओं

के पीछे उन्हीं का हाथ है, तो उन्हें सारी बातें बताना मूर्खतापूर्ण होगा। और हम सूटी की मम्मी को भी नहीं बता सकते, क्योंकि वे निश्चित रूप से सूटी के डैडी को बता देंगी। कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए!'

एन रोने लगी। मैरीबेल भी डर के मारे सुबकने लगी। जॉर्ज की आँखों में भी आँसू आ रहे थे, लेकिन उसने उन्हें पलकों के भीतर ही रोक लिया। जॉर्ज कभी नहीं रोती थी!

'मुझे सूटी चाहिए,' मैरीबेल रोई, जो अपने बहादुर भाई से बहुत प्यार करती थी। 'वह कहाँ चला गया? मुझे यक़ीन है कि उसकी जान ख़तरे में है। मुझे सूटी चाहिए।'

जूलियन ने उसे तसल्ली देते हुए कहा, 'चिंता मत करो, हम उसे कल बचा लेंगे। हम आज रात को कुछ नहीं कर सकते। स्मगलर विला में ऐसा कोई नहीं है, जिससे हम इस स्थिति में सलाह या मदद ले सकें। मेरी तो सलाह यह है कि हम आज रात को पलंग पर लेटकर इसके बारे में सोचते हैं और कल सुबह योजना बनाते हैं। हो सकता है, तब तक सूटी और क्वेंटिन अंकल लौट आएँ। अगर वे नहीं लौटते हैं, तो मिस्टर लेनॉयर को कोई न कोई बता देगा और फिर हम देखते हैं कि उनकी प्रतिक्रिया क्या होती है! अगर वे

हैरान-परेशान हुए, तो हम यह जान जाएँगे कि उनका इस रहस्य से कोई संबंध है या नहीं। उन्हें कुछ न कुछ तो करना ही होगा - पुलिस के पास जाना होगा या लापता लोगों को ढूँढ़ने के लिए पूरे घर की तलाशी लेनी होगी। हम जल्दी ही देखेंगे कि क्या होता है।'

जूलियन की बातों से सभी को थोड़ी राहत मिली। जूलियन ख़ुश और आत्मविश्वास से भरा दिख रहा था, लेकिन हक़ीक़त यह थी कि अंदर से वह बहुत परेशान था। वह बाक़ी बच्चों से ज़्यादा अच्छी तरह जानता था कि स्मगलर विला में कोई बहुत अजीब और शायद ख़तरनाक चीज़ हो रही थी। वह सोच रहा था कि काश लड़कियाँ वहाँ नहीं होतीं!

'अब सुनो,' उसने कहा। 'जॉर्ज, तुम जाकर एन और मैरीबेल के पास अगले कमरे में सो जाओ। अपने दरवाज़े पर ताला लगा लेना और लाइट जलाकर रखना। मैं और डिक यहीं पर सूटी के पुराने कमरे में लाइट जलाकर सो जाते हैं। इससे तुम्हें भी यह तसल्ली रहेगी कि हम तुम लोगों के पास ही हैं।'

लड़कियों को यह जानकर राहत मिली कि दोनों लड़के पास वाले कमरे में ही सो रहे हैं। तीनों थकी हुई लड़कियाँ आख़िर मैरीबेल के कमरे में चली गईं। एन और मैरीबेल पलंग पर सो गईं। जॉर्ज छोटे लेकिन आरामदेह सोफ़े पर एक मोटा कंबल ओढ़कर लेट गई।

चिंता और रोमांच के बावज़ूद थकान के कारण लड़कियाँ जल्दी ही सो गईं।

लड़कों ने थोड़ी देर तक बातें कीं। वे सूटी के पुराने पलंग पर लेटे हुए थे, जहाँ कुछ समय पहले क्वेंटिन अंकल सो रहे थे। जूलियन को पूरा भरोसा था कि उस रात को अब और कोई घटना नहीं होगी। वह और डिक सो गए, लेकिन जूलियन ज़रा सी भी आहट सुनकर जागने के लिए तैयार था।

अगली सुबह उन्हें बहुत हैरान सारा ने जगाया, जो खिड़कियों के पर्दे खींचने और जॉर्ज के डैडी को चाय देने आई थी। उसे अपनी आँखों पर यक़ीन नहीं हुआ, जब उसने देखा कि मेहमान के पलंग पर मेहमान नहीं, बल्कि दोनों लड़के सो रहे थे!

'यह सब क्या है?' सारा ने हैरानी से कहा। 'तुम्हारे अंकल कहाँ गए? तुम यहाँ पर क्यों सो रहे हो?'

'वह सब हम तुम्हें बाद में बताएँगे,' जूलियन ने कहा, जो सारा को कुछ नहीं बताना चाहता था, क्योंकि वह बहुत बातूनी थी। 'तुम चाय यहीं छोड़ जाओ, सारा। हमें उसकी ज़रूरत है!'

'हाँ, लेकिन तुम्हारे अंकल कहाँ हैं? क्या वे तुम्हारे कमरे में हैं?' हैरान सारा ने पूछा। 'क्या हो गया?'

'तुम चाहो, तो हमारे कमरे में जाकर देख सकती हो कि वे वहाँ तो नहीं हैं,' डिक उससे छुटकारा पाने के

लिए बोला। सारा वहाँ से यह सोचती हुई गई कि पूरा घर पागल हो गया है। वह गर्म चाय पीछे छोड़ गई। लड़के तत्काल चाय लेकर लड़कियों के कमरे में पहुँच गए। जॉर्ज ने अंदर से दरवाज़े का ताला खोला। बच्चों ने बारी-बारी से एक ही कप से गर्म चाय के घूँट लिए।

फिर सारा के साथ हैरियट और ब्लॉक भी वहाँ आ गए। ब्लॉक का चेहरा हमेशा की तरह ही सपाट था।

सारा ने कहा, 'जूलियन, तुम्हारे कमरे में कोई नहीं है।' तभी ब्लॉक को जॉर्ज दिख गई और वह उसे ग़ुस्से से घूरने लगा। उसे यह लग रहा था कि वह अपने कमरे में ताले में बंद होगी - और वह यहाँ मैरीबेल के कमरे में बैठकर चाय पी रही थी!

'तुम बाहर कैसे निकलीं?' उसने हैरानी से पूछा। 'मैं मिस्टर लेनॉयर को बताता हूँ। तुम्हें तो सज़ा मिली थी।'

'चुप रहो,' जूलियन ने कहा। 'मेरी चचेरी बहन से इस तरह से बात करने की हिम्मत मत करना। मुझे यक़ीन है कि तुम भी इस झमेले में शामिल हो। यहाँ से चले जाओ, ब्लॉक।'

ब्लॉक ने यह बात सुनी हो या न सुनी हो, लेकिन उसने वहाँ से जाने की कोई कोशिश नहीं की। जूलियन उठकर खड़ा हुआ और उसके चेहरे पर संकल्प का भाव था।

'इस कमरे से चले जाओ,' उसने अपनी आँखों को

सिकोड़ते हुए कहा। 'तुमने सुना? मुझे लगता है कि पुलिस तुममें दिलचस्पी ले सकती है, ब्लॉक। अब यहाँ से दफ़ा हो जाओ!'

हैरियट और सारा चीख़ पड़ीं। उनके लिए यह रहस्य बहुत ज़्यादा था। उन्होंने ब्लॉक को घूरकर देखा और कमरे से बाहर जाने लगीं। सौभाग्य से ब्लॉक भी जूलियन को बुरी तरह से घूरता हुआ बाहर चला गया।

जाते-जाते उसने कहा, 'मैं मिस्टर लेनॉयर के पास जा रहा हूँ।'

कुछ मिनट में मिस्टर और मिसेज़ लेनॉयर मैरीबेल के कमरे में आ गए। मिसेज़ लेनॉयर बहुत डरी हुई थीं। मिस्टर लेनॉयर हैरान-परेशान थे।

'यह मैं क्या सुन रहा हूँ?' उन्होंने कहा। 'ब्लॉक ने मुझे बहुत अजीब कहानी सुनाई है। वह कहता है कि तुम्हारे डैडी ग़ायब हो गए हैं, जॉर्ज और -'

'और सूटी भी ग़ायब हो गया है,' मैरीबेल अचानक चीख़ी और रोने लगी। 'सूटी चला गया है। वह चला गया है।'

मिसेज़ लेनॉयर चीख़ने लगीं, 'तुम्हारा क्या मतलब है? सूटी कहाँ जा सकता है? मैरीबेल, तुम्हारा क्या मतलब है?'

'मैरीबेल, अब मैं बताता हूँ,' जूलियन ने कहा, जो यह नहीं चाहता था कि मैरीबेल उन्हें सारी बातें बता दे।

उसने सोचा, शायद इसके पीछे मिस्टर लेनॉयर का ही हाथ होगा, इसलिए उन्हें यह बताना मूर्खता थी कि उन्हें उनके बारे में क्या संदेह थे।

'जूलियन – मुझे बताओ कि क्या हुआ। जल्दी!' मिसेज़ लेनॉयर ने कहा, जो बहुत परेशान लग रही थीं।

जूलियन ने कहा, 'क्वेंटिन अंकल अपने पलंग से कल रात को ग़ायब हो गए और सूटी भी। ज़ाहिर है, वे लौटकर आ सकते हैं।'

मिस्टर लेनॉयर ने अचानक उसे पैनी निगाह से देखते हुए कहा, 'जूलियन! तुम कुछ छिपा रहे हो। मुझे *सारी बात* बताओ। तुम इस समय कोई चीज़ कैसे छिपा सकते हो?'

'जूलियन, उन्हें बता दो, उन्हें बता दो,' मैरीबेल बिलखते हुए बोली। जूलियन ने मैरीबेल को ग़ुस्से से घूरा।

मिस्टर लेनॉयर की नाक की नोक सफ़ेद हो गई। वे बोले, 'मैं पुलिस के पास जा रहा हूँ। तुम *पुलिस को* तो बताओगे। उन्हें देखकर तुम समझदारी सीख जाओगे!'

जूलियन हैरान हो गया। 'अरे – मुझे नहीं लगता था कि *आप* पुलिस के पास जाना चाहेंगे!' उसके मुँह से निकल गया। 'आपके सीने में बहुत से राज़ हैं, जो शायद आप नहीं खोलना चाहेंगे!'

17

गुत्थी और उलझ गई

मिस्टर लेनॉयर जूलियन को बहुत हैरानी से घूरने लगे। कुछ देर के लिए सभी ख़ामोश हो गए। जूलियन को अफ़सोस था कि उसके मुँह से यह बात निकल गई थी, लेकिन अब क्या हो सकता था?

मिस्टर लेनॉयर ने आख़िर कुछ कहने के लिए अपना मुँह खोला, लेकिन तभी दरवाज़े पर क़दमों की आहट सुनाई दी। वहाँ पर ब्लॉक खड़ा था।

'अंदर आओ, ब्लॉक!' मिस्टर लेनॉयर बोले। 'यहाँ बहुत अजीब घटनाएँ हो रही हैं।'

ऐसा लगा जैसे ब्लॉक ने कुछ सुना ही नहीं। वह दरवाज़े के बाहर ही खड़ा रहा। मिस्टर लेनॉयर ने बेचैनी से उसे अंदर आने का इशारा किया।

'नहीं,' जूलियन ने सख़्ती से कहा। 'हमें जो कहना है, वह हम ब्लॉक के सामने नहीं कहेंगे, मिस्टर लेनॉयर। हम उसे पसंद नहीं करते हैं और हमें उस पर भरोसा भी नहीं है।'

मिस्टर लेनॉयर ग़ुस्से से चिल्लाए, 'तुम्हारा क्या मतलब है? *तुम* मेरे नौकरों के बारे में क्या जानते हो?

मैं ब्लॉक को यहाँ आने के बरसों पहले से जानता हूँ और वह बहुत भरोसे का आदमी है। वह बहरा है, इसमें उसका क्या दोष है, हालाँकि इस वजह से वह कभी-कभार चिड़चिड़ा हो जाता है।'

जूलियन फिर भी अपनी ज़िद पर अड़ा रहा। जब उसने ब्लॉक की भावहीन आँखों में ग़ुस्से की झलक देखी, तो वह भी उसे ग़ुस्से से घूरने लगा।

'यह तो कल्पना से परे है!' मिस्टर लेनॉयर ख़ुद पर संयम रखने की कोशिश करते हुए बोले। 'क्या पता सबको क्या हो गया है - वे लोग इस तरह ग़ायब हो गए - और अब तुम इस तरह बोल रहे हो, जैसे मैं इस घर का मालिक ही नहीं हूँ। चलो, तुम जो भी जानते हो, मुझे सब कुछ बता दो।'

जूलियन ने ब्लॉक पर निगाहें जमाकर कहा, 'मैं आपके बजाय पुलिस को बताना चाहूँगा।' लेकिन ब्लॉक के चेहरे पर कोई भाव नहीं आया।

'चले जाओ, ब्लॉक,' आख़िर मिस्टर लेनॉयर ने कहा, जब उन्होंने यह देखा कि ब्लॉक के सामने जूलियन कुछ नहीं बोलेगा। 'अच्छा रहेगा कि तुम सब लोग मेरी स्टडी में आ जाओ। अब मामला और भी रहस्यमय होता जा रहा है। अगर तुम पुलिस को बताना चाहते हो, तो पहले तुम्हें मुझे बताना चाहिए। मैं नहीं चाहता कि मैं पुलिस के सामने अपने ही घर में मूर्ख दिखूँ।'

जूलियन थोड़ा परेशान होने लगा। मिस्टर लेनॉयर इस तरह व्यवहार नहीं कर रहे थे, जैसी उसे उम्मीद थी। वे सचमुच हैरान और चिंतित दिख रहे थे और स्पष्ट रूप से वे ख़ुद पुलिस को बुलाना चाहते थे। अगर क्वेंटिन अंकल और सूटी को ग़ायब करने में उनका हाथ होता, तो वे ऐसा कभी नहीं करते! जूलियन बहुत हैरान था।

मिसेज़ लेनॉयर अब चुपचाप रोने लगी थीं और मैरीबेल उनके पास सुबक रही थी। मिस्टर लेनॉयर ने अपनी पत्नी की कमर में हाथ डाला और मैरीबेल को चूमा। वे अचानक पहले से ज़्यादा अच्छे दिखने लगे। उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा, 'चिंता मत करो। हम इस मामले की तह तक पहुँच जाएँगे, भले ही इसके लिए मुझे पूरे पुलिस बल की मदद ही क्यों न लेनी पड़े। मुझे कुछ-कुछ अंदाज़ा है कि इसके पीछे किसका हाथ हो सकता है!'

इससे जूलियन और भी हैरान हो गया। वह और बाक़ी बच्चे मिस्टर लेनॉयर के पीछे-पीछे उनकी स्टडी तक पहुँच गए। उसमें अब भी ताला लगा था। मिस्टर लेनॉयर ने ताला खोला और उन्होंने अपनी डेस्क पर रखे काग़ज़ों के ढेर को एक तरफ़ हटाया।

फिर उन्होंने धीरे से जूलियन से पूछा, 'अब बताओ, तुम्हें क्या मालूम है?' बच्चों ने देखा कि उनकी नाक की

नोक अब सफ़ेद नहीं थी। यह साफ़ था कि उन्होंने अपने ग़ुस्से पर क़ाबू पा लिया था।

जूलियन को यह समझ में नहीं आया कि वह कहाँ से बात शुरू करे, इसलिए वह बोला, 'मुझे लगता है कि यह घर अजीब है और इसमें बहुत अजीब घटनाएँ हो रही हैं। आप शायद यह नहीं चाहेंगे कि मैं जो बातें जानता हूँ, वे सब पुलिस को बता दूँ।'

'जूलियन, पहेलियों में बात मत करो!' मिस्टर लेनॉयर ने बेचैनी से कहा। 'तुम तो इस तरह बोल रहे हो, जैसे मैं कोई अपराधी हूँ और पुलिस से डरता हूँ। मैं अपराधी नहीं हूँ। अब बताओ, मेरे घर में क्या हो रहा है?'

जूलियन ने मिस्टर लेनॉयर के चेहरे को ग़ौर से देखते हुए कहा, 'उदाहरण के लिए, इस घर की मीनार से कोई संकेत करता है।'

मिस्टर लेनॉयर का मुँह खुला का खुला रह गया। यह स्पष्ट था कि वे बुरी तरह हैरान थे। वे जूलियन को घूरकर देखते रहे। मिसेज़ लेनॉयर अचानक चिल्लाईं : 'संकेत! कैसे संकेत?'

जूलियन ने बताया कि सूटी ने कैसे रोशनी चमकती हुई देखी थी और उसे शक हो गया था। फिर जब उसे रोशनी दोबारा दिखी, तो वह जूलियन और डिक को मीनार में ले गया। जूलियन ने बताया कि समुद्र की तरफ़ के दलदल में छोटी-छोटी रोशनियों की क़तार दिख

रही थी।

मिस्टर लेनॉयर ने उसकी बातें ग़ौर से सुनीं। उन्होंने संकेतों के दिन और समय के बारे में सवाल किए। उन्होंने यह भी सुना कि लड़कों ने संकेत करने वाले को ब्लॉक के कमरे में घुसकर ग़ायब होते हुए देखा था।

मिस्टर लेनॉयर बोले, 'मुझे लगता है, वह खिड़की से बाहर निकल गया होगा। यक़ीन मानो, ब्लॉक का इस मामले से कोई संबंध नहीं है। वह बहुत वफ़ादार है और यहाँ रहते समय उसने मेरी काफ़ी मदद की है। मुझे लगता है कि इस सबके पीछे मिस्टर बार्लिंग का हाथ है। वे अपने मकान से समुद्र तक संकेत नहीं कर सकते हैं, क्योंकि उनका घर पहाड़ी पर इतना ऊँचा नहीं है और उसकी दिशा भी सही नहीं है। इसलिए वे संकेत करने के लिए मेरे घर की मीनार का इस्तेमाल करते होंगे - और यहाँ आते भी होंगे! वे इस मकान के सभी ख़ुफ़िया रास्तों के बारे में जानते हैं - मुझसे भी ज़्यादा अच्छी तरह! वे जब चाहे, यहाँ आसानी से आ सकते हैं।'

बच्चों ने तत्काल सोचा कि शायद मिस्टर बार्लिंग ही रोशनी के संकेत कर रहे *होंगे!* उन्होंने मिस्टर लेनॉयर को घूरकर देखा। वे सब सोच रहे थे कि उनका इन अजीब घटनाओं से सचमुच कोई संबंध नहीं है।

मिस्टर लेनॉयर ने खड़े होते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि ब्लॉक को ये सब बातें बता देनी चाहिए। मुझे यह भी

लगता है कि बार्लिंग बहुत सी अजीब घटनाओं की गुत्थी सुलझा सकता है। मैं देखता हूँ कि क्या ब्लॉक को किसी के बारे में शक है!'

जूलियन ने अपना मुँह बंद कर लिया। अगर मिस्टर लेनॉयर ब्लॉक को सब कुछ बताने वाले हैं, तो वह उन्हें आगे कुछ नहीं बताएगा, क्योंकि ब्लॉक निश्चित रूप से इस साज़िश में शामिल होगा!

मिस्टर लेनॉयर कमरे से बाहर निकलते हुए बोले, 'मैं ब्लॉक से पूछता हूँ कि वह इस बारे में क्या सोचता है! अगर हम इस गुत्थी को ख़ुद नहीं सुलझा पाए, तो फिर हम पुलिस को बुला लेंगे।'

जूलियन मिसेज़ लेनॉयर के सामने ज़्यादा कुछ नहीं बोलना चाहता था। इसलिए उसने विषय बदल दिया।

उसने कहा, 'नाश्ता कहाँ है? मुझे तो भूख लग रही है!'

वे सब नाश्ता करने गए, हालाँकि मैरीबेल ने कुछ नहीं खाया, क्योंकि वह सूटी के बारे में चिंतित थी।

जब वे नाश्ते की टेबल के आस-पास अकेले बैठे थे, तो जूलियन बोला, 'हम ख़ुद ही यह गुत्थी सुलझाते हैं। जॉर्ज, मैं तुम्हारे डैडी के कमरे में चारों तरफ़ अच्छे से देखता हूँ। ख़ुफ़िया गलियारे के अलावा भी वहाँ बाहर निकलने का कोई और रास्ता होगा।'

डिक ने पूछा, 'तुम्हें क्या लगता है, कल रात को क्या

हुआ होगा?'

जूलियन ने सोचते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सूटी वहाँ जाकर छिपा होगा और क्वेंटिन अंकल के सोने का इंतज़ार कर रहा होगा, ताकि उसके बाद वह ख़ुफ़िया गलियारे में जा सके। जब वह वहाँ छिपा होगा, तभी उस कमरे में कहीं से कोई क्वेंटिन अंकल का अपहरण करने आया होगा। लेकिन यह मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि कोई उनका अपहरण क्यों करेगा। फिर सूटी हैरानी में चिल्लाया होगा और किसी ने उसके सिर पर कुछ मार दिया होगा। फिर बेहोश सूटी और क्वेंटिन अंकल का एक साथ अपहरण कर लिया गया होगा। और फिर उन लोगों को किसी ख़ुफ़िया रास्ते से ले जाया गया होगा, जिसके बारे में हमें मालूम नहीं है।'

'हाँ,' जॉर्ज बोली। 'और मिस्टर बार्लिंग ने ही उनका अपहरण किया है! मैंने सूटी को "मिस्टर बार्लिंग" चिल्लाते हुए साफ़-साफ़ सुना था। ज़रूर सूटी ने अपनी टॉर्च जलाकर उन्हें देख लिया होगा।'

एन ने अचानक कहा, 'शायद मिस्टर बार्लिंग ने उन्हें अपने घर पर ही छिपाकर रखा होगा।'

'हाँ!' जूलियन ने कहा। 'मैंने इस बारे में पहले क्यों नहीं सोचा? हाँ, वे वहाँ हो सकते हैं। मैं सोचता हूँ कि वहाँ जाकर एक बार देख आऊँ!'

जॉर्ज ने आग्रह किया, 'मैं भी चलती हूँ।'

'नहीं,' जूलियन बोला। 'बिलकुल नहीं। यह ख़तरनाक काम है और मिस्टर बार्लिंग बुरे और ख़तरनाक आदमी हैं। मैं तुम्हें और मैरीबेल को बिलकुल नहीं ले जाऊँगा। मैं डिक को ले जाता हूँ।'

'तुम बहुत *ख़राब* हो!' जॉर्ज बोली और उसकी आँखों से शोले बरसने लगे। 'क्या मैं लड़कों जितनी बहादुर नहीं हूँ? मैं भी साथ चल रही हूँ।'

'मैं मानता हूँ कि तुम लड़कों जितनी ही बहादुर हो, लेकिन अगर तुम इतनी ही बहादुर हो, तो तुम यहाँ रुककर एन और मैरीबेल पर नज़र रखो! हम नहीं चाहते कि उनका भी अपहरण हो जाए।'

एन बोली, 'मत जाओ, जॉर्ज। हमारे साथ यहीं रहो।'

जॉर्ज बोली, 'वैसे भी मुझे नहीं लगता कि वहाँ जाने से कोई फ़ायदा होगा। मिस्टर बार्लिंग तुम्हें अपने घर के अंदर नहीं घुसने देंगे। और अगर तुम लोग उनके घर के अंदर घुस भी गए, तो भी तुम वहाँ की सारी ख़ुफ़िया जगहों को नहीं खोज पाओगे। मिस्टर बार्लिंग के घर में इस घर से बहुत ज़्यादा ख़ुफ़िया जगहें होंगी।'

जूलियन ने सोचा कि जॉर्ज ठीक कह रही है। लेकिन फिर भी कोशिश करने में क्या बुराई है!

जूलियन और डिक नाश्ते के बाद पहाड़ी से नीचे उतरे और मिस्टर बार्लिंग के घर की तरफ़ गए। लेकिन

वहाँ पहुँचकर उन्होंने देखा कि पूरा मकान बंद था। किसी ने भी उनके खटखटाने और घंटी बजाने का जवाब नहीं दिया। बंद खिड़कियों पर पर्दे खिंचे हुए थे और चिमनी से धुआँ नहीं निकल रहा था।

पास वाले मकान के बगीचे में काम करने वाले माली ने कहा, 'मिस्टर बार्लिंग छुट्टियाँ मनाने गए हैं। वे आज सुबह ही अपनी कार में गए हैं और उन्होंने घर के सभी नौकरों को भी छुट्टी दे दी है।'

'ओह!' जूलियन ने हैरानी से कहा। 'क्या उनके साथ कार में कोई और भी था – एक आदमी और एक लड़का?'

माली इस सवाल पर हैरान हुआ और उसने अपना सिर हिलाया।

'नहीं। वे अकेले ही थे और ख़ुद ही कार चलाकर गए थे।'

'धन्यवाद,' जूलियन ने कहा और डिक के साथ स्मगलर विला की तरफ़ चल दिया। यह बहुत अजीब था। मिस्टर बार्लिंग ने घर में ताले डाल दिए थे और अपने क़ैदियों को छोड़कर चले गए थे! फिर उन्होंने उनके साथ क्या किया? और आख़िर उन्होंने क्वेंटिन अंकल का अपहरण किया ही क्यों? जूलियन को याद आया कि मिस्टर लेनॉयर ने इसका कोई कारण नहीं बताया था। क्या वे कारण जानते थे, लेकिन उन्हें नहीं

बताना चाहते थे? यह बहुत ही आश्चर्यजनक था।

इस दौरान जॉर्ज अकेली जासूसी कर रही थी। वह क्वेंटिन अंकल के कमरे में चुपचाप गई और चारों तरफ़ अच्छे से देखा कि उसमें कहीं कोई और ख़ुफ़िया गलियारा तो नहीं है, जिसके बारे में शायद सूटी को पता न हो।

उसने दीवारों को थपथपाया, गलीचे को मोड़ा और फ़र्श के चप्पे-चप्पे की जाँच की। उसने दोबारा अलमारी पर ज़ोर-आज़माइश की और सोचा कि काश वह ख़ुफ़िया गलियारे में जाकर टिमी की तलाश कर सकती। नीचे स्टडी के दरवाज़े पर एक बार फिर ताला लगा था और जॉर्ज में इतनी हिम्मत नहीं थी कि वह मिस्टर लेनॉयर को टिमी के बारे में बताकर उनसे मदद माँगे।

जॉर्ज उस कमरे से जाने ही वाली थी कि तभी उसे खिड़की के पास फ़र्श पर कुछ दिखाई दिया। वह उसे उठाने के लिए झुकी। यह एक छोटा सा स्क्रू था। उसने चारों तरफ़ देखा। यह कहाँ से गिरा था?

पहले तो उसे उसी आकार के और स्क्रू कहीं नहीं दिखे। फिर उसकी निगाह विंडो सीट के नीचे गई। वहाँ पर स्क्रू लगे थे, जो ऊपर के लकड़ी के पटिये को नीचे वाले पटिये से जोड़ने के लिए लगाए गए थे।

क्या विंडो सीट से स्क्रू बाहर आ गया था? लेकिन ऐसा क्यों होगा? बाक़ी सब तो कसकर बंद थे। उसने विंडो सीट की जाँच की। फिर वह धीरे से चीख़ी।

'एक स्क्रू ग़ायब है। वह इस तरफ़ बीच में लगा था, लेकिन अब वहाँ ख़ाली जगह है। मुझे सोचने दो।'

उसने पिछली रात की घटनाएँ याद कीं। उसने याद किया कि जब वह पलंग के नीचे छिपी थी, तब कोई किस तरह चुपचाप अंदर आया था। उसने याद किया कि वह व्यक्ति किस तरह खिड़की के पास विंडो सीट पर झुका था। उसने याद किया कि उसे किस तरह धातु के टकराने और सरसराने की धीमी-धीमी आवाज़ें आ रही थीं। ज़रूर वह व्यक्ति सीट में स्क्रू लगा रहा होगा।

'किसी ने कल रात को विंडो सीट के स्क्रू लगाए थे – और अँधेरे में उसके हाथ से एक स्क्रू गिर गया होगा,' जॉर्ज ने रोमांचित महसूस करते हुए सोचा। 'लेकिन उसने स्क्रू क्यों लगाए? किसी चीज़ को छिपाने के लिए? विंडो सीट में क्या है? यह खोखली लगती है। मैं जानती हूँ कि यह कभी नहीं खुलती। इस पर हमेशा स्क्रू लगे रहते हैं, क्योंकि मैंने एक बार इसके नीचे अलमारी की तलाश की थी, जिस तरह की अलमारी हमारे घर में है। लेकिन मुझे यहाँ अलमारी नहीं मिली थी।'

जॉर्ज को यक़ीन होने लगा कि विंडो सीट में ज़रूर कोई राज़ छिपा था। वह स्क्रू ड्राइवर लेने के लिए भागी। उसे एक स्क्रू ड्राइवर मिल गया और वह उसे लेकर तेज़ी से वापस लौट आई।

उसने दरवाज़ा बंद करके उसमें ताला लगा दिया,

ताकि कहीं ब्लॉक जासूसी करने न आ जाए। फिर वह स्क्रू ड्राइवर से विंडो सीट के स्क्रू खोलने में जुट गई। उसे विंडो सीट के नीचे क्या मिलेगा ? यह देखने के लिए वह बहुत बेताब थी!

18

अजीब खोजें

जैसे ही जॉर्ज ने आख़िरी स्क्रू खोला, दरवाज़े पर दस्तक हुई। जॉर्ज उछल पड़ी। उसने कोई जवाब नहीं दिया, क्योंकि उसे लगा कि बाहर ब्लॉक या मिस्टर लेनॉयर होंगे।

उसने राहत की साँस ली, जब उसने जूलियन की आवाज़ सुनी, 'जॉर्ज! क्या तुम यहाँ हो?'

जॉर्ज ने जल्दी से दरवाज़े का ताला खोल दिया। लड़के हैरान होकर अंदर आए। उनके पीछे-पीछे एन और मैरीबेल भी आ गईं। जॉर्ज ने दरवाज़ा बंद करके उसमें दोबारा ताला लगा दिया।

जूलियन ने कहा, 'मिस्टर बार्लिंग बाहर गए हैं और उनका घर बंद है। तुम यहाँ क्या कर रही हो, जॉर्ज?'

'मैं इस विंडो सीट के स्क्रू खोल रही हूँ,' जॉर्ज ने कहा। फिर उसने उन्हें फ़र्श पर मिले स्क्रू के बारे में बताया। वे सभी रोमांचित होकर जॉर्ज के आस-पास खड़े हो गए।

'तुमने बढ़िया सोचा, जॉर्ज!' डिक बोला। 'लाओ मैं स्क्रू खोलने के काम को पूरा कर देता हूँ।'

'नहीं, यह *मेरा* काम है!' जॉर्ज बोली। उसने आख़िरी स्क्रू को बाहर निकाला। फिर उसने विंडो सीट को उठा दिया। यह ढक्कन की तरह ऊपर उठ गई।

सबने डरते-डरते अंदर झाँका। उन्हें क्या दिखेगा? उन्हें बहुत हैरानी और निराशा हुई, जब उन्हें सिर्फ़ ख़ाली अलमारी दिखाई दी! ऐसा लग रहा था, जैसे विंडो सीट एक बॉक्स थी, जिस पर बैठने के लिए बस एक ढक्कन लगा दिया गया था।

'कितनी निराशा की बात है!' डिक ने विंडो सीट का ढक्कन बंद करते हुए कहा। 'मुझे लगता है जॉर्ज, तुमने सीट के ढक्कन पर स्क्रू कसने की आवाज़ नहीं सुनी होगी। यह तुम्हारा वहम होगा।'

'नहीं, यह कोई वहम नहीं था,' जॉर्ज बोली। उसने ढक्कन दोबारा खोला और बॉक्स जैसी विंडो सीट में उतरकर उसे अपने पैरों से दबाने लगी।

और अचानक हल्की सी आवाज़ के साथ ख़ाली विंडो सीट का निचला हिस्सा नीचे की तरफ़ चोर दरवाज़े की तरह खुल गया।

जॉर्ज के मुँह से आह निकल गई और उसने किनारे को पकड़ लिया। एक पल के लिए तो वह हवा में पैर हिलाती रही, लेकिन फिर सुरक्षित बाहर निकल आई। सबने ख़ामोशी से नीचे देखा।

वहाँ एक सीधा गड्ढा दिख रहा था, जो लगभग आठ

फ़ुट गहरा था। वहाँ से यह चौड़ा होता नज़र आ रहा था और इसमें कोई शक नहीं था कि वह किसी ख़ुफ़िया गलियारे में जाता होगा, जो पूरी पहाड़ी में फैली भूमिगत सुरंगों से जुड़ जाता होगा। हो सकता है, वह सुरंग मिस्टर बार्लिंग के घर तक भी जाती हो।

डिक बोला, 'देखो तो सही! यह कौन सोच सकता था? मुझे यक़ीन है कि सूटी को भी इसके बारे में मालूम नहीं होगा।'

'क्या हम इसके नीचे उतरें?' जॉर्ज ने पूछा। 'क्या हम देखें कि यह कहाँ जाता है? हमें वहाँ टिमी भी मिल सकता है।'

तभी ऐसी आवाज़ आई, जैसे कोई दरवाज़े के हैंडल को खोलने की कोशिश कर रहा हो। उस पर ताला लगा था। फिर किसी ने बेचैनी से दस्तक दी और एक चिढ़ी हुई आवाज़ आई :

'इस दरवाज़े में ताला क्यों लगा है? इसे फ़ौरन खोलो! तुम अंदर क्या कर रहे हो?'

'डैडी हैं!' मैरीबेल ने आँखें फाड़कर धीरे से कहा। 'मैं ताला खोल देती हूँ।'

तत्काल जॉर्ज ने विंडो सीट के ढक्कन को धीरे से बंद कर दिया। वह नहीं चाहती थी कि मिस्टर लेनॉयर इसे देखें। जब दरवाज़ा खुला, तो मिस्टर लेनॉयर को बच्चे विंडो सीट के आस-पास खड़े दिखे।

वे बोले, 'मैंने ब्लॉक से अच्छी तरह बातचीत कर ली है। जैसा मैंने सोचा था, वैसा ही है। उसे यहाँ हो रही हरकतों के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उसे यह सुनकर बहुत हैरानी हुई कि इस घर की मीनार से रोशनी के संकेत होते हैं। लेकिन उसे यह मिस्टर बार्लिंग का काम नहीं लगता है। उसे लगता है कि यह *मेरे* ख़िलाफ़ किसी तरह की साज़िश है।'

'ओह!' बच्चों ने कहा, जो मिस्टर लेनॉयर की तरह ब्लॉक पर इतनी जल्दी यक़ीन नहीं करने वाले थे।

मिस्टर लेनॉयर ने कहा, 'इससे ब्लॉक बुरी तरह परेशान हो गया है। उसकी तबियत ख़राब हो गई है। इसलिए मैंने उससे आराम करने को कह दिया है, जब तक कि हम यह फ़ैसला न करें कि आगे क्या करना है।'

बच्चों को लगा कि ब्लॉक इतनी जल्दी बीमार या परेशान नहीं होगा। उन्हें फ़ौरन शक हो गया कि वह आराम नहीं करेगा, बल्कि चुपचाप अपने काम से बाहर निकल जाएगा।

मिस्टर लेनॉयर बोले, 'मुझे एक ज़रूरी काम से कुछ समय के लिए बाहर जाना है। मैंने पुलिस को फ़ोन किया था, लेकिन दुर्भाग्य से इंस्पेक्टर कहीं बाहर गए हुए हैं। वे जैसे ही आएँगे, मुझे फ़ोन करेंगे। जब तक मैं अपना काम पूरा करके आता हूँ, तुम लोग कोई शरारत

मत करना।'

बच्चों को यह सवाल मूर्खतापूर्ण लगा। उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मिस्टर लेनॉयर अचानक हँसे और फिर चले गए।

मिस्टर लेनॉयर के ओझल होते ही जूलियन ने कहा, 'मैं ब्लॉक के कमरे में देखकर आता हूँ कि क्या वह सचमुच वहीं है।'

वह घर के उस हिस्से में गया, जहाँ नौकरों के बेडरूम थे। ब्लॉक के कमरे का दरवाज़ा थोड़ा खुला था और जूलियन दरार में से देख सकता था। उसने ब्लॉक के शरीर की आकृति को पलंग पर देखा और उस काले आकार को भी, जो उसका सिर होगा। रोशनी से बचने के लिए खिड़की पर पर्दा लगा हुआ था, लेकिन फिर भी देखने के लिए पर्याप्त रोशनी थी।

जूलियन भागकर बाक़ी लोगों के पास गया और बोला, 'हाँ, वह पलंग पर ही है। कुछ समय के लिए मैदान साफ़ है। क्या अब हम विंडो सीट के गड्ढे में नीचे चलकर देखें? मैं यह देखना चाहूँगा कि यह कहाँ तक जाता है?'

'ओह हाँ!' सभी ने कहा। लेकिन चोट लगे बिना आठ फ़ुट नीचे कूदना कोई आसान काम नहीं था! जूलियन सबसे पहले गया और उसे काफ़ी खरोंचें लगीं। नीचे पहुँचने के बाद उसने डिक से कहा, 'एक रस्सी

लाकर ऊपर किसी चीज़ से बाँध दो और उसे इस गड्ढे में लटका दो। नीचे कूदने में चोट लग सकती है।'

डिक रस्सी लेने के लिए जाने लगा, लेकिन तभी जूलियन ने एक बार फिर कहा, 'ओह, सब कुछ ठीक है! मैंने अभी-अभी कुछ देखा है। गड्ढे के कोनों में छेद बने हैं, जिनमें तुम सहारे के लिए हाथ या पैर फँसा सकते हो। वे मुझे पहले नहीं दिखे थे। तुम उनकी मदद से आराम से उतर सकते हो।'

सभी बच्चे एक-एक करके उन छेदों को टटोलते हुए नीचे उतरे। जॉर्ज एक-दो छेद चूक गई, जिसके कारण वह हवा में लटक गई और उसे थोड़ी ऊँचाई से कूदना पड़ा। वह धम्म से नीचे गिरी, लेकिन उसे चोट नहीं लगी।

जैसा उन्होंने सोचा था, वह गड्ढा एक और ख़ुफ़िया गलियारे तक जाता था, लेकिन इस गलियारे में नीचे की तरफ़ सीढ़ियाँ थीं। बहुत जल्दी ही वे घर से काफ़ी नीचे पहुँच गए। फिर वे पूरी पहाड़ी के नीचे फैली सुरंगों की भूलभुलैया तक आ गए। वे ठहर गए।

'देखो - हम इससे आगे नहीं जा सकते,' जूलियन बोला। 'हम रास्ता भटक जाएँगे। इस समय हमारे साथ सूटी भी नहीं है और मैरीबेल को रास्ता मालूम नहीं है। आगे जाने में ख़तरा है।'

तभी उन्हें बाईं तरफ़ से सुरंग में क़दमों की आहट

सुनाई दी। वे सभी एक अँधेरे कोने में दुबक गए और जूलियन ने अपनी टॉर्च बंद कर ली।

जब *दो* आकृतियाँ पास वाली सुरंग से बाहर निकलीं, तो एन धीरे से बोली, 'दो लोग हैं!' उनमें से एक बहुत लंबा था। दूसरा – हाँ, निश्चित रूप से वह ब्लॉक ही था! अगर वह ब्लॉक नहीं था, तो वह उसकी हूबहू नक़ल थी।

दोनों आदमी धीरे-धीरे बात कर रहे थे। यह आदमी ब्लॉक कैसे हो सकता था, क्योंकि वह तो बहुत अच्छी तरह से सुन रहा था। वैसे भी, ब्लॉक तो अपने पलंग पर सो रहा था। अभी दस मिनट पहले ही तो जूलियन ने उसे वहाँ देखा था। तो क्या फिर दो ब्लॉक थे? जॉर्ज ने पहले की तरह ही एक बार फिर सोचा।

वे दोनों लोग दूसरी सुरंग में चले गए और उनकी लालटेनों की रोशनी धीरे-धीरे ओझल हो गई। उनकी आवाज़ें सुरंग में गूँज रही थीं।

डिक बोला, 'क्या हम उनका पीछा करें?'

'नहीं,' जूलियन ने कहा। 'हो सकता है, वे हमें चकमा दे जाएँ और हम सुरंगों की इस भूलभुलैया में ग़ुम जाएँ! और मान लो वे अचानक मुड़ गए और उन्होंने हमें पीछा करते हुए देख लिया, तो हमारी हालत बहुत ख़राब हो जाएगी।'

'मुझे यक़ीन है कि पहले वाले आदमी मिस्टर बार्लिंग

ही हैं,' एन अचानक बोली। 'मैं उनका चेहरा तो नहीं देख पाई, क्योंकि लालटेन की रोशनी उनके चेहरे पर नहीं पड़ रही थी - लेकिन वे मिस्टर बार्लिंग जैसे ही दिख रहे थे - हर जगह से लंबे!'

मैरीबेल ने कहा, 'लेकिन मिस्टर बार्लिंग तो बाहर गए हैं।'

'उन्होंने कहा है कि वे बाहर गए हैं!' जॉर्ज बोली। 'अगर वे मिस्टर बार्लिंग ही हैं, तो ऐसा लगता है कि वे वापस लौट आए हैं। मैं सोच रही हूँ कि ये दोनों कहाँ जा रहे होंगे - मेरे डैडी और सूटी से मिलने के लिए?'

'हो सकता है,' जूलियन बोला। 'चलो, हमें वापस लौटना होगा। हम अकेले इन पुरानी सुरंगों में भटकने का जोखिम नहीं ले सकते। सूटी ने बताया था कि ये मीलों लंबी हैं। उसने यह भी कहा था कि ये एक-दूसरे के आर-पार जाती हैं और चारों तरफ़ गुत्थमगुत्था हैं। ये सीधे दलदल तक जाती हैं। अगर हम इनमें भटक गए, तो हम कभी सही रास्ता नहीं खोज पाएँगे।'

वे वापस लौटने के लिए मुड़े। सीढ़ियों पर चढ़ने के बाद वे विंडो सीट के गड्ढे में पहुँच गए। गड्ढे के कोनों में बने छेदों के सहारे ऊपर चढ़ना काफ़ी आसान था।

जल्दी ही वे सभी दोबारा कमरे में पहुँच गए। खिड़की से आती धूप को देखकर उन्हें ख़ुशी हुई। उन्होंने बाहर देखा। दलदल पर एक बार फिर धुँध छाने लगी थी,

हालाँकि धूप में पहाड़ी सुनहरी दिख रही थी।

जूलियन ने स्क्रू ड्राइवर उठाते हुए और विंडो सीट का ढक्कन बंद करते हुए कहा, 'मैं फिर से विंडो सीट में स्क्रू लगाने जा रहा हूँ। अगर ब्लॉक आता है, तो उसे यह मालूम नहीं चलना चाहिए कि हमें उसकी नई ख़ुफ़िया जगह का पता चल गया है। मुझे पूरा यक़ीन है कि उसी ने सीट के स्क्रू खोले थे, ताकि मिस्टर बार्लिंग इस कमरे में आ जाएँ। उसी ने उनके जाने के बाद फिर स्क्रू लगा दिए होंगे, ताकि किसी को अंदाज़ा न हो सके कि आख़िर हुआ क्या था।'

उसने जल्दी से सीट के स्क्रू लगा दिए। फिर उसने अपनी घड़ी देखी।

'लंच का समय होने वाला है और मुझे बहुत भूख लग रही है। काश सूटी भी यहाँ होता – और क्वेंटिन अंकल भी। मुझे उम्मीद है कि वे सही-सलामत होंगे – और टिमी भी,' जूलियन बोला। 'मुझे तो इस बात की हैरानी है कि अगर ब्लॉक अपने पलंग पर सो रहा है, तो फिर वह सुरंग में कैसे घूम रहा है। मैं एक बार फिर उसे कमरे में देखकर आता हूँ।'

वह जल्दी ही लौट आया और हैरानी से बोला, 'हाँ, वह तो वहीं है, अपने पलंग पर। यह बहुत अजीब है।'

ब्लॉक लंच के समय नहीं दिखा। सारा ने कहा कि वह बोलकर गया था कि अगर वह लंच के समय नहीं

आए, तो उसे परेशान न किया जाए।

'उसे भयानक सिरदर्द होता है। हो सकता है वह शाम तक ठीक हो जाए।'

सारा बातचीत करने के लिए बहुत उत्सुक थी, लेकिन बच्चों ने यह फ़ैसला कर लिया था कि उसे कुछ नहीं बताएँगे। वह बहुत अच्छी थी और वे उसे पसंद भी करते थे, लेकिन न जाने क्यों उन्हें स्मगलर विला में किसी पर भरोसा नहीं था। इसलिए उन्होंने सारा को कुछ नहीं बताया और वह थोड़ी नाख़ुश होकर वहाँ से चली गई।

जूलियन खाना खाने के बाद मिस्टर लेनॉयर से बात करने गया। उसे लग रहा था कि अगर पुलिस इंस्पेक्टर पुलिस स्टेशन में नहीं थे, तो किसी दूसरे पुलिस वाले को तो ख़बर करनी ही चाहिए थी। वह अपने अंकल और सूटी के बारे में बहुत चिंतित था। उसके मन में यह विचार भी आया कि मिस्टर लेनॉयर ने इंस्पेक्टर के बाहर जाने की बात कहीं इसलिए तो नहीं कही थी, ताकि उन्हें थोड़ा और समय मिल जाए।

जब जूलियन ने मिस्टर लेनॉयर की स्टडी के दरवाज़े पर दस्तक दी, तो उन्होंने उसे चिढ़ी हुई आवाज़ में अंदर आने को कहा। जूलियन के अंदर आते ही वे बोले, 'अच्छा तो तुम हो! मैं तो ब्लॉक के आने की उम्मीद कर रहा था। मैंने उसके लिए घंटी पर घंटी बजाई। घंटी

उसके कमरे में बजती है और मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि वह क्यों नहीं आ रहा है। मैं चाहता हूँ कि वह मेरे साथ पुलिस स्टेशन जाए।'

जूलियन ने मन ही मन सोचा, 'अच्छी बात है!' फिर उसने ज़ोर से कहा, 'मैं अभी जाकर उसे आपके पास भेजता हूँ, मिस्टर लेनॉयर। मुझे उसका कमरा मालूम है।'

जूलियन पीछे वाली सीढ़ियों पर भागा, जो नौकरों के कमरों तक जाती थीं। उसने ब्लॉक का दरवाज़ा धकाकर खोला।

ब्लॉक अब भी पलंग पर सोया दिख रहा था! जूलियन ने ज़ोर से आवाज़ लगाई। फिर उसे याद आया कि ब्लॉक बहरा था। इसलिए वह पलंग तक गया और उसने उसके कंधे के उभार पर अपना हाथ रखा।

लेकिन कंधा बहुत नर्म था! जूलियन ने अपना हाथ खींच लिया और ग़ौर से नीचे देखा। फिर उसे बहुत ज़ोर का झटका लगा।

पलंग पर ब्लॉक था ही नहीं! उसके सिर की जगह पर एक तरह की बड़ी गेंद थी, जिस पर काला पेंट पुता हुआ था, ताकि यह चादर के नीचे से उसके सिर की तरह दिखे। और जब जूलियन ने चादर हटाई तो उसने देखा कि ब्लॉक के शरीर की जगह वहाँ एक बड़ी गद्दी रखी है, जिसे मुड़े हुए शरीर जैसा आकार दे दिया गया

था!

'तो ब्लॉक *यह* चाल चलता है, जब वह कहीं जाना चाहता है और यह नाटक करना चाहता है कि वह यहीं है!' जूलियन ने कहा। 'तो वह ब्लॉक ही *था*, जिसे हमने आज सुबह सुरंग में देखा था – और वह भी ब्लॉक *ही* होगा, जिसे जॉर्ज ने खिड़की में से कल मिस्टर बार्लिंग से बात करते हुए देखा था। इसका मतलब है, ब्लॉक बहरा भी नहीं है। वह तो एक बहुत ही चतुर, चालाक, दोगला और धूर्त बदमाश है!'

19

मिस्टर बार्लिंग की बातें

इस दौरान क्वेंटिन अंकल और सूटी के साथ क्या हो रहा था? उनके साथ बहुत सी अजीब घटनाएँ हो रही थीं!

क्वेंटिन अंकल को पहले ही नींद की दवा दे दी गई थी, ताकि जब मिस्टर बार्लिंग अप्रत्याशित रूप से उनके कमरे में आएँ, तब वे न तो संघर्ष कर सकें, न ही शोर मचा सकें। इसी कारण उन्हें विंडो सीट वाले गड्ढे में नीचे डालना आसान था। वे धम्म के साथ नीचे गिरे, जिससे उन्हें काफ़ी चोट लगी।

फिर बेचारे सूटी को गड्ढे में नीचे फेंका गया और इसके बाद मिस्टर बार्लिंग किनारे के छेदों की मदद से आराम से नीचे उतर गए।

मिस्टर बार्लिंग की मदद के लिए नीचे कोई और भी था। वह ब्लॉक नहीं था, क्योंकि ब्लॉक को तो विंडो सीट के स्क्रू लगाने थे, ताकि किसी को यह पता न चले कि उन लोगों को कहाँ ले जाया गया है। नीचे मिस्टर बार्लिंग का एक नौकर था, जिसका चेहरा सख़्त था।

मिस्टर बार्लिंग ने अपने नौकर से कहा, 'इस लड़के

को भी लाना पड़ा। यह लेनॉयर का बेटा है। यह लड़का कमरे में छिपकर जासूसी कर रहा था। चलो अच्छा हुआ, इस तरह से लेनॉयर को मेरे ख़िलाफ़ काम करने की सज़ा मिल गई!'

दोनों को लंबी सीढ़ियों से आधा उठाकर, आधा घसीटकर नीचे सुरंगों में ले जाया गया। मिस्टर बार्लिंग ने रुककर अपनी जेब से रस्सी का लच्छा निकाला और अपने नौकर की तरफ़ उछाल दिया।

'यह लो। इसका एक सिरा वहाँ लगी कील से बाँध दो और रस्सी को खोलते चलो। मुझे तो यहाँ का रास्ता अच्छी तरह से मालूम है, लेकिन ब्लॉक को मालूम नहीं है। कल ब्लॉक हमारे क़ैदियों के लिए खाना लेकर आएगा। मैं नहीं चाहता कि वह इन सुरंगों में रास्ता भटक जाए! हम इस रस्सी को उस गुफा से थोड़ी दूर बाँध देंगे, जहाँ हम उन्हें रखेंगे, ताकि वे इसे देखकर इसके सहारे बच नहीं पाएँ।'

नौकर ने रस्सी उस कील पर बाँध दी, जिधर मिस्टर बार्लिंग ने इशारा किया था और फिर चलते समय वह रस्सी खोलता गया। यह रस्सी किसी अनजान व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक का काम कर सकती थी। वरना ज़मीन के अंदर की इन सुरंगों में घूमना बहुत ख़तरनाक था। उनमें से कई तो मीलों लंबी थीं।

लगभग आठ मिनट बाद वे लोग एक तरह की गोल

गुफा में आ गए, जो एक बड़ी, लेकिन ज़रा नीची सुरंग के पास बनी थी। यहाँ पर एक बेंच थी, जिस पर कुछ कंबल थे और पानी का जग भी था। यहाँ एक बॉक्स भी रखा था, जिसका इस्तेमाल टेबल की तरह किया जा सकता था। इसके अलावा वहाँ और कुछ भी नहीं था।

सूटी अब होश में आ रहा था। लेकिन मिस्टर क्वेंटिन अब भी बेहोश थे और ज़ोर-ज़ोर से साँसें ले रहे थे।

मिस्टर बार्लिंग ने कहा, 'उससे इस समय बात करने से कोई फ़ायदा नहीं होगा। उसे कल तक ही होश आएगा। हम तभी उससे बात करेंगे। मैं ब्लॉक को लेकर आऊँगा।'

सूटी को फ़र्श पर लिटा दिया गया था। वह अचानक उठकर बैठ गया। उसने जैसे ही मिस्टर बार्लिंग को देखा, उसे अचानक सब कुछ याद आ गया। लेकिन वह इस अँधेरी गुफा में कैसे पहुँचा?

उसने कहा, 'मिस्टर बार्लिंग! यह सब क्या है? आपने मुझे क्यों मारा? आप मुझे यहाँ क्यों लाए हैं?'

मिस्टर बार्लिंग ने अपनी व्यंग्यात्मक और भयंकर आवाज़ में कहा, 'यह तुम्हारी सज़ा है, क्योंकि तुमने उन मामलों में अपनी टाँग अड़ाई है, जिनका तुमसे कोई लेना-देना नहीं था। तुम्हें बेंच पर लेटे अपने दोस्त के साथ यहीं रहना पड़ेगा। मुझे लगता है कि वह सुबह तक बेहोशी की हालत में सोएगा। उसके जागने पर तुम उसे

सारी बातें बता देना और कह देना कि मैं उससे लंबी बातचीत करने के लिए सुबह फिर आऊँगा! और देखो, पियरे – तुम अच्छी तरह से जानते हो कि इन पुराने गलियारों में भटकने की कोशिश करना बेवकूफ़ी है? मैं तुम्हें एक अनजान गलियारे में लाया हूँ। अगर तुम इधर-उधर भटके, तो हो सकता है कि तुम्हारे बारे में किसी को भी पता भी न चले और तुम हमेशा के लिए ग़ुम हो जाओ। इसके बाद भी अगर तुम भटकना चाहो, तो शौक से भटको। मुझे बस इतना ही कहना है!'

सूटी का चेहरा पीला पड़ गया। वह इन पुरानी सुरंगों में ग़ुम हो जाने के ख़तरों को अच्छी तरह से जानता था। यह गलियारा उसके लिए एकदम अनजाना था। वह मिस्टर बार्लिंग से कुछ और सवाल पूछना चाहता था, लेकिन तभी वे तेज़ी से मुड़े और अपने नौकर के साथ चले गए। वे अपनी लालटेन भी साथ ले गए और सूटी अँधेरे में ही रह गया था।

'जानवर कहीं के! मेरे लिए लालटेन तो छोड़ते जाओ!'

लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। सूटी ने सुना कि क़दमों की आहट दूर होती जा रही है। इसके बाद वहाँ ख़ामोशी और अँधेरा हो गया।

सूटी ने अपनी जेब में हाथ डालकर टॉर्च टटोली, लेकिन टॉर्च वहाँ नहीं थी। टॉर्च तो बेडरूम में ही गिर

गई थी। उसने बेंच पर जॉर्ज के डैडी को टटोला। वह चाहता था कि वे जाग जाएँ। घुप्प अँधेरे में अकेले रहना बहुत भयानक था। और यहाँ बहुत ठंड भी थी।

सूटी कंबलों में घुस गया और बेहोश मिस्टर क्वेंटिन से चिपककर सो गया। वह दिल से चाहता था कि वे जाग जाएँ।

कहीं से पानी की बूँदों की टप-टप की आवाज़ें आ रही थीं। कुछ समय बाद सूटी से ये आवाज़ें बर्दाश्त नहीं हुईं। वह जानता था कि पानी की बूँदें सुरंग की छत से टपक रही थीं, लेकिन फिर भी उससे ये आवाज़ें सहन नहीं हो रही थीं। टप-टप-टप। टप-टप-टप। वह सोच रहा था, काश ये आवाज़ें रुक जाएँ!

सूटी ने हताशा में सोचा, 'मुझे जॉर्ज के डैडी को जगाना ही होगा! मुझे किसी से बात करनी ही होगी, वरना मैं इस डरावनी जगह पर पागल हो जाऊँगा!'

वह उन्हें हिलाने लगा। उसने सोचा, वह उन्हें क्या कहकर बुलाए। उसे उनका सरनेम मालूम नहीं था। वह उन्हें 'जॉर्ज के डैडी' तो नहीं कह सकता था! फिर उसे याद आया कि बाक़ी बच्चे उन्हें क्वेंटिन अंकल कहते थे और वह बेहाश आदमी के कान में यही नाम चिल्लाने लगा।

'क्वेंटिन अंकल! क्वेंटिन अंकल! जाग जाइए! जाग जाइए! जागिए तो सही!'

क्वेंटिन अंकल आख़िरकार हिले। उन्होंने अँधेरे में अपनी आँखें खोलीं और अपने कान में इतनी तेज़ आवाज़ सुनकर थोड़े चकरा गए।

आवाज़ आई, 'क्वेंटिन अंकल! जागकर मुझसे बात करिए! मुझे डर लग रहा है! क्वेंटिन अंकल!'

क्वेंटिन अंकल ने सोचा कि यह जूलियन या डिक होगा। उन्होंने सूटी की कमर में हाथ डालकर उसे अपने पास खींच लिया और बोले, 'सब ठीक है। सो जाओ। क्या हुआ, जूलियन? या तुम डिक हो? सो जाओ।'

फिर क्वेंटिन अंकल सो गए, क्योंकि उन्हें बेहोशी की दवा खिलाई गई थी। लेकिन सूटी अब राहत महसूस कर रहा था। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। उसे लग रहा था कि उसे रात भर नींद नहीं आएगी। लेकिन वह तत्काल सो गया! वह पूरी रात सोया और तभी जागा, जब क्वेंटिन अंकल बेंच पर हिले।

जागने पर क्वेंटिन अंकल हैरानी से यह सोचने लगे कि उनका पलंग इतना सख़्त क्यों है। उन्हें यह जानकर और भी हैरानी हुई कि उनके पलंग पर कोई और भी उनके साथ लेटा हुआ था। उन्हें रात को हुई घटनाओं के बारे में कुछ भी पता नहीं था। उन्होंने अपना हाथ उस टेबल लैंप को जलाने के लिए बढ़ाया, जिसकी रोशनी में वे पिछली रात को पढ़ रहे थे।

लेकिन लैंप वहाँ नहीं था! अजीब बात है! वे जब

इधर-उधर टटोलने लगे, तो उनके हाथ में सूटी का चेहरा आ गया! उनके पास कौन लेटा था? वे बहुत हैरान हो गए। आख़िर क्या *हुआ* था?

'आप जाग गए?' सूटी की आवाज़ आई। 'ओह, क्वेंटिन अंकल, मुझे बहुत ख़ुशी है कि आप जाग गए। मुझे आपका सरनेम नहीं मालूम, इसलिए मैं आपको इस नाम से पुकार रहा हूँ। मैं आपके बारे में सिर्फ़ इतना जानता हूँ कि आप जॉर्ज के डैडी और जूलियन के अंकल हैं।'

क्वेंटिन अंकल ने हैरानी से पूछा, 'तुम कौन हो?'

सूटी उन्हें सारी बात बताने लगा। क्वेंटिन अंकल बहुत हैरानी से सुनते रहे। फिर उन्होंने आश्चर्य और ग़ुस्से में पूछा, 'लेकिन हमारा अपहरण *क्यों* किया गया? मैंने अपनी ज़िंदगी में इस तरह की बात पहले कभी नहीं सुनी!'

सूटी बोला, 'मैं यह तो नहीं जानता कि मिस्टर बार्लिंग ने *आपका* अपहरण क्यों किया, लेकिन मैं यह ज़रूर जानता हूँ कि उन्होंने मेरा अपहरण इसलिए किया, क्योंकि मैंने उनकी हरकत देख ली थी! वैसे भी, वे आज सुबह ब्लॉक के साथ लौटकर आने वाले हैं और आपसे लंबी बातचीत करने वाले हैं। तब तक हमें यहीं इंतज़ार करना होगा। अँधेरे में हम सुरंगों की भूलभुलैया में रास्ता नहीं ढूँढ़ सकते।'

वे इंतज़ार करते रहे – और फिर मिस्टर बार्लिंग आ गए। ब्लॉक भी उनके साथ था। ब्लॉक खाने-पीने का सामान लेकर आया था, जिसे देखकर मिस्टर क्वेंटिन और सूटी को अच्छा लगा।

सूटी ने लालटेन की रोशनी में ब्लॉक को देखते ही कहा, 'गद्दार कहीं के! इस काम में इन लोगों की मदद करने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? जब मेरे सौतेले डैडी को पता चलेगा, तो वे तुम्हें छोड़ेंगे नहीं! बशर्ते वे ख़ुद भी इसमें शामिल न हों!'

ब्लॉक बोला, 'अपनी ज़ुबान पर लगाम दो!'

सूटी ने उसकी तरफ़ घूरकर देखा और बोला, 'तो तुम सुन *सकते हो*। और पूरे समय तुम सबके सामने यही नाटक करते रहे कि तुम बहरे हो! तुम कितने चालाक हो! तुमने बहरेपन का नाटक करके कितने राज़ जाने होंगे और ऐसी बातें सुनी होंगी, जो तुम्हारे कानों के लिए नहीं थीं। तुम चालाक हो, ब्लॉक और बहुत बुरे भी हो!'

मिस्टर बार्लिंग ने वहीं रखे एक बॉक्स पर बैठते हुए कहा, 'ब्लॉक अगर तुम चाहो, तो उसे कोड़े लगा सकते हो! मेरे पास बदतमीज़ बच्चों के लिए समय नहीं है।'

'मैं उसे कोड़े ज़रूर लगाऊँगा,' ब्लॉक ने ख़तरनाक तरीक़े से कहा और उसने अपनी कमर के चारों तरफ़ बँधी रस्सी खोली। 'मेरी अक्सर यही इच्छा होती थी, गंदे

छोटे कीड़े!'

सूटी दहशत में आकर बेंच से कूद गया और उसने अपनी मुट्ठियाँ तान लीं।

मिस्टर बार्लिंग ने कहा, 'पहले मुझे अपने क़ैदी से बात कर लेने दो। फिर तुम पियरे की जी भरकर पिटाई कर सकते हो। उसे पिटाई का इंतज़ार करना अच्छा लगेगा।'

क्वेंटिन अंकल यह सब चुपचाप सुन रहे थे। उन्होंने मिस्टर बार्लिंग को देखा और सख़्ती से बोले।

'आप आख़िर मेरे साथ ऐसा क्यों कर रहे हैं? मैं स्मगलर विला लौटना चाहता हूँ। आपको इसके लिए पुलिस को भी जवाब देना पड़ेगा!'

'ओह नहीं, मुझे किसी को जवाब नहीं देना पड़ेगा,' मिस्टर बार्लिंग ने धीमी आवाज़ में कहा। 'मैं आपके सामने एक बहुत ही उदार प्रस्ताव रखना चाहता हूँ। मैं जानता हूँ कि आप स्मगलर विला में क्यों आए हैं। मैं जानता हूँ कि आप और मिस्टर लेनॉयर एक-दूसरे के प्रयोगों में इतनी दिलचस्पी क्यों लेते हैं।'

'तुम कैसे जानते हो?' क्वेंटिन अंकल ने कहा। 'मुझे लगता है, तुम हमारी जासूसी कर रहे होगे!'

सूटी ग़ुस्से से चिल्लाया, 'हाँ – मैं शर्त लगाता हूँ कि ब्लॉक जासूसी कर रहा होगा और चिट्ठियाँ पढ़ रहा होगा!'

मिस्टर बार्लिंग ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया। वह क्वेंटिन अंकल से बोला, 'मैं आपको बहुत संक्षेप में अपना प्रस्ताव बता देता हूँ। आपने शायद यह सुना होगा कि मैं एक स्मगलर हूँ। मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि आपने बिलकुल सही सुना है। मैं सचमुच एक स्मगलर हूँ। मैं इस काम से काफ़ी पैसे कमाता हूँ। यहाँ पर स्मगलिंग का कारोबार करना आसान है, क्योंकि कोई भी दलदल की पहरेदारी नहीं कर सकता। कोई भी मेरे आदमियों को उस ख़ुफ़िया रास्ते से आने से नहीं रोक सकता, जिसे सिर्फ़ मैं और कुछ गिने-चुने लोग ही जानते हैं। चाँदनी रातों को मैं एक संकेत भेजता हूँ - मेरा मतलब है, मेरे कहने पर ब्लॉक स्मगलर विला की मीनार से रोशनी के संकेत भेजता है -'

सूटी चिल्लाया, 'ओह! तो रोशनी के संकेत ब्लॉक भेजता *था!*'

'फिर जब हमारा सामान सही जगह पर पहुँच जाता है,' मिस्टर बार्लिंग ने कहा, 'तो मौक़ा मिलते ही मैं उसे ठिकाने लगा देता हूँ। मैं अपनी काली करतूतों के सारे निशान बहुत सावधानी से मिटा देता हूँ, ताकि कोई मुझ पर आरोप न लगा पाए। मैं कोई सबूत नहीं छोड़ता।'

क्वेंटिन अंकल ने हिक़ारत से कहा, 'तुम यह सब मुझे क्यों बता रहे हो? इसमें मेरी कोई दिलचस्पी नहीं

है। मेरी दिलचस्पी तो सिर्फ़ दलदल को ख़ाली करने की योजना में है, सामान की स्मगलिंग करने में नहीं है!'

'बिलकुल,' मिस्टर बार्लिंग ने ख़ुश होते हुए कहा। 'मैं यह बात जानता हूँ। मैंने आपकी योजनाएँ देखी हैं। मैंने आपके और मिस्टर लेनॉयर के प्रयोगों के बारे में भी पढ़ा है। लेकिन दलदल साफ़ होने का मतलब यह है कि मेरा धंधा भी बंद हो जाएगा! एक बार दलदल को सुखा दिया गया, वहाँ की धुँध हट गई और वहाँ पर मकान और सड़कें बन गईं, तो मेरा धंधा भी बंद हो जाएगा! हो सकता है, दलदल के कोने में एक बंदरगाह भी बना दिया जाए - फिर मेरे जहाज़ चोरी से क़ीमती सामान नहीं ला पाएँगे! न सिर्फ़ मेरा पैसा चला जाएगा, बल्कि सारा रोमांच भी चला जाएगा, जो मेरे लिए ज़िंदगी से बढ़कर है!'

क्वेंटिन अंकल ने हिक़ारत से कहा, 'तुम पागल हो!'

मिस्टर बार्लिंग थोड़े पागल *थे*। उन्हें ऐसे समय में सफल स्मगलर होने में बड़ी संतुष्टि का एहसास होता था, जब स्मगलिंग का लगभग अंत हो चुका था। उन्हें यह सोचकर बहुत रोमांच होता था कि उनके छोटे जहाज़ दलदल की धुँध की तरफ़ बढ़ रहे हैं। और यह भी कि उनके आदमी धुँध भरे दलदल के ख़तरनाक और सँकरे रास्ते से स्मगलिंग का सामान ला रहे हैं।

सूटी को लगा कि मिस्टर बार्लिंग वाक़ई थोड़े पागल

थे। उसने कहा, 'आपको तो सौ साल पहले पैदा होना चाहिए था! आप इस ज़माने के नहीं हैं।'

मिस्टर बार्लिंग सूटी की तरफ़ मुड़े और उनकी आँखें लालटेन की रोशनी में ख़तरनाक तरीक़े से चमकने लगीं।

उन्होंने कहा, 'अब तुमने एक शब्द और बोला, तो मैं तुम्हें दलदल में फेंक दूँगा!' सूटी काँप गया। वह समझ गया कि मिस्टर बार्लिंग सचमुच यह काम कर सकते हैं। वे बहुत ख़तरनाक आदमी थे। क्वेंटिन अंकल को भी इस बात का एहसास हो गया। उन्होंने सावधानी से मिस्टर बार्लिंग को देखते हुए पूछा।

'इन सब चीज़ों से मेरा क्या लेना-देना है? तुमने मेरा अपहरण क्यों किया?'

मिस्टर बार्लिंग ने कहा, 'मैं जानता हूँ कि मिस्टर लेनॉयर आपसे आपकी योजनाएँ ख़रीदने वाले हैं। मैं जानता हूँ कि वे आपके बेहतरीन विचारों का इस्तेमाल करके दलदल को सुखाने वाले हैं। देखिए, मुझे सब कुछ पता है! मैं यह भी जानता हूँ कि एक बार दलदल सूख जाने के बाद मिस्टर लेनॉयर ज़मीन बेचकर ढेर सारा पैसा कमाएँगे। धुँध भरे दलदल की यह सारी ज़मीन उन्हीं की है - लेकिन इस समय यह मेरे सिवाय किसी के काम की नहीं है! लेकिन वह दलदल साफ़ नहीं होगा - मिस्टर लेनॉयर नहीं, बल्कि मैं आपकी योजनाएँ

ख़रीदूँगा!'

क्वेंटिन अंकल ने हैरानी से पूछा, 'क्या *तुम* दलदल सुखाना चाहते हो?'

मिस्टर बार्लिंग हँसकर बोले, 'नहीं! मैं आपकी योजनाओं और आपके प्रयोगों के परिणामों को जला दूँगा! मैं उन्हें ख़रीदूँगा, लेकिन उनका इस्तेमाल नहीं करूँगा। मैं चाहता हूँ कि यह दलदल वैसा ही रहे, जैसा यह अभी है। मैं चाहता हूँ कि यह दलदल हमेशा ख़ुफ़िया रहे और धुँध से ढका रहे। मैं यह चाहता हूँ कि वहाँ मेरे आदमियों और मेरे अलावा कोई और न जा पाए। इसलिए आप मिस्टर लेनॉयर के बजाय मुझे अपने प्रयोगों के परिणाम की क़ीमत बता दें और मैं आपको इसकी मुँहमाँगी क़ीमत दे दूँगा। मैंने एक दस्तावेज़ तैयार किया है, जिसमें यह लिखा है कि आप मुझे अपनी सारी योजनाएँ बेच रहे हैं। आपको इस पर दस्तख़त करने होंगे!'

उसने क्वेंटिन अंकल के सामने एक बड़ा काग़ज़ लहराया। सूटी दिल थामकर देख रहा था।

क्वेंटिन अंकल ने काग़ज़ लिया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। उन्होंने काग़ज़ के टुकड़े मिस्टर बार्लिंग के चेहरे पर फेंककर मारे और हिक़ारत से बोले, 'मिस्टर बार्लिंग, मैं न तो पागलों और स्मगलरों से कोई संबंध रखता हूँ, न ही रखना चाहता हूँ!'

20

टिमी बचाव के लिए आता है

मिस्टर बार्लिंग का चेहरा बहुत पीला पड़ गया। सूटी ने ख़ुशी की ज़ोरदार किलकारी भरी, 'बहुत बढ़िया! *आपने* यह अच्छा किया, क्वेंटिन अंकल!'

ब्लॉक ज़ोर से फुफकारा और रोमांचित लड़के की तरफ़ झपटा। उसने उसे कंधे से पकड़ा और मारने के लिए रस्सी उठाई।

मिस्टर बार्लिंग ने अजीब सी आवाज़ में ब्लॉक से कहा, 'उसकी जमकर पिटाई करो। ब्लॉक, पहले उससे निबट लो, फिर हम इस - इस - ज़िद्दी - मूर्ख क्वेंटिन से निबटते हैं! हम इन लोगों को जल्दी ही समझदारी सिखा देंगे। जब इनकी ज़ोरदार पिटाई होगी और जब इन्हें कुछ दिनों तक भूखे-प्यासे घुप्प अँधेरे में रहना पड़ेगा, तो इनकी अक्ल ख़ुद-ब-ख़ुद ठिकाने आ जाएगी। आह, इसके बाद वे आसानी से हमारी बात मान लेंगे!'

सूटी तेज़ आवाज़ में चीख़ा। क्वेंटिन अंकल उछलकर खड़े हो गए। रस्सी तेज़ी से नीचे आई और सूटी एक बार फिर चीख़ा।

तभी अचानक वहाँ तेज़ क़दमों की आवाज़ आई

और कोई चीज़ उछलकर ब्लॉक से टकराई। ब्लॉक दर्द से चीख़ा और घूम गया। इस वजह से लालटेन गिरकर बुझ गई। उन्हें तेज़ गुर्राहट सुनाई दे रही थी। ब्लॉक उस जानवर को दूर हटाने की कोशिश कर रहा था, जो उससे चिपका हुआ था।

वह चिल्लाया, 'बार्लिंग! मेरी मदद करो!'

मिस्टर बार्लिंग उसकी मदद के लिए गए, लेकिन उस जानवर ने उन पर भी हमला कर दिया। क्वेंटिन अंकल और सूटी हैरानी से ये आवाज़ें सुनते रहे। यह जानवर कौन था, जो अचानक आ गया था? क्या यह इसके बाद उन पर भी हमला करेगा? क्या यह बहुत बड़ा चूहा था – या फिर सुरंगों में रहने वाला कोई खूँखार जंगली जानवर था?

खूँखार जानवर अचानक भौंका, जिसे सुनकर सूटी ख़ुश हो गया।

'टिमी! तुम हो, टिमी! ओह, अच्छे कुत्ते, प्यारे कुत्ते! उसे काट लो, उसे छोड़ना मत! ऐसा काटना कि ज़िंदगी भर याद रखे।'

दोनों डरे हुए आदमी नाराज़ कुत्ते के सामने बेबस थे। जल्दी ही वे सुरंग में दुम दबाकर भागने लगे। कहीं वे रास्ता न भटक जाएँ, इसलिए वे रस्सी को पकड़कर दौड़ रहे थे। टिमी ख़ुशी से उनके पीछे लपका और उसने उन्हें कुछ दूर तक दौड़ाया। फिर वह ख़ुश होता हुआ

जॉर्ज के डैडी और सूटी के पास लौट आया।

उसका ज़बर्दस्त स्वागत हुआ। जॉर्ज के डैडी ने उसे प्यार से सहलाया और सूटी ने बड़े कुत्ते के गले में बाँहें डाल दीं।

'तुम यहाँ कैसे आए? क्या तुमने ख़ुफ़िया गलियारे से बाहर आने का रास्ता खोज लिया? तुम्हें भूख तो नहीं लगी है, टिमी? देखो, यहाँ पर खाने का सामान है।'

टिमी ने जमकर खाया। गलियारे में उसने कुछ चूहे पकड़कर खा लिए थे। इसके अलावा उसे खाने को कुछ भी नसीब नहीं हुआ था। प्यास लगने पर उसने यहाँ-वहाँ छत से टपकती पानी की बूँदें चाट ली थीं, इसलिए उसे प्यास नहीं लगी थी। लेकिन वह बहुत हैरान और चिंतित था। वह अपनी प्यारी मालकिन से पहले कभी इतने लंबे समय तक दूर नहीं रहा था!

सूटी अचानक बोला, 'क्वेंटिन अंकल, टिमी हमें स्मगलर विला तक पहुँचा सकता है।' फिर उसने टिमी से कहा, 'क्या तुम हमें घर वापस ले जा सकते हो, टिमी? जॉर्ज के पास?'

टिमी ने कान खड़े करके सुना। वह गलियारे में थोड़ी दूर भागकर गया, लेकिन जल्दी ही वापस लौट आया। उसे एहसास हो गया था कि उस तरफ़ जाना ठीक नहीं रहेगा। उसने महसूस किया कि दुश्मन उन लोगों के इंतज़ार में खड़े थे। मिस्टर बार्लिंग और ब्लॉक इतनी

आसानी से उनका पीछा छोड़ने वाले नहीं थे!

लेकिन टिमी पहाड़ी में बनी सुरंगों के दूसरे रास्ते भी जानता था। उसे दलदल तक पहुँचने का रास्ता मालूम था! इसलिए वह अँधेरे में चल दिया। क्वेंटिन अंकल का हाथ उसके पट्टे पर था और सूटी क्वेंटिन अंकल का कोट पकड़कर उनके ठीक पीछे चल रहा था।

यह यात्रा आसान या सुखद नहीं थी। क्वेंटिन अंकल को कई बार यह शंका हुई कि क्या टिमी को सचमुच रास्ता मालूम है। वे नीचे उतरते गए। ऊबड़-खाबड़ जगह पर वे कई बार लड़खड़ाए और कई बार नीची छत से उनका सिर टकराया। क्वेंटिन अंकल के लिए यह यात्रा ज़्यादा बुरी थी, क्योंकि उनके पैरों में जूते नहीं थे और वे सिर्फ़ पाजामा पहने थे और कंबल लपेटे थे।

काफ़ी समय बाद वे पहाड़ी के नीचे दलदल के किनारे पर बाहर निकल आए! यह सुनसान जगह थी और चारों तरफ़ धुँध छाई थी, इसलिए सूटी या क्वेंटिन अंकल को ज़रा भी मालूम नहीं था कि उन्हें किस रास्ते पर मुड़ना चाहिए!

सूटी बोला, 'चिंता की कोई बात नहीं है। हम यह काम टिमी पर छोड़ देते हैं। उसे रास्ता अच्छी तरह से मालूम है। वह हमें क़स्बे तक ले जाएगा और वहाँ पहुँचने के बाद हम घर का रास्ता ख़ुद ही पहचान लेंगे!'

लेकिन अचानक उन्हें यह देखकर हैरानी और निराशा

हुई कि टिमी चुपचाप खड़ा हो गया। उसने अपने कान खड़े कर लिए। वह कूँ-कूँ करने लगा और आगे नहीं गया। वह बहुत दुखी दिख रहा था। आख़िर ऐसा क्या हो गया था?

फिर टिमी उन दोनों को अकेला छोड़कर उसी सुरंग में वापस चला गया, जिसमें से वे लोग आए थे। और फिर वह ग़ायब हो गया!

'टिमी!' सूटी चीख़ा। 'टिमी! यहाँ आओ! हमें छोड़कर मत जाओ! टिमी!'

लेकिन टिमी अब जा चुका था। इसका कारण न तो सूटी जानता था, न ही क्वेंटिन अंकल। उन्होंने एक-दूसरे को घूरकर देखा।

'मुझे लगता है कि हम इस दलदल पर चलने की कोशिश करके देखते हैं,' क्वेंटिन अंकल ने कहा और एक पैर आगे बढ़ाकर देखा कि क्या ज़मीन सख़्त थी। यह सख़्त नहीं थी! उन्होंने तत्काल अपना पैर पीछे खींच लिया।

धुँध इतनी ज़्यादा थी कि उसमें से कुछ भी देखना संभव नहीं था। उनके पीछे सुरंग का दरवाज़ा था। उसके चारों तरफ़ एक ऊँची चट्टान उठी थी। यह बात तो तय थी कि उधर से कोई रास्ता नहीं था। किसी तरह उन्हें पहाड़ी की तलहटी से घूमकर शहर तक जाने वाली सड़क पर पहुँचना था। दिक्क़त यह थी कि वह रास्ता

दलदल के बीच से होकर जाता था!

सूटी बोला, 'हम यहाँ कुछ देर तक बैठकर टिमी के लौटने का इंतज़ार करते हैं।' वे सुरंग के दरवाज़े के पास एक चट्टान पर बैठकर टिमी का इंतज़ार करने लगे।

सूटी बाक़ी बच्चों के बारे में सोचने लगा। वह सोच रहा था कि जब उन्हें उसके और क्वेंटिन अंकल के ग़ायब होने का पता चला होगा, तो उन पर क्या गुज़र रही होगी। वे लोग कितने हैरान हुए होंगे!

उसने ज़ोर से कहा, 'क्या पता वे लोग क्या कर रहे होंगे? काश मैं यह जान पाता!'

जैसा हम जानते हैं, बाक़ी बच्चे बहुत कुछ कर रहे थे। उन्होंने विंडो सीट की ख़ाली जगह ढूँढ़ ली थी, जहाँ से मिस्टर बार्लिंग क़ैदियों को सुरंग में ले गए थे। वे उसके अंदर भी गए थे और उन्होंने मिस्टर बार्लिंग व ब्लॉक को क्वेंटिन अंकल और सूटी के पास जाते देख लिया था!

बच्चों ने यह भी पता लगा लिया था कि ब्लॉक अपने पलंग पर नहीं सो रहा था, बल्कि उसने वहाँ पर एक पुतला रखा था। आख़िर मिस्टर लेनॉयर को इस बात का यक़ीन हो गया कि ब्लॉक उनका वफ़ादार सेवक नहीं था, बल्कि मिस्टर बार्लिंग का भेजा जासूस था!

जब जूलियन को यह लग गया कि मिस्टर लेनॉयर

को ब्लॉक के जासूस होने की बात पर भरोसा हो गया है, तो उसने उन्हें सब कुछ बता दिया। उसने उन्हें विंडो सीट वाले ख़ुफ़िया रास्ते के बारे में बताया और यह भी कि उन्होंने ज़मीन के नीचे की सुरंगों में मिस्टर बार्लिंग और ब्लॉक को उसी दिन जाते देखा था!

'हे भगवान!' मिस्टर लेनॉयर अब दहशत में बोले। 'बार्लिंग पागल हो गया होगा! मैं हमेशा सोचता था कि वह थोड़ा अजीब है, लेकिन इस तरह लोगों का अपहरण करना तो पागलों का काम है - और ब्लॉक भी इस पागलपन में शामिल है। यह एक साज़िश है! उन्हें पता चल गया होगा कि मैं तुम्हारे अंकल के साथ क्या योजना बना रहा हूँ और वे इसे रोकना चाहते होंगे, क्योंकि इससे उनकी स्मगलिंग रुक जाएगी। अब वे जाने क्या करेंगे! यह बहुत गंभीर मामला है!'

अचानक जॉर्ज बोली, 'काश हमारे साथ टिमी होता!'

मिस्टर लेनॉयर ने हैरान होकर पूछा, 'टिमी कौन है?'

'अच्छा यही रहेगा कि आप पूरी बात जान लें,' जूलियन बोला और उसने मिस्टर लेनॉयर को बताया कि उन्होंने टिमी को किस तरह से छिपाया था।

'तुम लोगों ने बहुत मूर्खता की,' मिस्टर लेनॉयर ने नाराज़ी से कहा। 'अगर तुमने मुझे पहले ही बता दिया होता, तो मैं उसे क़स्बे में किसी के घर रखवा देता। मुझे

कुत्ते पसंद नहीं हैं। मुझे उनसे नफ़रत है और मैं उन्हें कभी अपने घर में नहीं रहने दूँगा। लेकिन अगर मुझे यह पता होता कि तुम लोग अपने कुत्ते को साथ लाए हो, तो मैं ख़ुशी-ख़ुशी उसे कहीं बाहर रखवा देता।'

बच्चे दुखी और थोड़े शर्मिंदा हो गए। मिस्टर लेनॉयर अजीब और गर्ममिजाज़ तो थे, लेकिन वे उतने बुरे नहीं थे, जितना कि बच्चे उन्हें मान रहे थे।

जॉर्ज बोली, 'मैं जाकर टिमी को खोजना चाहती हूँ। जब तक आप पुलिस को बुलाते हैं, तब तक हम जाकर टिमी को खोजते हैं। हमें आपकी स्टडी के ख़ुफ़िया गलियारे के अंदर जाने का रास्ता मालूम है।'

मिस्टर लेनॉयर बोले, 'अच्छा, *तभी* तुम कल दोपहर को वहाँ पर थीं। मैं तो यह समझ रहा था कि तुम कोई शरारत कर रही थीं। तुम उसे खोज लो, लेकिन उसे मेरे पास मत आने देना। मैं सचमुच अपने घर में कुत्तों को बर्दाश्त नहीं कर सकता।'

मिस्टर लेनॉयर ने दोबारा पुलिस स्टेशन फ़ोन किया। मिसेज़ लेनॉयर उनके पास खड़ी थीं। उनकी आँखें रो-रोकर लाल हो चुकी थीं। जॉर्ज चुपचाप स्टडी की तरफ़ चल दी। डिक, जूलियन और एन भी उसके पीछे-पीछे चल दिए। मैरीबेल अपनी मम्मी के पास ही रुकी रही।

'चलो - हम उस ख़ुफ़िया गलियारे में चलते हैं और

टिमी को ढूँढ़ने की कोशिश करते हैं। अगर हम सब वहाँ सीटी बजाएँगे और चिल्लाएँगे, तो वह निश्चित रूप से हमारी आवाज़ सुन लेगा!'

उन्हें गलियारे के अंदर जाने का रास्ता मिल गया। उन्होंने वही सब किया, जो पहले सूटी ने किया था। पटिया सरक गया और फिर पहले की तरह ही एक बड़ा पटिया सरका। वे सभी उसमें से अंदर घुसकर एक बहुत सँकरे गलियारे में पहुँच गए, जो स्टडी से सूटी के बेडरूम तक जाता था।

लेकिन वहाँ टिमी नहीं था! बच्चे हैरान थे, लेकिन जॉर्ज ने जल्दी ही इसका कारण सोच लिया।

'तुम्हें याद है, सूटी ने हमें बताया था कि स्टडी और सूटी के बेडरूम के अलावा इस गलियारे में डाइनिंग रूम से भी एक रास्ता आता है! मुझे लगता है कि डाइनिंग रूम के पास से गुज़रते समय मैंने वहाँ एक दरवाज़े जैसी चीज़ देखी थी। हो सकता है कि टिमी उसमें से निकलकर किसी दूसरे गलियारे में पहुँच गया हो।'

एक-एक करके वे डाइनिंग रूम की दीवार के पीछे तक लौटे। वहाँ पर उन्हें वह दरवाज़ा दिखा, जिस पर जॉर्ज का ध्यान गया था। दरवाज़ा काफ़ी छोटा था और मुश्किल से दिख रहा था। जॉर्ज ने उसे धक्का दिया। वह आसानी से खुल गया और फिर क्लिक की आवाज़ के साथ बंद भी हो गया। दरवाज़ा एक तरफ़ से खुल

सकता था, लेकिन दूसरी तरफ़ से नहीं खुल सकता था।

जॉर्ज ने कहा, 'टिमी यहीं से गया होगा! उसने दरवाज़ा धकाया होगा और यह खुल गया होगा। उसके अंदर जाते ही दरवाज़ा बंद हो गया होगा, इसलिए वह वापस नहीं लौट पाया होगा। चलो, हमें उसे खोजना ही है।'

वे सब उस छोटे दरवाज़े से अंदर गए। दरवाज़े की ऊँचाई इतनी कम थी कि उन्हें निकलने के लिए अपने सिर झुकाने पड़े, यहाँ तक कि एन को भी। उन्होंने ख़ुद को एक गलियारे में पाया, जो पहले वाले गलियारे जैसा ही था, लेकिन यह उतना सँकरा नहीं था। अचानक गलियारे में ढलान आ गई। जूलियन ने बाक़ी बच्चों से चिल्लाकर कहा।

'मुझे यक़ीन है कि यह उन सुरंगों तक जाता है, जहाँ से हम टिमी को घुमाने ले जाते थे! हाँ, देखो - हम मैरीबेल के कमरे के नीचे वाले गड्ढे में पहुँच गए हैं!'

वे लोग टिमी को आवाज़ देते हुए और सीटी बजाते हुए आगे चलते गए, लेकिन फिर भी टिमी नहीं आया। अब जॉर्ज को चिंता होने लगी।

अचानक डिक बोला, 'सुनो! जब हम विंडो सीट के गलियारे की सीढ़ियाँ उतरे थे, तो हम यहीं तो आए थे! हाँ, यही जगह है। देखो, वह रही वह सुरंग, जिसमें हमने ब्लॉक और मिस्टर बार्लिंग को जाते हुए देखा था!'

'ओह – कहीं उन्होंने टिमी को कोई नुक़सान तो नहीं पहुँचाया?' जॉर्ज ने डरी हुई आवाज़ में कहा। 'मैंने इस बारे में तो सोचा ही नहीं था!'

सब दहशत में आ गए। यह अजीब बात थी कि टिमी आस-पास रहे और ब्लॉक या मिस्टर बार्लिंग को सही-सलामत छोड़ दे! कहीं ऐसा तो नहीं कि उन लोगों ने टिमी को किसी तरह का नुक़सान पहुँचाया था? उन्हें ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि टिमी उस समय जॉर्ज के डैडी और सूटी के साथ था!

'इस तरफ़ देखो!' जूलियन अचानक बोला और उसने अपनी टॉर्च चमकाई, ताकि बाक़ी लोग भी उस चीज़ को देख लें। 'रस्सी! इस सुरंग में रस्सी जा रही है। क्यों?'

जॉर्ज ने कहा, 'यह वही सुरंग है, जिसमें मिस्टर बार्लिंग और ब्लॉक गए थे! मुझे लगता है कि यह रस्सी वहाँ तक जाती है, जहाँ उन्होंने मेरे डैडी और सूटी को क़ैद करके रखा है! मैं रस्सी के पीछे-पीछे जाकर उन्हें ढूँढ़ती हूँ! मेरे साथ कौन चल रहा है?'

21

पहाड़ी की यात्रा

'मैं!' सभी एक साथ बोले। भला वे जॉर्ज को इतनी ख़तरनाक जगह पर अकेली कैसे जाने देते!

वे सभी अँधेरी सुरंग में रस्सी के पीछे-पीछे चलने लगे। जूलियन अपनी उँगलियों से रस्सी टटोलता गया और बाक़ी सब हाथ पकड़कर उसके पीछे-पीछे चलते रहे। उनमें से कोई भी इन सुरंगों में ग़ुम होना नहीं चाहता था।

लगभग दस मिनट बाद वे उस गोल गुफा तक आ गए, जहाँ सूटी और जॉर्ज के डैडी पिछली रात को सोए थे। ज़ाहिर है, वे अब वहाँ नहीं थे – वे तो दलदल की तरफ़ जा रहे थे!

'देखो! वे लोग यहीं पर थे!' जूलियन ने अपनी टॉर्च चारों तरफ़ चमकाते हुए कहा। 'एक बेंच है – इस पर कंबल पड़े हैं – एक लालटेन भी गिरी पड़ी है। और यहाँ देखो, काग़ज़ के टुकड़े भी पड़े हैं! ज़रूर यहाँ कुछ हुआ था!'

तेज़ दिमाग़ वाली जॉर्ज ने अपने दिमाग़ में सारी कड़ियाँ जमा लीं। उसने कहा, 'मिस्टर बार्लिंग उन्हें

लेकर यहाँ आए होंगे और उन्हें यहीं छोड़ गए होंगे। फ़िर वे किसी तरह का प्रस्ताव लेकर डैडी के पास आए होंगे, जिन्होंने उसे ठुकरा दिया होगा! किसी तरह का संघर्ष हुआ होगा, जिसमें यह लालटेन टूट गई होगी। ओह – काश डैडी और सूटी सही-सलामत बचकर निकल गए हों।'

जूलियन उदास होकर बोला, 'वे इन भयंकर सुरंगों में तो नहीं भटक रहे होंगे! यहाँ तक कि सूटी को भी उनके बारे में ज़्यादा मालूम नहीं है। काश मुझे पता होता कि क्या हुआ है।'

'कोई आ रहा है!' डिक अचानक बोला। 'टॉर्च बंद कर दो, जूलियन।'

जूलियन ने अपनी टॉर्च बंद कर दी। एक बार फिर वे सब अँधेरे में थे। वे गुफा के पीछे दुबक गए और सुनने लगे।

हाँ – क़दमों की आवाज़ आ रही थी। ऐसा लग रहा था कि आने वाले सावधानी से आ रहे थे। डिक ने धीरे से कहा, 'ऐसा लगता है, दो-तीन लोग आ रहे हैं।' आवाज़ें और क़रीब आती गईं। जो भी आ रहा था, वह निश्चित रूप से रस्सी के सहारे ही आ रहा था।

'शायद मिस्टर बार्लिंग होंगे – और ब्लॉक भी,' जॉर्ज धीरे से बोली। 'डैडी के साथ एक बार फिर बातचीत करने आ रहे होंगे! लेकिन वे तो यहाँ नहीं हैं!'

अचानक गुफा में तेज़ रोशनी चमकी और दुबके हुए बच्चों पर पड़ी। हैरानी भरी चीख़ सुनाई दी।

'ओह! यहाँ कौन है? यह सब क्या है?'

यह मिस्टर बार्लिंग की आवाज़ थी। जूलियन उठकर खड़ा हुआ। तेज़ रोशनी के कारण उसकी आँखें झपक रही थीं।

उसने कहा, 'हम क्वेंटिन अंकल और सूटी की तलाश में यहाँ आए थे। वे कहाँ हैं?'

'अच्छा तो वे यहाँ नहीं हैं?' मिस्टर बार्लिंग ने हैरानी से पूछा। 'और वह खूँखार कुत्ता भी नहीं है?'

'ओह – क्या टिमी यहाँ था?' जॉर्ज ख़ुश से बोली। 'वह कहाँ है?'

मिस्टर बार्लिंग के साथ दो और लोग भी थे। उनमें से एक ब्लॉक था और दूसरा उनका नौकर था। मिस्टर बार्लिंग ने अपनी लालटेन नीचे रख दी।

फिर मिस्टर बार्लिंग ने परेशान होते हुए पूछा, 'तुम्हारा मतलब है, तुम्हें नहीं मालूम कि वे लोग कहाँ हैं? अगर वे अपने आप इन सुरंगों में गए हैं, तो वे कभी लौटकर नहीं आ पाएँगे।'

एन चीख़ी, 'यह सब तुम्हारी ग़लती है, दुष्ट आदमी!'

'चुप रहो, एन!' जूलियन ने उसे झिड़क दिया। फिर वह ग़ुस्से में भड़के स्मगलर की तरफ़ मुड़कर बोला,

'देखिए, अच्छा यही रहेगा कि आप हमारे साथ चलकर सारा मामला साफ़ कर दें। मिस्टर लेनॉयर इस समय पुलिस से बात कर रहे हैं।'

मिस्टर बार्लिंग ने कहा, 'अच्छा, यह बात है? तब तो फिर अच्छा यही रहेगा कि हम यहाँ कुछ समय तक नीचे ही रहें! हाँ, तुम भी! मैं मिस्टर लेनॉयर को मज़ा चखाऊँगा! मैं तुम सभी को यहाँ क़ैद रखूँगा - और इस बार मैं तुम सबको बाँधकर रखूँगा, ताकि तुम उन लोगों की तरह इन सुरंगों में भटकने न चले जाओ! रस्सी लाओ, ब्लॉक?'

ब्लॉक दूसरे आदमी के साथ आगे बढ़ा। उन्होंने सबसे पहले जॉर्ज को पकड़ा।

वह ज़ोर से चीख़ी, 'टिमी! टिमी! तुम कहाँ हो? टिमी आकर मदद करो! ओह, टिमी!'

लेकिन टिमी नहीं आया। वे लोग जॉर्ज को एक कोने में ले गए और उसके हाथ उसके पीछे बाँध दिए। फिर वे जूलियन की तरफ़ मुड़े।

'तुम पागल हो,' जूलियन ने मिस्टर बार्लिंग से कहा, जो पास ही लालटेन पकड़े खड़े थे। 'तुम्हारा दिमाग़ ख़राब हो गया है, जो इस तरह के काम कर रहे हो।'

'टिमी!' जॉर्ज अपने हाथ छुड़ाने की कोशिश करती हुई चिल्लाई। 'टिमी, टिमी, टिमी!'

टिमी ने उसकी आवाज़ नहीं सुनी। वह बहुत दूर था।

लेकिन वह अचानक बेचैन हो गया। वह जॉर्ज के डैडी और सूटी के साथ दलदल के कोने पर था और उन्हें पहाड़ी के पार सुरक्षित पहुँचाने वाला था। लेकिन वह रुक गया और कुछ सुनने लगा। उसे कुछ सुनाई नहीं दिया। लेकिन टिमी को आभास हो गया था कि जॉर्ज ख़तरे में है। वह जानता था कि उसकी प्यारी मालकिन को उसकी ज़रूरत है।

उसके कानों ने उसे कुछ नहीं बताया, उसकी नाक ने भी नहीं। लेकिन उसके दिल ने उसे बता दिया कि जॉर्ज ख़तरे में है!

वह मुड़ा और सुरंग में लपका। वह हाँफता हुआ पूरी तेज़ी से घुमावदार गलियारों में भागने लगा।

और जब जूलियन के हाथ बँधने ही वाले थे, तभी अचानक एक बालों वाला तूफ़ान वहाँ पहुँच गया! वह टिमी था!

उसे अपने दुश्मन मिस्टर बार्लिंग और ब्लॉक की गंध आ गई! गर्रर्रर्र-र्रर्र!

'वह खूँखार कुत्ता फिर आ गया,' ब्लॉक चीख़ा और जूलियन से दूर हट गया। 'तुम्हारी रिवॉल्वर कहाँ है, बार्लिंग?'

लेकिन टिमी को रिवॉल्वर की कोई चिंता नहीं थी। वह मिस्टर बार्लिंग पर कूदा और उन्हें फ़र्श पर गिरा दिया। उसने उन्हें कंधे पर काट लिया, जिससे वे दर्द के

मारे चीख़ने लगे। इसके बाद वह ब्लॉक पर कूदा और उसे भी गिरा दिया। तीसरा आदमी भाग गया।

'अपने कुत्ते को हटा लो। उसे हटा लो, वरना वह हमें मार डालेगा!' मिस्टर बार्लिंग चिल्लाए और उठने के लिए संघर्ष करने लगे। उनका कंधा बुरी तरह दर्द कर रहा था। लेकिन किसी ने भी कुछ नहीं कहा। टिमी को मनमानी करने दो।

कुछ समय में ही तीनों आदमी अँधेरी सुरंग में वापस चले गए थे। बिना रोशनी के उन्हें रास्ता खोजने में मुश्किल आ रही थी और वे लड़खड़ाते हुए जा रहे थे। लेकिन उन्हें रस्सी नहीं मिल पाई और वे रास्ता भटक गए।

टिमी ख़ुशी से भागता हुआ आया। वह जॉर्ज के पास गया और ख़ुशी से कूँ-कूँ करते हुए उसने अपनी मालकिन को सिर से पैर तक चाटा। कभी न रोने वाली जॉर्ज यह जानकर बहुत हैरान हुई कि उसके गालों पर आँसू बह रहे हैं। उसने कहा, 'लेकिन मैं दुखी नहीं हूँ, मैं तो बहुत ख़ुश हूँ। ओह, कोई मेरे हाथ खोल दो! मुझे टिमी को प्यार करना है!'

डिक ने उसके और जूलियन के हाथ खोल दिए। फिर उन सभी ने टिमी को बहुत लाड़ किया। और उसने भी उन्हें बहुत लाड़ किया! वह प्यार से कूँ-कूँ करता रहा, भौंकता रहा, उछलता-कूदता रहा और उन

सभी को चाटता रहा। वह ख़ुशी के मारे पागल हो गया था।

'ओह टिमी - तुम मिल गए, यह बहुत अच्छा रहा,' जॉर्ज ने ख़ुशी से कहा। 'अब तुम हमें बाक़ी लोगों के पास ले चलो। मुझे यक़ीन है कि तुम जानते हो कि डैडी और सूटी कहाँ हैं।'

ज़ाहिर है, टिमी यह जानता था। वह अपनी पूँछ हिलाता हुआ चल दिया। जॉर्ज ने उसका पट्टा पकड़ रखा था और बाक़ी लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर पीछे-पीछे चल रहे थे।

उनके पास एक लालटेन और दो टॉर्चें थीं, इसलिए उन्हें रास्ता देखने में कोई दिक्क़त नहीं आई। लेकिन अगर टिमी उनके साथ नहीं होता, तो वे सही मोड़ पर नहीं मुड़ पाए होते। कुत्ता इन सुरंगों में अच्छी तरह घूम चुका था और अपनी सूँघने की शक्ति के कारण वह बिना ग़लती किए सही रास्ता खोज रहा था।

एन बोली, 'वह बहुत अच्छा कुत्ता है। जॉर्ज, मुझे लगता है कि वह दुनिया का सबसे अच्छा कुत्ता है।'

'और क्या,' जॉर्ज बोली। वह तो तब से यह मानती थी, जब से उसने टिमी को पिल्ले के रूप में पाला था। 'टिमी कितने शानदार ढँग से भागता हुआ आया और जूलियन के हाथ बाँध रहे ब्लॉक पर कूदा? उसे पता चल गया होगा कि हमें उसकी ज़रूरत है!'

डिक बोला, 'अब वह हमें वहाँ ले जा रहा है, जहाँ तुम्हारे डैडी और सूटी हैं। उसे रास्ता अच्छी तरह से मालूम है। हम सीधे पहाड़ी के नीचे की तरफ़ जा रहे हैं। मैं शर्त लगाता हूँ कि हम जल्दी ही दलदल के पास पहुँच जाएँगे!'

जब वे आख़िर पहाड़ी की तलहटी में पहुँचे और सुरंग से धुँध में बाहर निकले, तो जॉर्ज चिल्लाई। 'देखो! डैडी वे रहे - और सूटी भी!'

'क्वेंटिन अंकल!' जूलियन, डिक और एन चिल्लाए। 'सूटी! हैलो, हम आ गए!'

क्वेंटिन अंकल और सूटी बहुत हैरानी में पलटे। वे टिमी और रोमांचित बच्चों के पास आ गए।

जॉर्ज के डैडी ने जॉर्ज को गले लगाते हुए कहा, 'तुम लोग यहाँ कैसे पहुँचे? क्या टिमी लौटकर तुम्हारे पास गया था? वह अचानक हमें छोड़कर सुरंग में भाग गया था।'

'अब बताओ, क्या हुआ?' सूटी ने उत्सुकता से पूछा। वह जानता था कि बाक़ी बच्चों के पास उसे सुनाने के लिए बहुत सी बातें होंगी।

'बहुत कुछ,' जॉर्ज बोली। उसका चेहरा ख़ुशी से चमक रहा था। सबका साथ उसे अच्छा लग रहा था, ख़ास तौर पर जब टिमी भी साथ था। जॉर्ज, जूलियन और डिक ने सारी बात बताई। फिर उसके डैडी ने

अपना हाल सुनाया और बीच में सूटी ने भी थोड़ी सी बातें कहीं।

जूलियन ने आख़िरकार कहा, 'मुझे लगता है अब हमें लौट चलना चाहिए, वरना पुलिस हमें खोजने के लिए यहाँ अपने कुत्ते भेज देगी! मिस्टर लेनॉयर हम सभी को एक साथ लौटते देखकर बहुत हैरान होंगे।'

'काश मैं पाजामे में न होता,' उसके अंकल ने अपने चारों तरफ़ कंबल लपेटते हुए कहा। 'सड़कों पर इस हाल में चलना बहुत अजीब लगेगा!'

'चिंता मत करिए – इस समय बहुत धुँध है,' जॉर्ज थोड़ी काँप रही थी, क्योंकि हवा में नमी थी। 'टिमी – हमें इस जगह से बाहर पहुँचने का रास्ता दिखाओ। मुझे यक़ीन है कि तुम्हें रास्ता पता होगा।'

टिमी पहले कभी सुरंग के बाहर नहीं गया था, लेकिन ऐसा लगता था कि उसे समस्या का हल पता था। वह पहाड़ी की तलहटी से घूमता हुआ आगे बढ़ा। बाक़ी लोग उसके पीछे-पीछे चल रहे थे और इस बात पर हैरान हो रहे थे कि टिमी ने सूखा रास्ता कैसे खोज लिया। धुँध में यह देखना असंभव था कि कौन सी जगह सूखी थी और किस जगह पर दलदल था। गंदा और जानलेवा दलदल उनके चारों तरफ़ फैला हुआ था!

जूलियन अचानक चिल्लाया, 'हुर्रा! वह रही सड़क!' उन्हें वह सड़क दिख गई थी, जो पहाड़ी के ऊपर जाती

थी। गीले और गंदे कीचड़ में सने पैरों से वे वहाँ तक पहुँच ही गए। टिमी ने छलाँग मारकर सड़क पर पहुँचने की कोशिश की।

लेकिन वह फिसल गया! और वह दलदल में गिर गया। उसने सूखी ज़मीन पर पैर जमाने की कोशिश की, लेकिन उसे ऐसी कोई जगह नहीं मिली। वह कूँ-कूँ करने लगा।

जॉर्ज दहशत में चीख़ी, 'टिमी! ओह देखो, टिमी दलदल में गिर गया है – और वह डूब रहा है! टिमी, टिमी, मैं वहाँ आ रही हूँ!'

वह टिमी को बचाने के लिए दलदल में उतरना चाहती थी, लेकिन उसके डैडी ने उसे जल्दी से पीछे खींच लिया। वे चिल्लाकर बोले, 'क्या तुम भी डूबना चाहती हो? टिमी सही-सलामत बाहर निकल आएगा।'

लेकिन वह बाहर नहीं निकल पा रहा था। वह तो डूब रहा था। 'कुछ करो, कुछ करो!' जॉर्ज अपने डैडी की पकड़ से छूटने की कोशिश करते हुए बोली। 'टिमी को बचा लो, जल्दी कुछ करो!'

22

आख़िर सब कुछ ठीक हो जाता है

लेकिन कोई क्या कर सकता था? हताशा में वे सभी बेचारे टिमी को देखते रहे, जो अपनी पूरी ताक़त से जानलेवा कीचड़ से संघर्ष कर रहा था। एन रोने लगी, 'वह नीचे धँसता जा रहा है!'

अचानक पहाड़ी तक जाने वाली सड़क पर पहियों की आवाज़ आई। एक लॉरी आ रही थी, जो पहाड़ी पर सामान ले जा रही थी - कोयला, कोक, पटिये, लट्ठे और बहुत सी चीज़ों के बोरे। जॉर्ज उसे रोकते हुए चिल्लाई।

'रुकिए, रुकिए! हमारी मदद कीजिए! हमारा कुत्ता दलदल में गिर गया है।'

लॉरी रुक गई। जॉर्ज के डैडी ने उसमें लदे सामान पर एक नज़र डाली। एक ही पल में उन्होंने और जूलियन ने कुछ पटिये खींच लिए। उन्होंने इन्हें दलदल में फेंका और सीढ़ी के रूप में इनका इस्तेमाल करते हुए वे दोनों डूबते हुए टिमी के पास पहुँच गए।

लॉरी का ड्राइवर भी उनकी मदद करने के लिए वहाँ आ गया। दलदल में जो पटिये डले थे, उन पर कुछ

और लट्ठे फेंके गए, ताकि सुरक्षित रास्ता बन जाए। पहले वाले पटिए दलदल में धँसने लगे थे।

एन चिल्लाई, 'क्वेंटिन अंकल ने टिमी को पकड़ लिया है – वे उसे ऊपर खींच रहे हैं! उन्होंने उसे पकड़ लिया है!'

जॉर्ज अचानक सफ़ेद चेहरे के साथ सड़क के कोने पर बैठ गई। जब उसने देखा कि अब टिमी बच जाएगा, तो उसने राहत की साँस ली।

टिमी को पूरी तरह से बाहर निकालना मुश्किल काम था, क्योंकि कीचड़ बहुत चिपचिपा था और पूरी ताक़त से उसे नीचे खींच रहा था। लेकिन आख़िरकार वह बाहर आ गया। फिर वह लड़खड़ाता हुआ पटिये से ज़मीन पर आया और अपनी कीचड़ से सनी पूँछ को हिलाने लगा।

हालाँकि वह गंदे कीचड़ से सना था, लेकिन जॉर्ज ने उसके चारों तरफ़ अपनी बाँहें डाल दीं और बोली, 'ओह टिमी – तुमने हम सभी को कितना डरा दिया था! ओह, तुम्हारे पास से बहुत बुरी बदबू आ रही है – लेकिन मुझे इस बात की ज़रा भी परवाह नहीं है! टिमी, मुझे लगा था कि तुम हमेशा के लिए चले गए हो!'

लॉरी का ड्राइवर दुखी होकर अपने पटियों और लट्ठों को दलदल में डूबते हुए देखता रहा। वे अब कीचड़ के नीचे ओझल हो गए थे। क्वेंटिन अंकल, जो

पाजामे और कंबलों में लिपटे हुए थोड़े मूर्ख महसूस कर रहे थे, उससे बोले।

'मेरे पास इस समय पैसे नहीं हैं, लेकिन अगर आप किसी समय स्मगलर विला में आ जाएँ, तो मैं आपके डूबे पटियों और मदद के लिए आपको अच्छे पैसे दूँगा।'

'मुझे स्मगलर विला के पास वाले मकान में कोयला पहुँचाने जाना है,' उस आदमी ने क्वेंटिन अंकल की अजीब सी पोशाक को देखते हुए कहा। 'शायद आप लोगों को लिफ़्ट चाहिए? लॉरी में पीछे काफ़ी जगह है।'

अब अँधेरा होने लगा था। कोहरा भी था और सब लोग थक भी चुके थे। वे सब कृतज्ञता से लॉरी में चढ़ गए, जो पहाड़ी पर चढ़ने लगी। जल्दी ही वे सभी स्मगलर विला में पहुँच गए। वे नीचे उतरे और उन्हें ऐसा लगा जैसे उनके शरीर अकड़ गए हों।

'मैं कल आऊँगा,' ड्राइवर बोला। 'अभी नहीं रुक सकता। अभी बहुत जल्दी है। गुड ईवनिंग!'

उन लोगों ने घंटी बजाई। सारा जल्दी-जल्दी दरवाज़े तक आई। जब उसने हॉल के लैंप की रोशनी में उन सबको वहाँ खड़े देखा, तो वह हैरानी के कारण गिरते-गिरते बची।

'हे भगवान!' वह बोली। 'आप सब आ गए! ओह, मिस्टर और मिसेज़ लेनॉयर आप सभी को देखकर कितने ख़ुश होंगे - उन्होंने पुलिस से हर जगह आप

लोगों की तलाश करवाई है! वे ख़ुफ़िया गलियारों में भी गए थे और मिस्टर बार्लिंग के घर पर भी और -'

तभी टिमी उछलता हुआ हॉल में आ गया। अब उसके शरीर पर लगा कीचड़ सूख रहा था, इसलिए वह बहुत अजीब दिख रहा था। सारा की चीख़ निकल गई, 'यह क्या है? कहीं यह कुत्ता तो नहीं है!'

'यहाँ आओ, टिम!' जॉर्ज को अचानक याद आया कि मिस्टर लेनॉयर कुत्तों से नफ़रत करते थे। 'सारा, क्या तुम्हें लगता है कि तुम टिमी को किचन में अपने साथ ले जाओगी? मैं उसे सड़कों पर तो नहीं छोड़ सकती - तुम्हें पता नहीं है, उसने कितनी बहादुरी दिखाई है।'

'चलो, चलो!' उसके डैडी इस बारे में इतनी लंबी बातचीत होते देखकर बेचैन हो गए। 'लेनॉयर कुछ मिनट तक तो टिमी को बर्दाश्त कर सकता है!'

सारा ने कहा, 'ओह, मैं उसे ख़ुशी से रख लूँगी! मैं उसे नहला भी दूँगी। उसे इसी चीज़ की ज़रूरत है। मिस्टर और मिसेज़ लेनॉयर बैठक में हैं। ओह, क्या मैं आपके लिए कुछ कपड़े लाऊँ?'

वे लोग बैठक की तरफ़ चल दिए। टिमी रोमांचित सारा के साथ किचन में चला गया। मिस्टर लेनॉयर ने बातचीत की आवाज़ सुनकर बैठक का दरवाज़ा खोला।

मिसेज़ लेनॉयर ने सूटी को गले से लगा लिया और

उनके गालों पर आँसू बहने लगे। मैरीबेल ख़ुशी से सूटी पर कुत्ते की तरह पंजे मारने लगी! मिस्टर लेनॉयर ने अपने हाथ मले, सबकी पीठ थपथपाई और बोले, 'वाह, वाह! यह देखकर अच्छा लगा कि सभी लोग सही-सलामत हैं। वाह, वाह! मुझे यक़ीन है कि तुम लोगों के पास सुनाने के लिए ज़ोरदार कहानी होगी!'

'बहुत अजीब कहानी है, लेनॉयर,' जॉर्ज के डैडी बोले। 'बहुत ही अजीब। लेकिन इसे सुनाने से पहले मुझे अपने पैरों पर ध्यान देना होगा। मैं नंगे पैर मीलों चला हूँ और मेरे पैर बहुत दुख रहे हैं!'

पूरा घर क्वेंटिन अंकल के पैरों के लिए गर्म पानी और ड्रेसिंग गाउन लेने के लिए भागा। सब लोगों के लिए खाने का इंतज़ाम किया गया। यह बहुत अच्छा लग रहा था। रोमांचक अभियान ख़त्म होने के बाद बच्चे सारी बातें बताते समय ख़ुद को बड़ा महत्वपूर्ण समझ रहे थे।

इसके बाद पुलिस आई और इंस्पेक्टर ने बहुत से सवाल पूछे। हर बच्चा उनका जवाब देना चाहता था, लेकिन इंस्पेक्टर ने कहा कि सिर्फ़ जॉर्ज के डैडी, सूटी और जॉर्ज ही जवाब दें, क्योंकि उन्हीं को सबसे ज़्यादा जानकारी है।

मिस्टर लेनॉयर शायद वहाँ पर सबसे ज़्यादा हैरान व्यक्ति थे। जब उन्होंने सुना कि मिस्टर बार्लिंग ने

दलदल ख़ाली करने की योजनाओं को ख़रीदने की कोशिश की थी और यह खुलकर स्वीकार किया था कि वे एक स्मगलर हैं, तो वे अपनी कुर्सी से टिक गए। उनके मुँह से शब्द ही नहीं निकले।

'वह पागल है, और क्या!' इंस्पेक्टर ने कहा। 'इस दुनिया में तो रहता ही नहीं है! वक़्त बदल चुका है, लेकिन वह नहीं बदला है।'

'यही तो मैंने उनसे कहा था,' सूटी बोला। 'मैंने उनसे कहा था कि उन्हें सौ साल पहले पैदा होना चाहिए था!'

इंस्पेक्टर ने कहा, 'हमने उसे कई बार स्मगलिंग के धंधे में पकड़ने की कोशिश की है। लेकिन वह बहुत चालाक है। ज़रा सोचो तो सही, उसने ब्लॉक को यहाँ अपना जासूस बनाकर भेजा था। यह बहुत चालाकी का काम था – और ब्लॉक रोशनी के संकेत करने के लिए आपकी मीनार का इस्तेमाल कर रहा था! बड़ी हिम्मत का काम था! और ब्लॉक बहरा भी नहीं है? यह भी बहुत चालाकी का काम था – बहरेपन का नाटक करना, ताकि उसे बहुत सी ऐसी बातें पता चल जाएँ, जो कोई उसे बताना नहीं चाहता था!'

जूलियन ने अचानक पूछा, 'क्या आपको लगता है कि हमें ब्लॉक, मिस्टर बार्लिंग और तीसरे आदमी के बारे में कुछ करना चाहिए? जहाँ तक हमें पता है, वे

अब भी सुरंगों की भूलभुलैया में भटक रहे होंगे - और उनमें से दो को टिमी ने काट खाया था।'

'हाँ - उस कुत्ते ने तुम्हारी जान बचाई है,' इंस्पेक्टर ने कहा। 'तुम्हारी क़िस्मत अच्छी थी। माफ़ कीजिए मिस्टर लेनॉयर, आप कुत्तों को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन आप यह तो मानेंगे कि उसका वहाँ पर पहुँचना आपके लिए बहुत अच्छा रहा!'

'हाँ - हाँ,' मिस्टर लेनॉयर ने कहा। 'ज़ाहिर है, ब्लॉक को भी यहाँ पर कुत्ते पसंद नहीं थे - उसे डर होगा कि वे शायद उसके चोरी छिपे आने-जाने पर भौंक सकते हैं। वैसे वह शानदार और बहादुर कुत्ता है कहाँ? मुझे उसे एक पल देखने में कोई एतराज़ नहीं है - हालाँकि मुझे कुत्तों से नफ़रत है और हमेशा रहेगी।'

'मैं उसे लेकर आती हूँ,' जॉर्ज बोली। 'मुझे उम्मीद है कि सारा ने उसे नहला दिया होगा, जैसा उसने कहा था। वह कीचड़ में लथपथ था!'

जॉर्ज बाहर गई और टिमी को लेकर लौटी। लेकिन अब टिमी का हुलिया बदल चुका था! सारा ने उसे गर्म पानी से अच्छी तरह नहलाकर पोंछ दिया था। उसके पास से ख़ुशबू आ रही थी, उसके बाल साफ़ थे और वह पेट भरकर खा चुका था। अब वह ख़ुद से और दुनिया से बहुत ख़ुश नज़र आ रहा था।

'टिमी - एक दोस्त से मिलो,' जॉर्ज ने उससे गंभीरता

से कहा। टिमी ने अपनी बड़ी-बड़ी भूरी आँखों से मिस्टर लेनॉयर को देखा। वह सीधे उनके पास गया और अपना दाहिना पंजा उनसे हाथ मिलाने के लिए आगे बढ़ा दिया, जैसा जॉर्ज ने उसे सिखाया था।

मिस्टर लेनॉयर हैरान रह गए। वे कुत्तों में शिष्टाचार देखने के आदी नहीं थे। उन्होंने भी टिमी की तरफ़ हाथ बढ़ा दिया और दोनों ने बहुत दोस्ताना अंदाज़ में हाथ मिलाए। टिमी ने मिस्टर लेनॉयर को चाटने या चूमने की कोशिश नहीं की। उसने अपना पंजा पीछे किया और धीरे से भौंका, जैसे पूछ रहा हो, 'आप कैसे हैं?' फिर वह जॉर्ज के पास जाकर लेट गया। मिस्टर लेनॉयर ने हैरानी से कहा, 'वह तो कुत्ते जैसा दिखता ही नहीं है!'

'लेकिन वह कुत्ता ही है,' जॉर्ज ने तत्काल गंभीरता से कहा। 'वह एक कुत्ता ही है, मिस्टर लेनॉयर – फ़र्क़ सिर्फ़ इतना है कि वह दूसरे कुत्तों से ज़्यादा चतुर और समझदार है। क्या मैं उसे यहाँ अपने साथ रख सकती हूँ या क़स्बे में किसी को उसकी देखभाल का ज़िम्मा सौंप सकती हूँ?'

'चूँकि वह इतना बढ़िया और समझदार कुत्ता है, इसलिए मैं तुम्हें उसे यहाँ रखने दूँगा,' मिस्टर लेनॉयर ने उदार होने की काफ़ी कोशिश करते हुए कहा। 'लेकिन मेहरबानी करके उसे मुझसे दूर ही रखना। मुझे यक़ीन

है कि तुम जैसा समझदार लड़का इस बात का पूरा ध्यान रखेगा।'

जब मिस्टर लेनॉयर ने जॉर्ज को लड़का कहा, तो सभी मुस्करा दिए। उन्हें अब तक यह बात समझ में ही नहीं आई थी कि जॉर्ज लड़की थी। जॉर्ज भी मुस्करा दी। वह उन्हें कभी नहीं बताने वाली थी कि वह लड़का नहीं थी!

जॉर्ज ने ख़ुशी से कहा, 'टिमी आपको दिखेगा तक नहीं! मैं उसे आपके रास्ते से दूर रखूँगी। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। यह आपने बहुत अच्छी बात कही।'

इंस्पेक्टर को भी टिमी पसंद आया था। उसने जॉर्ज से कहा, 'अगर तुम उसे कभी बेचना चाहो, तो मुझे बता देना, मैं उसे ख़रीद लूँगा! पुलिस में ऐसे बहादुर कुत्ते की बहुत ज़रूरत है! वह जल्दी ही हमारे लिए सारे चोर-बदमाशों को पकड़ लाएगा!'

जॉर्ज ने जवाब देने का कष्ट नहीं किया! जैसे वह कभी टिमी को बेचेगी या पुलिस में जाने देगी!

चाहे जो हो, इंस्पेक्टर को जल्दी ही टिमी की मदद लेनी पड़ी। जब अगले दिन भी किसी को सुरंगों की भूलभुलैया में मिस्टर बार्लिंग और उनके साथी नहीं मिले और वे किसी दूसरी जगह भी नहीं दिखे, तो इंस्पेक्टर ने जॉर्ज से कहा कि टिमी को सुरंगों में उन्हें खोजना ही

पड़ेगा।

उसने कहा, 'हम उन्हें वहाँ पर भूखे नहीं मरने दे सकते। हालाँकि वे बुरे हैं, लेकिन हमें उन्हें बचाना ही होगा। सिर्फ़ टिमी ही उन्हें खोज सकता है।'

यह सच था। इसलिए टिमी एक बार फिर पहाड़ी के नीचे बनी सुरंगों में गया और अपने दुश्मनों को खोजने लगा। कुछ समय बाद टिमी को वे मिल गए। वे गलियारों की भूलभुलैया में भटक रहे थे। वे भूखे-प्यासे और डरे हुए थे और दर्द के मारे कराह रहे थे।

टिमी उन्हें भेड़ों की तरह वहाँ ले गया, जहाँ पुलिस वाले उनका इंतज़ार कर रहे थे। और उसके बाद मिस्टर बार्लिंग और उनके दोस्त काफ़ी लंबे समय तक नहीं दिखे!

मिस्टर लेनॉयर ने कहा, 'पुलिस उन्हें पकड़कर ख़ुश हो रही होगी। पुलिस वाले काफ़ी लंबे समय से इस स्मगलिंग को रोकने की कोशिश कर रहे थे। एक बार तो उन्होंने *मुझ* पर भी शक किया था! बार्लिंग चतुर था, हालाँकि मुझे अब भी लगता है कि वह आधा पागल था। जब ब्लॉक को दलदल सुखाने के मेरे विचार का पता लगा, तो बार्लिंग डर गया कि अगर धुँध और दलदल चला गया, तो उसके स्मगलिंग के रोमांच का अंत हो जाएगा – फिर स्मगलिंग नहीं हो पाएगी! फिर वह अपने छोटे जहाज़ों का इंतज़ार भी नहीं कर पाएगा, जो कोहरे

में आते हैं। दलदल के ख़ुफ़िया रास्तों पर उसके आदमियों की लंबी क़तारें नहीं जा पाएँगी। न ही रोशनी के संकेत हो पाएँगे और स्मगलिंग का सामान छिप पाएगा। क्या तुम्हें पता है कि पुलिस को पहाड़ी के भीतर एक गुफा में बहुत सा सामान भरा मिला है?'

रोमांचक अभियान ख़त्म होने के बाद उसके बारे में बातें करना बहुत मज़ेदार था। बच्चों को सिर्फ़ एक ही बात का अफ़सोस था। और वो बात यह थी कि उन्होंने मिस्टर लेनॉयर को इतना बुरा मान लिया था। वे कई मायनों में अजीब थे, लेकिन वे दयालु और ख़ुशमिजाज़ भी थे।

सूटी ने कहा, 'क्या तुम जानते हो कि हम स्मगलर विला छोड़कर जा रहे हैं? जब मैं लापता हो गया था, तो मम्मी बहुत परेशान थीं। उस समय डैडी ने उनसे यह वादा किया था कि अगर मैं सही-सलामत लौट आऊँगा, तो वे यह मकान बेचकर कास्टअवे से दूर चले जाएँगे। मम्मी बहुत ख़ुश हैं!'

'मैं भी,' मेरीबेल बोली। 'मुझे स्मगलर विला पसंद नहीं है। यह बहुत अजीब और रहस्यमय और वीरान है!'

'अगर तुम सबको यहाँ से जाना अच्छा लग रहा है, तो मैं भी ख़ुश हूँ,' जूलियन बोला। 'लेकिन *मुझे* यह जगह पसंद है! मुझे लगता है कि पहाड़ी की चोटी पर

बना यह मकान बहुत अच्छा है, जिसके नीचे धुँध है और चारों तरफ़ ख़ुफ़िया रास्ते हैं। अगर तुम लोग यहाँ से चले जाओगे, तो मुझे अफ़सोस होगा कि मैं यहाँ फिर कभी नहीं आ पाऊँगा।'

'मुझे भी,' डिक बोला और एन और जॉर्ज ने भी सहमति में सिर हिलाया।

जॉर्ज ने टिमी को थपथपाते हुए कहा, 'यह बहुत रोमांचक जगह है! है ना, टिमी? यह *तुम्हें* पसंद है, टिमी? क्या *तुम्हें* यहाँ के रोमांचक अभियान में मज़ा आया?'

'भौं!' टिमी बोला और उसने फ़र्श पर अपनी पूँछ पटकी। ज़ाहिर है, उसे इस अभियान में बहुत मज़ा आया था। जब तक जॉर्ज आस-पास रहे, उसे हमेशा मज़ा आता था।

'अच्छा - तो अब शायद हमारा समय बहुत शांतिपूर्ण रहेगा!' मैरीबेल बोली। 'मैं अब और कोई रोमांचक अभियान नहीं चाहती हूँ।'

'लेकिन *हम* तो चाहते हैं!' बाक़ी लोग बोले। इसमें कोई शक नहीं कि वे आगे भी रोमांचक अभियानों में शामिल होंगे। यह बात तो तय है कि रोमांच उन्हीं को नसीब होता है, जो इसे पसंद करते हैं!

फ़ेमस 5

फ़ेमस फ़ाइव स्मगलर विला में रहने जाते हैं और जल्दी ही उनके सामने एक गुत्थी आ जाती है। स्मगलर विला एक पुराना मकान है, जिसमें छिपने की बहुत सी ख़ुफ़िया जगहें हैं और उसके नीचे सुरंगें भी हैं। लेकिन सिर्फ़ फ़ेमस फ़ाइव को ही यह बात पता नहीं है... कोई और भी उन सुरंगों का इस्तेमाल कर रहा है!

फ़ेमस फ़ाइव को यह पता लगाना है कि वह कौन है और ऐसा क्यों कर रहा है...?

Rs. 85

MANJUL

AHW HPB Hindi Series